राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 2579 मूल्य 60.00

सुपर कमांडो
ध्रुव

राजनगर रक्षक

इंस्पेक्टर
स्टील

सर्वनायक वर्ष 2015

SUSHANT PANDA
2015

BRITISH INDIAN ARMY BASECAMP, RAJGADH DESERTS, WORLD WAR 2

द्वितीय विश्वयुद्ध का वह दौर जब हिन्दुस्तान अंग्रेजों की ब्रिटिश कॉलोनीज् में से एक था और हिन्दुस्तानी जवान विश्वयुद्ध में नाजियों व एक्सिस पॉवर्स के खिलाफ लड़ रहे थे।

तुम्हें उस जगह की अच्छी तरह जानकारी है ना कमांडर बेट्स?

निश्चिंत रहिए प्रोफेसर हैमंड, मैंने अपनी सर्विस के पिछले पांच साल इस एरिया में बिताए हैं।

मानवता को शर्मसार करने वाले हॉलोकॉस्ट और जीनोसाइड से लेकर इस सृष्टि और मानवता पर कभी न मिट पाने वाले बदनुमा दाग हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु ब्लास्ट, सब कुछ देख लिया था मानवता ने।

पर क्या वाकई सब कुछ देख लिया था मानवता ने या अब भी कुछ बाकी था?

राजगढ़ के रेगि-स्तान और उनसे जुड़े राजगढ़ फॉरेस्ट्स के चप्पे-चप्पे का मैप मेरे दिमाग में छपा हुआ है।

गुड बेट्स! हमें फौरन उस स्थान पर पहुंचना होगा इस...इस बक्से को सुरक्षित करना बेहद जरूरी है।

प्रोफेसर! एक्सिस पावर्स के विरुद्ध विश्व युद्ध में जो चीज हमारी जीत का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकती है उसे हम एक छोटी सी ब्रिटिश कॉलोनी के किसी अज्ञात स्थान पर क्यों छुपा रहे हैं?

कुछ ऐसा जो अब तक हुए किसी भी नरसंहार से कहीं अधिक भयानक और वीभत्स था।

पहली बात तो यह बेट्स कि इंडिया छोटी सी ब्रिटिश कॉलोनी मात्र नहीं है, मत भूलो कि हम अब जाकर जिन एटॉमिक वेपन्स को डेवेलप कर पाए हैं इंडियंस ने रामायण-महाभारत के समय ही उनका प्रयोग ब्रह्मास्त्रों के रूप में किया था। इंडिया का प्राचीन विज्ञान हमसे हमेशा आगे रहा है और शायद हमेशा रहेगा।

ब्रिटिश आर्मी एंड इंटेलिजेंस के वैज्ञानिक प्रोफेसर क्रिस्टोफर हैमंड ने अपने देश को इस महायुद्ध में आगे रखने की होड़ में ऐसा आविष्कार कर दिया था जो विभत्सता की सारी हदें तोड़ने की कुबत रखता था।

और जहां तक सवाल इस चीज के विश्वयुद्ध में प्रयोग का है, कुछ चीजें हार और जीत से बहुत ऊपर होती हैं बेट्स।

एटॉमिक वेपन्स ने वैसे भी मानव सभ्यता को विनाश के निकट धकेल दिया है अगर इस चीज का प्रयोग विश्वयुद्ध में हो गया तो दुनिया कल की बजाए आज खत्म हो जाएगी।

और अब हैमंड को अपने ही बनाए शैतान से पीछा छुड़ाना था।

हम पहुंच गए हैं प्रोफेसर!

बस इन झाड़ियों और हम्फ... पत्थरों को हटाना होगा।

रुको मैं भी तुम्हारी मदद करता हूं बेट्स!

पर क्या यह इतना आसान था?

चींचीं

गरड़ गरड़

चींचीं

हम्फ... यह स्थान वाकई काफी दुर्गम है।

चींचीं

चींचीं

मैं टॉर्च साथ ले आया था।

यह सुरंग कितनी गहरी है?

कोई नहीं जानता प्रोफेसर, पर यह सुरंग कम और अंधा कुआं ज्यादा लगती है।

देखिए इसमें गिरने वाले पत्थरों की तलहटी से टकराने की आवाज भी नहीं आ रही।

तुम सही थे बेट्स, यह जगह इस मनहूस आविष्कार को दुनिया की नजरों से छुपाने के लिए बिलकुल उपयुक्त है।

दुनिया के सबसे विध्वंसक हथियार का राज हमेशा के लिए इस अंधकूप में दफन हो गया।

शायद नहीं, अपने आविष्कार को दुनिया से छुपाने के लिए हैमंड का हिन्दुस्तान आना भाग्य का खेल था या खुद शैतान की सजाई शतरंज की कोई बिसात यह तो सिर्फ समय जानता था।

पर गलत इरादों से किए गए किसी भी आगाज का अंजाम हमेशा गलत ही होता है।

राज हमेशा के लिए दफन करने हों तो राजदार को भी राज के साथ दफन कर देना चाहिए।

य... यह आप क्या कर रहे हैं प्रोफेसर!!

आई एम् सॉरी बेट्स...

...पर दुनिया को बचाने के लिए कुर्बानियां देनी पड़ती हैं।

चीं चीन चीं

मुझे यकीन है कि अब दुनिया सुरक्षित...

गलत अंजाम अपने अगुआ के साथ-साथ उनको भी चपेट में लेता है जिनका उस आगाज और आने वाले अंजाम से अगर कोई रिश्ता है तो सिर्फ इतना कि...

...वह अंजाम उनका भी मुकद्दर बनने वाला है। हैमंड के किए उस गलत आगाज का अंजाम...

नहींऽऽऽ

...लगभग छः दशकों बाद किसी और के मुक्कदर का अंजाम बनेगा इसकी कल्पना तो शायद हैमंड ने मरते वक्त भी नहीं की होगी।

इन दशकों ने पूरी दुनिया का नक्शा बदल दिया था...

हिन्दुस्तान का भी। जहां कभी बीहड़ जंगल और राजगढ़ के रेगिस्तान थे।

वह जगह आज देश के सर्वाधिक खतरनाक क्षेत्र हाइबरनेशन के रूप में जानी जाती है।

अब से मात्र दो दिन पहले तक यह जगह देश के अतिविकसित मेट्रोपोलिटन राज-नगर के रूप में जानी जाती थी पर हैमंड जिस जलजले को दुनिया से छुपाना चाहता था उसने ही विनाश किया राजनगर का और उनका जो कहलाते थे...

संजय गुप्ता प्रस्तुत करते हैं!

राजनगर रक्षक

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

डेल्टा फोर्स 098 टू बेस, हम हाइबर्नेशन में प्रवेश कर रहे हैं, ओवर!

डेल्टा फोर्स 098, हाइबर्नेशन का वर्तमान परिदृश्य क्या है?

ऐसा लगता है जैसे यह कोई बुरा ख्वाब हो।

यकीन नहीं हो रहा कि यह जगह अबसे सिर्फ दो दिन पहले तक देश की अत्याधुनिक मेट्रोपोलिटन राजनगर थी।

ध्यान रखें आप रेस्क्यु मिशन पर हैं, जल्द से जल्द सब्जेक्ट को ढूंढो और निकलो उस नरक से।

RAJNAGAR

लेखनः स्तुति मिश्रा
चित्रांकनः सुशांत पंडा
रंग सज्जाः सादिया, भक्त रंजन, मोहन प्रभु
कैलीग्राफीः नीरू, मंदार
संपादकः मनीष गुप्ता

HIBERNATION, SOUTH EX. PREVIOUSLY KNOWN AS RAJNAGAR.

यह इतना आसान नहीं है, इतनी ऊंचाई से सिर्फ धुंए के गुबार और ध्वस्त इमारतें ही नजर आ रही हैं।

सब्जेक्ट को तलाशने के लिए हमें नीचे लैंड करना होगा।

बिलकुल नहीं डेल्टा फोर्स, यह एक आत्मघाती कदम होगा। तुम ऊपर ही सर्कुलेट करते रहो...

सब्जेक्ट खुद ही तुम तक पहुंचने का कोई तरीका निकालेगी। अगर वह अब तक जिंदा है तो।

मैं उसे देख सकता हूं, वह यकीनन इंडियन आर्मी का ही प्लेन है। हमें किसी तरह उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना होगा।

यह तो आसान काम है...

...इस ह्यूमनॉइड के एनर्जी ब्लास्ट में हमारे परखच्चे उड़ने से पायलट का ध्यान जरूर हम पर जाएगा।

रेणु! उसके आगे से हटो!!

पीटर को छोड़-कर नहीं करीम!

TARGET BIOLOGICAL ENTITIES. ENERGY BLAST IN...

05

04

03

02

01

बूम

रेणु! तुम श्वेता को संभालो यह अभी भी शॉक में है। हमें उस प्लेन तक इसे पहुंचाने का कोई रास्ता ढूंढ़ना होगा।
सुबक सुबक!
मुझे नीचे कुछ एक्टिविटी दिखाई दी है सर, प्लेन नीचे उतारना होगा।

बूडूम
DAMN IT!
WE ARE BUSTED!

ABANDONED NUCLEAR PLANT.
INDUSTRIAL AREA, NORTH EX.
SECTOR 10, HIBERNATION. NOW.

TARGET AHEAD.

EXTERMINATE IN...

05...

यही आखिरी मौका है...

04...

03...

02...

शायद मेरे पास दो-तीन सेकेंड्स से भी कम समय है इस मेन होल के ढक्कन को हटाने...

क्लिक

01...

...और...

जूम जूम

धूम धड़ाम

...इस मेन होल में कूद कर इन ह्यूमनॉइड्स के एनर्जी ब्लाट्स के यहां फैली ज्वलनशील गैसेज के संपर्क में आने से होने वाले जबर्दस्त ब्लास्ट से बचने के लिए, जो आस-पास कई किलोमीटर में आने वाली हर चीज के परखच्चे उड़ा देगा।

सही समय पर यह मेन होल मुझे नजर आ गया वर्ना उन ह्यूमनॉइड्स के एनर्जी ब्लास्ट्स मुझे अपना निशाना बना पाते या नहीं, गैसेज से होने वाले ब्लास्ट से बच पाना असंभव था।

पर खतरा अभी टला नहीं है।

अनगिनत रसायनों से दूषित यह गटर का पानी ना जाने मुझ पर क्या प्रभाव डालेगा, पर फिलहाल जान बचाने का यही एक रास्ता है।

जब तक ज्वलनशील गैसेस गटर में हैं मुझे पानी के नीचे ही रहना होगा और आगे बढ़ना होगा...

...इस गटर के अगले एग्जिट पॉइंट तक।

हम्फ!

NORTH EX. SECTOR 11, NOW.

कमांडो फोर्स को मैंने यहीं छोड़ा था। पता नहीं उन्हें श्वेता मिली या...

नहीं...??!!

(सुबुक-सुबुक)

श्वेता!! तू ठीक तो है न!!

भईया!(सुबुक-सुबुक)

उसने सबको खत्म कर दिया भईया (सुबुक-सुबुक)... रेणु, पीटर, करीम कोइ नहीं बचा।

और अब...

...तुम्हारी...

...बारी है।

श्वेता!

च्यूम

श्वेता! यह क्या हो गया है तुझे?

उसने क्या किया है तुम्हारे साथ?

गलत सवाल, ध्रुव!

तुम्हारा सवाल यह होना चाहिए कि...

हम
तुम्हारे साथ क्या
करेंगे?

"मेरे कॉम्बेट ड्रोन से बच
पाना असंभव है ध्रुव..."

MONTHS AGO, RAJNAGAR.

यह तुम्हारी जिन्दगी की सबसे बड़ी हार होने वाली है।

ऐसे बोगस डाईलॉग्स हर विलेन बोलता है, मार खाने से पहले।

एक्चुअली ऐसे डाईलॉग सुनने के बाद विलेन की दुगनी पिटाई करने का मन करता है...

...सो मूड बनाने के लिए थैंक्स।

अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हारा हास-परिहास और चार्म इन ड्रोन्स को मात दे सकता है तो...

...तुम्हें सिर्फ निराशा ही मिलेगी! इन ड्रोन्स की माइक्रो आर्टि-फिशियल इंटेलीजेंस प्रोग्रामिंग में तुम्हारी डिटेल्स फीड हैं।

इनके डी.एन.ए. सैम्पलर तुम्हारी लोकेशन पांच किलोमीटर के रेडियस में कहीं भी ट्रेस कर सकते हैं।

इन ड्रोन्स की गति बहुत तेज है पार्क की घास पर मेरे स्केट्स इनकी गति का मुकाबला नहीं कर सकते...

लेकिन पार्क में एक चीज जरूर है जो इनका मुकाबला करने में मेरी मदद कर सकती है...

बस मुझे उस तक पहुंचना होगा।

बेकार की भाग-दौड़ करने से कोई फायदा नहीं है, ध्रुव! तुम इनकी जेट स्पीड को मात नहीं दे सकते।

जूम

अरे! तुम रुक क्यों गए? ओ, लगता है मेरे ड्रोन्स के आगे तुमने सरेंडर करने का फैसला कर लिया है। गुड डिसीजन।

एक्चुअली मैंने तुम्हारे ड्रोन्स को उनकी सही जगह पहुंचाने का फैसला कर लिया है।

व्रूम

USE M

व्रूम व्रूम

डस्टबिन में।

मुझे तुमसे इससे बेहतर प्लान की उम्मीद थी ध्रुव!

...मेरे ड्रोन्स चार सेकेंड्स में ही इस प्लास्टिक डस्टबिन के परखच्चे उड़ा देंगे।

फर्र कड़ाक कड़ फर्र
बिलकुल उड़ा देंगे...

...पर अफसोस खुद नहीं उड़ पाएंगे।
यह क्या हुआ? इनसे यह धुंआ क्यों निकल रहा है?
घर्र घर्र

क्योंकि तुम्हारे ड्रोन्स के शक्तिशाली सक्शन इंजन ने डस्टबिन में मौजूद पार्क की सूखी घास-फूस और पत्तियों को भीतर खींच लिया है।
फट फट
फट
जिसने ड्रोन्स के मेकेनिज्म को ना सिर्फ चोक कर दिया बल्कि इनके जेट्स में फंस कर आग भी लगा दी।
दिस इज नॉट फेयर भईया...

...इन्हें हराने की कोई और तरकीब नहीं सोच सकते थे?
इन मॉडल्स को डिजाईन करने में मेरा चार महीने का जेबखर्च लग चुका है।
ड्रोन्स के पिटते ही भईया पर उतर आई, अभी तो बड़ा ध्रुव-ध्रुव कर रही थी!
अरे! वह तो मैं थोड़ा विलेन वाला इम्पैक्ट क्रिएट करने की कोशिश कर रही थी...

लेकिन तुमने तो सचमुच विलेन्स वाला काम कर दिया।

मैंने सिर्फ इतना कहा था कि फाइनल प्रेसेंटेशन से पहले इनकी टेस्टिंग करनी है।

तुमने तो इनका फाइनल डेस्टिनेशन ही कर दिया। अब मैं अपने गाइड को क्या मुंह दिखाऊंगी?

हुम्म! पहली बात, मेरी जीनियस बहन के आविष्कार में लेश मात्र की भी कमी हो यह मुझे मंजूर नहीं।

और दूसरी बात, तू मेरे सामने कितना भी नाटक कर ले पर इन ड्रोन्स की कमियां सुधार कर इन्हें री-डिजाइन करने में तुझे कुछ ही घंटे लगेंगे जबकि तेरी फाइनल प्रेसेंटेशन कल है।

सिर्फ तारीफ से काम नहीं चलने वाला, बच्चू!

इन्हें री-डिजाइन करने में जो मोटी रकम लगने वाली है वह भी देनी पड़ेगी।

हाहाहा! बस इतनी सी बात, बता न कितने चाहिए?

ज्यादा नहीं बस... अम्म... 80 हजार से काम चला लूंगी मैं।

80 हजार!! यह तो सरासर लूट है। इससे तो अच्छा होता कि मैं तेरे सड़ियल ड्रोन्स का निशाना बन जाता।

एक तो मेरे इतनी मेहनत से बनाए ड्रोन्स जला दिए फिर पैसा मांगने पर लुटेरा भी बोला, ऊपर से श्वेता दी ग्रेट साइंटिस्ट के इन्वेंशन को सड़ियल बोल दिया...

अरे! ऊपर वाले से कुछ तो डरो...

बड़ा आया सुपर हीरो बनने वाला।

...कचर-पचर-कचर-पचर...

अरे! बस कर, मेरी अम्मा! देता हूं पैसे। अब मेरे कानों को और टॉर्चर मत कर।

वैसे इतना बड़ा चूना जिस प्रोजेक्ट के लिए लग रहा है कम से कम उसके बारे में जानने का हक तो है ही मुझे।

तूने क्या ग्रैंड मास्टर रोबो को ड्रोन्स सप्लाई करने का कॉन्ट्रैक्ट लिया है?

BILEE-PAR

कमिश्नर राजन मेहरा की बेटी और ध्रुव मेहरा की बहन अपराध को बढ़ावा देने वाला कोई काम कर ही नहीं सकती।

मैं पूछ सकता हूं कि वह कौन बेचारा मानसिक आघात से पीड़ित प्राणी है जिसने तुझे अपना शागिर्द चुन लिया?

मैं और मेरे गाइड तो राजनगर की सुरक्षा और अपराध की रोकथाम के लिए यह ड्रोन्स डेवलप कर रहे हैं। जिसका प्रेजेंटेशन हम कल शेहर के मेयर और कमिश्नर ऑफ पुलिस यानी पापा के सामने रखेंगे।

हुंह! तुम जल रहे हो क्योंकि अगर यह प्रोजेक्ट पास हो गया तो तुम्हारी क्राइम फाइटिंग की दुकान बंद हो जाएगी।

और तुम्हारी जानकारी के लिए बता दूं मिस्टर ध्रुव कि मेरे गाइड कोई एरे-गैरे- नत्थू-खैरे नहीं बल्कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों में से एक हैं। उनकी बनाई फर्ज की मशीन राजनगर के चप्पे-चप्पे की रक्षा करती है।

फर्ज की मशीन... इंस्पेक्टर स्टील? यानी... यानी तुम्हारे गाइड...

जी हां! आपका अंदाजा बिल्कुल सही है। इंस्पेक्टर स्टील के निर्माता...

डॉक्टर अनीस रजा!

GENTLEMEN! THIS IS THE FUTURE OF OUR SECURITY SYSTEM.

खिलौनों जैसे नजर आने वाले ये ड्रोन्स एडवांस्ड रोबोटिक्स का वह अहम कदम है जो हमारी अपराध मुक्त भविष्य का निर्माण करने की मुहिम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इन ड्रोन्स की मेमोरी में विश्व भर के हर छोटे से लेकर बड़े क्रिमिनल की बेसिक इन्फॉर्मेशन उसके बायोलॉजिकल प्रोफाइल के साथ फीड होगी... जैसे उसके ब्लड ग्रुप, डी.एन.ए. स्ट्रक्चर, डेंटल रिकार्ड्स इत्यादि जिनकी बिनाह पर यह छुपे हुए अपराधियों तक पहुचेंगे।

चाहे अपराधी कितना ही अंडरग्राउंड क्यों न हो ले यह ड्रोन्स उसके रिकॉर्ड्स से उसे कब्र से भी खोद निकालेंगे।

आपका प्रस्ताव हमारे देश की अपराध नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली में वाकई क्रांतिकारी खोज साबित हो सकता है डॉक्टर रजा पर इनका परिचालन करने के लिए भारी श्रम शक्ति चाहिए।

नॉट एट ऑल, मिस्टर मेयर! इन ड्रोन्स की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन्हें इंडिपेंडेंट रूप से कार्य करने में पूर्णतः सक्षम बनाती है। ये ड्रोन्स सी.सी.टी.वी. कैमरे की तरह पूरे शहर पर नजर रखेंगे और जैसे ही इनके राडार किसी भी अपराधी या घटित होते अपराध की वेव लेंथ कैच करेंगे, ड्रोन्स सक्रीय हो जाएंगे...

ये पुलिस कंट्रोल रूम को अपराध की सूचना देने के साथ-साथ अपराधियों को तब तक रोकेंगे जब तक पुलिस घटना स्थल पर नहीं पहुंच जाती।

छोटे-मोटे गुंडे, मवाली, चोर, गिरहकटों से तो यह ड्रोन खुद ही निपट लेंगे।

एक्सेलेंट! मोस्ट एक्सेलेंट, डॉक्टर अनीस! आपकी बनाई फर्ज की मशीन अपने आप में विज्ञान के भविष्य और देश की सुरक्षा और विकास की मिसाल है।

आपके प्रोजेक्ट 'इंस्पेक्टर स्टील' की सफलता के बाद भारतीय रक्षा मंत्रालय ऐसी और फर्ज की मशीनों का निर्माण कराना चाहता था पर अफसोस जैसा कि आप सब जानते ही हैं कि इंस्पेक्टर स्टील के अलावा आज तक दूसरी फर्ज की मशीन बनाना संभव नहीं हो पाया क्योंकि देश का कानून और मानवता दोनों ही किसी इंसान को मशीन बनाने की इजाजत नहीं देते। पर यह ड्रोन्स तो वास्तव में फ्यूचर पुलिसिंग का आधार बनेंगे।

जब मेयर ने मुझे आपके प्रोजेक्ट के बारे में बताया था मैंने तभी रक्षा मंत्रालय से इस विषय में बात कर ली थी और रक्षा मंत्रालय को इस प्रोजेक्ट के लिए तैयार भी कर लिया है।

आपके ड्रोन्स का प्रथम परिक्षण क्षेत्र राजनगर ही होगा, यदि इनकी कार्यक्षमता हमारी उम्मीदों के अनुरूप हुई तब इन्हें देश के अन्य राज्यों व शहरों में इनस्टॉल किया जाएगा।

कमिश्नर राजन इस पूरे प्रोजेक्ट को खुद सुपरवाइज करेंगे और मुझे रिपोर्ट करेंगे। आल दी बेस्ट जेंटलमैन।

बधाई हो डॉक्टर अनीस!

शुक्रिया कमिश्नर साहब पर इस बधाई का मैं अकेला हकदार नहीं हूं...

सही मायनों में तो बधाई की असली हकदार आपकी बेटी श्वेता है। ये ड्रोन्स इसकी ही परिकल्पना का नतीजा हैं। मार्क, माई वर्ड्स कमिश्नर! आने वाले समय में यह जरूर हमारे देश का और आपका नाम रौशन करेगी।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में उसके गुरु का योगदान सबसे अहम होता है डॉक्टर, अनीस! जब श्वेता को आपके जैसा गुरु मिल गया है तो मुझे यकीन है कि यह आपकी बात जरूर सच साबित करेगी।

ओ कम ऑन बोथ ऑफ यू! मेरी तारीफ आप लोग बाद में करना अभी बहुत काम बाकी पड़ा है।

सबसे पहले ड्रोन्स के ब्लू-प्रिंट्स रिवाइज करने हैं। भईया के सामने तो ये एक मिनट भी नहीं टिके। हमें इनके स्टैंडर्ड्स रिसेट करके इनके फीचर्स री-डिजाइन करने होंगे, इन्हें इस लायक बनाना होगा कि ये भईया से भी मात ना खाएं।

तभी तो ये रोबा या दूसरे सुपर विलेन्स का मुकाबला करने में सक्षम बनेंगे... बक-बक-बक-बक।

मेरी नन्ही-मुन्नी बिटिया पता ही नहीं चला कब इतनी बड़ी और समझदार हो गई।

ईश्वर तुम्हें सफलता दे मेरी बच्ची।

स्पेशल कॉल, यह तो सिर्फ एक ही शख्स करता है वह भी बेहद बड़ी इमरजेंसी में।

रिंग रिंग रिंग

कमिश्नर हियर।

इमरजेंसी है, कमिश्नर! राजनगर बॉर्डर्स पर ब्रिटिश कार्गो पर हमला हुआ है। हमलावरों को इस फ्लाईट की जानकारी पहले से ही थी वे पूरी तैयारी के साथ आए हैं।

व्हाट! ब्रिटिश कार्गो के राजनगर लाए जाने की इनफॉर्मेशन तो हाइली कॉंफिडेंशियल थी, यह लीक कैसे हुई।

दिस इज एन इनसाइड जॉब कमिश्नर। फिलहाल मेरे लिए क्या निर्देश हैं?

यह हमारे देश और राजनगर की इज्जत का सवाल है। मैं तुम्हें विशेष अधिकार देता हूं। ब्रिटिश कार्गो सही सलामत अपने गंतव्य तक पहुंचना चाहिए।

पॉइंट नोटड, सर!

ओवर एंड आउट!!

HEIGHT: 37000 FT._
AIR PRESSURE: UNDER CONTROL_
TARGET DISTANCE: 1000 FT._
NUMBER OF OPPONENTS: 5_

HIGH POWER MAGNETIC
BOOTS ACTIVATED_
VOICE MEGAFONE ACTIVATED_

लास्ट एंड फाइनल वार्निंग!

धड़

BREACH OF WARNING_
FATAL ATTACK_
DAMAGE DONE 10%

अपने जेट्स फौरन लैंड करो और शान्ति से सरेंडर कर दो वर्ना...

च्यूम

च्यूम

COMBAT MODE
ACTIVATED_

दूसरा मौका नहीं मिलेगा।

ये जेट्स कार्गो प्लेन को घेरे हुए हैं, अगर इनके वार इस प्लेन को लगे तो यह क्रैश हो जाएगा।

ज़िंग

ज़िंग

ज़िंग

ज़िंग

पायलट प्लेन को एयरबेस की ओर ले जाने की कोशिश कर रहा है, उसे रोकना होगा।

राजनगर की सिक्योरिटी मेरी प्राइम ड्यूटी है।

और अपनी ड्यूटी निभाना यह कानून का सिपाही अच्छी तरह जानता है।

प्लेन को यहीं सर्कुलेट कराओ पायलट।

नीचे घना जंगल है और आसमान में अटैकर्स। अगर प्लेन आगे नहीं बढ़ाया तो हम क्रैश कर जाएंगे।

अगर एयरबेस की ओर बढ़े तो राजनगर के रिहायशी इलाकों पर इन जेट्स के अटैक या क्रैश होने की संभावना बढ़ जाएगी...

RIGHT INDEPENDENT PROPELLER EJECT_

SET TARGET, FIRE_

जिंग

जिंग

जिंग

जिंग

बूम

बूम

बूम

TARGET HIT 100%
DAMAGE DONE% 70%
NO CASUALTIES_

जूम

भड़ाक

ओह!

जेट्स नष्ट कर के यह ना समझना कि तुम जीत गए इंस्पेक्टर स्टील।

ग्लाइडिएटर गैंग उड़ने के लिए जेट्स का मोहताज नहीं है...

...लेकिन तुम अपने 650 किलो के डिब्बे को हवा में रखने के लिए इस प्लेन के मोहताज हो। जोकि अब हमारे जेट्स के मलबे के साथ ही नीचे गिरकर कबाड़ बनने वाला है।
FALL OUT ALERT_
HIGH LEVEL DAMAGE RISK_
पायलट! अगर स्टील के नक्शेकदम पर नहीं जाना चाहते हो तो चुप-चाप प्लेन नेशनल फारेस्ट के आगे खुले मैदान में उतार लो।

यह प्लेन सीधे अपने गंतव्य पर जाकर ही लैंड होगा, पर तुम चारों का गंतव्य यह प्लेन नहीं राजनगर सेंट्रल जेल है।

इंस्पेक्टर स्टील!

धाड़

तुम्हारे पर कतरने के बाद सीधी लैंडिंग वहीं कराऊंगा मैं।

ज़ूम कड़

दोबारा वही गलती कर रहे हो इंस्पेक्टर!

हमने कहा ना कि ग्लाइडिएटर गैंग उड़ने के लिए किसी प्लेन का मोहताज नहीं है। पर तुम इस केबल रोप के बिना फिर 650 किलो की कटी पतंग बन जाओगे।

गलती मैं नहीं तुम लोग कर रहे हो। मेरी बॉडी का लोकोमोशन 552/6100 मेगा हॉर्सपावर्स इंजन और 479/1600-6100 की टार्क रेंज पर ऑपरेट करता है इसलिए यह 650किलो की बॉडी वस्तुतः तुम पर भारी है।

मैं वर्ल्ड की फास्टेस्ट कार से भी चौगुनी स्पीड से लोकोमोशन कर सकता हूं... और एक्शन भी।

स्टील पूरे प्लान का बंटाधार कर रहा है, कार्गो हम बाद में हथिया लेंगे पहले इससे पीछा छुड़ाना होगा।

तुम्हारा बैक-अप प्लान ठीक तुम्हारे नीचे है, नेशनल फॉरेस्ट। स्टील घने जंगल में ना अपना हेलिकॉप्टर उतार पाएगा और ना ही तुम्हारे जेट स्पीड ग्लाइडर्स का पीछा कर पाएगा।

CONVICTS RUNNING OFF_
RAJNAGAR NATIONAL FORESTS AHEAD_
FIRE BREAK OUT FATALITY 67%_

ये तो राजनगर नेशनल फॉरेस्ट्स में भागने की कोशिश कर रहे हैं।

इनके ध्वस्त हुए जेट्स का मलबा जंगल में गिरने से कुछ हिस्सों में आग लग गई है। ग्लाइडिएटर गैंग को पकड़ने के साथ-साथ इस आग को बुझाना भी जरूरी है वर्ना देखते ही देखते यह दावानल का रूप ले लेगी।

पायलट! प्लेन को एयरबेस ले जाओ मैं अटैकर्स के पीछे जा रहा हूं।

हाहाहा

हाहाहा

लाख खूबियां सही स्टील में, लेकिन उसका निर्माता उसमें उड़न क्षमता डालना भूल कर गलती कर गया। हाहाहा!

डॉक्टर अनीस की डिक्शनरी में गलती और भूल जैसे शब्द मौजूद नहीं हैं...

और उड़न क्षमता शक्ति के बजाए कमजोरी कब बन जाती है यह तुम्हारा दोस्त तुम्हें बताएगा जोकि...

भड़ाक

जूम

आह!

फिलहाल अपनी उड़न क्षमता कंट्रोल करने की हालत में नहीं है।

TARGET HIT 100%
CASUALITIES 40%
SITUATION UNDER CONTROL_

EJECT AUTOMATED HANDCUFFS_

यह मुसीबत तो काबू में आ गई...

जूम

भड़ाक

ACTIVATE FIRE EXTENGUISHER_

अब इस आग को भी काबू में करना होगा। यह काफी तबाही मचा चुकी है अब तक।

मेरे स्पेशल हेलिकॉप्टर में लगे फायर एक्सटिंग्विशर इस दावानल को जल्द ही काबू कर लेंगे।

आग तो काबू में आ गई अब इन चारों को... अरे!! वे चारों कहां गायब हो गए, वे तो अंगुली हिलाने की हालत में भी नहीं थे।

SITUATION UNDER CONTROL_

इस चट्टान में दरार कैसी है, यह तो कोई सुरंग लगती है।

शायद मेरी उम्मीद से पहले ही उन चारों को होश आ गया और वे मुझसे बचने के लिए इस सुरंग में छुप गए।

पर यह चट्टान तो कई टन की होगी, इसे उठाना क्या हिलाना भी उनके लिए नामुममिन है। फिर भी चेक तो करना ही पड़ेगा।

खड़ खरड

SCAN MODE ON_

फड़ फड़ फड़

यहां तो सिर्फ चमगादड़ हैं।

फड़ फड़

यहां कुछ भी नहीं है मुझे उन्हें जंगल में ढूंढना होगा।

HIGH ALERT DANGER_
HIGH ALERT DANGER_

COMMANDO HEADQUARTERS, RAJNAGAR.

क्या बात है करीम?

बड़ी भारी गड़बड़ है, कैप्टेन! पिछले कुछ दिनों से हमारे राडार्स कुछ अनआईडेंटिफाईड फ्रीक्वेंसी सिग्नल्स कैच कर रहे थे।

कहां से भेजे जा रहे हैं ये सिग्नल्स?

राजनगर नेशनल फॉरेस्ट्स से।

जंगल से सिग्नल कौन भेज रहा है, और किसे?

ये सिग्नल्स रेग्युलर इंटरवल पर मात्र कुछ सेकेंड्स के लिए ही कैच हो रहे थे जिस वजह से इस फ्रीक्वेंसी की लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही थी। पर आज पिछले एक घंटे से इस फ्रीक्वेंसी पर लगातार सिग्नल्स भेजे जा रहे हैं, मैंने इन सिग्नल्स का सोर्स ट्रेस कर लिया है।

सबसे अजीब बात यह है कि हमारा सुपर कंप्यूटर भी इन सिग्नल्स को डी-कोड नहीं कर पाया, यह सिग्नल्स कम से कम किसी इंसान को तो नहीं भेजे जा रहे थे।

कैडेट 456 का अभी-अभी इमरजेंसी मेसेज आया है कैप्टेन, नेशनल फॉरेस्ट के उपर आसमान में उसने कुछ देर पहले ग्लाइडिएटर गैंग को स्पॉट किया है।

ग्लाइडिएटर गैंग तो भाड़े पर काम करने वाले अपराधी हैं, इनका इस समय नेशनल फॉरेस्ट के आस-पास होना और जंगलों से अजीब-ओ-गरीब सिग्नल भेजा जाना दोनों इत्तिफाक नहीं हो सकते। इन दोनों घटनाओं का एक दूसरे से जरूर कोई कनेक्शन है।

"और वह कनेक्शन क्या है यह तो नेशनल फॉरेस्ट जा कर ही पता चलेगा।"

जंगल बुरी तरह झुलसा हुआ है, जिसका कारण यह मलबा ही होगा।
यह तो किसी जेट प्लेन का लगता है, शायद ग्लाइडिएटर गैंग का।

सर्र-सर्र

मेरी छठी इंद्री कह रही है
कि यहां कुछ ऐसा है...

जोकि कम से कम इस जंगल के
किसी पेड़ की प्रॉपर्टी नहीं हैं।

यह है क्या बला?

ये मोजाट्र्स हैं...

...बेहद घातक और अचूक।

आज तक इनसे कोई नहीं बचा ...

...सिवाए तुम्हारे! तुम्हारे रिफ्लेक्सेस आम इंसानों से कहीं ज्यादा शार्प हैं लड़के।

खच्च

कौन हो तुम? जहां तक मुझे पता है ग्लाइडिएटर गैंग वालों की शक्लें इतनी खूबसूरत नहीं हैं।

तुम शायद मानवों की तुलना में भिन्न, मेरे स्वरुप पर कटाक्ष कर रहे हो।

सौंदर्य रस और इंसानी मनोवृति पर परिचर्चा करने का समय फिलहाल मेरे पास नहीं है।

वाकई, तुम मानव पूर्णतः नश्वर बाहरी स्वरुप के सौंदर्य से ऊपर उठकर क्यों नहीं देखते?

बेशक-बेशक! मैं तुम्हारी प्रोटोप्लाजिमक एनर्जी की अधीरता महसूस कर सकता हूं।

प्रोटोप्लाजिमक एनर्जी?

जिसे तुम इंसान 'आत्मा' कहते हो वही।

तुम कौन... क्या हो? ग्लाइ-डिएटर गैंग का क्या किया तुमने?

एक आगंतुक या घुसपैठिए द्वारा मेरे घर में घुसकर मुझसे ही इतने सवाल करना हास्यास्पद है।

तुम्हारा घर! फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने यह जंगल तुम्हें कब बेचे?

हाहाहा! तुम वाकई मजाकिए हो, ध्रुव! मैं इस स्थान पर तबसे हूं जब तुम इंसानों का निवास भी यह जंगल ही था। पानी और जंगल के सिवाए कुछ नहीं था यहां, फिर तुम मानवों ने धीरे-धीरे सब बर्बाद कर दिया।

तुम तो महामानव के जोड़ीदार लगते हो, बातें भी उसके जैसी ही कर रहे हो और उसकी तरह ही दिमाग भी पढ़ लेते हो।

मैंने तुम्हें अपना नाम नहीं बताया था।

तुमने कैसे जाना कि मैं तुम्हारा दिमाग पढ़ रहा हूं?

हुम्म, पर तुम्हारा विश्लेषण पूर्णतः सही नहीं है। मैं तुम्हारा दिमाग पढ़ नहीं रहा बल्कि उसे एनालाइज कर रहा हूं, तुम्हारी प्रोटोप्लाज्मिक एनर्जी के जरिए।

माइंड रीडिंग सिर्फ उन विचारों तक ही सीमित होती है जो मस्तिष्क में घुमड़ते हैं...

लेकिन प्रोटोप्लाज्मिक एनर्जी प्राणी के विविध जीवन का इनसाइक्लो-पीडिया होती है।

इस प्रोटोप्लाज्मिक एनर्जी को एनालाइज करके ना सिर्फ तुम्हारे दिमाग के मौजूदा विचार बल्कि हर वह चीज जानी जा सकती है जोकि तुमने अपने जीवन में देखी है।

तुम अपने जीवनकाल में किन-किन लोगों से मिले, उनके बारे में तुम्हारी विचारधारा, सब कुछ मुझे तुम्हारी प्रोटोप्लाज्मिक एनर्जी से ज्ञात हो रहा है।

तुम्हारी प्रोटोप्लाज्मिक एनर्जी मुझे महामानव के बारे में वह सारी जानकारी दे रही है जोकि तुम जानते हो।

पर मैं महामानव की तरह पृथ्वी पर उपजे जीवन की विकास-शील कड़ी नहीं हूं और ना ही मेरा इरादा इस पृथ्वी को तबाह कर दोबारा जुरासिक काल लाने का है।

तुम एक परग्रही हो?

शरणार्थी शायद बेहतर संबोधन होगा!

जहां तक नाम का सवाल है, तुम मुझे प्रोटोप्लास्ट बुला सकते हो ध्रुव!

तुम पृथ्वी पर कब आए?

इतना समय बीत गया है कि अब तो ठीक से याद भी नहीं है मुझे।

सिर्फ इतना याद है कि जब मैं पृथ्वी पर आया था उस समय हिम युग पूर्णतः समाप्त हो चुका था और मानव सभ्यता अपने आरंभिक चरण में थी।

यानी बाकी परग्रहियों की तरह तुम्हारी सभ्यता भी विज्ञान में पृथ्वी से कहीं ज्यादा विकसित थी।

जिस विज्ञान के विकास को तुम पृथ्वीवासी वरदान समझते हो वह दरअसल एक अभिशाप है ध्रुव!

...इसी अभिशाप के कारण मैंने अपने ग्रह और अपने लोगों को अपनी आंखों के सामने तबाह होते देखा था।

मेरे ग्रह की यादें और इतिहास प्रोटोप्लाज्मिक रिफ्लेक्शन के रूप में मेरे पास संगृहीत है ध्रुव।

देखो!

यह तो बिलकुल सजीव लग रहे हैं, जैसे हमारे सामने ही हों।

यह तुम्हारे यहां की थ्री-डायमेंशनल इमेजेस जैसे हैं। यह दृश्य उस समय के हैं जब मेरे ग्रह प्रोटोप्लेनेट पर हमारी सभ्यता की उत्पत्ति हुई थी। हमारी सभ्यता तुम मानवों के जैसी ही थी...

"पर हमारा वैज्ञानिक विकास मानवों से कई गुना अधिक तेज था।"

"परंतु विकास का चक्र जितनी शीघ्रता से घूमता है उतनी ही तेजी से वह पतन की ओर जाता है।"

"विज्ञान के अंधाधुंध विकास में हम प्रोटोप्लेनेट की प्राकृतिक संपदाओं का हनन करते गए।"

"आज तुम मानव जिन आणविक हथियारों के लिए लड़ते हो उससे कहीं अधिक विध्वंसक और विनाशकारी हथियारों का प्रयोग हमारी सभ्यता में हुआ जिसने पूरे प्रोटोप्लेनेट को तबाह कर दिया।"

अपनी सभ्यता का मैं अंतिम प्रोटोप्लास्ट हूं जोकि उस महाविनाश से बच गया और पृथ्वी पर एक शरणार्थी के रूप में रह रहा हूं।
मैंने अपने सामने मानवों को पतन के उस पायदान पर बहुत तेजी से चढ़ते देखा है।
और तुमने कभी उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की?
क्या तुम मानव मुझे ऐसा करने देते? या फिर तुम मुझे ही अपनी सभ्यता का शत्रु समझ कर मुझे ही खत्म करने पर तुल जाते?

तुम अपने ग्रह और अपनी सभ्यता के साथ क्या करते हो यह तुम्हारा निर्णय है मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करता और कभी तुम मानवों के सामने नहीं आता।
तुम इतनी सदियों से पृथ्वी पर रह रहे हो उस नाते यह तुम्हारा भी घर हुई इसलिए इसके प्रति तुम भी उतने ही उत्तरदाई हो जितने कि हम मानव।

अगर तुम मानवों के सामने नहीं आना चाहते थे तो तुमने ग्लाइ-डिएटर गैंग पर और मुझ पर हमला क्यों किया?
हवा में उड़ते उन अपराधियों पर मैंने हमला नहीं किया इसी गलत-फहमी में मैं तुम पर वार कर बैठा, मुझे लगा तुम उनके साथी हो...

तुम्हारी बातें विरोधाभासी हैं प्रोटोप्लास्ट और तुम्हारी मंशा संदिग्ध।
मेरी मंशा सिर्फ आत्मरक्षा थी ध्रुव!
बकवास। ग्लाइडिएटर गैंग तुम्हारी शक्तियों के आगे वही हैसीयत रखता है जो किसी पहाड़ के सामने कंकड़ की है।
हाल-फिलहाल में जो शक्तियां उन अपराधियों के हाथ लगी हैं उससे उनके ऊपर बंदर के हाथ में तोप वाली कहावत ज्यादा फिट बैठती है क्योंकि...

...उन अपराधियों के पास वही शक्तियां हैं जिनसे मेरा ग्रह प्रोटोप्लेनेट तबाह हुआ था।
व्हाट!!

च्यूम च्यूम

UNIDENTIFIED MACHINERY STRUCTURE_
UNIDENTIFIED OPERATING SYSTEM_
NO LIFE FORMS DETECTED_

मेरे स्कैनर्स के मुताबिक इन चारों में जीवन शेष नहीं है, लेकिन इनके शरीर पर बंधे ऑटोमेटिक ग्लाइडर्स ने इन्हें आपस में कैसे जोड़ दिया और यह चल-फिर व हमला कैसे कर रहे हैं।

जब कुछ देर पहले यह मुझसे लड़ रहे थे तब तक तो इनके पास ऐसी कोई तकनीक नहीं थी।

FATAL ATTACK_

UNIDENTIFIED ENERGY WEAPON_

DAMAGE DONE 30%

AUTOMATED RECOVERY IN PROCESS_

मतलब मुझे इसे वे तीन-चार वार करने का मौका नहीं देना। अगर इनके भीतर जीवन का कोई लक्षण मौजूद नहीं है तो इसका मतलब मैं इस स्ट्रक्चर पर घातक वार करने के लिए स्वतंत्र हूं।

च्यूम

इस स्ट्रक्चर के लिए मेगागन से किसी कम हथियार के कारगर होने की उम्मीद करना मूर्खता होगी।

ATTACK MODE ACTIVATED_

च्यूम

यह मुझ पर किसी अनजानी ऊर्जा का वार कर रहा है। एक ही वार में तीस प्रतिशत डैमेज, अगर तीन-चार लग गए तो खेल खत्म।

MEGAGUN SETTINGS LOADED_

TARGET DISABLED_

UNIDENTIFIED STRUCTURE TERMINATED_

FOUR CARDIAC ACTIVITIES RECORDED_

खत्म हो गई मुसीबत। लेकिन स्ट्रक्चर के डिसअसेम्बल होते ही इन चारों की हृदय गति कैसे शुरू हो गई?

स्टील ने मेरा काम आसान कर दिया है...

...और अपनी मुश्किलें बढ़ा ली हैं।

HIGH LEVEL THREAT_

CARDIAC ACTIVITIES LOST_

UNIDENTIFIED MACHINERY STRUCTURE REBOOTED_

प्रोटोप्लेनेट को जिस मनहूस शक्ति ने तबाह किया वह उन अपराधियों के पास कहां से आई यह मैं नहीं जानता।

पर इतना जरूर जानता हूं कि अभी खुद उन्हें भी उस शक्ति की भीषणता का अंदेशा नहीं है।

और इससे पहले कि अंदेशा हो, वह शक्ति ग्लाइडिएटर गैंग और पृथ्वी दोनों से दूर करनी होगी।

यह तुम्हारा सिरदर्द है, ध्रुव, मैंने तुम्हें आगाह कर दिया, मेरा दायित्व पूरा हुआ।

अगर तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें इतनी आसानी से जाने दूंगा तो...

लगता? संभावनाओं को आधार बनाकर उन पर अपने कार्यकलाप निर्धारित करना तुम मानवों के जींस में है। मैं फैक्ट्स पर चलता हूं।

तुम्हारी प्रोटोप्लास्मिक एनर्जी तुम्हारे फ्यूचर एक्शन्स पहले ही मुझ तक संप्रेषित कर चुकी थी...

...मैं जानता हूं कि तुम मुझे यहां से नहीं जाने देने का भरसक प्रयास करोगे, पर एक बात तुम नहीं जानते।

मैंने इन कटर ब्लेड्स का नाम पृथ्वी के महान संगीतकार मोजार्ट के ऊपर क्यों रखा?

क्योंकि इनसे निकलने वाला संगीत भी मोजार्ट के संगीत की तरह है।

सुनने वाले को अपने सम्मोहन में बांध लेता है, वह भी इस कदर कि सुनने वाला अपनी अंगुली भी नहीं हिला सकता।

तुम पहले भी ऐसी सिचुएशन से निकल चुके हो पर यहां ऐसी कोई भी वस्तु तुम्हारी सहायता के लिए उपलब्ध नहीं है...

जो इन मोजार्ट्स से निकलती हिप्नोटिक साउंड को रोक सके।

मेरा इरादा तुम्हें नुक्सान पहुंचाने का नहीं है, एक मिनट बाद मोजार्ट्स से निकलती सम्मोहन ध्वनियां खुद ही बंद हो जाएंगी लेकिन तब तक मैं तुम्हारी पहुंच से दूर जा चुका होऊंगा।

अगर तुम्हारा इरादा नुक्सान पहुंचाने का होता...

तब भी तुम्हारे एक्सप्रेशन यही होते। और यह बात जानने के लिए मुझे किसी प्रोटोप्लास्मिक एनालिसिस की जरुरत नहीं है।

ध्रुव!! तुम मोजार्ट्स के सम्मोहन से कैसे बच निकले??

जब तुमने अपने कटर ब्लेड्स का नाम मुझे बताया मुझे तभी लगा था कि इनका संबंध ध्वनि से किसी न किसी रूप में जरूर है।

जब पेड़ पर यह मेरे चारों ओर मंडरा रहे थे मुझे तभी समझ आ गया कि तुम ध्वनिराज की तरह मुझे ध्वनि का प्रयोग करके रोकने वाले हो।

तुम्हारी नजर बचाकर मैंने अपने ब्रेसलेट से निकली स्टाररोप पेड़ की डाल से लपेट दी जिसका दूसरा सिरा तब भी मुझसे जुड़ा हुआ था।

मेरे ब्रेसलेट्स का मेकैनिज्म मेरी कलाईयों और हाथों के प्रेशर के अनुसार कार्य करता है। जब मोजार्ट्स के सम्मोहन से मैं जड़वत हुआ तब ब्रेसलेट पर पड़ रहा प्रेशर भी रिलीज हो गया जिससे...

"...स्टार रोप ब्रेसलेट चेम्बर से इजेक्ट हो गई और स्टार बकल पेड़ की डाल से लिपटते हुए उस पेड़ पर बने मधुमक्खी के छत्ते से टकराया।"

"मधुमक्खियों की तीव्र भिन्न-भिन्न ने तुम्हारे मोजाद्‌र्स की हिप्नोटिक ध्वनि को काफी हद तक दबा दिया, रहा सहा सम्मोहन का असर एक-दो मधुमक्खियों के डंक लगते ही टूट गया।"

भिन्न! भिन्न

हम्फ उफ!

"इससे पहले कि मधुमक्खियां डंक मार-मार कर मुझे सूमो साइज का बना देतीं मैं पेड़ के पास ही मोजाद्‌र्स द्वारा काटी गई अपनी बाइक के फ्यूल टैंक तक पहुंच गया और उसमें मौजूद फ्यूल अपने ऊपर डाल लिया।"

"पेट्रोल की तीव्र गंध ना सिर्फ मधुमक्खियों को दूर रखती है बल्कि पेट्रोल मधुमक्खी के डंक से उभरते दर्द में भी राहत पहुंचाता है।"

दिक्कत की बात यह है कि मधुमक्खियों का मन अभी भी किसी को बहुत जोर से डंक मारने को कुलबुला रहा है लेकिन वे मेरे पास नहीं फटक सकतीं।

अब फटाफट इन मक्खियों का प्रोटोप्लाज्मिक एनालिसिस कर के बताओ कि इनका शिकार कौन होने वाला है?

मुझे लगता है कि तुम इस फ्यूल टैंक में बचे हुए पेट्रोल में जरूर इंट्रेस्टेड होगे, जैसे मैं तुम्हारे मुंह से उस पॉवर के बारे में जानने को इंट्रेस्टेड हूं जिसने प्रोटोप्लेनेट को तबाह किया।

डेम इट! ये मधुमक्खियां इस शरीर को तीव्र पीड़ा पहुंचा रही हैं।

क्यांऽ चींऽ चींऽ

!!

हम्फ! यह केबल्स तो मेरी लेजर बीम से भी नहीं कट रहे...

मेरे दिमाग को सक्शंस के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाने वाली नलिकाओं पर दबाव पड़ रहा है...

दिमाग पर बेहोशी छा रही है।

ऐसा होने से मेरे शरीर में इंसटॉल्ड अलार्म बजने लगेगा, इस अलार्म का कार्य मेरे सुप्त अवस्था में जाते मस्तिष्क को जागृत रखना है।

वोऊ वोऊ वोऊ वोऊ

डेंजर अलार्म!! यह तो इंस्पेक्टर स्टील का स्पेशल डेंजर अलार्म है, यानी स्टील आस-पास ही है और किसी मुश्किल में है।

वूऊ वूऊ वूऊ

भड़ाक

ओह! प्रोटोप्लास्ट ने मौके का फायदा उठाकर फ्यूल टैंक का पेट्रोल खुद पर डाल लिया।

अलार्म ने कुछ पलों के लिए तो मेरे दिमाग को जगा दिया पर कोई फायदा नहीं है...

...बिना पर्याप्त ऑक्सीजन के मेरा दिमाग फंक्शन नहीं करेगा और मेरे दिमाग से जुड़ा हुआ ऑपरेटिंग सिस्टम भी शिथिल पड़ जाएगा।

स्ट्रक्चर मुझे घसीट कर उस गुफा में ले जाने की कोशिश कर रहा है।

वोऊ वोऊ वोऊ वोऊ

अरे, यह केबल्स कैसे कट गए? कहां से आए यह अजीब-ओ-गरीब कटर?

कड़ाक कड़ाक

सांय सांय

यह कटर कहां से आए हैं यह बताने के लिए फिलहाल सिचुएशन ठीक नहीं है स्टील।

ध्रुव!

स्टील को इन केबल्स में बंधा हुआ देखकर ही मैं समझ गया था कि इन पर स्टील की लेजर बीम का भी प्रभाव नहीं पड़ा होगा यानी स्टार ब्लेड्स ट्राई करना ही बेवकूफी होती।

मौके का फायदा उठाकर प्रोटोप्लास्ट तो जंगल में गायब हो गया पर अच्छा हुआ कि मैंने पीछे रह गए मोजार्ट्स में से दो-तीन उठा लिए।

ग्लाइडिएटर गैंग!! इन्हें क्या हुआ?

पता नहीं, ध्रुव! कुछ देर पहले तक यह बिलकुल सामान्य थे...

मैं खुद कन्फ्यूज हूं कि इस जंगल में उतरने के बाद इनमें यह आश्चर्यजनक मशीनी शक्ति कहां से आ गई।

इस स्ट्रक्चर को देखकर लगता है कि प्रोटोप्लास्ट की बातों में कुछ सच्चाई जरूर है।

मैंने इन्हें उस गुफा के पास बेहोश किया तब-तक सब नार्मल था, फिर मैं जंगल की आग बुझाने लगा और...

जब पीछे मुड़ा तब यह इस स्ट्रक्चर में बदल चुके थे। इनके शरीर पर इनके ग्लाइडर्स के साथ-साथ यह अनआइडेंटि-फाईड मशीनरी आ चुकी थी।

तुम्हारी बातों से लगता है स्टील कि ग्लाइडिएटर गैंग इस मशीनरी स्ट्रक्चर का नहीं बल्कि यह स्ट्रक्चर इनका इस्तेमाल कर रहा है, इनकी जैविक ऊर्जा खींच कर।

शायद तुम सही हो ध्रुव, जब तक यह लोग स्ट्रक्चर से जुड़े हुए थे मेरे स्कैनर्स इनकी कार्डिएक एक्टिविटी रीड नहीं कर पा रहे थे फिर जैसे ही यह थोड़ी देर के लिए स्ट्रक्चर से अलग हुए इनकी पल्स वापस आ गई।

तुम्हें एक बार फिर इन्हें स्ट्रक्चर से अलग करना होगा स्टील।

MEGAGUN ACTIVATED_

कोशिश करता हूं ध्रुव...

TARGET LOCKED_

READY TO FIRE IN_

...03 ...02 ...01_

हालांकि यह स्ट्रक्चर मेगागन का वार एक बार झेल चुका है...

बूम

इसलिए यह सावधान रहेगा।

TARGET MISSED

REPEAT FIRE_

बूम

TARGET LOCKED_

FIRE BURST FLANK CANNON MODE ACTIVATED_

किर्र घर्रsss

इसके लिए मुझे मेगागन का नया फीचर 'फायर बर्स्ट फ्लैंक कैनन मोड' यूज करना होगा।

जिसमें मेगागन किसी आग के गोले फेंकने वाली तोप की तरह कार्य करती है, बस फर्क इतना है कि एक बार लोड होने पर यह...

...एक साथ एक हजार राउंड्स फायर बॉल्स फायर करेगी जिनसे इसका बचना नामुमकिन है।

बूम

बूम

ध्रुव के गले से निकली वह चिचियाहट।

वीं वीं वीं...

ये पक्षी? इन्हें तुमने बुलाया है ध्रुव?

हां! इस स्ट्रक्चर से हाई डेसिबल की साउंड फ्रीक्वेंसी सहन नहीं हो रही है।

तुम्हारे जो वार इसे नहीं भी लगे उसके धमाके इसे विचलित कर रहे थे।

यह साउंड टरब्युलेंस इसके लिए इतना असहनीय है कि यह चाहकर भी इनकी बायो एनर्जी तक नहीं पहुंच सकेगा और...

यह वापस अपनी छुपने की जगह पर पलटने की कोशिश करेगा।

यही मौका है, स्टील! बायो-एनर्जी के बिना यह स्ट्रक्चर शक्तिविहीन है वर्ना यह बिना मुकाबला किए भागता नहीं।

TARGET LOCKED_

FIRE BURST FLANK CANNON MODE ACTIVATED_

TARGET ELIMINATED_

भाग यह अब भी नहीं पाएगा ध्रुव, बिना बायो-एनर्जी के यह फ्लैंक कैनन के सामने क्षण भर भी नहीं टिकेगा।

कमाल है, यह तो मेरी अपेक्षा से कुछ ज्यादा ही आसानी से खत्म हो गया।

4 NORMAL CARDIAC ACTIVITIES FOUND_

इन चारों की हृदय गति सामान्य हो रही है...

फिर भी इनके जल्दी होश में आने की उम्मीद कम है।

चीं-चीं! शुक्रिया मित्रों।

स्ट्रक्चर के साथ ही उससे जुड़े अनसुलझे सवाल भी अंधकूप में चले गए, अब इन चारों के होश में आने पर ही कुछ पता चल सकता है। स्ट्रक्चर का इतनी आसानी से खत्म होना मेरे गले से नीचे नहीं उतर रहा।

तुम बेवजह परेशान हो रहे हो ध्रुव, तुम्हारी थ्योरी सही थी, स्ट्रक्चर इन गुंडों की बायो-एनर्जी सोखकर ही शक्तिशाली था...

एनर्जी छिनते ही उसकी शक्तियां खत्म। और अगर यह बच भी गया तो इसे खत्म करने के लिए यहां दो-दो राजनगर रक्षक मौजूद हैं।

यू आर राईट स्टील!

तुम दोनों गलत हो, क्योंकि जो आने वाला कल मैं देख रहा हूं उसमें ना तो राजनगर रहेगा और ना ही रहेंगे राजनगर रक्षक।

"फाइनली वी हेव डन इट!!"

PROCESS COMPLE...

इन ड्रोन्स की सभी खामियों को दूर कर दिया है हमने, नाऊ दे आर अनबीटेबल।

जब तक अपनी मशीनरी के फंक्शन्स टेस्ट न कर लो एक साइंटिस्ट को उसकी सफलता के लिए श्योर नहीं होना चाहिए।

अगर तुम अपने भैया को सर्वश्रेष्ठता का मानक मान कर ध्रुव से ड्रोन्स की टेस्टिंग करवाती रहीं तो ये कभी भी अप्रूव नहीं होने वाले।

क्योंकि दुनिया में ऐसा दिमाग ही नहीं है जो ध्रुव को हराने वाली मशीनरी तैयार कर सके। हम इनकी टेस्टिंग जरूर करेंगे लेकिन स्टील के साथ।

सच्चाई की ताकत को कोई नहीं हरा सकता, श्वेता! और यह ताकत ध्रुव के दिमाग में कूट-कूट कर भरी है।

रहा सवाल अनबीटेबल मशीन बनाने का तो...

मेरे दोस्त ने भी एक मशीन बनाई है। फर्ज की मशीन, जिसे आज तक कोई दूसरी मशीन बीट नहीं कर सकी है, और इससे बड़ी फक्र की बात मेरे लिए दूसरी क्या होगी कि मुझे मेरे दोस्त का ही आविष्कार हराए।

अमर मेरे दोस्त!!

वाऊ, स्टील! तुम से आधे इमोशंस भी भईया में होते तो ये ड्रोन्स री-डिजाईन नहीं करने पड़ते।

इमोशंस काफी हो गए! अब एक्शन किया जाए।

आमतौर पर ड्रोन्स अपने टारगेट की डी.एन.ए. मैपिंग कर के उनका पीछा करते हैं लेकिन चूंकि तुम्हारा पेस मेकर तुम्हारे दिमाग को कृत्रिम ब्लड पम्प कर रहा है...

इसलिए मैंने इन ड्रोन्स में टारगेट एनालिसिस के लिए तुम्हारे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक्सेस कमांड कोड फीड किया है। जिसका प्रयोग तुम प्रॉक्सी सर्वर की तरह करते हो।

इन ड्रोन्स का ट्रोजन प्रोग्राम तुम्हारे सर्वर की मजबूत फायरवॉल को तोड़ देगा। फिर ये ड्रोन्स तुम पर दो तरफा हमला करेंगे।

ये तुमसे फिजिकल कॉम्बैट के साथ-साथ तुम्हारे मशीनी शरीर को चलाने वाले कमांड प्रोग्राम को भी बाधित करेंगे। जोकि तुम्हारे दिमाग के रिफ्लेक्स एक्शंस और निर्देशों को वर्चुअल कमांड के रूप में संप्रेषित करने वाले प्रोसेसर से जुड़ा है।

TESTING ROOM.

तुम्हारे कंप्यूटराइज्ड रिफ्लेक्सेस यूं तो अम इंसानों से दस गुना अधिक शार्प हैं पर इन ड्रोन्स द्वारा तुम्हारी प्रोग्रामिंग में वर्चुअल गैप क्रिएट करने से तुम्हारे रिफ्लेक्सेस स्लो हो जाएंगे।

श्वेता ठीक कह रही है। मेरा ऑपरेटिंग प्रोग्राम इन ड्रोन्स के हमले की फीड पहुंचाने में समय ले रहा है...

जिससे मुझे इनकी सही स्थिति का अंदाजा लगाकर वार करने में समय लग रहा है।

जब तक इन ड्रोन्स की माइक्रोप्रोसेसर चिप सलामत है।

ये टूट-फूट कर भी...

...खुद को रीअसेम्बल कर लेंगे।

इन ड्रोन्स के प्रेशर लॉक्स एक बार यदि...

टार्गेट से चिपट जाएं...

...तो उन्हें पूर्णतः जाम कर देते हैं।

गेम ओवर स्टील! ड्रोन्स के प्रेशर लॉक्स तुम्हारे सभी जोड़ों को जाम कर चुके हैं...

यस...यस...यस! हमारे ड्रोन्स अनबीटेबल हैं।

मानना पड़ेगा। तुम दोनों ने मुझसे भी एडवांस्ड सिक्योरिटी सिस्टम इजाद कर लिया है।

अब मुझे इनसे आजाद कराओ।

अब आगे की क्या प्लानिंग है अनीस?

मेयर और कमिश्नर राजन से बात कर हम सबसे पहले इन ड्रोन्स की टेस्टिंग राजनगर से ही करेंगे।

और यह हम जल्द से जल्द शुरू करेंगे।

अगर किसी अपराधी ने इन ड्रोन्स की मेमोरी इरेज कर इन्हें अपने मुताबिक रीप्रोग्राम कर दिया तो सोचा है तुम लोगों ने कि क्या कहर बरपेगा?

ऐसा होना संभव नहीं है मेरे दोस्त! इन ड्रोन्स के मास्टर प्रोग्राम का एक्सेस मेरे और श्वेता के डी.एन.ए. कोड से एनक्रिप्टेड है। हम दोनों के अलावा कोई भी तीसरा व्यक्ति अगर इनके मास्टर प्रोग्राम को एक्सेस करने की कोशिश करेगा तो ये ड्रोंस ब्लास्ट हो जाएंगे।

रिलैक्स इंस्पेक्टर।

जब दो जीनियस दिमाग एक-साथ मिलते हैं तो गड़बड़ की संभावना जीरो परसेंट होती है।

इन ड्रोन्स का गलत इस्तेमाल होना इम्पॉसिबल है। तुम इन ड्रोन्स पर पूरा भरोसा कर सकते हो।

मैं किसी भी ऐसी मशीन पर भरोसा नहीं कर सकता जिसके भीतर खुद की तर्क शक्ति हो।

तुम किसी बात को लेकर परेशान हो अमर?

शायद मेरे द्वारा यह बात कही जाना अजीब है पर मुझे लगता है कि मानवों की सुरक्षा के लिए मशीनों पर निर्भर होना हमारी गलती होगी।

RAJ COMICS

तुम नाहक ही परेशान हो रहे हो अमर, ये मशीनें पूर्णतः सुरक्षित हैं। और अगर खुदा-ना-खास्ता कोई गड़बड़ हो भी गई... तो उससे निपटने के लिए मेरा यार तो है ही। मैं जानता हूं कि तू... उस समय उन ड्रोन्स के आगे जान-बूझकर हारा था।

नहीं, अनीस! मैंने अपनी पूरी क्षमता लगाई थी। पर सच यही है कि वे मशीनें मुझ पर हावी थीं। बाय।

R-P

आई कांट बिलीव दिस, हमारे कार्गो को चुराने की कोशिश कौन कर सकता है और क्यों?

नॉट एट ऑल। इन्फेक्ट, हमें लगता है कि अटैकर्स को इस कार्गो में मौजूद हथियारों के बारे में सही व पूरी जानकारी नहीं थी।

यही तो हम भी जानने की कोशिश कर रहे हैं, मिस्टर डेसमंड एंड रोमारियो! क्या आपको किसी पर शक है?

बिल्कुल! हमारे बनाए एनालिटिकल वेपन्स अपने टारगेट्स का कार्डियो एनालिसिस करते हैं।

अपराध करते समय मनुष्य का हृदय एक खास बीट-रेट पर धड़कता है जोकि सामान्य मनुष्य से भिन्न होती है।

एनालिटिकल वेपन्स का प्रयोग सिर्फ अपराधियों पर ही किया जा सकता है आम इंसानों पर नहीं।

वे एनालिटिकल वेपन्स सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों पर फायर करते हैं जिनकी बीट-रेट अपराधियों से मैच होती है।

अपराधियों के लिए भला इनकी क्या उपयोगिता?

अपने प्रतिद्वंद्वी अपराधियों को खत्म करने के लिए यह एनालिटिकल वेपन्स बिलकुल उपयुक्त हैं।

अगर किसी एक आपराधिक संगठन के पास वे एनालिटिकल वेपन्स हों तो वह इनकी सहायता से क्राइम वर्ल्ड में टॉप पोजीशन हासिल कर सकता है।

एनालिटिकल वेपन्स सिर्फ अपने टार्गेट का ही नहीं बल्कि ऑपरेटर का भी कार्डियो एनालिसिस करते हैं। अगर कोई आपराधिक प्रवृति वाला इंसान इन्हें चलाने की कोशिश करेगा तो इनके ट्रिगर्स लॉक हो जाएंगे और यह हथियार नहीं चलेंगे।

हम विश्व के विभिन्न देशों में अपने इन हथियारों का प्रदर्शन कर चुके हैं। कई देशों ने इनकी उपयोगिता को समझते हुए भारी तादाद में इनके ऑर्डर्स दिए हैं इंस्पेक्टर।

हमारे इन वेपन्स से आम इंसान पूर्णतः सुरक्षित हैं। कोई भी आपराधिक प्रवृति का इंसान इन हथियारों का प्रयोग नहीं कर सकता।

हमारा अनुमान है कि यह किसी राइवल का काम है जोकि हमारे एनालिटिकल वेपन्स की कॉपी मार्किट में ला सके। हम तो इंडिया इन एनालिटिकल वेपन्स के डिस्प्ले एंड डेमोन्स्ट्रेशन के लिए आए थे पर लगता है कल शुरू होने वाली प्रदर्शनी से पूर्व ही पैक-अप करना पड़ेगा।

कल होने वाली प्रदर्शनी अपने पूर्वनिर्धारित समय पर आयोजित होगी। इन हथियारों की सुरक्षा का जिम्मा इंस्पेक्टर स्टील का है...

...और इस फर्ज की मशीन के आगे अपराध के सारे मेकैनिज्म फेल हो जाते हैं।

हमें स्टील पर भरोसा है कमिश्नर, आखिर इसने पहले भी इन वेपन्स के कार्गो को अपराधियों से बचाया है।

यह हमारे देश और पुलिस डिपार्टमेंट की इज्जत का सवाल है स्टील, आई वांट नो मिस्टेक्स।

पॉइंट नोटेड कमिश्नर।

ग्लाइडिएटर गैंग को जिस किसी अपराधी ने भी ब्रिटिश कार्गो चुराने का टास्क सौंपा था वह इसे दोबारा हासिल करने की कोशिश करेगा और यही उसकी हार साबित होगी।

क्योंकि इस बार स्टील उसके लिए पूरी तरह तैयार है।

ये सभी फ्लड लाइट्स एक साथ कैसे ट्रिप हो गईं?

मेरा अंदेशा सही था। एनालिटिकल वेपन्स चुराने की अगली कोशिश शुरू हो चुकी है।

अबे, राम सिंह! आज गाड़ियों में पेट्रोल की जगह दारु डलवा दी थी क्या बे??

ये बन्दूकों के जोड़ कैसे खुल गए?

फटाक-फटाक-बाम-स्क्रीच!!

जितना समय इन बेवकूफ पुलिसियों को मेरे मेकैनिज्म से निपटने में लगेगा...

उतने समय में मेकैनिक अपना काम खत्म करके यहां से आराम से टहलते हुए जा चुका होगा।

धड़ाम!!

एक बड़े षडयंत्र की शुरुआत हो चुकी है जिसमे दांव पर लग गया है राजनगर। हर खिलाड़ी अपनी चाल चल रहा है पर सवाल यह है कि क्या राजनगर के दो अभेद्य रक्षक निभा पाएंगे अपना रक्षक धर्म या पूरे राजनगर का होगा... हाइबनेशन।

TO BE... HIBERNATUED.

राजनगर के दो अदम्य रक्षक जूझ रहे हैं उन रिश्तों से जिनकी डोर
किसी साजिश का जाल बनकर जकड़ रही है उनकी कर्मभूमि को।

रिश्तों और भावनाओं की जंग में क्या जीतेंगे
राजनगर रक्षक या उनकी हार बनाएगी राजनगर को...

हाइबरनेशन

इंस्पेक्टर स्टील

राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव और
इंस्पेक्टर स्टील का हड्डियों को झुरझुराता कॉमिक्स!

सुपर कमांडो ध्रुव

A.H.W. TIGER SERIES

WELCOME TO

RAJNA

RAVI

ANAND

COMICS

ISBN 978-93-324-2324-4

9 789332 423244

SPCL-2579

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 60.00 संख्या 2586
सर्वनायक वर्ष 2015

हाइबरनेशन

ब्रह्माण्ड रक्षक

राजनगर रक्षक श्रृंखला

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

400
Celebrating 400th Set

सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स

इसी सैट के कॉमिक्स

- क्षतिपूर्ति (क्षतिपूर्ति श्रृंखला) (नागराज का 200 वां कॉमिक विशेषांक) (मूल्य : 90/-)
- हाइबरनेशन (राजनगर रक्षक श्रृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक) (मूल्य : 60/-)
- डोगा बेकाबू (डोगा उन्मूलन श्रृंखला) (डोगा) (मूल्य : 40/-)
- परकालों की धरती (आखिरी श्रृंखला) (मल्टीस्टारर कॉमिक) (मूल्य : 40/-)
- नागराज 34 (द्विनायक 04) (अवशेष, चुनौती, हैड्रॉन) (नागराज और ध्रुव का थ्री इन वन डाइजेस्ट) (मूल्य : 200/-)
- सुपर कमांडो ध्रुव 13 (सर्कस, हत्यारी राशियां, मौत के चेहरे, कमांडर नताशा) (सुपर कमांडो ध्रुव का फोर इन वन डाइजेस्ट)(मूल्य : 200/-)

आगामी सैट के कॉमिक्स

- सर्वसंधि (सर्वनायक श्रृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- विषपुत्रों का आगमन (सर्वनायक विस्तार श्रृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- डोगा न्याय (डोगा उन्मूलन श्रृंखला) (डोगा)
- ब्रम्हांड योद्धा (आखिरी श्रृंखला) (मल्टीस्टारर कॉमिक)
- द्विनायक 05 (खरोंच, तुरूपचाल) (परमाणु और तिरंगा का टू इन वन डाइजेस्ट)
- सुपर कमांडो ध्रुव 14 (सजाए मौत, अंधी मौत, षड्यंत्र, महाकाल) (सुपर कमांडो ध्रुव का फोर इन वन डाइजेस्ट)

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ग्रैंड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- नागराज और बुगाकू
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- दलदल
- उड़ती मौत
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- चण्डकाल की वापसी
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- राजनगर की तबाही
- सजाए मौत
- अंधी मौत
- षड्यंत्र
- महाकाल
- प्रलय
- विनाश
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिग्सा
- तानाशाह
- ध्रुव-शक्ति
- जंग
- दुश्मन
- कलियुग
- निशाचर
- क्विज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- कोहराम
- बौना वामन
- कालध्वनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा सम्राट
- जलजला
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- संग्राम
- शीतान
- ध्रुव खत्म
- विध्वंस
- परकाले
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मैडूसा
- ड्रैकुला का हमला
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सम्राट
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- चक्र
- मैं समय हूं
- भूचाल
- मैच
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- गुप्त
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड
- इति काण्ड
- सर्वनाश
- स्पाइडर
- वेब साइट
- वर्ल्ड वाइड वेब
- फास्ट फॉरवर्ड
- ध्रुविष्य
- आखिरी ध्रुव
- सुपर मैन
- स्टेच्यू
- गेम ओवर
- अवशेष
- चुनौती
- हैड्रॉन
- हम होंगे कामयाब
- जीनियस
- डैड और अलाइव
- ऑल्टर ईगो
- एक्स
- शो स्टॉपर
- स्पेशल्स
- कोड नेम कॉमेट
- ब्रेक आउट
- मैक्सिमम सिक्योरिटी
- लास्ट स्टैंड
- निगेटिव्स
- सर्वयुगम
- सर्वदमन
- सर्वसंग्राम
- सर्वसंहार
- सर्वमंथन
- अलादीन
- नैनो
- हंटर्स
- राजनगर रक्षक
- मौत का मैराथन
- फ्लैशबैक
- आखिरी रक्षक
- ध्रुव डाइजेस्ट 1 (प्रतिशोध की ज्वाला, रोमन हत्यारा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 2 (आदमखोरों का स्वर्ग, स्वर्ग की तबाही, मौत का ओलंपिक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 3 (समुद्र का शैतान, बर्फ की चिता, रूहों का शिकंजा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 4 (लहू के प्यासे, महामानव, वू-डू)
- ध्रुव डाइजेस्ट 5 (मुझे मौत चाहिए, बहरी मौत, उड़नतश्तरी के बंधक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 6 (एक दिन की मौत, विनाश के वृक्ष)
- ध्रुव डाइजेस्ट 7 (चैम्पियन किलर, आखिरी दांव, वीडियो विलेन)
- ध्रुव डाइजेस्ट 8 (पागल कातिलों की टोली, ब्लैक कैट, रोबो का प्रतिशोध, दलदल, उड़ती मौत, चंडकाल की वापसी)
- ध्रुव डाइजेस्ट 9 (ग्रैंड मास्टर रोबो, आवाज की तबाही, खूनी खिलौने, किरीगी का कहर)
- ध्रुव डाइजेस्ट 10 (चुम्बा का चक्रव्यूह, डॉक्टर वायरस, सामरी की ज्वाला)
- ध्रुव डाइजेस्ट 15 (खूनी खानदान, अतीत, जिग्सा)
- Revenge
- Deadly Games
- The Flying Death
- Return of Chandkaal
- Dangerous Device
- Alladin
- DHRUVA 1 (THE VENGEANCE, THE ROMAN ASSASIN, THE RISE OF MUTANTS, THE ANNIHILATION OF- THE MUTANTS, THE DEADLY GAMES, SEA MONSTER)
- DHRUVA 2 (MYSTERIOUS MOUNTAINS, GHOST FROM THE PAST, OPERATION DESERT STORM, MAHAMANAV, VOO-DOO, DEATH WISH)

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई) 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084 फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

RECAP

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश वैज्ञानिक हैमंड अपने विध्वंसकारी हथियार को हिन्दुस्तान के बीहड़ राजगढ़ के जंगलों में छुपाने आता है पर एक हादसे में हैमंड और उसका सहायक ऑफिसर बेट्स मारे जाते हैं व हैमंड का विध्वंसकारी हथियार राजगढ़ के एक अंधकूप में दफन हो जाता है। कई दशकों बाद राजगढ़ के जंगल हिन्दुस्तान के महानगरों में से एक राजनगर में बदल चुके हैं जहां डॉक्टर अनीस रजा श्वेता के साथ मिलकर कॉम्बैटिंग ड्रोन्स तैयार करने में लगे हुए हैं जोकि आने वाले समय में फ्यूचर पुलिसिंग का स्वरूप होगा। इसी बीच अलग-अलग घटनाक्रमों में ध्रुव और स्टील राजनगर नेशनल फॉरेस्ट्स में प्रोटोप्लास्ट नामक एक परग्रही और एक अनआइडेंटिफाईड मशीनरी से टकराते हैं। प्रोटोप्लास्ट ध्रुव को एक ऐसे भीषण हथियार के बारे में बताता है जिसने उसके ग्रह को तबाह कर दिया और जो अब पृथ्वी को भी तबाह करने वाला है। स्टील अनआइडेंटिफाईड मशीनरी को ध्रुव की मदद से ध्वस्त कर देता है पर उससे टकराने के बाद स्टील के व्यवहार में बदलाव आने लगता है। उधर राजनगर में दो ब्रिटिश साइंटिस्ट अपने एनालाइजर वेपन्स की प्रदर्शनी के लिए आते हैं जिनकी सुरक्षा का दायित्व स्टील को सौंपा जाता है। मैकेनिक इन वेपन्स को चुराने की कोशिश करता है। इन घटनाओं के कुछ माह पश्चात राजनगर का स्वरूप बदल चुका है। अब यह एक भयावह और खतरनाक स्थान है जो कहलाता है...

हाइबरनेशन

संजय गुप्ता की पेशकश

राज कॉमिक्स है मेरा जुनून

कथा-स्तुति मिश्रा
कला निर्देशन-सुशांत पंडा
चित्रांकन-रवि आनंद, सुशांत पंडा
स्याहीकार-विनोद कुमार,
ईश्वर आर्ट्स, स्वाति चौधरी, फ्रैंको

रंगसज्जा-सुनील दस्तूरिया,
बसंत पंडा
शब्दांकन-मंदार गंगेले
संपादन-मनीष गुप्ता

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

उपरोक्त घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए पढ़ें प्रस्तुत कथानक का प्रथम भाग 'राजनगर रक्षक'
www.rajcomics.com पर उपलब्ध

RAJNAGAR NATIONAL MUSEUM, FEW MONTHS BACK.

मेरी नई ईजाद इन माइक्रो-ड्राइवर्स में मिनी लोकेटर्स इनस्टॉल्ड हैं...

जोकि इन्हें फेंकी जाने वाली दिशा में मशीनरी जॉइंट्स को ऑटोमेटिकली लोकेट कर उन्हें डिटैच कर देते हैं।

छनाक

काम तो मेरी उम्मीद से पहले ही पूरा हो गया।

सर्र-सर्र

चलो! अच्छा है। जेल जाने से पहले...

तुम्हारी कोई अधूरी ख्वाहिश नहीं रहेगी, मैकेनिक!

इंस्पेक्टर स्टील!! यानी यह सब एक सेटअप था!

मैकेनिक के बारे में जानने के लिए पढ़ें स्टील के पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'मैकेनिक' व 'अड़तालिस घंटे'।
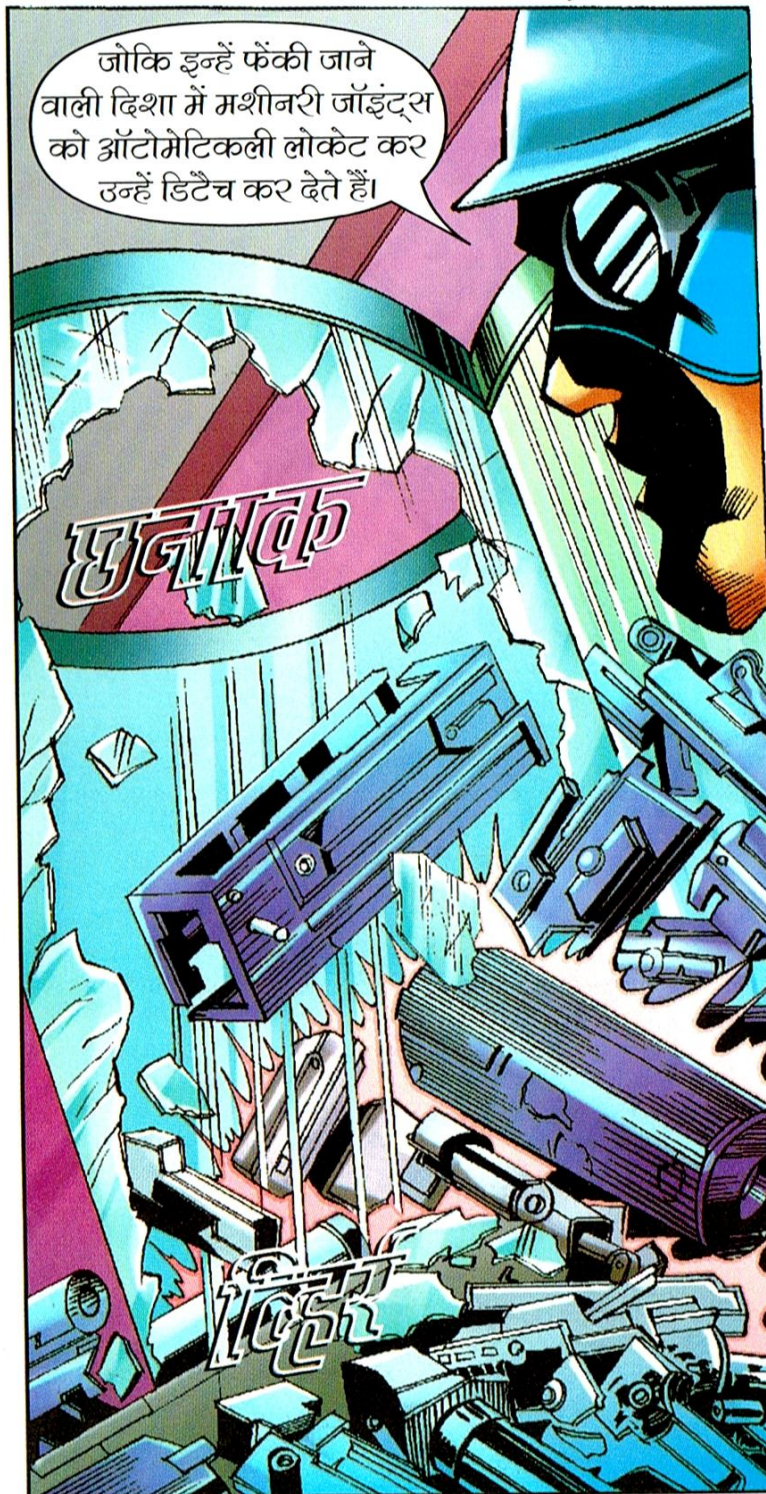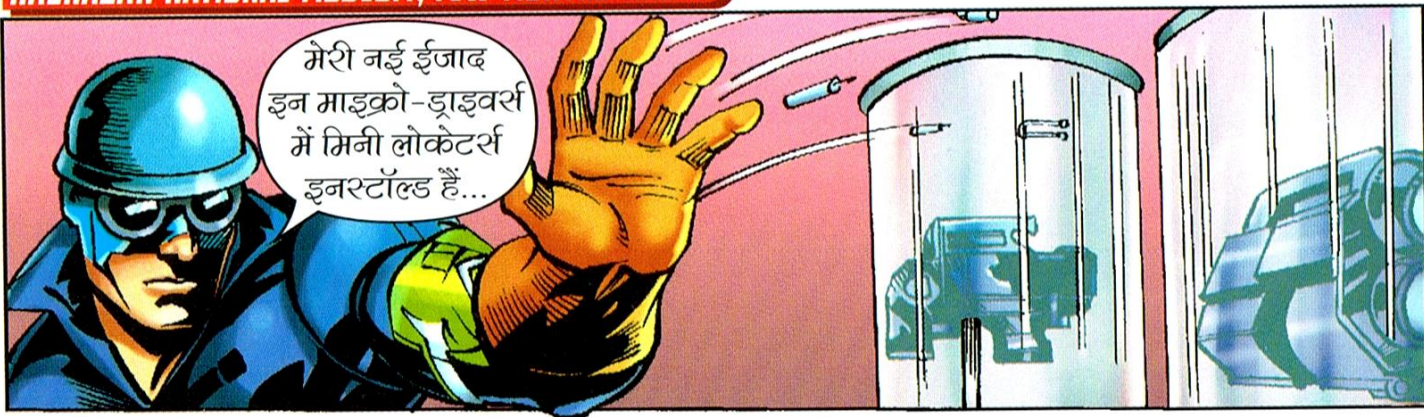
अब यह सेटअप तुझे लॉक-अप पहुंचा कर एंड होगा।

शक्क

ATTACK ALERT_

मेरे माइक्रो-ड्राइवर्स को भूल गया तू!

दो सेकेंड्स में तुझे भी इन एनालिटिकल वेपन्स की तरह पुर्जा-पुर्जा कर देंगे ये।

किर्र

मेरी स्टील बॉडी के आउटर स्ट्रक्चर में 440 वोल्ट करेंट फ्लो हो सकता है, मैकेनिक! जोकि मेरे इंटरनल सर्किट, हार्डवेयर और ब्रेन तक नहीं पहुंच सकता लेकिन तेरे इन माइक्रो-ड्राइवर्स और इनमें फिट माइक्रो-प्रोसेसर्स को राख कर सकता है।

440 VOLT CURRENT OUTFLOW ACTIVATED_

यू आर अंडर अरेस्ट। ग्लाइडियेटर गैंग को ब्रिटिश कार्गो चुराने के लिए भेजने वाले तुम थे या फिर तुम भी उनकी तरह किसी और के लिए काम कर रहे हो?

सवालों के जवाब यहां अभी देना चाहते हो या फिर लॉक-अप में पिटते हुए?

क्लिक

जानते हो, स्टील? मशीनों से भी ज्यादा नफरत मुझे किससे है?

तुम जैसी मशीनों से, जो खुद को इंसानों से ऊपर, उनसे काबिल, उनसे समझदार समझती हैं।

तुम्हें पता है बाहर पुलिस के वाहन अपने आप ही स्टार्ट होकर कैसे चलने लगे?

??

DANGER ALERT_
HIGH LEVEL ACCELERATION INITIATED_

अब खुद ही अंदाजा लगा लो कि तुम्हारा क्या हाल होने वाला है।

यह एक्सीलिरेटर डिवाइस है, यह किसी भी मशीन को स्वचालित मोड पर डाल कर उसकी पावर खतरनाक लेवल तक बहुगुणित कर सकती है जिसका नजारा तुम बाहर देख ही चुके हो...

उफ! मैं पूरा बल लगाकर भी इस डिवाइस को खुद से अलग नहीं कर पा रहा हूं। मेरा खुद पर से नियंत्रण पूरी तरह हट चुका है।

SAME TIME, COMMISSIONER RAJAN MEHRA'S RESIDENCE.

मेरा रात्रिगश्त पर निकलने का टाइम हो रहा है, मां! मैं चलता हूं।

अरे! डिनर तो करता जा। पनीर कचौड़ियां बना रही हूं खास तेरे लिए।

कचौड़ियां खा कर मैं क्राइम फाइटिंग कैसे करूंगा, मां? मैं तो कहता हूं कि इस बंदरिया को भी मत दो। कचौड़ियां खा-खा कर अगर मोटी हो गई तो इससे शादी कौन करेगा।

ए...ए भईया! खुद खा नहीं सकते तो मेरे खाने पर नजर मत लगाओ। हाई कैलोरी फूड से दिमाग की बत्ती जलती है समझे?

हां! मैंने सुना तो था उस बायो-गैस मशीन के बारे में जो गोबर डालने से बिजली बनाती है, आज देख भी लिया।

गोबर!! तुम कहना चाहते हो कि मैं गोबर खाने वाली मशीन हूं। मम्मी देख लो तुम्हारा लाडला बेटा तुम्हारे बनाए खाने को गोबर कह रहा है।

भगवान् से डर झूठी, मैंने मम्मी के खाने को कब गोबर कहा? मैं तो कैलोरी और जंक फूड की बात कर रहा था।

अब बस करो तुम...

हे राम!

श्वेता!! मम्मी!! आप लोग ठीक तो हैं ना?

ह...हां, भईया! हम दोनों ठीक हैं...

पर ज्यादा देर तक यहां किसी को ठीक नहीं रहने देगी...

मेटालिका!

श्वेता तू मम्मी को लेकर ऊपर जा और दरवाजा लॉक कर ले, मैं इसे संभालता हूं।

कोई कहीं नहीं जाएगा।

लाइव मेटल!! यह तो लाइव मेटल है।

पर लाइव मेटल टेक्नोलॉजी तो सिर्फ एक थ्योरी है जिस पर शोध चल रहा है।

अभी तक संसार में कोई भी स्थाई तौर से लाइव मेटल को मेटल ह्यूमनॉइड में ट्रांसफॉर्म नहीं कर पाया है।

मानना पड़ेगा लड़की, मौत सामने है और तुझे टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट की चिंता सता रही है।

मुझे लगा था कि मेटालिका मेरे लिए यहां आई है पर यह तो श्वेता के पीछे पड़ गई।

किचन में एक चीज है जो इसे रोकने में शायद मेरी मदद कर सकती है।

मुझे चिंता जरूर सता रही है पर खुद की नहीं तुम्हारी। क्योंकि मेरी और मम्मी की ओर बुरी नजर डालकर तुमने अपनी शामत बुला ली है।

दुनिया में ऐसा कोई टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट ना हुआ है और ना ही हो सकता है जो मेरे भईया को रोक सके।

देखते हैं कि ध्रुव मेरा क्या...

...बिगाड़ लेगा...ओ!!!!

शाबाश, भईया! बहन की जुबान की लाज रख ली तुमने।

तेरी इस कतरनी के चलने ने ही मुझे इतना समय दे दिया कि मैं यह खौलता हुआ देसी घी किचन से लाकर इस पर डाल सकूं।

तूने कैसे जाना कि इसे देसी घी से नुक्सान पहुंचेगा?

वास्तव में इसे नुक्सान देसी घी से नहीं बल्कि उसके खौलने से पहुंचा है।

यहां आते ही जब इसने मुझ पर वार किया था तो इसका स्पर्श बर्फ की तरह ठंडा था जिससे मैंने यह अनुमान लगाया कि खुद को लिक्विड स्टेट और दोबारा सॉलिड मेटल में परिवर्तित करने के लिए इसका टेम्प्रेचर कंट्रोल आवश्यक है।

यानी अगर इसका तापक्रम बिगड़ जाए तो यह तरल से ठोस और ठोस से तरल में नहीं बदल पाएगी, बस मुझे फौरन आपकी कचौड़ियों वाले देसी घी का खयाल आया। खौलते घी के अनसैचुरेटेड फैट सेल्स आसानी से इसके मॉलिक्युलर स्ट्रक्चर में मिल गए और इसका स्वरुप बिगाड़ दिया।

अब इसको किसी टेम्प्रेचर प्रूफ कंटेनर में कैद करना...

इतनी जल्दी नहीं, ध्रुव! चाल बढ़िया थी। पर मेरे मॉलिक्युलर स्ट्रक्चर में तूने जो उष्ण तरल पदार्थ डाला था उसकी ऊष्मा का स्तर अब न्यूनतम हो गया है।
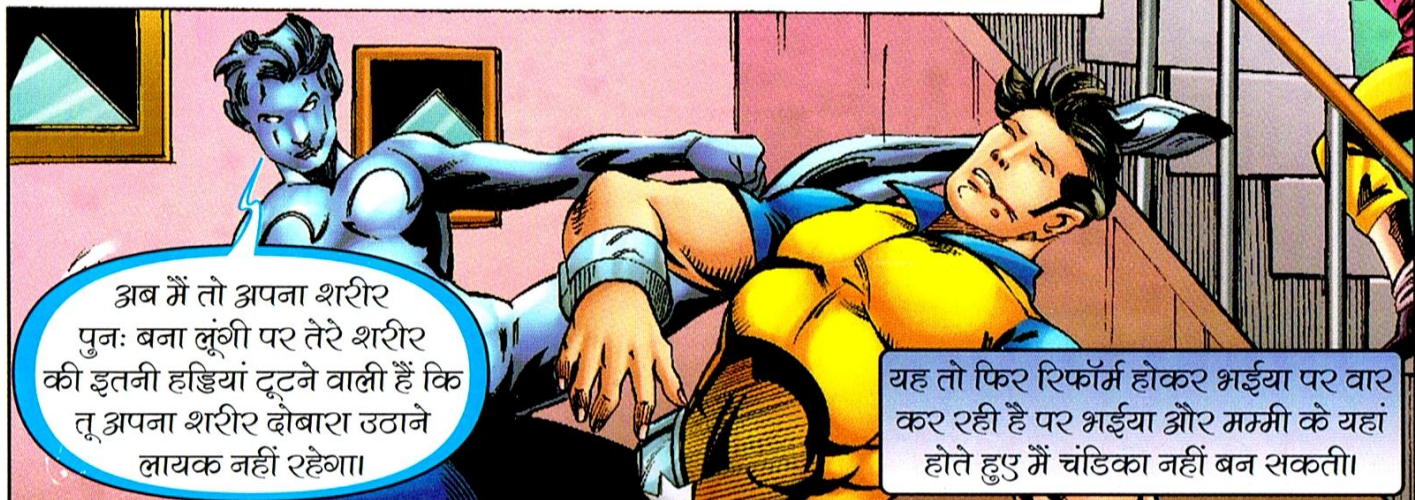
अब मैं तो अपना शरीर पुनः बना लूंगी पर तेरे शरीर की इतनी हड्डियां टूटने वाली हैं कि तू अपना शरीर दोबारा उठाने लायक नहीं रहेगा।

यह तो फिर रिफॉर्म होकर भईया पर वार कर रही है पर भईया और मम्मी के यहां होते हुए मैं चंडिका नहीं बन सकती।

पर भईया ने इसकी जो टेम्प्रेचर थ्योरी बताई है उस पर काम करने के लिए एक चीज है मेरे पास।

DOCTOR ANEES RAZA'S LAB

यह सिग्नल!! यानी स्टील की बॉडी कोई और कण्ट्रोल करने की कोशिश कर रहा है।

मैंने स्टील के ऑपरेटिंग सिस्टम में ऐसा प्रोग्राम इनस्टॉल किया था कि अगर स्टील का बॉडी मेकेनिजम अमर के या मेरे कंट्रोल से बाहर जाएगा तो यह अलार्म बज उठेगा।

मुझे स्टील की मौजूदा स्थिति का अवलोकन करना होगा।

बीप
बीप
बीप
बीप

अमूमन यदि इंसानी आंखों को मेगापिक्सेल के मानक पर तोला जाए तो आम इंसान की आंखों की कैपेसिटी 576 मेगापिक्सेल होती है। पर स्टील की आंखें जोकि दरअसल शक्तिशाली कैमरे हैं 8500 मेगापिक्सेल की कैपेसिटी रखते हैं और इन कम्प्यूटर्स को लाइव वीडियो फीड देते हैं।

स्टील की आंखों के शक्तिशाली कैमरों द्वारा मैं उसके आस-पास का दृश्य वैसे ही देख सकता हूं जैसे अपने चारों ओर का।

मैकेनिक!! मैकेनिक ने स्टील की बॉडी का कंट्रोल उसके दिमाग से हटा दिया है। स्टील की शक्तियां अनियंत्रित हो रही हैं।
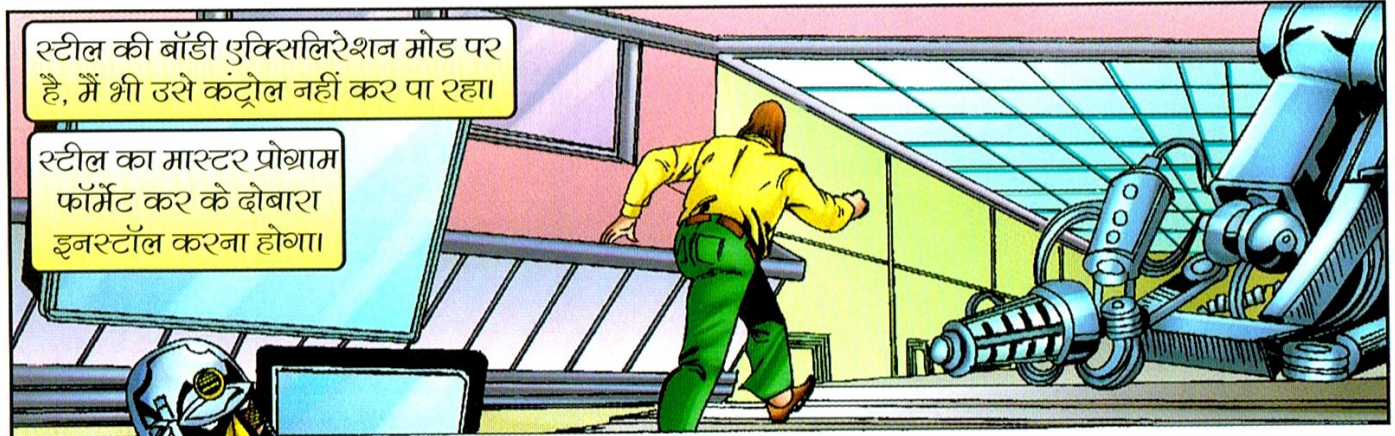
स्टील की बॉडी एक्सिलिरेशन मोड पर है, मैं भी उसे कंट्रोल नहीं कर पा रहा।

स्टील का मास्टर प्रोग्राम फॉर्मेट कर के दोबारा इनस्टॉल करना होगा।

बाकी शक्तियों के साथ मेगागन भी मेरे दिमाग के कंट्रोल से बाहर हो चुकी है।

अगर जल्द ही कोई रास्ता नहीं निकला तो यह जगह मलबे का ढेर नजर आएगी।

बूम

च्यूम

बूडूम

शाबाश स्टील! अपने लिए खुद ही कब्र का इंतजाम कर मैं तो चला... हाहाहा।

च्यूम

D.N.A. MATCH FOUND.
CRIMINAL IDENTIFIED: MECHANIC.
IMMIDIATE ARREST INITIATED.

उफ!! अब यह क्या बला है?

जो भी हैं मेरे एक्सीलिरेटर डिवाइस से नहीं बच सकते ये।

सायं

इन्होंने तो एक्सीलिरेटर डिवाइस के ही परखच्चे उड़ा दिए!!

च्यूम च्यूम

कड़ाक

अगर अपना भी यही अंजाम नहीं चाहते मैकेनिक...

...तो सरेंडर कर दो, इन ड्रोन्स के ट्रैकर्स ने तुम्हारा डी.एन.ए. आइडेंटिफाई कर लिया है अब तुम कहीं भी भाग लो यह तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेंगे।

ये शॉक प्रूफ ड्रोन्स 440 वोल्ट तक का करेंट आराम से झेल सकते हैं।

स्टील की बॉडी में प्रवाहित होता करेंट इन्हें नुक्सान नहीं पहुंचाएगा और यह आराम से स्टील के शरीर से अटैच हो जाएंगे।

इन ड्रोन्स में लगे माइक्रो-ड्रिलर्स स्टील की बॉडी में सूक्ष्म सुराख करेंगे जिसके जरिए ड्रोन्स की कनेक्टिंग केबल स्टील के ऑपरेटिंग सिस्टम से जुड़ जाएंगी।

जितनी देर में ड्रोन्स स्टील के मास्टर प्रोग्राम को री-इनस्टॉल करेंगे बाकी ड्रोन्स तुम पर नजर रखेंगे।

ध्यान रखना मैकेनिक तुम्हारी अपनी जगह से हिलने की जरा सी भी कोशिश तुम्हें इन ड्रोन्स की लेजर बीम का सीधा निशाना बना देगी।

स्टील! क्या तुम मुझे सुन सकते हो?

यस, डॉक्टर अनीस! मास्टर प्रोग्राम रीबूट हो चुका है।

अब दोबारा होशियारी दिखाने की कोशिश मत करना, मैकेनिक!

म... मेरी बात सुनो, स्टील! मैं जानता हूं कि मैं तुम्हारी नजर में एक अपराधी हूं पर मैं जो कहने वाला हूं वह बहुत जरूरी है।

य... ये एनालिटिकल वेपन्स बहुत बड़े विनाश का सबब बनने वाले हैं और...

तुम्हें मौन रहने का अधिकार है, जो कुछ भी तुम कहोगे उसे कोर्ट में तुम्हारे विरुद्ध साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

तुम समझ नहीं रहे हो, स्टील!... म... मैंने राजनगर फॉरेस्ट में मौजूद उस अनआइडेंटिफाइड मशीनरी के हिस्सों पर कुछ परीक्षण किए हैं और...

किर्र-बुज्ज

अरे!! यह क्या हुआ? स्टील की आंखों से आती लाइव फीड कैसे अवरुद्ध हो गई?

समझ तुम नहीं रहे हो, मैकेनिक! अगर तुमने अपना मुंह बंद नहीं रखा तो मैं हमेशा के लिए तुम्हारा मुंह बंद कर दूंगा।

ओ... ओ माई गॉड!!

MEANWHILE AT COMMISSIONER RAJAN MEHRA'S RESIDENCE.

इसे दोबारा डीफॉर्म करने के लिए तो कम से कम एक गैलन खौलता हुआ घी चाहिए होगा।

च्यूम

उसकी जरुरत नहीं पड़ेगी, भैया!

च्यूम

मैं इसका परमानेंट इंतजाम करके आई हूं।

ये चार ड्रोन्स मैं फर्दर टेस्टिंग के लिए लैब से लेकर आई थी, मुझे क्या पता था कि आज ही इनकी ग्राउंड टेस्टिंग करनी पड़ेगी।

हीट रेज एक्टिवेट!!

च्यूम

च्यूम

तेरे इन खिलौनों की ऊष्मा कुछ पल के लिए मेरा तापक्रम अवश्य बढ़ा सकती हैं पर उसका कोई फायदा नहीं...

क्योंकि मेरा मॉलिक्युलर स्ट्रक्चर चंद पलों में ही पुनः कई सौ डिग्री माइनस में चला जाएगा।

यह ठीक कह रही है श्वेता! ऐसे इसे अधिक देर तक नहीं रोका जा सकता।

मैं भी तुम्हारी ही बहन हूं मिस्टर भईया!

कुछ देर मेरे दिमाग पर भी भरोसा कर लो निराश नहीं होगे।

हीट वेव्स डीएक्टिवेट।

लगता है तुझे अक्ल आ गई लड़की! देख, मेरा तापक्रम पुनः शून्य से नीचे चला गया है।

गुड। मेरी उम्मीद से जल्दी ही तेरा बन्दोबस्त हो जाएगा।

हीट वेव्स एक्टिवेट।

हीट वेव्स डीएक्टिवेट।

आखिर तू कर क्या रही है, श्वेता?

मैं समझ गया, मम्मी कि श्वेता क्या कर रही है।

श्वेता मेटालिका का हीट ट्रीटमेंट कर रही है।

हीट वेव्स एक्टिवेट।

...जिसमें किसी भी धातु का तापमान उसके मेल्टिंग पॉइंट तक बढ़ाया जाता है और फिर उसे ठंडा होने दिया जाता है और यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है...

हीट वेव्स डीएक्टिवेट।

...जिससे कि धातु ठोस हो जाती है, इस प्रक्रिया में ऐसे तो काफी समय लगता है पर क्योंकि मेटालिका का तापमान शून्य से भी कम है इसलिए यह प्रक्रिया इतनी जल्दी पूरी हो गई और...

...मेटालिका का शरीर इतना सख्त हो चुका है कि वार करना तो दूर यह हाथ-पैर हिलाने लायक भी नहीं रही।

टाडा...यह किसी शोरूम में मेनेक्विन बनने के लिए बिलकुल तैयार है। क्या कहा था मैंने भईया, अब मानते हो ना श्वेता दी ग्रेट के दिमाग का लोहा।

आई एम प्राउड ऑफ यू माई सिस्टर।
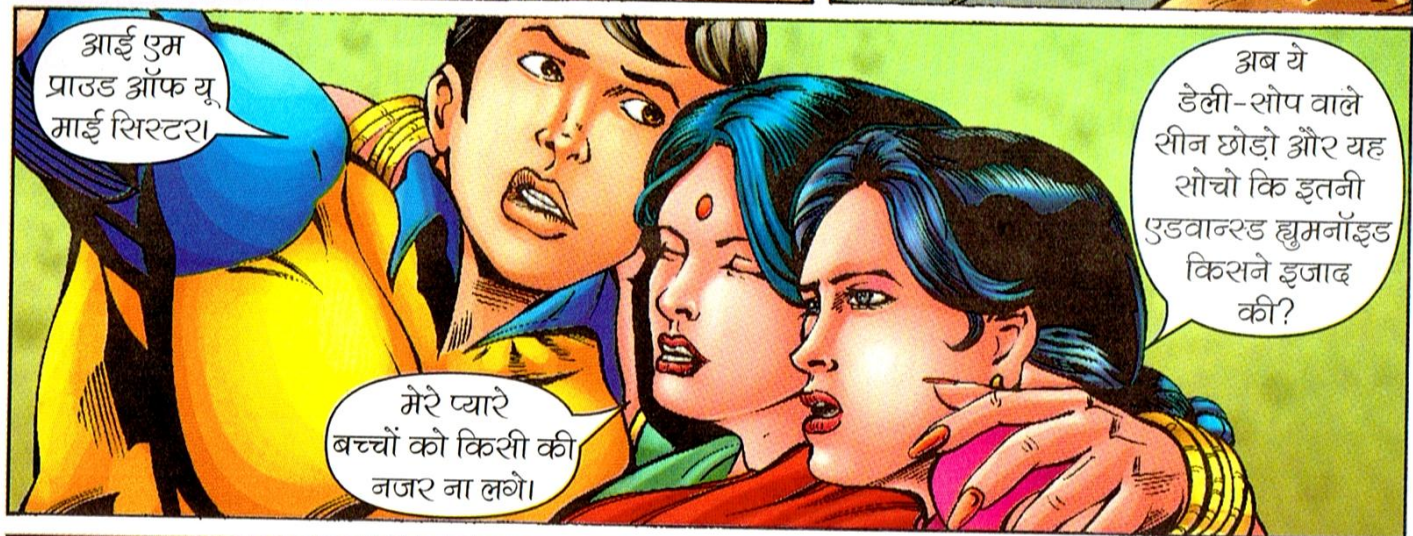
मेरे प्यारे बच्चों को किसी की नजर ना लगे।

अब ये डेली-सोप वाले सीन छोड़ो और यह सोचो कि इतनी एडवान्स्ड ह्यूमनॉइड किसने इजाद की?

क्योंकि यह तो प्रूव हो गया कि अपने आविष्कारों की टेस्टिंग तुम पर करने का शौक अकेले मुझे नहीं है।

यह जानने के लिए इसका पूरा परीक्षण करना होगा...

...और मुझे पता है कि यह काम कहां हो सकता है।

DOCTOR ANEES RAZA'S LAB

दिस इज अनबिलीवेबल! ऐसा एडवांस मकैनिजम और टेक्नोलॉजी विश्व के किसी भी साइंटिस्ट ने अब तक डेवेलप नहीं की है।

पर किसी ना किसी ने तो इसे बनाया है, चाहे इसे बनाने वाला इस दुनिया का हो या किसी बाहरी दुनिया का।

और अगर इसके जैसे लाइव मेटल हत्यारों की फौज खड़ी हो गई तो इन पर काबू पाना मुश्किल होगा।

तुमने और श्वेता ने एक बार इसे परास्त किया है दोबारा भी कर सकते हो।

जरूरी नहीं है। अगर इसे ध्रुव पर टेस्टिंग के लिए भेजा गया था तो इसका निर्माता इसके तापक्रम वाली कमी को दूर कर लेगा। फिर हमारे पास इन्हें रोकने के लिए कोई भी तकनीक नहीं होगी।

फिर तुम्हारे हिसाब से हमें क्या करना चाहिए स्टील?

यह तकनीक दुनिया भर के साइंटिस्ट्स के लिए भले ही अनजानी हो पर अब दो जीनियस साइंटिस्ट ऐसे हैं जोकि इस तकनीक पर शोध कर के इसे विकसित कर सकते हैं। और वे दो साइंटिस्ट हैं...

डॉक्टर अनीस रजा और श्वेता मेहरा।

यही कि तुम दोनों इस लाइव मेटल पर शोध कर के फर्ज के वे सिपाही बना सकते हो जो ऐसे हत्यारों के विरुद्ध लड़ सकेंगे जोकि तुम अब तक इसलिए नहीं बना पाए क्योंकि देश का कानून और मानवता इसकी इजाजत नहीं देते।

तुम कहना क्या चाहते हो अमर?

हम इस मेटालिका पर शोध कर इसका स्ट्रक्चरल फार्मूला एक्सट्रेक्ट कर सकते हैं और फिर मेटलिक कॉप्स का निर्माण करना हमारे बाएं हाथ का खेल होगा।

पर मुझे यह आइडिया ऐसा ही लग रहा है जैसे एटम बम के खतरे से निपटने के लिए और ज्यादा एटम बम बनाना।

ऐसा नहीं है भईया, हमारे बनाए हुए मेटल कॉप्स स्टील की तरह ही फर्ज की मशीन होंगे।

स्टील के मशीनी शरीर में उस इंसान का दिमाग लगा हुआ है जिसने अपने फर्ज के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी।

उस दिमाग का, उस जज्बे का, उस इंसानियत का मुकाबला कोई टेक्नोलॉजी नहीं कर सकती।

श्वेता और अनीस कॉम्बैटिंग ड्रोन्स के रूप में इस बात को पहले ही गलत सिद्ध कर चुके हैं ध्रुव कि मशीनी शरीरों को फर्ज के पुतले बनाने के लिए इंसानी दिमाग की, इंसानी भावनाओं की जरुरत है। हम दोनों ही इन ड्रोन्स की कार्य-कुशलता का नमूना देख चुके हैं।

मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि यह तुम कह रहे हो स्टील।

मैं अब तक इन ड्रोन्स के आविष्कार और प्रयोग को लेकर ही संशय में था और तुम लाइव मेटल कॉप्स की वकालत कर रहे हो?

और मुझे तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं हो रहा भईया कि तुम इतने इनसिक्योर हो सकते हो।

यह तू क्या कह रही है श्वेता?

बिलकुल ठीक कह रही हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी तरक्की से तुम्हें इतनी तकलीफ होगी।

तू... तू गलत समझ रही है, श्वेता।

सही समझा है मैंने! तुम्हें इतनी तकलीफ सिर्फ इस-लिए हो रही है क्योंकि ड्रोन्स और लाइव मेटल कॉप्स तुम्हारी क्राइम फाइटर सुपर हीरो इमेज को हमेशा के लिए खत्म कर देंगे।

पर अब समय आ गया है कि अपनी ईगो को किनारे कर के इस सच को एक्सेप्ट करो कि राजनगर को अपने रक्षक के रूप में किसी फैंसी सुपर हीरो की नहीं बल्कि टेक्निकली एडवान्स्ड पुलिसिंग की जरुरत है।

समझना तुम्हें होगा श्वेता कि जो तुम करने जा रही हो उसका परिणाम ना राजनगर के लिए अच्छा होगा ना ही मानवता के लिए, आगे तुम खुद समझदार हो।

तुम्हें कैसे समझाऊं भैया, यह सब मैं तुम्हारे लिए ही तो कर रही हूं।

जब तक राजनगर सुरक्षित हाथों में नहीं होगा तब तक तुम एक आम इंसान की जिंदगी नहीं जी सकोगे।

और तुम्हारी इस जिंदगी, तुम्हारे राजनगर रक्षक होने की जिम्मेदारी का बोझ अब उनसे सहन करना मुश्किल हो रहा है जो तुम्हारे अपने हैं, जिन्हें हर पल यह फिक्र खाए जाती है कि तुम्हें कुछ हो ना जाए।

FEW DAYS BACK.

मम्मी बड़ी गजब की भूख लगी है, चूहे तो पेट में ग्रैंड मास्टर रोबो से भी ज्यादा उत्पात मचा रहे हैं...

शशशश....क्या करूं मैं तेरा, घर में घुसते वक्त भी मुंह बंद नहीं रख सकती।

नताशा आई है, ध्रुव से मिलने के लिए।

अरे!! नताशा आई है तो मुझे चुप रहने का इशारा क्यों कर रही हो। रुको मैं मिल कर आती हूं।

घोड़ी जैसी हो गई है पर अक्ल नहीं आई तुझे।

नताशा ध्रुव से अकेले में कुछ बात करना चाहती है। दोनों को डिस्टर्ब मत करना।

दिन भर तेरा भाई गुंडे-बदमाशों के पीछे ही अपनी जिंदगी बर्बाद करता रहता है। कभी उसे अपने आने वाले कल के बारे में भी तो सोचने दे।

आखिर तुम चाहती क्या हो, नताशा?

हम दोनों का आज और आने वाला कल बदलना चाहती हूं।

क्या तुम अपनी दुनिया छोड़ सकते हो ध्रुव? क्या तुम अपना सब कुछ छोड़कर मेरे पास लौटने को तैयार हो?

तुम कहना क्या चाहती हो?

अपनी क्राइम फाइटिंग छोड़ दो, ध्रुव! पापा का पीछा छोड़ दो। मैं वादा करती हूं, सब कुछ छोड़कर हमेशा के लिए तुम्हारे पास आ जाऊंगी।

तो तुम यहां मुझसे रोबो को बचाने का सौदा करने आई हो।

मैं यहां हमारे भविष्य की आखिरी उम्मीद लेकर आई थी।

उसका सिर्फ एक ही तरीका है, नताशा। छोड़ दो अपराध की दुनिया, छोड़ दो ग्रैंड मास्टर रोबो को और लौट आओ मेरे पास।

अपने भविष्य के लिए मैं राजनगर का भविष्य रोबो जैसे मानवता के दुश्मनों के रहम-ओ-करम पर हरगिज नहीं छोड़ सकता।

जब तक राजनगर है, रोबो जैसे शैतान हैं, उनसे राजनगर को बचाने के लिए यह राजनगर रक्षक रहेगा।

यह राजनगर रक्षक उस दिन ही रिटायर होगा जब राजनगर इतना सुरक्षित हो जाए कि इसे किसी रक्षक की जरूरत ही ना हो।

तुमने एक बार फिर साबित कर दिया ध्रुव कि मैं तुम्हारे लिए कोई मायने नहीं रखती। गुडबाय ध्रुव।

रुक जाओ, नताशा! खुद को मुझसे इतना दूर मत ले जाओ कि मैं चाह कर भी तुम्हें अपराध की दलदल से बचाने ना आ सकूं।

दूर तो मैं तुमसे जा चुकी हूं ध्रुव!

पर हम अपराधियों के ईमान तुम शरीफ इंसानों से ज्यादा ऊंचे हैं। जब भी तुम्हें जरुरत होगी, नताशा जरूर आएगी।

RAJNAGAR, FEW DAYS LATER.

आज का दिन हिन्दुस्तान के और हमारे राजनगर के इतिहास में एक अतिमहत्वपूर्ण दिन के रूप में याद किया जाएगा।

देश को और राजनगर को फर्ज की मशीन देने वाले डॉक्टर अनीस रजा ने श्वेता मेहरा के साथ मिलकर राजनगर के लिए पहले से कहीं ज्यादा आधुनिक रक्षकों का निर्माण किया है।
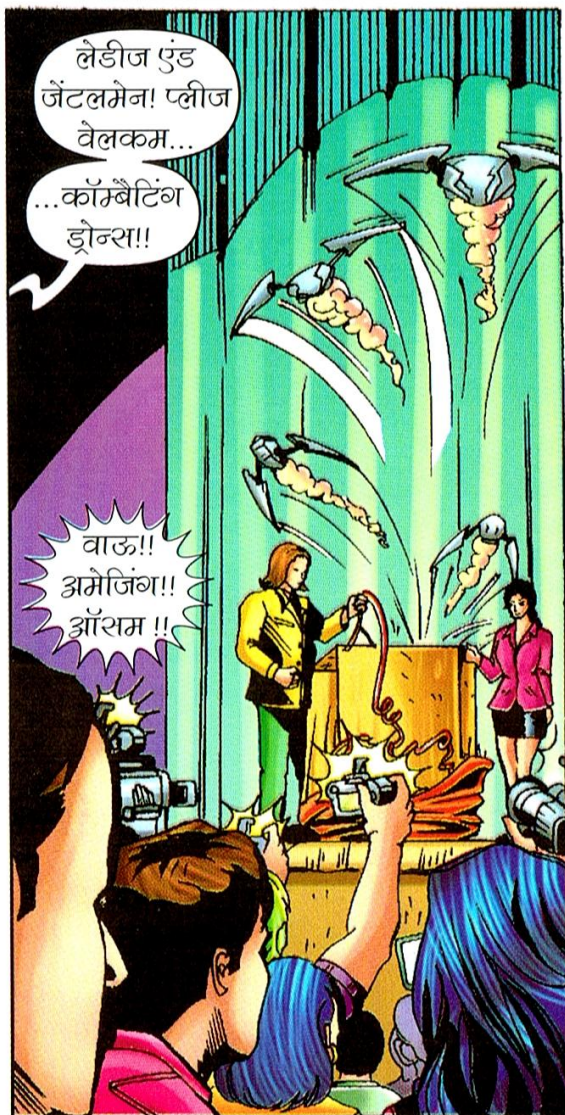
लेडीज एंड जेंटलमेन! प्लीज वेलकम...

...कॉम्बैटिंग ड्रोन्स!!

वाऊ!! अमेजिंग!! ऑसम !!
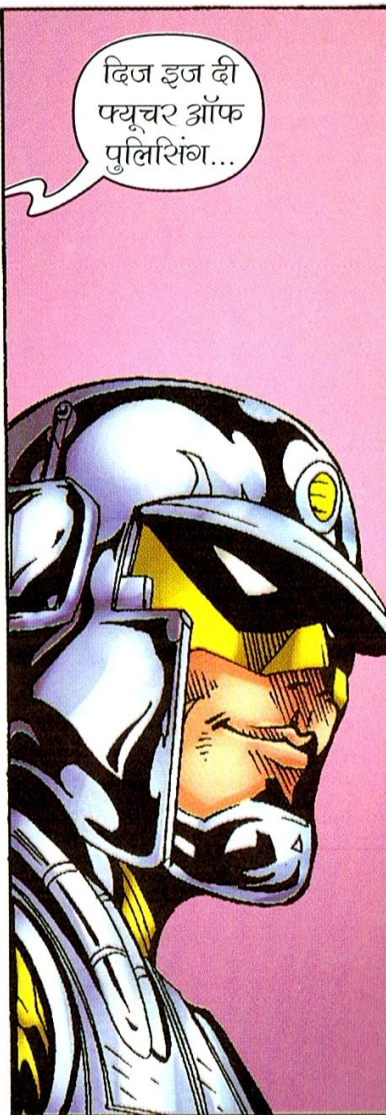
दिज इज दी फ्यूचर ऑफ पुलिसिंग...

एंड दी फ्यूचर ऑफ क्राइम फाइटिंग!

"छोटे अपराधी हों..."

"...या फिर बड़े सुपर विलेन्स। कॉम्बैटिंग ड्रोन्स हर आपदा से निपटने में पूर्णतः सक्षम हैं।"

उफ!! लेजर बीम के रिसीविंग एंड पर होना कोई सुखद अनुभव नहीं है, निकलो यहां से रोबो आर्मी।

"कॉम्बैटिंग ड्रोन्स सिर्फ रक्षक ही नहीं..."

मेरी बेटी भीड़ में कहीं खो गई है प्लीज हेल्प!!

MOB SCANNING MODE ACTIVATED.
IDENTIFY SPECIFIED D.N.A.

"संरक्षक भी हैं।"

D.N.A. MATCH FOUND.
IDENTIFICATION PROCESS COMPLETE.

थैंक यू सो मच, मिस्टर ड्रोन।

"मुझे पूरा यकीन है कि आने वाले समय में ये ड्रोन्स राजनगर को देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का सबसे विकसित और सुरक्षित मेट्रोपोलिटन बना देंगे।"

DEAD END, HIBERNATION, NOW.

डेल्टा टू बेस... डेल्टा टू बेस... प्लेन ध्वस्त हो गया पर मैं ठीक हूं... डेल्टा टू बेस।

डैम इट!! ट्रांसमीटर भी गया। अब जो करना है मुझे अकेले ही करना होगा।

SOME PLACE UNKNOWN, PRESENT TIME.

हमारा उससे संपर्क टूट गया है। मैंने पहले ही कहा था कि यह उसके बस की बात नहीं है। रेस्क्यू मिशन के लिए मुझे जाना चाहिए था।

शांत हो जाओ नक्षत्र। यह संयम खोने का समय नहीं है।

अब तो लगता है तुम्हारा ही कथन सत्य होगा, मिस्टर नक्षत्र!

डेल्टा की नाकामयाबी के बाद तुम्हें ही हाइबरनेशन जाना होगा।

मत भूलिए कि डेल्टा से पूर्व हम कमांडो फोर्स को भी हाइबरनेशन भेज चुके हैं। वह जगह एक डेडपॉइंट है, वहां हम जितने भी लोगों को भेजते जाएंगे वे सभी वहीं गर्त होते चले जाएंगे।

हमें यह मान लेना चाहिए कि अब वहां बचाने के लिए कुछ भी नहीं बचा।

प्रयत्न से पूर्व पराजय ना ध्रुव को स्वीकार है और ना ही नक्षत्र को। मैं हाइबरनेशन जाऊंगा कमिश्नर और उनके साथ ही लौटूंगा।

तुम अकेले नहीं जा रहे हो, नक्षत्र!

और मुझे कोई लैक्चर पिलाने से पहले मेरे टाईटेनियम के नाखूनों के डिजाइन की कल्पना अपने चिकने चेहरे पर कर लेना।

यह एक्सक्लूसिव धमकी हाइबरनेशन के लिए बचा कर रखो, हम दोनों चल रहे हैं।

यकीन नहीं हो रहा कि यह राजनगर ही है।

ऐसा होगा यह तो सपने में भी नहीं सोचा था।

INTRUDER SPOTTED.

हाथ ऊपर करो और आइडेन्टिटी रिवील करो।

मेरी आइडेंटिटी रिवील होने से तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ने वाला...

D.N.A. STRUCTURE IDENTIFIED.
IDENTITY - ROBO ARMY'S COMMANDER IN CHIEF NATASHA.
IMMIDIATE TERMINATION COMMANDS.

क्योंकि नताशा वैसे भी तुम्हें स्क्रैपयार्ड पहुंचा कर ही छोड़ने वाली है।

ये रस्टिक रेज किसी भी धातु में चंद पलों में ही जंग लगा सकती हैं...

शक्क-शक्क-शक्क

धड़ाक-धाड़

...चाहे वह धातु रस्ट प्रूफ लाइव मेटल ही क्यों न हो।

अब, वार्मअप हो गया तो असली प्लान ऑफ एक्शन पर काम शुरू किया जाए।

तुम्हारे प्लान ऑफ एक्शन के बारे में जानने के लिए उत्सुक हूं मैं।

फरसा!!

तो अब तुम इन टिन के डिब्बों के लिए भाड़े के टट्टू का काम कर रहे हो।

यहां तेरी या तेरे बाप की हुकूमत नहीं चलती लड़की। राजनगर में जिंदा रहने का सिर्फ एक तरीका है, इन मशीनों की गुलामी करना।

यकीन नहीं आता तुम्हारे जैसा क्रिमिनल भी अपनी जान बचाने के लिए किसी का पालतू कुत्ता बन सकता है।

बहुत चलती है तेरी जबान, तेरी गर्दन धड़ से उतारने के बाद इसे भी खींच निकालेगा फरसा।

फरसा के बारे में जानने के लिए पढ़ें स्टील के पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'फरसा' व 'सरकलम'।

यह गया तेरा फरसा।

और

...तू!

यह गया...

हाथी जैसी ताकत और हाथ में हथियार, अगर नताशा को हराने के लिए सिर्फ यही काफी होते तो नताशा के नाम के आगे कमांडर नहीं होता।

धुम्म

धाड़!!

आह!!

कमांडर होने का मतलब यह नहीं कि हर सुपर विलेन तेरा और ग्रैंड मास्टर रोबो का गुलाम हो गया।

हैमर के बारे में जानने के लिए पढ़ें स्टील का पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'हैमर'।

तीन-तीन टॉप लेवल क्रिमिनल एक साथ, एक ही जगह पर! अगर यह राजनगर होता तो तुम्हें जरूर गिरफ्तार करती मैं।

इंस्पेक्टर सलमा खान!!

पर अफसोस अब यह राजनगर नहीं रहा, यह एक जहन्नुम बन गया है जिसका नाम हाइबरनेशन है।

मैं यहां दुश्मन बनकर नहीं दोस्त बनकर आई हूं।

तुम्हें हाइबरनेशन को समझने में वक्त लगेगा, नताशा! यहां खुद के अलावा दूसरा कोई दोस्त नहीं है।

फिलहाल हमें यहां से निकलना होगा। यहां इनके जैसों के मुकाबले में मेरे पास मौजूद असला-बारूद बहुत कम है।

हम कहां जा रहे हैं?

सुरक्षित स्थान पर।

कौन सी जगह है यह?

ध्वस्त हो चुके राजनगर में सिर्फ यही एक इमारत है जहां वे ह्यूमनॉइड नहीं आते।

अब बताओ तुम यहां क्या कर रही हो?

वही जो तुम कर रही हो, अपनों को बचाने की कोशिश।

अपने? क्या तुम्हारा इशारा ध्रुव और श्वेता की ओर है।

तुम्हें किसे बचाना है, स्टील को?

स्टील? अब ना तो कोई फर्ज की मशीन इंस्पेक्टर स्टील है और ना ही अमर। मैं अगर इस जहन्नुम में हूं तो उसकी सिर्फ और सिर्फ एक वजह है मेरे भाई डॉक्टर अनीस रजा।

HIBERZONE. EARLIER KNOWN AS RAJNAGAR POLICE HEADQUARTERS.

PRESENT TIME.

यह तुम्हारा आखिरी मौका है

हमारे साथ सहयोग करने के अलावा अब कोई रास्ता तुम्हारे पास बचा नहीं है।

अपनी जान लेने का रास्ता बचा है मेरे पास!

मर जाऊंगा पर वह नहीं करूंगा जो तू चाहता है।

अफसोस, मेरे दोस्त! मरने का ऑप्शन तुम्हारे पास मौजूद ही नहीं है।

भला दुनिया में अपने सबसे जिगरी दोस्त को मैं मरने कैसे दूंगा? उस दोस्त को जिसने मुझे मरने के बाद भी जिंदा रखा।

मुझे वे अपार शक्तियां दीं जिन्हें मैं फर्ज का पुतला बने सिर्फ ढो रहा था। पर अब समय आ गया है उन शक्तियों का सही इस्तेमाल करने का।

समय आ गया है इंसानों
के अस्तित्व को मिटा कर
मशीनों का अपना साम्राज्य
स्थापित करने का जो
कहलाएगा हाइबरनेशन!

FEW MONTHS BACK, RAJNAGAR POLICE HEADQUARTERS
COMBAT MODE
ACTIVATED_
REFLEX LEVEL
1000/12456_
HIT-100/100_
च्यूम
च्यूम
च्यूम
च्यूम
च्यूम

ALL TARGETS DOWN_

LEVEL 02 INITIATED_

सायं-सायं

BOXING PLATES IN MOTION_

COMBAT LEVEL 02 LAUNCH_

धूम
धूड़म
बूम
य... यह सब क्या है अमर?
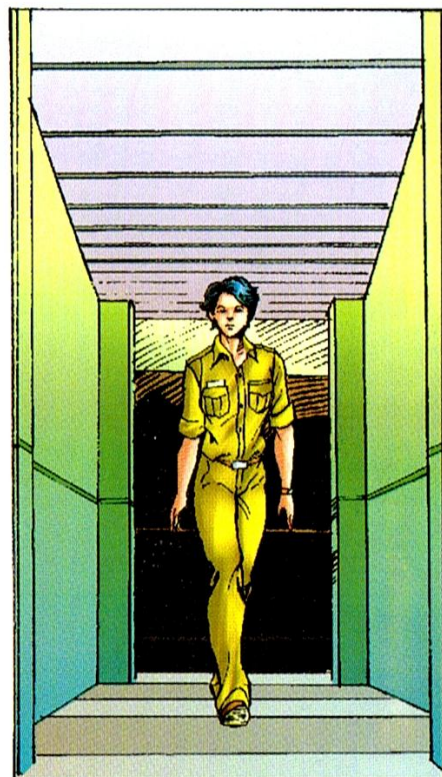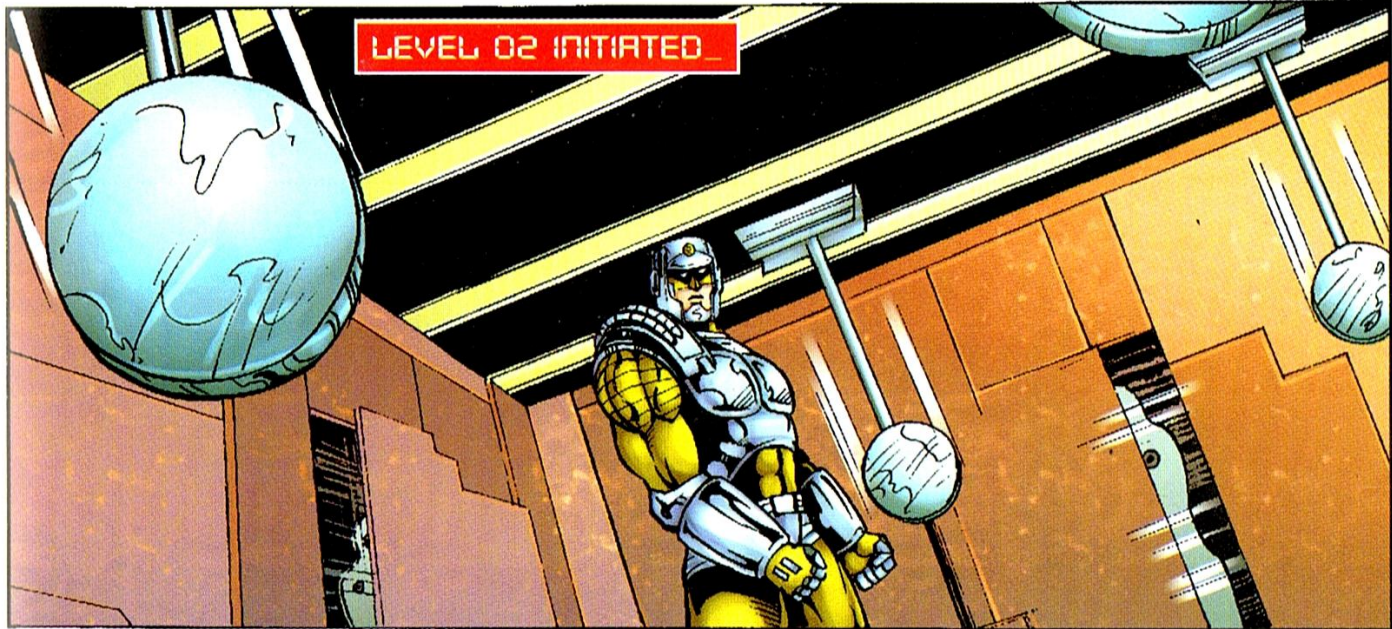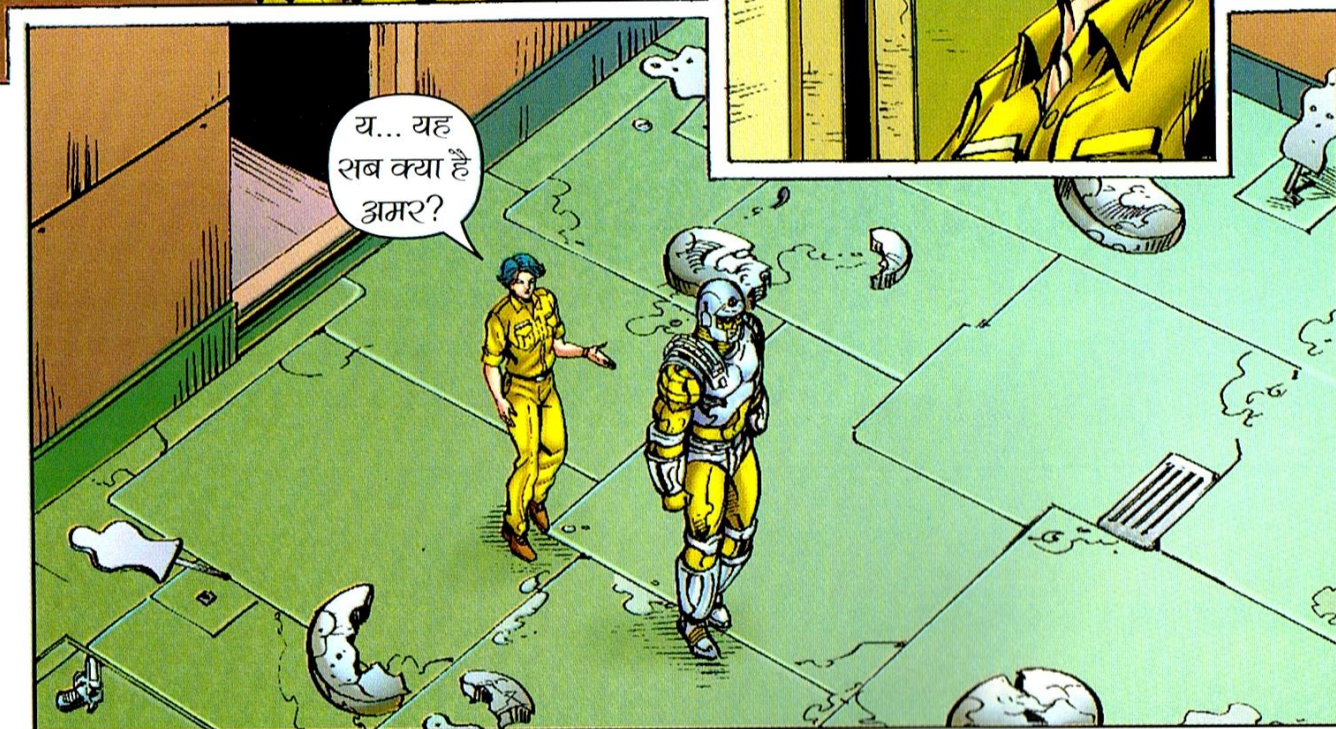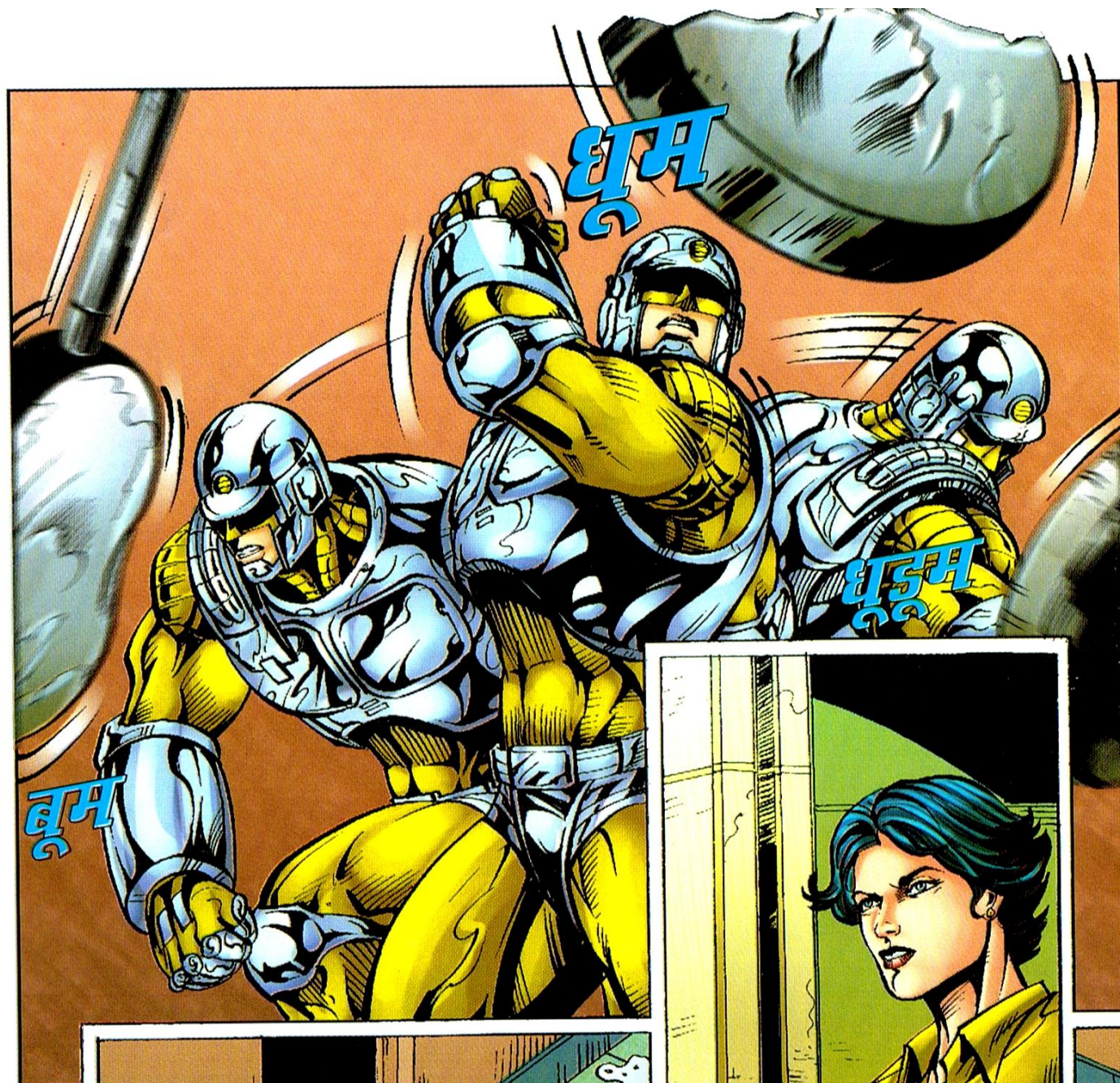
यह फ्रस्ट्रेशन भी अजीब चीज होती है, सलमा! कहने को तो यह सिर्फ एक 'स्टेट ऑफ माइंड' है, एक मानसिक अवस्था। परन्तु असर यह पूरे शरीर पर डालती है, इस धातु के शरीर पर भी। जब जिस्म इंसानी था तब भी फ्रस्ट्रेशन निकालने का सबसे उपयुक्त जरिया अपने रिफ्लेक्सेस अपनी फिजिकल एबिलिटी को शार्प करना था...
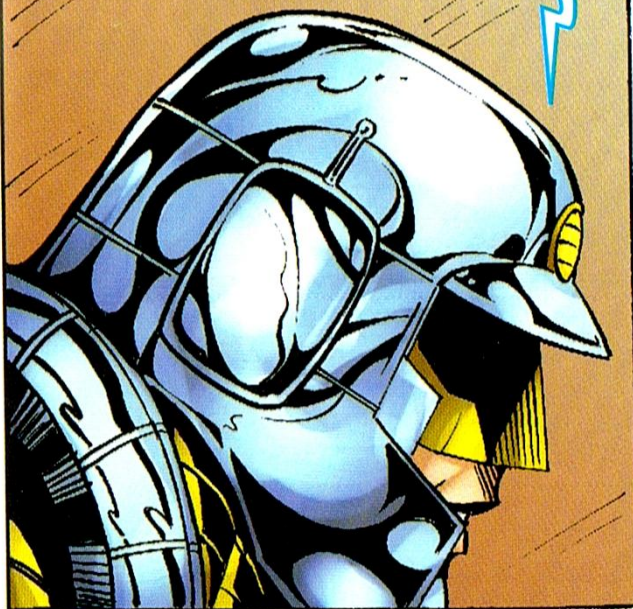
आखिर कौन सी बात फ्रस्ट्रेट कर रही है तुम्हें?

अब भी वही है, बस जरिया बदल गया है।

अपनी आंखें बंद करो सलमा।

व्हाट?

जो कहता हूं वह करो, आंखें बंद करो अपनी।

अब उस एक शख्स का चेहरा देखने की कोशिश करो जिसे तुम इस दुनिया में सबसे ज्यादा चाहती हो। क्या तुम्हें वह चेहरा नजर आ रहा है?

ह...हां।

यही मेरी फ्रस्ट्रेशन का कारण है।

मेरी आंखों की जगह लगे ये हाई-डेफिनिशन कैमरे वे चीजें भी देख सकते हैं जो इंसानी आंखें नहीं देख सकतीं, पर यह दिल में रहने वाले लोगों के अक्स नहीं देख सकते...

क...क्या मतलब?

...क्योंकि इस स्टील के शरीर में तो इंसानी दिल है ही नहीं, सिर्फ ब्लड पम्प करने वाला पेसमेकर है। तो फिर दिल में उमड़ने वाले ये जज्बात क्यों हैं इस मशीनी शरीर में?

मेरे जिस्म का सिर्फ एक हिस्सा, यह दिमाग इंसानी है और वह पुकार-पुकार कर अपने बिछड़े हुए बीवी-बच्चे को स्मृतियों के रूप में देखने की कमांड इस शरीर के ऑपरेटिंग सिस्टम को दे रहा है...
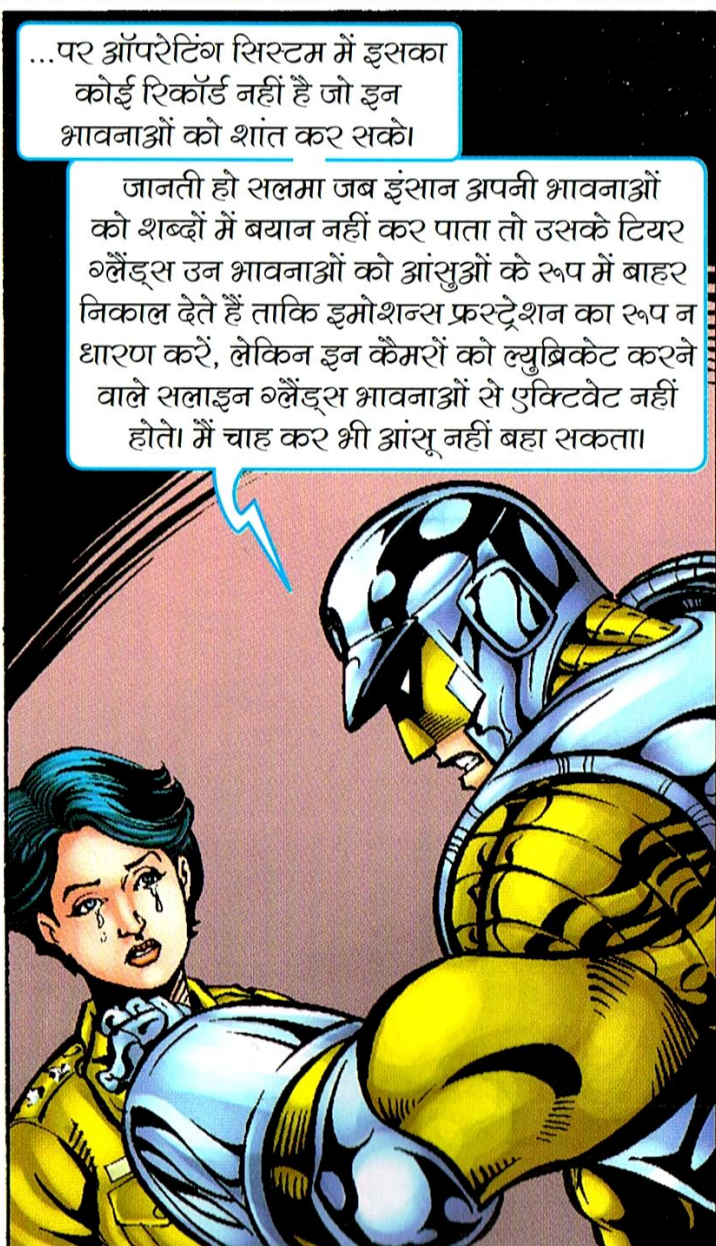
...पर ऑपरेटिंग सिस्टम में इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है जो इन भावनाओं को शांत कर सके।

जानती हो सलमा जब इंसान अपनी भावनाओं को शब्दों में बयान नहीं कर पाता तो उसके टियर ग्लैंड्स उन भावनाओं को आंसुओं के रूप में बाहर निकाल देते हैं ताकि इमोशन्स फ्रस्ट्रेशन का रूप न धारण करें, लेकिन इन कैमरों को ल्युब्रिकेट करने वाले सलाइन ग्लैंड्स भावनाओं से एक्टिवेट नहीं होते। मैं चाह कर भी आंसू नहीं बहा सकता।

टन्न

यह शरीर फर्ज की मशीन है और दिमाग कर्तव्य का गुलाम, तो फिर ये भावनाएं आती कहां से हैं? क्यों ये मेरा पीछा नहीं छोड़तीं?

उफ! अमर!

जानती हो, सलमा! मैं अक्सर एक बात सोचता हूं। अनीस ने मुझे जिंदगी फर्ज की मशीन बनाने के लिए दी थी, फिर क्यों उसने इस दिमाग से अमर और उसके जीवन से जुड़ी सभी स्मृतियों को हमेशा के लिए मिटा नहीं दिया?

क्योंकि वे स्मृतियां ही तुम्हारा अस्तित्व हैं, अमर!

अगर अमर की स्मृतियां, अमर का वजूद ही नहीं होगा तो इंस्पेक्टर स्टील का अस्तित्व भी नहीं होगा। फर्ज और कर्तव्य का जज्बा भी नहीं होगा!

अमर की वही स्मृतियां स्टील के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही हैं, सलमा! अनीस को अपनी गलती सुधारनी होगी। अमर और इंस्पेक्टर स्टील में से अब किसी एक का ही अस्तित्व इस मशीन में रह सकता है।

इससे पहले भी अमर का दिमाग कई बार ऐसी एंगजाईटी का शिकार हुआ है पर इस बार स्थिति कुछ ज्यादा ही चिंताजनक दिख रही है।

मुझे भैया से बात करनी होगी।

SAMETIME, ROBO ARMY HEADQUARTERS NEAR RAJNAGAR.
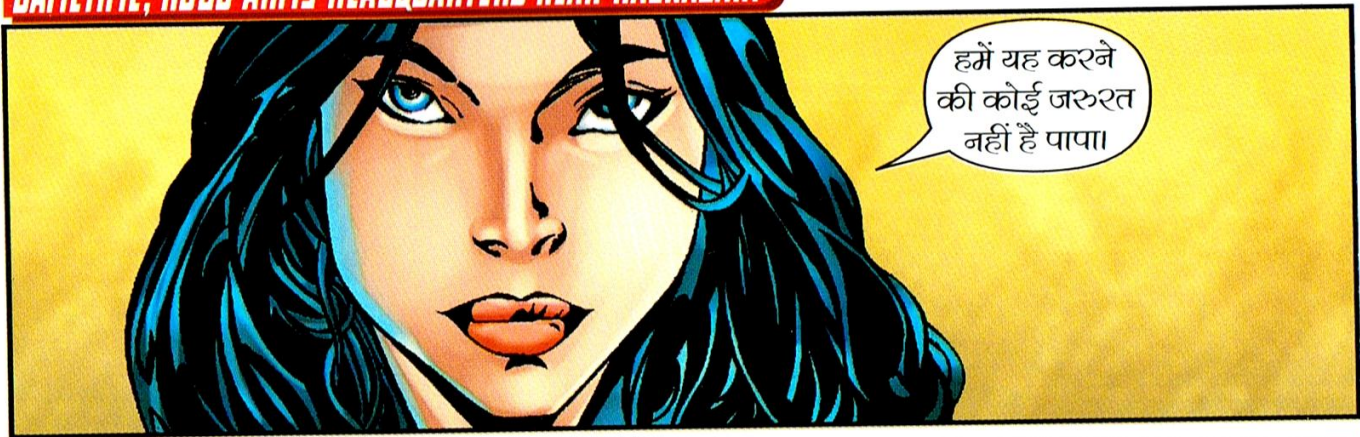
हमें यह करने की कोई जरुरत नहीं है पापा।
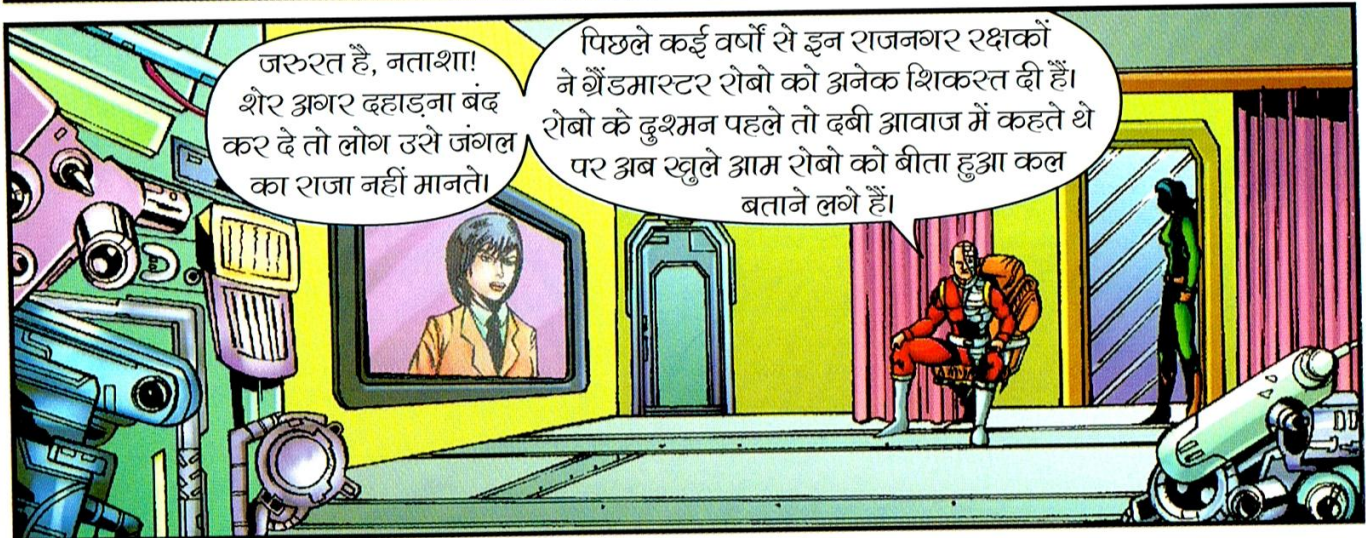
जरुरत है, नताशा! शेर अगर दहाड़ना बंद कर दे तो लोग उसे जंगल का राजा नहीं मानते।

पिछले कई वर्षों से इन राजनगर रक्षकों ने ग्रैंडमास्टर रोबो को अनेक शिकस्त दी हैं। रोबो के दुश्मन पहले तो दबी आवाज में कहते थे पर अब खुले आम रोबो को बीता हुआ कल बताने लगे हैं।

वक्त आ गया है कि दुनिया के साथ-साथ राजनगर रक्षक भी जान लें कि राजनगर का सिर्फ एक ग्रैंडमास्टर है, ग्रैंडमास्टर रोबो।

रोबो आर्मी और ग्रैंडमास्टर रोबो आज भी जंगल के इकलौते शेर हैं।
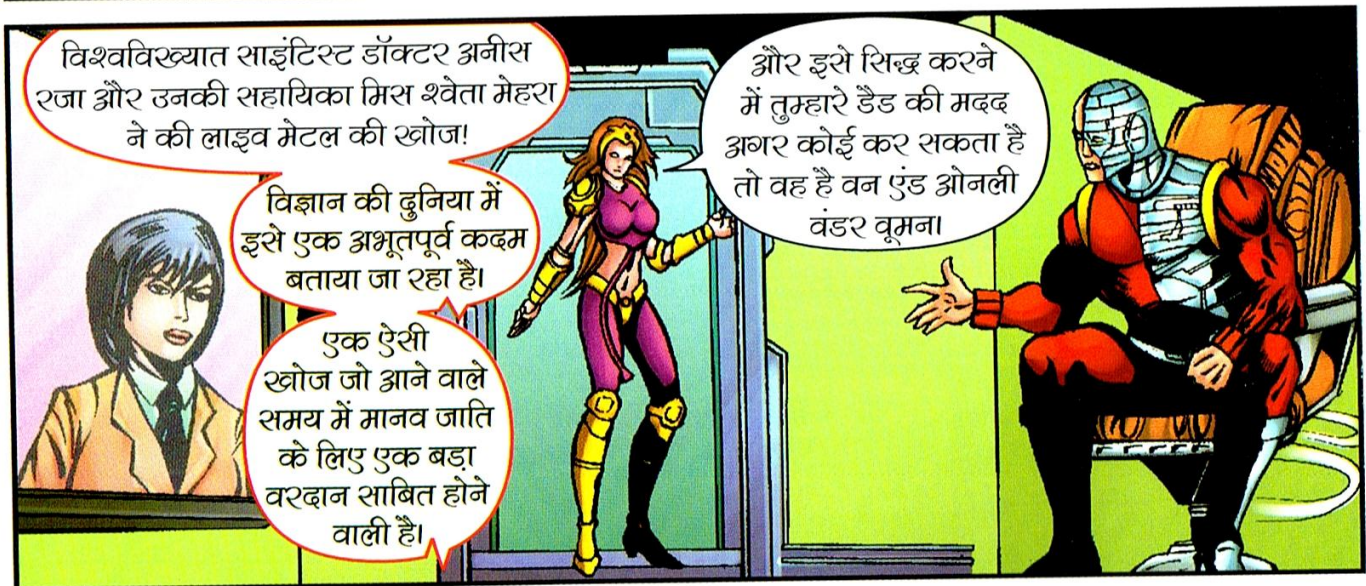
विश्वविख्यात साइंटिस्ट डॉक्टर अनीस रजा और उनकी सहायिका मिस श्वेता मेहरा ने की लाइव मेटल की खोज!

विज्ञान की दुनिया में इसे एक अभूतपूर्व कदम बताया जा रहा है।

एक ऐसी खोज जो आने वाले समय में मानव जाति के लिए एक बड़ा वरदान साबित होने वाली है।

और इसे सिद्ध करने में तुम्हारे डैड की मदद अगर कोई कर सकता है तो वह है वन एंड ओनली वंडर वूमन।

और इसमें तुम्हारा क्या फायदा है वंडर वूमन? तुम चैरिटी के लिए तो यह प्रपोजल लेकर हमारे पास नहीं आई हो।

डैडीज लिटिल गर्ल! इतना इनसिक्योर्ड होने की जरुरत नहीं है।

मैं यहां तुमसे तुम्हारे 'पापा' को चुराने नहीं आई हूं।

मैंने हमेशा सुना था कि औरतों का सेन्स ऑफ ह्यूमर वाहियात होता है, आज नमूना भी देख रही हूं।

नमूना मैं तुम्हें अपनी ताकत का भी दिखा सकती हूं, कमांडर नताशा!

ओ रियली? मैं देखने को बेकरार हूं।

आपस में लड़ना बंद करो।

वंडर वूमन लाइव मेटल से हमारे लिए एक पूरी लाइव मेटल ह्युमनॉइड रोबो आर्मी तैयार करेगी, एक ऐसी आर्मी जो सिर्फ मेरी और मेरी बेटी के आदेशों की गुलाम होगी।

और इसकी ऐवज में तुम क्या चाहती हो?

मुझे जो चाहिए वह मैं रोबो से ले लूंगी, पर अगर कल को रोबो कानून द्वारा पकड़ लिया गया तो तुम दूसरा बाप कहां से लाओगी?

यू...

नताशा! प्लीज!

ठीक है! सिर्फ आपकी खातिर मैं खुद उस लाइव मेटल को हासिल करूंगी, पापा।

लेकिन अगर इसने हमें डबल क्रॉस करने की कोशिश की तो यह खुद को जिंदा रखने के लिए कोई उपकरण नहीं बना पाएगी।

मेरी बेटी मेरा अहंकार है, वंडर वूमन! उसे ललकारने की गलती दोबारा मत करना। मेरे और तुम्हारे बीच जो डील हुई है वह जरूर पूरी होगी, पर इसके बारे में नताशा को कुछ भी पता नहीं चलना चाहिए।

एज यू विश! ग्रैंड मास्टर!

रोबो से अपनी वर्षों पुरानी दुश्मनी भूली नहीं हूं मैं। बड़ी मुश्किल से रोबो के इस नए ठिकाने तक पहुंची थी पर यहां तो कोई नई ही खिचड़ी पकने की गंध आ रही है। फिलहाल, खिचड़ी चूल्हे से उतरने का इंतजार करने में ही समझदारी है।

पर इस पक रही खिचड़ी का इनविटेशन किसी और को देने में कोई हर्ज नहीं है।

लाइव मेटल पर अब तक के हमारे सभी टेस्ट्स पॉजिटिव रिजल्ट वाले रहे हैं। यह आखिरी टेस्ट होगा, श्वेता! इसके सफल होने का मतलब है कि हम लाइव मेटल ह्यूमनॉइड्स का निर्माण कर सकते हैं।

मैंने टेस्ट की सारी तैयारियां कर लीं हैं अनीस सर।

अफसोस तुम्हारी सारी तैयारियां व्यर्थ जाने वाली हैं...

...क्योंकि यह लाइव मेटल और इसका फॉर्मूला मेरे साथ जा रहा है।

नताशा।

चुपचाप चले जाना नताशा की आदत में नहीं है।

रोबो आर्मी!!

सॉरी, श्वेता! पर मेरे पास और कोई चारा नहीं है। यूं समझ लो कि मैं यह तुमसे कुछ दिनों के लिए उधार ले रही हूं, जल्द ही सुरक्षित वापस करने के वादे के साथ।

तुम यहां से कुछ भी नहीं ले जा सकतीं, यहां मौजूद हर चीज सरकारी संपत्ति है। चुप-चाप वापस चली जाओ, नताशा।

वाऊ नताशा। अपनी बेस्ट फ्रेंड से मिलने के लिए हथियारबंद फौज लेकर आई हो तुम?

डोंट पुश मी श्वेता। प्लीज।

मेरे लिए यह लाइव मेटल ले जाना बहुत जरूरी है।

और मेरे लिए तुम्हें ऐसा करने से रोकना जरूरी है। अगर इसे यहां से ले जाना है तो उसके लिए तुम्हें मुझे शूट करना होगा।

पहले यह लाइव मेटल हमारे हवाले कर दो उसके बाद आराम से तुम लोग आपस में शूट-शूट खेलते रहना।

अगर यहां से लाइव मेटल को कोई लेकर जाएगा तो वह है **ऑक्टोपस गैंग** की कमांडर इन चीफ ऑक्टोपसी।

ऑक्टोपसी के बारे में जानने के लिए पढ़ें स्टील के पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'ऑक्टोपसी', 'कानून खत्म', 'मेरा शरीर' व 'अंतिम संस्कार'।

रोबो आर्मी! ओपन फायर!!

ऑक्टोपस गैंग चार्ज!!

यह तो एक अनार सौ बीमार वाली सिचुएशन हो गई। यहां फिलहाल मुझसे ज्यादा चंडिका के होने की जरूरत है। लेकिन एक बार फिर स्थिति ऐसी है कि मैं चंडिका नहीं बन सकती। कुछ चक्कर चलाना होगा।

जिंग जिंग जिंग जिंग

ब... बचाओ... म... मैं बेहोश हो...

श्वेता!!

यह बेचारी शायद शॉक से बेहोश हो गई है, सबसे पहले इसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना होगा।

मैन लैब से ही जुड़ा हुआ है यह कोरिडोर जो कि जाता है लैब के कण्ट्रोल जंक्शन तक।

बाहर सारी मारा-मारी लाइव मेटल और उसकी फार्मूला डिस्क के लिए हो रही है, उम्मीद है हमारे पीछे कोई नहीं आएगा।

CONTROL ROOM

श्वेता यहां सुरक्षित रहेगी और मैं इस कंट्रोल जंक्शन में मौजूद अलार्म से कॉम्बैटिंग ड्रोन्स की यूनिट को और इंस्पेक्टर स्टील को अलर्ट कर दूंगा।

थैंक यू अनीस सर! इसी मौके का तो मुझे इंतजार था।

अब जबकि किसी का भी ध्यान मेरी ओर नहीं है मैं आराम से इस एयरकन्डिशनर शैफ्ट में दाखिल हो सकती हूं।

यहां श्वेता को चंडिका बनने में कोई दिक्कत नहीं है।

बहुत तमन्ना थी जिंदगी में एक बार तुझसे आमना-सामना करने की, कमांडर नताशा।

चलो, यह अच्छा हुआ, मरने से पहले तुम्हारी आखिरी ख्वाहिश पूरी हो गई।

क्योंकि एक बार जो कमांडर नताशा का रास्ता काट देता है वह अपनी जीवन रेखा से जिंदगी काट देता है।

इतनी भी जल्दी क्या है...

अभी तो खेल शुरू हुआ है।

ठाक!!

ओह!!

यह खेल तेरे अंत के साथ खत्म होगा।

THIS IS THE FIRST AND FINAL WARNING...

EVERYBODY FREEZE!

ब्लाम ब्लाम

इंस्पेक्टर स्टील

रोमा!!

अमर! व्हाट ए प्लीजेंट सरप्राइज।

खुद को कानून के हवाले कर दो रोमा!

भड़ाक

ओ कम ऑन अमर! पतियों की तरह हुक्म चलाना बंद करो।

जिंग जिंग

तुम भूल गए हो कि अब तुम मेरे पति नहीं हो।

कड़ाक

कमाल है, अमर! पहले तुम इंसान थे लेकिन तुम्हारी सोच, तुम्हारे जज्बात सब कुछ मशीनी थे।

अपनी ड्यूटी के अलावा तुम्हें कभी कुछ नजर ही नहीं आया, अपने उसूलों पर परिवार की खुशियां कुर्बान कर दीं तुमने...

स्टॉप इट रोमा... स्टॉप इट!! क्या हो गया है तुम्हें? अपराध के अन्धकार में अपने जीवन और अपने बच्चे के भविष्य को यूं गर्त मत करो।

...और आज जब तुम एक मशीन हो तब तुम्हें इंसानी जज्बातों की अहमियत पता चल रही है? पर अब बहुत देर हो चुकी है इंस्पेक्टर स्टील...

भड़ाक!!

...मैंने तो अपने बेटे के भविष्य को बनाने के लिए खुद को अपराध के गर्त में फना कर दिया, पर तुमने अपनी औलाद के लिए क्या किया?

धम्म

सिर्फ बेटे की याद में आंसू बहाने से बाप का फर्ज पूरा नहीं होता।

बताओ, स्टील! बताओ! कानून का फर्ज तो खूब निभाया तुमने, लेकिन अपने बाप होने का आज तक कौन सा फर्ज पूरा किया है तुमने?

ताड़

सच तो यह है स्टील, कि मुझे रोमा से ऑक्टोपसी बनाने वाले भी तुम ही हो। तुम एक नाकामयाब पति थे, एक नाकामयाब पिता हो और उससे भी ज्यादा एक नाकामयाब इंसान हो।

ओह... मैं भूल गई, तुम तो इंसान हो ही नहीं। तुम सिर्फ एक मशीन हो।

इस हजबैंड-वाइफ ड्रामा में दोनों का ही ध्यान मुझ पर से हटा हुआ है जिसका फायदा उठाकर मैंने लाइव मेटल की फार्मूला डिस्क और इस वॉयल में लाइव मेटल का सैंपल ले लिया है।

अब यहां से निकलना होगा...

जिंग जिंग जिंग

पर उसके लिए मुझे इन ड्रोन्स से निपटना होगा। अगर इनके लेजर वार मेरे जिस्म को छू भी गए तो खेल खत्म।

जिंग जिंग जिंग

ओह! मेरे वफादार कमान्डोज मुझे कवर करके ड्रोन्स का वार खुद पर झेल रहे हैं...

मुझे इस मौके का फायदा उठाकर यहां से निकलना होगा।

ओह! यहां भी कॉम्बैटिंग ड्रोन्स मेरे इंतजार में घात लगाए हुए हैं।

तुम इन सब से बच सकती हो नताशा...

...तुम गलती से मेरा एक सामान अपने साथ ले आई हो, उसे मुझे लौटा दो। मैं और ये ड्रोन्स तुम्हारे रास्ते से हट जाएंगे।

मैं कभी नहीं चाहती थी कि यह दिन आए...

...पर अब यह सिचुएशन आ ही गई है तो यही सही।

एज यू विश नताशा।

तुम्हारी कैट फाइट काफी इंट्रेस्टिंग है पर अफसोस बिना ब्लैक कैट के कोई भी कैट फाइट इनकम्प्लीट है।
यहां की सिचुएशन को देखकर लगता है कि तुम्हारी इन्फोर्मेशन बिलकुल सही थी।
USE
ME
RN-S 0765

तुम माइंड तो नहीं करोगी, नताशा! अगर मैं तुम्हारा कुछ सामान ले लूं?
नताशा जिस चीज पर हाथ डाल दे वह उसकी हो जाती है बिल्ली। तू कभी मुझसे कुछ चुरा नहीं सकती
म्याऊं!
लिबास तूने बिल्ली वाला पहना है। बट यू रियली आर ए बि...
जिंग
जिंग
बड़ाम
भड़ाम

ओह!! कॉम्बैटिंग ड्रोन्स नताशा और ब्लैक कैट दोनों पर अटैक कर रहे हैं। ड्रोन्स के क्रिमिनल डाटाबेस में दोनों का ही रिकॉर्ड टॉप मोस्ट क्रिमिनल्स में है।

ड्रोन्स के डाटाबेस रिकॉर्ड की जानकारी तुम्हें कैसे है चंडिका?

फिसल गई मुई जुबान!! ध्यान ही नहीं रहा कि ड्रोन्स की कॉन्फिडेंशियल इन्फोर्मेशन तो सिर्फ श्वेता या अनीस सर को ही हो सकती थी।

व... वो ध्रुव म... मुझे श्वेता ने बताया, तुम्हें तो पता है कि श्वेता और मैं बेस्ट फ्रेंड्स हैं। श्वेता ने ही मुझे ड्रोन्स के बारे में इन-डीटेल बताया था।

वैसे भी हमें फिलहाल नताशा और ब्लैक कैट को बचाने पर कॉन्संट्रेट करना चाहिए, ये दोनों सरेंडर नहीं कर रहीं और ड्रोन्स के वार लीथल होते जा रहे हैं।

और चंडिका के रूप में होने के कारण श्वेता इन्हें रुकने का कमांड दे नहीं सकती।

इन ड्रोन्स के लेजर्स के रास्ते में जो कुछ भी आएगा यह सब कुछ तबाह करते जाएंगे।

इन ड्रोन्स को किसी भी तरीके से नहीं रोका जा सकता...

जिंग

शायद रोका जा सकता है। एक तरीका है...

लेजर बीम्स को किसी चिकनी व ठोस सतह से परावर्तित किया जा सकता है...

जिंग

जिंग

जिंग

जिंग

COOLING CRIST

जैसे कि मेरे टाइटेनियम ब्रेसलेट्स।

मुझे यह भी ध्यान रखना होगा कि मैं नताशा को पूरी तरह कवर किए रहूं, क्योंकि इन ड्रोन्स का टार्गेट मैं नहीं नताशा है।

फटाक

फटाक

ग्रेट!! भईया की तरह मुझे चंडिका के लिए भी यूटिलिटी ब्रेसलेट्स डिजाईन करने चाहिए थे आज काम आते। वैसे भी, ध्रुव की तरह ही चंडिका को भी अपग्रेडेशन की जरुरत तो है ही...

पर फिलहाल इस क्रांति-कारी विचार को दिमाग के किसी साइड नोट में डालकर सर्वाइवल मोड पर कॉन्संट्रेट करना चाहिए।

EXPLOSIVE
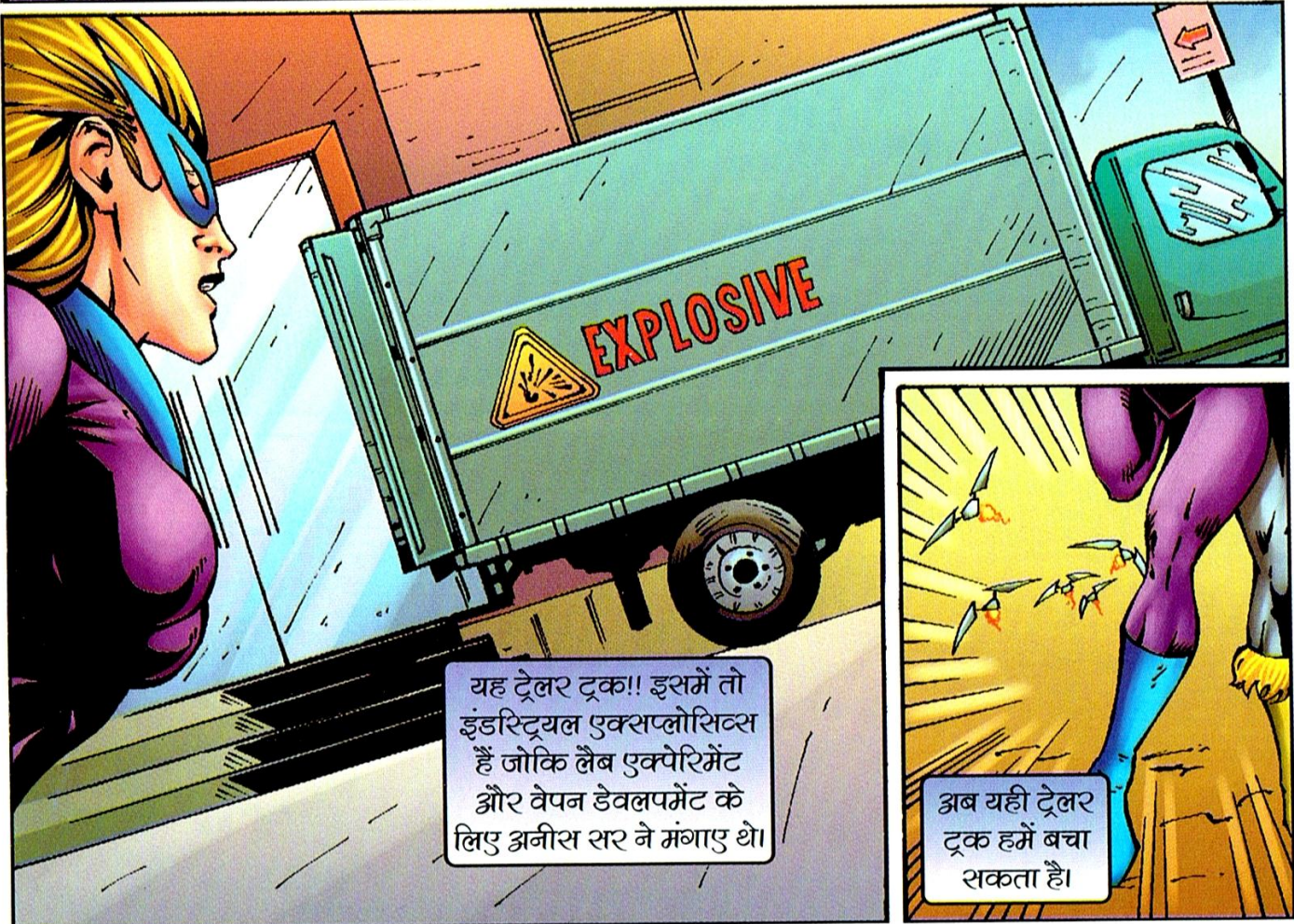
यह ट्रेलर ट्रक!! इसमें तो इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिव्स हैं जोकि लैब एक्सपेरिमेंट और वेपन डेवलपमेंट के लिए अनीस सर ने मंगाए थे।

अब यही ट्रेलर ट्रक हमें बचा सकता है।

EXPLOSIVE

हालांकि इसमें रिस्क बहुत है, अगर जरा सी भी चूक हुई तो भईया मुझे और ब्लैक कैट को बहुत मिस करेगा।

यह पूरा ट्रेलर एक्सप्लोसिव्स से भरा हुआ है...

ब्लैक कैट के डी.एन.ए. को ट्रेस करते हुए जैसे ही ड्रोन्स इस ट्रेलर के भीतर आएंगे...

EXPLOSIVE

...और लेजर बीम्स फायर करना शुरू करेंगे, मैं ट्रेलर के फर्श पर मौजूद यह लैच खोलकर...

खटाक

...ब्लैक कैट के साथ सुरक्षित बाहर निकल जाऊंगी...
...उफ!! सेकेंड का सौवां हिस्सा है मेरे पास इस ट्रेलर से दूर जाने के लिए, पर बेहोश ब्लैक कैट को लेकर यह काम संभव...
बड़ड़ड़ाम
कहानी जारी है
राजनगर रीबूट में
TO BE REBOOTED....
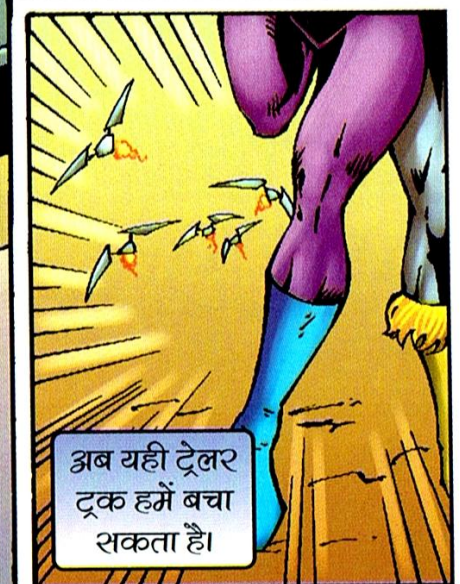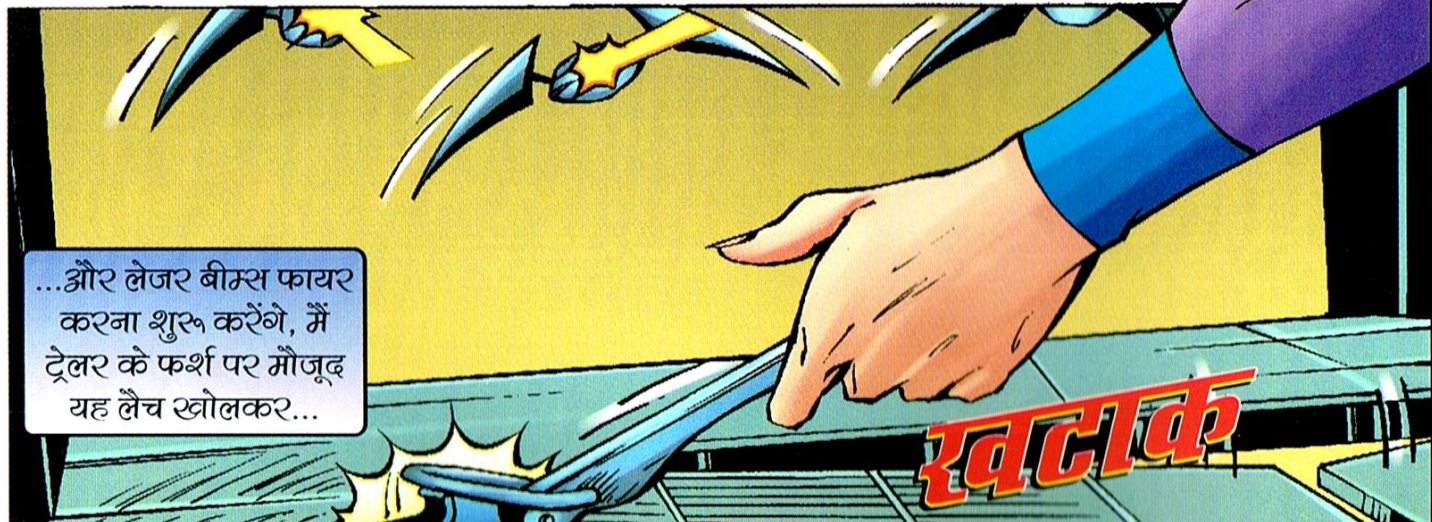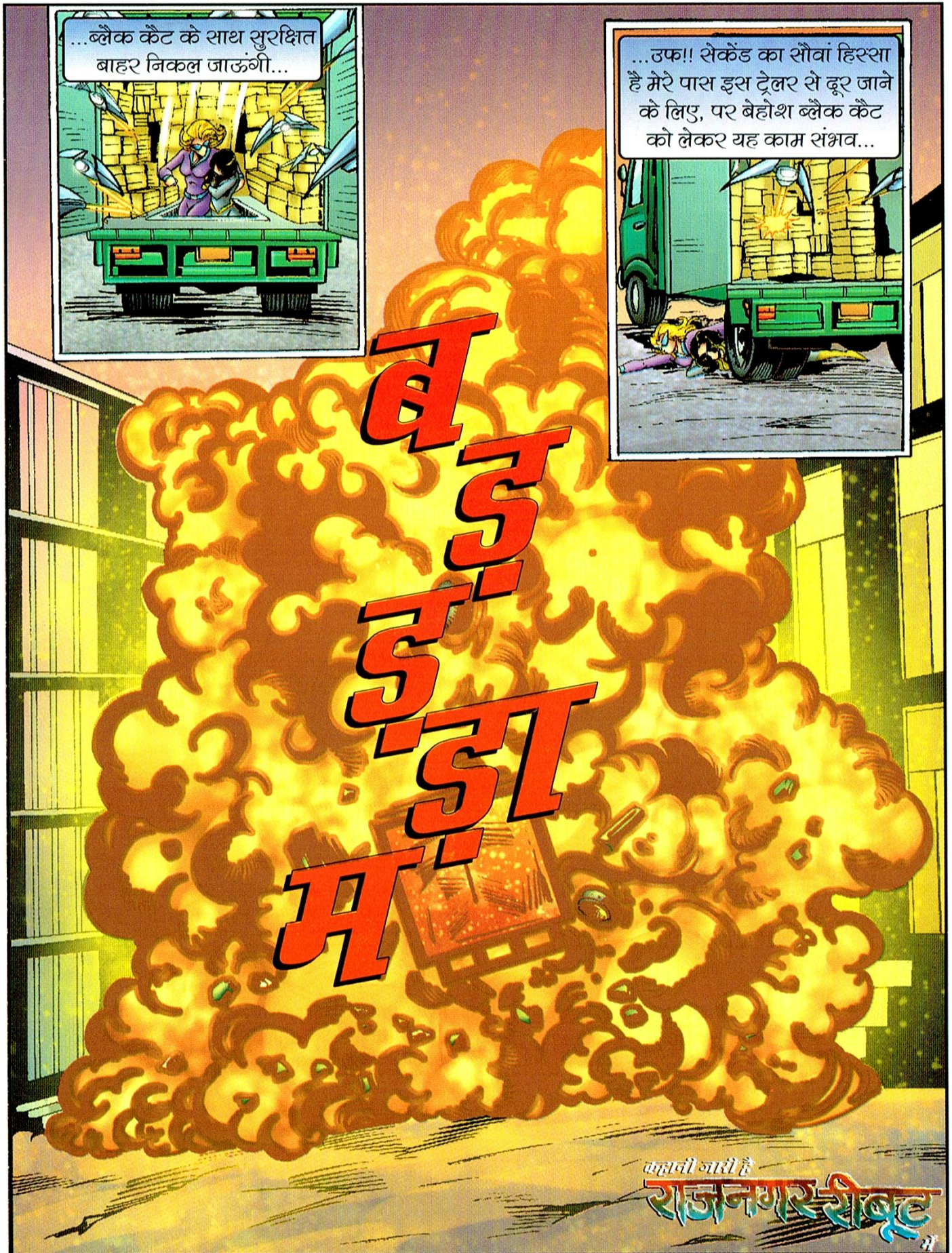
तोड़ दी है मैंने राजनगर की अभेद्य दीवार, राजनगर का रक्षक आज मेरे रहमो करम पर है। राजनगर के बाद अब यह पूरा देश बनेगा हाइबरनेशन...

...अब कभी नहीं होगा...

राजनगर रीबूट

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

राज कॉमिक्स में कानून के सिपाही इंस्पेक्टर स्टील और सुपर कमांडो ध्रुव के अपनी कर्मभूमि को बचाने की अदम्य गाथा का तीसरा भाग।

राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 60.00 संख्या 2602

सर्वनायक वर्ष 2015

राजनगर रीबूट

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

HEMANT
EESHWAR ART
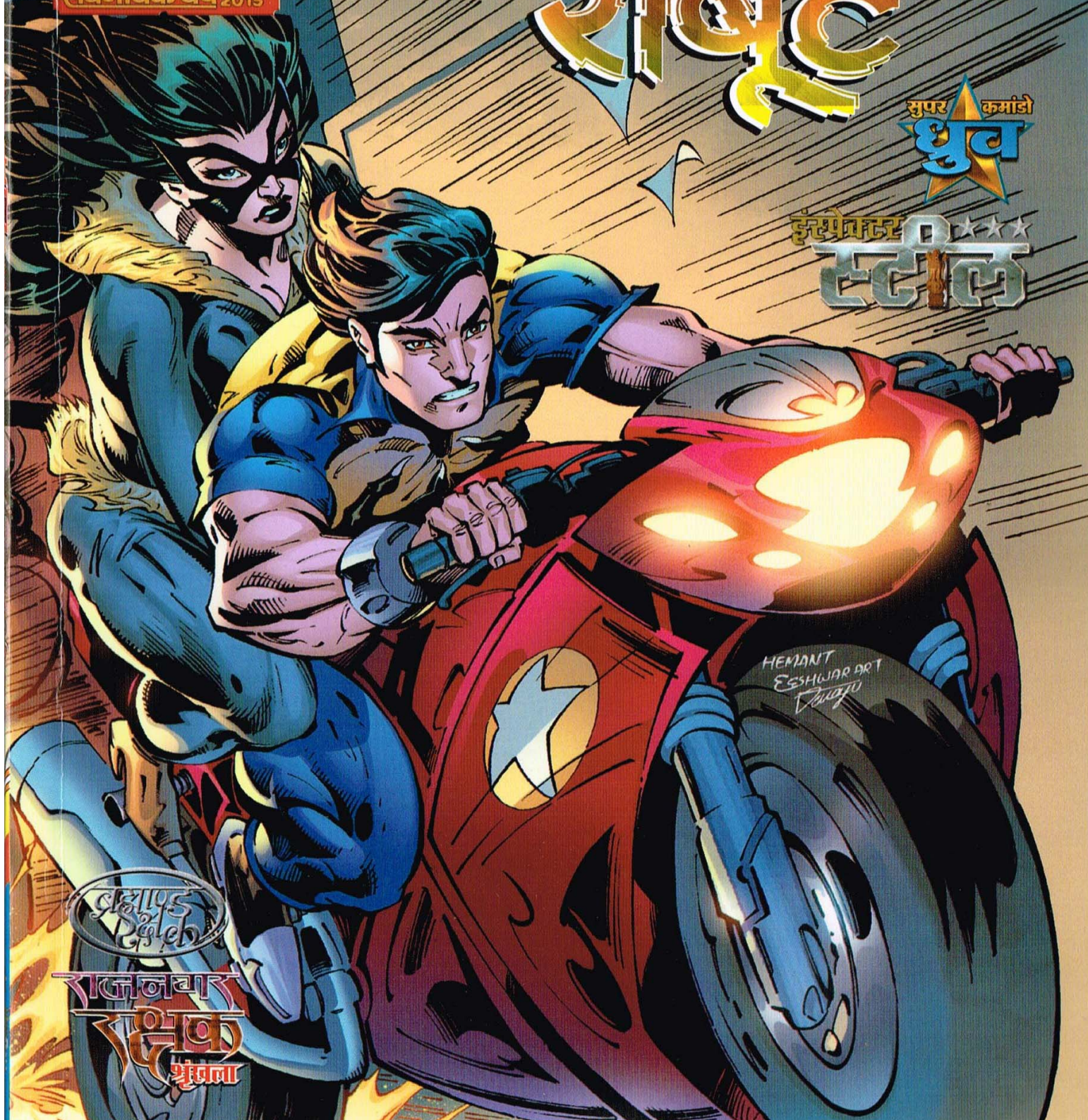
राजनगर रक्षक श्रृंखला

नागराज व सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स!

- नागराज
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- थोडांगा की मौत
- नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव
- नगीना का जाल
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- नागराज और नगीना
- नागराज और मिसकिलर
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज
- विजेता नागराज
- विसर्पी की शादी
- शाकूरा का चक्रव्यूह
- क्राइम किंग
- विष कन्या
- स्नेक पार्क
- इच्छाधारी
- केंचुली
- जहरीले
- बांबी
- सपेरा
- फन
- नागिन
- विष अमृत
- सम्मोहन
- मृत्युदंड
- नागद्वीप
- त्रिफना
- महायुद्ध
- अग्रज
- नागराज का कहर
- ताण्डव
- आतंक
- दुश्मन नागराज
- शक्तिहीन नागराज
- नहीं बचेगा नागराज
- कालचक्र
- कुण्डली
- ऐलान ए जंग
- काली मौत
- नागराज अमेरिका में
- आतंकवादी नागराज
- विषहीन नागराज
- इच्छाधारी चोर
- लावा
- विनाशलीला
- पागल नागराज
- मसीहा
- सो जा नागराज
- राजनगर की तबाही
- कयामत
- खलनायक नागराज
- मेड्यूसा
- नागराज के बाद
- फ्यूल
- वीनॉम
- नागराज है ना
- क्यों है नागराज
- I-SPY
- समुद्री लुटेरे
- ड्रैकुला का हमला
- नागराज का अंत
- जहर
- नागपाशा
- खजाना

- राज का राज
- तानाशाह
- प्रलय
- विनाश
- संहार
- कलियुग
- सम्राट
- सौडांगी
- रक्षक नागराज
- चक्र
- छोटा नागराज
- शेषनाग
- संग्राम
- भानुमति का पिटारा
- नागाधीश
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- फुंकार
- हरी मौत
- जहरीला बारूद
- माम्बर
- न्यूमेरो ऊनो
- ऑप्रिशन सर्जरी
- मिशन क्रिटिकल
- तीन सिक्के
- जंग मौत तक
- नागराज अण्डर अरेस्ट
- ओमेर्टा
- आंख मिचौली
- पांचवां शिकार
- रोनिन
- कामीकाजे
- टोमो
- शिकाता गा नई
- इन्फेक्टेड
- मिलन यामिनी
- नागज्योती
- पंचनाग
- अधूरा प्रेम
- अम्बरीश
- फेरो
- विष्पा
- प्रतिशोध
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड
- इति काण्ड
- 26/11
- हल्ला बोल
- लेवल जीरो
- अभिशप्त
- अवशेष
- चुनौती
- हैड्रॉन
- आदमखोर
- मृत्युजीवी
- आदम
- ऑर्डर ऑफ बेबल
- न्यू वर्ल्ड आर्डर
- वर्ल्ड वार
- वीरगति
- काल कराल
- मकबरा
- तक्षक
- नागराज और ड्रैकुला
- सूरमा

- परकाले
- कोलाहल
- नरक नाशक
- नरक नियति
- नरक दंश
- नरक आहूति
- सर्वशक्तिमान
- विध्वंस
- सर्वयुगम
- सर्वदमन
- सर्वसंग्राम
- सर्वसंहार
- सर्वमंथन
- सर्वसंधि
- कोहराम
- जलजला
- ड्रैकुला का अंत
- निगेटिव्स
- ड्रैगन किंग
- विषपुत्रों का आगमन
- **नागराज 1** (नागराज, नागराज की कब्र, नागराज का बदला)
- **नागराज 2** (नागराज की हांगकांग यात्रा, नागराज और शांगो)
- **नागराज 3** (खूनी खोज, खूनी यात्रा, नागराज का इंसाफ)
- **नागराज 4** (खूनी जंग, प्रलयंकारी नागराज)
- **नागराज 5** (खूनी कबीला, कोबरा घाटी, बच्चों के दुश्मन)
- **नागराज 6** (प्रलयंकारी मणि, शंकर शहंशाह)
- **नागराज 7** (नागराज का दुश्मन, इच्छाधारी नागराज, नागराज और कालदूत)
- **नागराज 8** (जादूगर शाकूरा, बीना शैतान, ताजमहल की चोरी)
- **नागराज 9** (नागराज और लाल मौत, काबुकी का खजाना, नागराज और थोडांगा)
- **नागराज 10** (नागराज और तूफान-जू, जादू का शहंशाह, अजगर का तूफान, बकोरा का जादू)
- **नागराज 11** (पिरामिडों की रानी, मिस्टर-420, थोडांगा की मौत, बेम बेम बिगेलो)
- **नागराज 12** (नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव, नगीना का जाल, नागराज और बुगाकू)
- **नागराज 13** (फिर आया नागदंत, नागराज और नगीना, नागराज और मिसकिलर)
- **नागराज 14** (नागराज और अदृश्य हत्यारा, नागराज और तूतेनतू, नागराज और कांजा)
- **नागराज 15** (विजेता नागराज, विसर्पी की शादी)
- **नागराज 16** (शाकूरा का चक्रव्यूह, नागराज का अंत, जहर, नागपाशा, खजाना)
- **नागराज 17** (क्राइमकिंग, विषकन्या)
- **नागराज 34** (अवशेष, चुनौती, हैड्रॉन)

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ग्रैंड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- नागराज और बुगाकू
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- दलदल
- उड़ती मौत
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- चण्डकाल की वापसी
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- राजनगर की तबाही
- सजाए मौत
- अंधी मौत
- षड्यंत्र
- महाकाल
- प्रलय

- विनाश
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिग्सा
- तानाशाह
- ध्रुव-शक्ति
- जंग
- दुश्मन
- कलियुग
- निशाचर
- क्विज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- कोहराम
- बौना वामन
- कालध्वनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा सम्राट
- जलजला
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- संग्राम
- शीतान
- ध्रुव खत्म
- विध्वंस
- परकाले
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मैड्यूसा
- ड्रैकुला का हमला
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सम्राट
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- चक्र
- मैं समय हूं
- भूचाल
- मैच
- वर्तमान
- फ्लेमिना

- गुप्त
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड
- इति काण्ड
- सर्वनाश
- स्पाइडर
- वेब साइट
- वर्ल्ड वाइड वेब
- फास्ट फॉरवर्ड
- ध्रुविष्य
- आखिरी ध्रुव
- सुपर मैन
- स्टेच्यू
- गेम ओवर
- अवशेष
- चुनौती
- हैड्रॉन
- हम होंगे कामयाब
- जीनियस
- डैड और अलाइव
- ऑल्टर ईगो
- एक्स
- शो स्टॉपर
- स्पेशल्स
- कोड नेम कॉमेट
- ब्रेक आउट
- मैक्सिमम सिक्योरिटी
- लास्ट स्टैंड
- निगेटिव्स
- सर्वयुगम
- सर्वदमन
- सर्वसंग्राम
- सर्वसंहार
- सर्वमंथन
- सर्वसंधि
- अलादीन
- नैनो
- हंटर्स
- राजनगर रक्षक
- मौत का मैराथन
- फ्लैशबैक
- आखिरी रक्षक
- हाइबरनेशन
- परकालों की धरती
- ब्रह्मांड योद्धा
- विषपुत्रों का आगमन

- **ध्रुव डाइजेस्ट 1** (प्रतिशोध की ज्वाला, रोमन हत्यारा)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 2** (आदमखोरों का स्वर्ग, स्वर्ग की तबाही, मौत का ओलंपिक)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 3** (समुद्र का शैतान, बर्फ की चिता, रूहों का शिकंजा)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 4** (लहू के प्यासे, महामानव, वू-डू)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 5** (मुझे मौत चाहिए, बहरी मौत, उड़नतश्तरी के बंधक)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 6** (एक दिन की मौत, विनाश के वृक्ष)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 7** (चैम्पियन किलर, आखिरी दांव, वीडियो विलेन)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 8** (पागल कातिलों की टोली, ब्लैक कैट, रोबो का प्रतिशोध, दलदल, उड़ती मौत, चंडकाल की वापसी)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 9** (ग्रैंड मास्टर रोबो, आवाज की तबाही, खूनी खिलौने, किरीगी का कहर)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 10** (चुम्बा का चक्रव्यूह, डॉक्टर वायरस, सामरी की ज्वाला)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 11** (आत्मा के चोर, वैम्पायर, सुप्रीमा)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 13** (सर्कस, हत्यारी राशियां, मौत के चेहरे, कमांडर नताशा)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 14** (सजा-ए-मौत, अंधी मौत, षड्यंत्र, महाकाल)
- **ध्रुव डाइजेस्ट 15** (खूनी खानदान, अतीत, जिग्सा)

इसी सैट के कॉमिक्स

- नो मैन्स लैण्ड (बालचरित श्रृंखला) (सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक (मूल्य : 90/-)
- राजनगर रीबूट (राजनगर रक्षक श्रृंखला) (सुपर कमांडो ध्रुव और इंस्पेक्टर स्टील का विशेषांक) (मूल्य : 60/-)
- डोगा उन्मत्त (डोगा उन्मूलन श्रृंखला) (डोगा)(मूल्य : 40/-)
- विश्व रक्षक (आखिरी श्रृंखला) (मल्टीस्टारर कॉमिक) (मूल्य : 40/-)
- द्विनायक 06 (टक्कर, लड़ाके) (भेड़िया और स्टील का टू इन वन डाइजेस्ट) (मूल्य : 120/-)
- सुपर कमांडो ध्रुव 16 (ध्रुव-शक्ति, जंग, दुश्मन) (सुपर कमांडो ध्रुव का थ्री इन वन डाइजेस्ट)(मूल्य : 160/-)

आगामी सैट के कॉमिक्स

- सर्वक्रांति (सर्वनायक श्रृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- विषक्षेत्र संरक्षणम (सर्वनायक विस्तार श्रृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- अदृश्य षड्यंत्र(आखिरी श्रृंखला) (मल्टीस्टारर कॉमिक)
- डोगा अंश (डोगा उन्मूलन श्रृंखला) (डोगा)
- द्विनायक 07 (जंगलिस्तान, आधे-इंसान) (भेड़िया, तिरंगा और स्टील का टू इन वन डाइजेस्ट)
- सुपर कमांडो ध्रुव 17 (क्विज मास्टर, मम्मी का कहर, कमांडो फोर्स) (सुपर कमांडो ध्रुव का थ्री इन वन डाइजेस्ट)

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई) 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084 फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोन: 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

RECAP

मैकेनिक द्वारा एनालिटिकल वेपन्स को चुराए जाने की कोशिश स्टील नाकाम कर देता है और उसे जेल पहुंचा देता है, ध्रुव के घर पर लाइव मेटल निर्मित मेटालिका हमला करती है जिसे ध्रुव और श्वेता मिलकर नाकाम कर देते हैं। स्टील उन्हें लाइव मेटल कॉप्स का निर्माण करने का सुझाव देता है ताकि यदि भविष्य में मेटालिका का निर्माता लाइव मेटल ह्यूमनोइड्स द्वारा हमला करने की चेष्टा करे तो उसका मुकाबला किया जा सके, परन्तु ध्रुव लाइव मेटल कॉप्स के निर्माण के विरुद्ध है जिसे लेकर ध्रुव और श्वेता मे मतभेद होते हैं। रोबो के साथ मिलकर वंडर वुमन लाइव मेटल चुराने की प्लानिंग करती है, रोबो नताशा को रोबो आर्मी के साथ लाइव मेटल चुराने भेजता है, वहीं ऑक्टोपस गैंग के साथ ऑक्टोप्सी भी लाइव मेटल हासिल करने पहुंचती है जहां स्टील, ध्रुव, चंडिका और ब्लैक कैट से इनका मुकाबला होता है।

वर्तमान समय में नताशा ध्रुव को बचाने के लिए हाइबरनेशन बन चुके राजनगर में पहुंचती है जहां उसका सामना फरसा और हैमर से होता है जिनसे बचने में उसकी सहायता करती है सलमा।

यहां तक का कथानक आपने पढ़ा 'राजनगर रक्षक' और 'हाइबरनेशन' में, अब आगे पढ़ें।

राजनगर रीबूट

संजय गुप्ता की पेशकश

राज कॉमिक्स है मेरा जनून

कथा–स्तुति मिश्रा
कला निर्देशन–सुशांत पंडा
चित्रांकन–रवि आनंद, सुशांत पंडा
स्याहीकार–विनोद कुमार,
ईश्वर आर्ट्स, स्वाति चौधरी, फ्रैंको

रंगसज्जा–भक्त रंजन,
अभिषेक
शब्दांकन–मंदार गंगेले
संपादन–मनीष गुप्ता

संस्थापक–राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

HIBERZONE, HIBERNATION. NOW.

इनकार करने का कोई फायदा नहीं है, डॉक्टर अनीस रजा! तुम्हारी रिहाई की अंतिम आस मेरे कदमों में पड़ी है।

गौर से देखो राजनगर के रक्षक का चेहरा। जब यह राजनगर को नहीं बचा पाया तो तुम क्या बचाओगे? बेकार की जिद छोड़ दो।

मेरा साथ दो अनीस, आने वाला कल हमारा होगा। हम मिलकर राजनगर को रीबूट करेंगे।

राजनगर, इस देश और इस दुनिया का भविष्य इंसान नहीं मशीनें हैं।

अगर तुम जो कह रहे हो वह सच होता तो तुम इतनी शिद्दत से मुझे, एक इंसान को अपने साथ मिलाने के लिए मरे नहीं जा रहे होते।

बहुत जिद्दी है तू डॉक्टर अनीस रजा! पर हर जिद की कोई ना कोई कमजोरी होती है।

तेरी कमजोरी मुझे ढूंढनी...

हम्फ.. स्टील! व.. वह।

तुम दोनों यहां क्या कर रहे हो? तुम्हारी यह हालत किसने बनाई?

रोबो की बेटी नताशा ने। वह यहां ध्रुव और इसके साथियों को बचाने आई है।

व्हाट? तुम दोनों मुश्टंडे मिल कर भी एक लड़की को नहीं पकड़ पाए?

ह..ह... हमने...

यह बकरी की तरह मिमियाना छोड़ो, ठीक से बताओ क्या हुआ?

हमने नताशा को बंधक बना लिया था, पर उसी समय पता नहीं कहां से इस अनीस की बहन सलमा हम पर जंगली बिल्ली की तरह टूट पड़ी। हमारे संभल पाने से पहले ही वह नताशा को ले उड़ी।

सलमा! शुक्र अल्लाह का, मेरी बहन तू सलामत है।

इंस्पेक्टर सलमा खान जिंदा है और यहां हाइबरनेशन में है। क्या इत्तफाक है, अभी-अभी हम डॉक्टर अनीस रजा की कमजोरी की बात कर रहे थे!

नहीं!!

यूं तो हाइबरनेशन में नाकामयाबी की सजा सिर्फ दर्दनाक मौत है...

...लेकिन तुम दोनों सलमा के जिंदा होने की खुशखबरी लाए हो, सिर्फ इसलिए इस बार तुम्हारी जिंदगी बक्श रहा हूं मैं।

उफ! सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा कलेजा किसी की आवाज से कांप सकता है। जाने कौन सा शैतान काबिज है स्टील के दिल-ओ-दिमाग पर।

तौबा, ऐसी शैतानियत!! एक पल को लगा कि कहीं यह मेरा ही सर उतार कर ट्रॉफी की तरह ना सजा ले।

ह...हम आपको शिकायत का दूसरा मौका नहीं देंगे। मैं और फरसा खुद जाकर उन दोनों...

नहीं। वे दोनों लड़कियां तुम्हारे बस के बाहर की चीज हैं, वैसे भी तुम दोनों के लिए एक दूसरा जरूरी काम है मेरे पास।

सलमा और नताशा के लिए मेरे दिमाग में कुछ खास प्लानिंग है, कुछ अलग और दिलचस्प।

स्टील ने फरसा और हैमर को उनका काम समझाकर वहां से रवाना कर दिया।

SOMEWHERE IN HIBERNATION, HALF AN HOUR LATER.

तुमने बताया नहीं सलमा कि ये ह्यूमनॉइड्स इस इमारत के आस-पास क्यों नहीं आते?

लेड। यह इमारत दरअसल पहले लेड का कारखाना थी। शायद लेड इन्हें विचलित करता है।
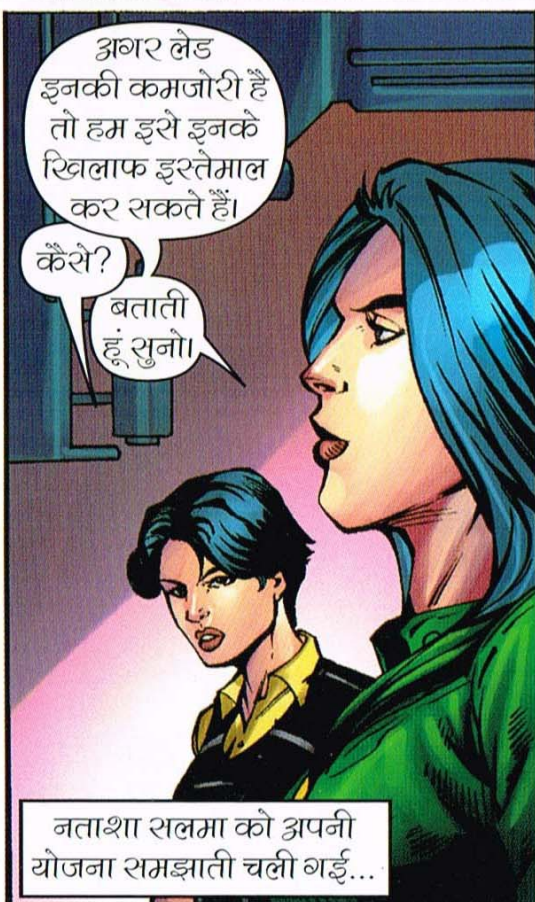
अगर लेड इनकी कमजोरी है तो हम इसे इनके खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे?

बताती हूं सुनो।

नताशा सलमा को अपनी योजना समझाती चली गई...

...और कुछ देर बाद जब दोनों उस इमारत से बाहर निकलीं तो वे हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार थीं।

अगर तुम्हारा प्लान बैकफायर कर गया तो...

यहां बैठे-बैठे हम वैसे भी कुछ नहीं कर सकते, बाहर निकलना ही एकमात्र विकल्प है...

...अगर मंजिल तक पहुंचना है तो संघर्ष करना होगा।

दुश्मन हमले के लिए पूरी तरह तैयार था।

SOMETIME BACK.

TARGET BESIEGED.
FATAL ATTACK INITIATED.

हम्फ! आज तो तुमने बचा लिया ध्रुव। इन दोनों को होश आ गया है।

मुसीबत टली नहीं है अभी, बल्कि पहले से भी ज्यादा संख्या में हम पर धावा बोल रही है।

मैं समझ नहीं पा रही हूं कि ये ड्रोंस हम पर प्राणघातक हमले क्यों कर रहे हैं?

इन्हें तो ज्यादा से ज्यादा नताशा और ब्लैक कैट को अरेस्ट करना चाहिए था और उन्हें बचाने के जुर्म में हमें भी। पर ये तो हम पर प्राणघातक लेजर बीम्स से वार कर रहे हैं।

यही बात तो मेरी समझ में भी नहीं आ रही है, चंडिका!

जूऽऽऽऽऽऽ

इन ड्रोंस की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कमांड्स को सिर्फ मैं और श्वेता ओवर-राईट कर सकते हैं पर अपनी अनगिनत कोशिशों के बावजूद भी मैं इनकी ए.आई. को एक्सेस नहीं कर पा रहा हूं।

ऐसा लगता है किसी ने इनकी ए.आई. हैक की है।

य...यह आवाज तो ड्रोन्स के फेटल अटैक मोड के एक्टिवेट होने की है।

अब तो अल्लाह ही मालिक है।

FATAL ATTACK CONFIRMED_

FREEZ ALL DRONES _

ए.आई.- आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस। लक्ष्य को घेर लिया गया। घातक प्रहार प्रारंभ।

FATAL ATTACK COMMAND OVERWRITTEN.

STAND BY INITIATED.

इंस्पेक्टर स्टील।

घबराने की जरूरत नहीं है। मैंने इन ड्रोन्स को स्टैंड बाय पर जाने की कमांड दे दी है।

अब ये किसी पर घातक वार नहीं करेंगे।

लेकिन तुमने ड्रोंस के इंटेलिजेंस प्रोग्राम को एक्सेस कैसे किया?

तुम भूल रहे हो, अनीस! मेरा मास्टर कंप्यूटर किसी भी कंप्यूटराइज्ड प्रोग्राम को एक्सेस और ओवर-राईट कर सकता है।

यह तो नामुमकिन है। अमर...स्टील का आर्टिफीशिअल इंटेलीजेंस तो... खैर! इसके बारे में बाद में सोचूंगा।

ऑक्टोपसी और इसके गैंग को मैंने अरेस्ट कर लिया है, और अब...

तुम्हारी बारी है मिस नताशा। सरेंडर योर सेल्फ, बच निकलने का कोई रास्ता नहीं है।

नॉट सो फास्ट, मिस्टर स्टील बॉय! एक गलत हरकत और तुम्हारे दोस्त के दिमाग में वेंटिलेशन का इंतजाम हो जाएगा।

मेरा कुछ सामान तेरे पास पड़ा है काली बिल्ली।

तुम अपने 'सामान' के लिए कुछ ज्यादा ही पजेसिव हो नताशा...

...अपना सामान खुद ही संभालो।

मेरे यहां से निकलने का एग्जिट टिकट आ गया, पर यह सुनिश्चित करना होगा कि तुम लोग मेरे पीछे ना आओ।

मैंने अनीस की गर्दन पर एक एक्सप्लोसिव रिंग बांधी है जिसका कोड सिर्फ मुझे मालूम है।
यहां से सुरक्षित स्थान पर पहुंच कर मैं इस एक्सप्लोसिव रिंग को डीएक्टिवेट कर दूंगी...
...पर अगर किसी ने भी मेरे पीछे आने की या एक्सप्लोसिव रिंग को हाथ लगाने की गलती की तो अनीस के शरीर के चीथड़े सिलने मुश्किल हो जाएंगे।
कुछ देर बाद!
क्लिक
एक्सप्लोसिव रिंग डीएक्टिवेट हो गई, यानी नताशा हमारी पहुंच से दूर निकल गई है।
और साथ ही सैम्पल और डाटा डिस्क भी।
नताशा तुम्हारी पकड़ से जरूर निकल गई है ध्रुव...
लेकिन ब्लैक कैट एक बार किसी से कुछ छीन ले तो जिंदगी भर नहीं लौटाती।
वे डिस्क और सैम्पल मैंने सबकी नजर बचाकर बैग से निकाल लिए थे, समझे?
पर अगर वे तुम्हारे पास हैं...

ROBO HEADQUARTERS, MOMENTS LATER.

"तो उस बैग में क्या है?"

कबाड़ा हुए ड्रोंस के कलपुर्जे!!

ब्लैक कैट!! यह जरूर उसी का किया धरा है।

अ...आई एम सॉरी पापा। दोबारा ऐसा नहीं होगा, मैं फिर से...

नहीं नताशा। मेरे दिमाग में इस काम के लिए तुमसे बेहतर कोई है।

अब इस काम को फरसा और हैमर अंजाम देंगे।

व्हाट??

आई डोंट बिलीव दिस!!

SAME TIME, DR. ANEES RAZA'S LAB.

ऐसा कैसे हो सकता है...कुछ तो गड़बड़ है। पर क्या, यह समझ नहीं आ रहा।

क्या बात है अनीस सर?

मैंने आज नताशा और ऑक्टोपसी के हमले के दौरान के समय का ड्रोंस का डाटा रिपोर्ट लॉग निकाला है, यह देखो...

ओ माई गॉड!! इस लॉग के अनुसार तो इस दौरान ड्रोंस की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काम ही नहीं कर रही थी। यानी..यानी..

यानी किसी ने ड्रोंस को नताशा और ब्लैक कैट पर जानलेवा हमला करने का कमांड दिया था जिसे ड्रोंस सिर्फ फॉलो कर रहे थे।

http://rajecomicsworld.blogspot.in/

पर यह कैसे संभव है? ड्रोंस के ए.आई. को एक्सेस करने के कमांड्स या तो आप दे सकते हैं या फिर मैं। और हम दोनों ने ही यह कमांड्स नहीं दिए।

मामला जितना दिख रहा है उससे ज्यादा गंभीर है, श्वेता!

स्टील ने मुझसे कहा था कि उसने ड्रोंस के ए.आई. को अपने मास्टर कंप्यूटर से हैक कर के उन्हें रोकने के निर्देश दिए। स्टील की प्रोग्रामिंग मैंने इस अनुरूप की थी कि वह दुनिया के किसी भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम को हैक कर सकता है। पर ड्रोंस का फायरवॉल ब्रेक करना स्टील के बस की भी बात नहीं थी। फिर उसने ड्रोंस को कंट्रोल कैसे किया?

शायद हमसे ही कोई कसर रह गई है, अनीस सर! तभी तो किसी अज्ञात अपराधी ने ड्रोंस की फायरवॉल ब्रेक कर उन्हें जानलेवा हमले के कमांड्स दिए। वह तो हमें स्टील का शुक्रगुजार होना चाहिए जिसने एन समय पर ड्रोंस को रोक लिया वर्ना...बाप रे! सोच कर ही डर लगता है।

मैं भी खुद को यही दिलासा देने की कोशिश कर रहा हूं, श्वेता! पर आश्वस्त नहीं हो पा रहा हूं।

बहरहाल, हमें ड्रोंस का सिक्योरिटी सिस्टम रीप्रोग्राम करना होगा, क्योंकि जिसने ड्रोंस की ए.आई. एक बार हैक की है वह दोबारा भी ऐसा कर सकता है।

जरा सोचो श्वेता! पूरे शहर की सुरक्षा और निगरानी करते ड्रोंस को कंट्रोल करने की शक्ति अगर गलत हाथों में होगी तो क्या अनर्थ होगा।

...एक और बहुत बड़ा अनर्थ हो रहा है जिसकी ओर आपकी तवज्जो नहीं है..

सलमा!! किस अनर्थ की बात कर रही हो तुम?

सलमा अनीस को स्टील की मनोदशा के बारे में बताती चली गई।

अमर की भावनाओं और स्टील के फर्ज के जूनून में हमेशा ही कशमकश मची रही है। रोमा की बेवफाई से लेकर अपने बेटे से दूर होने का सदमा, इतना कुछ झेला है उस दिमाग ने कि कोई साधारण इंसान होता तो कब का अपना दिमागी संतुलन खो बैठता...

लेकिन समय ने उसके शरीर को ही नहीं, उसके जज्बातों को भी फौलाद कर दिया है। अपनी कशमकश से जूझना जानता है वह। पहले भी उसने इन जज्बातों पर काबू पाया है, फिर पाएगा।

आप समझ नहीं रहे हैं भैया, इस बार स्थिति पहले से कहीं ज्यादा गंभीर है...

मेरा दिल कहता है कि अमर के साथ कुछ बहुत बुरा घटने वाला है।

तुम नाहक ही परेशान हो रही हो सलमा...

SAME TIME, RAJNAGAR POLICE HEADQUARTER, HIGH SECURITY CELL.

"...स्टील बिलकुल ठीक है।"

HALF AN HOUR LATER, COMMISSIONER RAJAN MEHRA'S OFFICE.

व्हाट नॉनसेंस इज दिस?

कानून की बनाई इस फर्ज की मशीन को अब सिर्फ एक ही रिश्ता निभाना आता है, अपनी ड्यूटी का।

ऑक्टोपसी को जेल से भगा कर कौन सी ड्यूटी निभा रहे थे तुम?

यह मेरे कहे पर अमल कर रहा था कमिश्नर साहब।

तुमने खुद ही ऑक्टोपसी को गिरफ्तार किया और फिर खुद ही उसे जेल से फरार भी करवा दिया!! मुझे तुम जैसे ऑफिसर से यह उम्मीद नहीं थी स्टील।

तुम यह भूल गए कि ऑक्टोपसी तुम्हारी पत्नी ही नहीं कानून की मुजरिम भी है?

नहीं कमिश्नर। यह सच नहीं है। इस संसार के सभी रिश्ते-नाते उस शरीर की चिता के साथ जलकर खाक हो गए थे जो अपने फर्ज के लिए कुर्बान हुआ था...

मैंने ही इसे रोमा को उस हाई सिक्योरिटी प्रिजन से आजाद करने की सलाह दी थी।

अपने दोस्त को बचाने के लिए उसका गुनाह आप अपने सर ले रहे हैं डॉक्टर रजा।

ऐसा नहीं है कमिश्नर।

कल की मुठभेड़ में ऑक्टोपस गैंग के जितने भी आदमी पकड़े गए वे सभी फुट सोल्जर्स थे, ऐसे लड़ाके जिन्हें गिरोह के भीतर की जान-कारी नहीं होती। सिर्फ उनकी कमांडर, ऑक्टोपसी ही ऐसी कड़ी थी जो हमें ऑक्टोपस गैंग के लीडर तक पहुंचा सकती थी।

और जिसे आपके काबिल दोस्त ने भगा दिया।

भगा नहीं दिया बल्कि उसे चारा बना कर कांटा डाला है जिसमें खुद ऑक्टोपस फंसकर हमारी गिरफ्त में आ जाएगा।

वह कैसे?

स्टील ने ऑक्टोपसी को रिहा करते वक्त चुपके से एक शक्तिशाली ट्रैकिंग डिवाइस बग उस पर प्लांट कर दिया है। यह बग हमें सीधे ऑक्टोपस तक पहुंचाएगा।

हुम्म। पर स्टील ने इसके बारे में मुझे क्यों नहीं बताया?

क्योंकि मैंने इसे कहा था कि जब तक मैं ना कहूं इस बाबत किसी से बात ना करे।

मैं आपके जज्बे की कद्र करता हूं डॉक्टर रजा, पर बेहतर होगा कि आगे से आप डिपार्टमेंट के कामों को डिपार्टमेंट पर ही छोड़ दें।

थैंक्स अनीस।

तुमने मुझे बचाने के लिए कमिश्नर से झूठ कहा, यह जानते हुए भी कि मैंने रोमा पर कोई ट्रैकिंग बग प्लांट नहीं किया है।

यारों के बीच में यह शुक्रिया नाम का नाशुक्रा क्यों डाल रहे हो मियां?

जितना भरोसा मुझे अपने खुदा पर है उतना ही विश्वास अपने यार की कर्तव्यनिष्ठा पर भी है। मैं जानता हूं तू कभी अपने फर्ज से गद्दारी नहीं कर सकता।

विश्वास सिर्फ इंसान के दिमाग को आश्वस्त रखने का माध्यम होता है, अनीस। इसका कोई वजूद, कोई अस्तित्व नहीं।

किसी भी व्यक्ति की विश्वास के आधार पर तुलना गलत ही नहीं बेवकूफाना भी है, लोगों की परख सिर्फ और सिर्फ तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर की जानी चाहिए।

RAJNAGAR WEST WING PRISION, FEW HOURS LATER.

यह नो फ्लाईंग जोन है। अपनी पहचान बताएं, वर्ना बिना चेतावनी मार गिराए जाओगे।

यह जेट तो मार गिराने के ही काम आने वाला है।

ओ माई गॉड!!
यह पायलट रहित जेट तो सीधे हमसे टकराने आ रहा है।

काढ़म क़ड़म

ऑल यूनिट्स रेड अलर्ट! जेट का पायलट जिंदा है। शूट हिम डाउन!

तड़
तड़
तड़
तड़
तुम्हारी यह गोलियां मुझे निशाना बनाने का अरमान संजोए बंदूकों से निकलेंगी जरूर...
पर अफसोस मेरे इस स्पेशल सूट से निकलती एक्सीलिरेशन फोर्स फील्ड इन्हें मुझ तक पहुंचने नहीं देगी।
जबकि तुम्हारे लिए मेरा एक स्मोक बम ही काफी है।

इस गैस का असर तुम्हें कुछ घंटों के लिए बेहोश कर देगा। इतना समय मेरे काम के लिए काफी है।

बड़ाम

अब तुम लोग मेरे काम में टांग नहीं अड़ाओगे और यह मास्क गैस से मेरा बचाव करेगा।

इस जेल के एक्सेस कोड्स सिर्फ यहां के जेलर को पता हैं और यह कोड्स हर चार घंटे पर बदल दिए जाते हैं ताकि कभी कोई कैदी इस जेल को ब्रेक ना कर सके, पर जेल ब्रेक करना तो मेरा पेशा ही नहीं मेरा शौक भी है।

कुछ ही मिनटों में यहां के सभी सिक्योरिटी कोड्स ब्रेक कर के इस जेल को उड़े हुए पंछी के खुले पिंजरे की तरह खाली कर देगा...

जेल ब्रेकर!

और अब मुझे तलाश है उस खास कैदी की, जिसके लिए मैंने यह जेल ब्रेक की है।

मैकेनिका।

इस काम के लिए जितने पैसे तुमने मुझे ऑफर किए हैं उतने में तो जेल ब्रेकर दस जेलें तोड़ दे।

मेरा यहां से बाहर निकलना बहुत जरूरी है। कुछ बहुत ही भयानक घटने वाला है, अगर उसे नहीं रोका गया तो यह पूरी दुनिया मशीनों की गुलाम बन जाएगी।

मुझे पता था कि पूरी दुनिया में सिर्फ एक ही व्यक्ति यह जेल तोड़ सकता है, तुम।

मशीनों की गुलाम? तुम्हारा यह मशीन-ओ-फोबिया कुछ ज्यादा ही बढ़ता जा रहा है मेकैनिक। अपना इलाज कराओ।

सही कहा तूने, इसे इलाज की सख्त जरुरत है...

...तुम दोनों ही अपराध की नाली में गिजबिजाती बिमारी हो जो इस शहर को, इंस्पेक्टर स्टील के शहर को बीमार कर रही है। तुम्हारा इलाज सिर्फ कानून के पास है।

बूम बूम बूम

यह स्टील जानलेवा वार कब से करने लग गया?

स्टील अब फर्ज की मशीन नहीं रहा, अगर इसे जल्द ही ना रोका गया तो यह विनाश की मशीन बन जाएगा।

अब जल्द ही तुम भी मशीन-ओ-फोबिया के शिकार होने वाले हो।

तो रोको इसे। इससे पहले कि यहां से फरार होना मुश्किल हो जाए इसे रोको।

अब तुम्हारी आत्मा के तुम्हारे जिस्म से फरार होने का समय हो गया है।

जल्दी करो, जेल ब्रेकर! मुझे मेरा टूल किट दो जो मैंने तुम्हें लाने को कहा था।

यहां शरीर से आत्मा फरार होने वाली है और तुझे टूल किट की पड़ी है।

दे दे, आखिरी इच्छा पूरी कर दे इसकी। तेरी कोई आखिरी ख्वाहिश हो तो तू भी पूरी कर ले।

यहां से फरार होना चाहता हूं।

मैं भी यही चाहता हूं कि तुम दोनों फरार हो जाओ... इस दुनिया से।

ATTACK ALERT_

इतनी आसानी से नहीं मशीन के पुतले।

एक और घटिया कोशिश मैकेनिक? तुम जानते हो कि तुम्हारी कोई भी डिवाइस स्टील के शरीर को नुकसान नहीं पहुंचा सकती, करेंट फ्लो तुम्हारी डिवाइस को पल भर में खाक कर देगा।

पिंक
पिंक
पिंक

किर्र बज़्ज़

440 VOLT CURRENT
FLOW ACTIVATED_

तरकश में कोई और तीर?

कोई नहीं, 'आई सरेंडर'।

मुझे सरेंडर में नहीं एनकाउंटर में इंटरेस्ट है।

!?

गड़ गड़ गड़

गड़ गड़ गड़

वैरी वेल डन स्टील, मुझे यकीन था कि तुम्हारे रहते राजनगर की कोई भी जेल ब्रेक नहीं हो सकती।

डेम इट!! यह कमिश्नर पुलिस फोर्स के साथ कहां से आ गया। इन दोनों को इसके सामने नहीं मार सकता मैं।

किस सोच में खो गए स्टील?

कुछ नहीं सर! मैं सोच रहा था कि बाकी जो मुजरिम जेल से फरार हुए थे...

...सभी को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया है, सिचुएशन इज अंडर कण्ट्रोल।

यह जेल चारों ओर ऊंची पहाड़ियों से घिरी हुई है, अगर ये अपराधी पहाड़ियों तक पहुंचने में सफल हो जाते तो इन्हें पकड़ना नामुमकिन हो जाता।

इस हाई सिक्योरिटी जेल का डिस्ट्रेस अलार्म सीधे पुलिस हेडक्वार्टर से जुड़ा है, जैसे ही जेल ब्रेकर ने जेल ब्रेक की सभी पुलिस यूनिट्स यहां के लिए रवाना हो गईं थी।

राजनगर हाई सिक्योरिटी प्रिजन को घेरे हुए ऊंची पहाड़ियों में से एक पर छुपे ये दो साए इस पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए थे।

तुम्हारा शक सही निकला, हमारा यहां आना बेकार नहीं गया।

सच कहूं तो मुझे यहां आकर कोई क्लू मिलने की उम्मीद थी पर...

...अभी जो हमने देखा उसकी उम्मीद बिलकुल नहीं थी।

मैं भी हैरान हूं, हालांकि इस डिस्टेंस से हम नीचे की कोई बात नहीं सुन सके...

...फिर भी जो देखा उससे निष्कर्ष यही निकल रहा है कि स्टील जेल ब्रेकर और मैके-निक का एनकाउंटर करने वाला था।
पिछले कुछ दिनों से मैं स्टील के व्यवहार में काफी बदलाव महसूस कर रहा हूं, अभी अनीस की लैब पर हुए हमले के प्रकरण में स्टील के व्यवहार ने मुझे वाकई सोच में डाल दिया है कि क्या कानून का सिपाही वाकई कानून का पालन कर रहा है?
यह भी तो हो सकता है कि स्टील सिर्फ उन दोनों को डराने के लिए गन पॉइंट पर लिए हुए हो।
सच्चाई पता करने का एक ही तरीका है...
"...मुझे मैकेनिक को इन्टेरोगेट करना होगा।"
मुझसे कोई भी होशियारी करने की कोशिश मत करना मैकेनिक।
मुझे तुम्हारे यहां आने का कारण पता है सुपर कमांडो ध्रुव...
...मशीन्स बहुत ही चालाक होती हैं, आम इंसान इनकी फितरत नहीं पकड़ सकता, मशीन इंसानों की मानसिकता को अपने अधीन कर खुद पर उन्हें आश्रित कर लेती हैं, अपना गुलाम बना लेती हैं।
पर ये मशीन्स सुपर कमांडो ध्रुव को बेवकूफ नहीं बना सकतीं।

पहेलियां मत बुझाओ मैकेनिक, साफ-साफ बताओ, तुम्हारे और स्टील के बीच में क्या चल रहा था? स्टील तुम्हें मारना क्यों चाहता था।

क्योंकि मैं मशीन्स की चाल समझ गया हूं, मैं जान गया हूं कि वे क्या षड्यंत्र रच रही हैं।

इसीलिए मशीन्स मुझे रास्ते से हटा देना चाहती हैं। तुम्हें कुछ करना होगा ध्रुव, इंसानों को इन मशीन्स से बचाना होगा।

इसका तो दिमागी संतुलन हिला हुआ लगता है। लगता है कि मैंने यहां आकर अपना समय खराब किया है।

मेरी बात ध्यान से सुनो ध्रुव। तुम्हें राजनगर फॉरेस्ट में हुई वह घटना याद है जब ग्लाडियेटर गैंग का पीछा करते हुए तुम और स्टील वहां पहुंचे थे, यह सब कुछ वहीं से, उस जंगल से ही शुरू हुआ है।

इसके बाद राजनगर म्यूजियम में उन मशीनी हथियारों का आना, ड्रोंस का निर्माण, लाइव मेटल का तुम पर हमला करना ये सब एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हैं।

व्हाट? तुम यह कैसे...

भड़ाक!!

तुम कमिश्नर राजन मेहरा के बेटे हो ध्रुव इसका मतलब यह नहीं कि तुम खुद को राजनगर पुलिस फोर्स से ऊपर समझने लगो।

यह क्या कह रहे हो, स्टील?

वही जो तुमसे बहुत पहले कह दिया जाना चाहिए था।

मत भूलो कि कानून की निगाह में तुम एक मामूली सिविलियन हो और सिविलियंस को अपराधियों को इन्टेरोगेट करने का अधिकार नहीं है।

एक हाई-सिक्योरिटी प्रिजन में आकर एक टॉप लेवल के अपराधी को इन्टेरोगेट करने का अधिकार तुम्हें किसने दिया है मिस्टर सुपर कमांडो ध्रुव?

भूल तुम रहे हो स्टील कि खुद रक्षा मंत्रालय ने मुझे विशेषाधिकार दिए हैं। और तुम्हारी तरह मैं भी ब्रह्माण्ड रक्षक का एक एलीट मेंबर हूं।

मैं किसी भी जेल में बेरोकटोक आ सकता हूं और सवाल अगर मेरे देश या मेरे शहर की सुरक्षा का हो तो मैं किसी भी अपराधी से पूछताछ कर सकता हूं...किसी भी तरीके का प्रयोग कर के।

मत भूलो स्टील कि ध्रुव भी देश और कानून का सिपाही है।

देश और कानून का सिपाही? क्या वाकई?

तो बताओ, ध्रुव! अपने देश, अपने फर्ज के लिए तुमने क्या कुर्बानियां दी हैं?

क्या तुमने शून्य से कम तापमान में बर्फ के तूफान के बीच हाथ में बन्दूक थामे कारगिल पर देश के दुश्मनों से लोहा लिया है?

क्या अपनी बटालियन के मरते हुए सिपाहियों को बचाने के लिए कंधे पर उठाकर दुश्मन की गोलियों की बौछारों के बीच मीलों भागे हो तुम?

या फिर 26/11 के आतंकी हमले में शहीद हुए कानून के सिपाहियों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर घुसपैठिए आतंकियों के बरसाए मौत के शोले अपने सीने पर लिए थे तुमने?

या फिर अपने फर्ज, अपने कानून की रक्षा के लिए अपना घर परिवार, बीवी बच्चे यहां तक की अपना शरीर भी न्योछावर किया है तुमने?

नहीं ध्रुव तुम कानून के सिपाही नहीं हो। तुम सिर्फ एक फैंसी कॉस्टयूम पहने हुए 'सो कॉल्ड' सुपर हीरो हो।

कानून के सच्चे सिपाहियों की तुम्हारे जैसी हैवी फैन फॉलोइंग नहीं होती, लड़कियां उनके नाम के टैटू नहीं गुद-वातीं, सोशल साइट्स पर उनके पेज और फैनग्रुप्स नहीं बनते।

लेकिन तुम्हें यह सब इसलिए नसीब होता है क्योंकि देश की सीमा पर और देश के अन्दर कानून के सैकड़ों गुमनाम सिपाही अपना फर्ज निभा कर तुम्हें सुरक्षित रखते हैं ताकि तुम अपनी हीरोगिरी की दुकान चला सको।

इसलिए अगली बार खुद को किसी कानून के सिपाही से कम्पेयर करने से पहले दस बार सोचना।

तुमने बिलकुल सही कहा स्टील, मैं क्या कोई भी ब्रह्माण्ड रक्षक चाहे वह नागराज हो, डोगा हो या शक्ति या दुनिया का कोई भी दूसरा सुपर हीरो कभी भी देश की सीमा और देश के भीतर नागरिकों की सुरक्षा करते कानून के सिपाहियों से बड़ा नहीं हो सकता

...लेकिन यह बात भी उतनी ही सच है कि जब-जब देश पुकारेगा तब-तब मेरे लहू का हर कतरा अपने फर्ज पर कुर्बान हो जाएगा और मैंने फैन फॉलोइंग नहीं बनाई है, स्टील! मैंने देश के हर बच्चे को यह एहसास दिलाया है कि बुराई से लड़ने के लिए सिर्फ एक सुपर पॉवर चाहिए, अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति पर आत्मविश्वास।

ध्रुव ने देश की युवा पीढ़ी में वह जज्बा भरा है स्टील कि जिस दिन यह सुपर कमांडो ध्रुव इस दुनिया से जाएगा इसकी जगह सैकड़ों-हजारों सुपर कमांडो ध्रुव खड़े होंगे।

बेस्ट ऑफ लक स्टील, तुम अपने ढंग से अपना फर्ज निभाओ यह राजनगर रक्षक अपने तरीके से राजनगर की रक्षा करेगा।

क्या मैकेनिक सच बोल रहा था? क्या ड्रोंस, लाइव मेटल और ग्लाइडीएटर गैंग वाली घटनाएं वाकई में इंटरलिंक्ड हैं?

क्या ये सब किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हैं? अगर ऐसा है तो इनका संचालक कौन है?

मुझे कमांडो हेडक्वार्टर से संपर्क करके...

...अरे! मेरी यूटिलिटी बेल्ट की बैक पॉकेट में क्या है?

उखड़ा हुआ नाखून? इसके पीछे एक माइक्रो चिप प्लांट की हुई है। यह मेरी यूटिलिटी बेल्ट में कैसे आया?

शायद यह मैकेनिक ने उस समय डाला होगा जब स्टील की और मेरी बहस चल रही थी।

COMMANDO FORCE HEADQUARTERS, FEW MINUTES LATER.

इस माइक्रोचिप पर तो एन्क्रिप्टेड डाटा है कैप्टेन, इसे एक्सेस करने के लिए या तो इसका कोड चाहिए होगा या फिर कोई जबरदस्त हैकर।

फिलहाल हमारे पास दोनों ही नहीं हैं करीम। मैकेनिक ने इस माइक्रोचिप के जरिये जरूर ही कोई अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी भेजी होगी।

मैकेनिक के पास दोबारा जाना संभव नहीं, स्टील को शक हो जाएगा।

तुम कमांडो फोर्स के नए सदस्यों में से किसी को ट्राई करो, करीम! इन बच्चों के लिए ऐसे एन्क्रिप्टेड कोड्स खोलना चुटकी बजाने जैसा काम है।

ओ.के. कैप्टेन। मैं ट्राई करता हूं।

मुझे छान-बीन के दूसरे रास्ते अपनाने पड़ेंगे।

और उसके लिए मुझे किसी का साथ चाहिए...पर मैं उस तक पहुंचूंगा कैसे?

RAJNAGAR NATIONAL MUSEUM. ONE HOUR LATER.

राजनगर का नेशनल म्यूजियम जहां के एग्जिबिशन हॉल में चल रही ऐनालिटिकल वेपन्स की प्रदर्शनी ने शहर भर में धूम मचाई हुई थी।

"बिल्ली की मदद से मुझ तक सन्देश भिजवाने का तुम्हारा आईडिया अच्छा था, ध्रुव।"

मुझे लगा था कि फाइनली तुम मुझे किसी रोमांटिक सी जगह पर लंच के लिए ले जा रहे हो...

पर तुम मुझे यहां हथियारों की प्रदर्शनी में क्यों लेकर आए हो? तुम्हारा पता नहीं पर इस लेदर कॉस्टयूम में सोशल प्लेस पर जाना मेरे लिए काफी ऑकवर्ड है।

वैसे इरादा क्या है तुम्हारा? मेरे साथ मिलकर इन वेपन्स की चोरी करनी है क्या?

॥राजनगर म्यूजियम॥

तुम लड़कियों की प्रॉबलेम क्या है? एक बार तुम लोगों का टेपरिकॉर्डर शुरू होता है तो बंद क्यों नहीं होता?

तुम्हें चोरी जरूर करनी है पर यहां एग्जिबिशन हॉल से नहीं। राजनगर म्यूजियम और इस एग्जिबिशन हॉल से ही जुड़ी हुई म्यूजियम के गेस्ट हाउस की बिल्डिंग है जहां म्यूजियम में प्रदर्शनी के लिए आने वाले फॉरेन डेलिगेट्स को ठहराया जाता है।

ऐनालिटिकल वेपन्स के निर्माता डेसमंड और रोमारियो भी इसी गेस्ट हाउस में ठहरे हुए हैं...

...तुम्हें उनके कमरे की छानबीन करनी है और कोई भी जानकारी या संदिग्ध चीज मुझ तक लानी है।

"मैं तब तक डेसमंड और रोमारियो का दर्शनलाभ लेता हूं।"

हम्म! अनऑफिशियल ही सही पर मैं भी तुम्हारी कमांडो फोर्स का हिस्सा बन ही गई। एज यू से कैप्टेन, काम हो जाएगा।

अब और वेट करने का कोई फायदा नहीं है, रोमारियो! हम जिस उद्देश्य से इंडिया आए थे वह किसी भी सूरत में पूरा होता नहीं दिख रहा।

पेशेंस, डेसमंड! पेशेंस! हम इतनी जल्दी हार नहीं मान सकते।

हमें सिर्फ उस शख्स तक पहुंचना होगा।

पहले ऐनालिटिकल वेपन्स के कार्गो पर, फिर यहां म्यूजियम में हो चुके हमले इस बात की पुष्टि करते हैं कि कोई तो है जो इन वेपन्स के वास्तविक उद्देश्य से वाकिफ है।

बट हाऊ? हमारे पास कोई क्लू, कोई लीड नहीं है जो हमें उस शख्स तक पहुंचा सके।

हमें उस तक पहुंचने की मेहनत करने की जरूरत नहीं है, वह ऐनालिटिकल वेपन्स पाने के लिए अगला हमला जल्द ही करेगा।

ऐसा कोई भी इरादा रखने वाले के रास्ते में खड़े होंगे राजनगर पुलिस फोर्स और...

सुपर कमांडो ध्रुव!!

ओ माई गॉड! इंडियन वन मैन आर्मी सुपर कमांडो ध्रुव!!

इट्स एन ऑनर टू मीट यू मिस्टर ध्रुव। आप अवश्य ही हमारे ऐनालिटिकल वेपन्स देखने पधारे हैं।

आप दोनों की हिंदी काफी अच्छी है।

हमारा इंडिया से काफी पुराना नाता है मिस्टर ध्रुव, हमारे ग्रेट ग्रैंड फादर ईस्ट इंडिया कंपनी में ऑफिसर थे और यहां इंडिया में ही पोस्टेड थे।

अपने हथियारों के आविष्कार के लिए प्रेरणा भी हमें इंडियन माइथोलॉजिकल वेपन्स से ही मिली, वह क्या कहते हैं उन्हें...

दिव्यास्त्र।

दैट्स राईट दिव्यास्त्र।

तो लगे हाथ ये भी बता दीजिए कि आपके इन दिव्यास्त्रों का निशाना कौन है?

ओ नो मिस्टर ध्रुव! आप गलत समझ रहे हैं।

हमारे ऐनालिटिकल वेपन्स आम इंसानों के लिए बिलकुल सेफ हैं। ये सिर्फ आपराधिक प्रवृति के व्यक्ति पर ही चलाए जा सकते हैं।

ये ऐनालिटिकल वेपन्स टारगेट की कार्डिएक मैपिंग करते हैं और अपराधियों पर ही फायर करते हैं...

यही नहीं, अगर इन्हें चलाने वाला भी आपराधिक प्रवृति का हो तो इनके ट्रिगर ऑटोमैटिक लॉक हो जाएंगे और फायर नहीं करेंगे।

अगर आपके ऐनालिटिकल वेपन्स इतने सेफ हैं तो उन्हें चुराने की कोशिशें क्यों की जा रही हैं?

यही तो हम भी नहीं समझ पा रहे हैं।

ठीक उसी समय गेस्ट हाउस के उस कमरे में ब्लैक कैट अपनी छान-बीन में व्यस्त थी।

ये अंगरेज के बच्चे रूम कितना गंदा रखते हैं।

इस कबाड़ में काम की चीज ढूंढने में तो घंटों लगेंगे, वह भी तब जबकि यही ना पता हो कि ढूंढना क्या है।

शुरुआत इस लैपटॉप से ही की जाए, शायद कोई काम की चीज हाथ लग जाए।

ओ माई गॉड! यह तो जैकपोट हाथ लग गया।

मैं ये सारा डाटा फ्लैश ड्राइव में कॉपी कर लेती हूं।

बिल्ली से ज्यादा दबे पांव चलने वाला कोई जीव ना अभी तक पैदा हुआ है ना कभी होगा।

धड़ाक

यह तो रबड़ के गुड्डे की तरह बाउंस हो रहा है।

धम्म

धाड़

ओ माई गॉड! यह तो वाकई रबड़ का गुड्डा है!!

पर यह रबड़ का बना हुआ रोबोटिक गुड्डा यहां क्या कर रहा है?

इसका मतलब इस जगह को कबाड़खाना इस रोबोटिक गुड्डे ने बनाया है। पर यह यहां आया क्यों है और इसे किसने भेजा?

धाड़

जबरदस्त मार्शल आर्ट्स स्टाइल और स्पीड है इस गुड्डे की, मेरा कोई भी वार इसे नुक्सान नहीं पहुंचा रहा...

तड़

...और इसके वार से तो लग रहा है जैसे कोई मल्टीस्टोरी बिल्डिंग सर पर आ गिरी हो।

थैंक्स फॉर योर टाइम मिस्टर रोमारियो एंड डेसमंड! फिलहाल के लिए इतने सवाल-जवाब काफी हैं, पर आगे...

बड़ाम कड़ाम

अरे! यह धमाके की आवाज कैसी?

धमाकों की आवाजें तो एग्जिबिशन हॉल से आ रही हैं यानी ऐनालिटिकल वेपन्स हासिल करने की एक और कोशिश की जा रही है।

य... यह क्या है?

चमगादड़!! इनके शरीर पर ऑटोमेटिक वेपन्स बंधे हुए हैं जोकि इनकी मूवमेंट से ऑपरेट हो रहे हैं।

कुछ समय पहले ध्वनिराज ने चमगादड़ों की सोनिक ऊर्जा को एम्पलीफाई करके कुछ ऐसी ही फोर्स का हमला मुझ पर कराया था, कहीं यह ध्वनिराज का ही काम तो नहीं?★

ध्वनिराज को ऐनालिटिकल वेपन्स में क्या दिलचस्पी हो सकती है?

उफ! ये चमगादड़ तो मौत के शोले बरसा रहे हैं, निकलो यहां से। मैंने पहले ही कहा था कि किसी ढंग की जगह पर चलते हैं पर नहीं, तुम्हें तो हथियारों की प्रदर्शनी देखने की पड़ी थी!!

हे भगवान, किसी एक चमगादड़ का निशाना तो मेरी कमबख्त बीवी पर लगवा दे!!

सबसे पहले लोगों को यहां से सुरक्षित बाहर निकालना होगा और उसके लिए मुझे इन चमगादड़ों का ध्यान अपनी ओर लगाना होगा।

★ जानने के लिए पढ़ें सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक 'मैंने मारा ध्रुव को।'

मेरे इनके साथियों पर वार करने से ये कुपित होकर मुझे ही निशाना बनाएंगे, जिससे बाकी लोगों को यहां से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा।
आप सभी लोग यहां से फौरन निकल जाएं!!
शक्क
क्री
इनमें से कुछ ब्लास्ट करके शोकेसेज उड़ा रहे हैं और बाकी अपने पंजों में ऐनालिटिकल वेपन्स को दबा कर उड़ रहे हैं। इन्हें तो वेपन्स चुराने के लिए पूरी तरह ट्रेन करके भेजा गया है।
सभी लोग बाहर निकल चुके हैं अब मैं इनसे निपटने की तरकीब आराम से सोच सकता हूं... ओह! ये चमगादड़ तो अपने वारों से मुझे घेर रहे हैं।

इधर ब्लैक कैट भी अपने हमलावर से जूझ रही थी!

इस तरह के खिलौनों का उपयोग अपराध के लिए करना तो बौना वामन की मोडस ऑपरेंडी है, तो क्या बौना वामन ने इस गुड्डे को इन विदेशियों की जासूसी करने के लिए भेजा है?

उफ! यह तो जान लेने पर उतारू है...

रबड़ की परत के नीचे इसकी रोबो बॉडी किसी मजबूत मेटीरियल की बनी है।

इस फ्रिज में इससे निपटने का सामान जरूर मिलना चाहिए...यह पानी!

यह पानी इसके नाजुक पार्ट्स में गड़बड़ी पैदा करेगा...

और यह मुझे बहुत ज्यादा नुकसान पहुचाने के मूड में है।

ओ नो! इसके रोबोटिक शरीर पर तो कोई वाटर प्रूफ लेमिनेशन चढ़ा हुआ है, पानी इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा रहा।

रोबोट की उस फौलादी पकड़ में ब्लैक कैट की सांसें दम तोड़ रही थीं, उसकी आंखों के आगे अंधेरा छा रहा था...

...पर उसका दिमाग तेजी से अपने बचाव के लिए काम कर रहा था। ब्लैक कैट ने एक झटके में दिवार पर लगा वो स्विच बोर्ड उखाड़ लिया।

...और करेंट युक्त तारों का स्पर्श उस रोबोट से करा दिया।

किर्र्र्र्र्र

यह तेज करेंट इसकी वाटरप्रूफ लेमिनेशन पिघला देगा।

ब्लैक कैट अपनी बाधा पार कर चुकी थी पर ध्रुव के लिए फिलहाल मुश्किल की घड़ी थमी नहीं थी।

करेंट और पानी के संगम ने इसे कंडम कर दिया। अब मुझे यहां से निकलना चाहिए इससे पहले कि कोई दूसरी मुसीबत टपक पड़े।

इन चमगादड़ों ने मुझे पूरी तरह कार्नर कर दिया है, इनका अगला वार मेरे परखच्चे उड़ा देगा।

ध्रुव और उसकी मौत के बीच आधे क्षण से भी कम का फासला था, पर इतना समय काफी था उस दिमाग के खिलाड़ी के लिए अपना बचाव करने को।

...चमगादड़ की आंखें रौशनी की आदि नहीं होतीं, तीव्र प्रकाश उन्हें अंधा कर सकता है, और हॉल की सभी डिस्प्ले लाइट्स जलते ही यहां इतनी रौशनी होगी जैसे सूरज कमरे में आ गया हो।

क्लिक्क!!

यह स्विच बोर्ड जरूर इस हॉल की डिस्प्ले लाइट्स से जुड़ा हुआ होगा जोकि दिन होने की वजह से नहीं जलाई गई हैं...

जूम

जूम

जूम

यह क्या?... किसने मारा इन चमगादड़ों को?

ड्रोन फोर्स और
इंस्पेक्टर स्टील!!

मिस्टर डेसमंड और
रोमारियो ने यहां इन्सटाल्ड
डिस्ट्रेस अलार्म ब्रेक किया
था जो सीधे मेरे सिस्टम को
इन्फॉर्म करता है, अलार्म ब्रेक
होते ही ड्रोंस और मैं यहां
के लिए निकल पड़े।

यहां सिचुएशन अंडर
कण्ट्रोल थी। अगर एक भी
चमगादड़ जिंदा पकड़ा जाता तो उसके
जरिए उसके मालिक तक पहुंचा जा
सकता था। बट ऑल थैंक्स टू यू अब
वह रास्ता बंद हो चुका है।

कानून के हाथ बहुत लम्बे हैं,
मिस्टर ध्रुव! देर सवेर अपराधी तक
पहुंच जाएंगे। फिलहाल जो अपराधी
हमारी पहुंच के भीतर है उस पर
ध्यान देना ज्यादा वाजिब होगा।

ब्लैक कैट! जोकि खुद भी एक वांटेड क्रिमिनल है, इसका यहां होना साबित करता है कि ऐनालिटिकल वेपन्स चुराने की कोशिश में इसका भी कोई न कोई हाथ जरूर है।

ब्लैक कैट यहां मेरे साथ आई है और इसका इस पूरे प्रकरण से कोई लेना-देना नहीं है।

कमाल की बात है, खुद को कानून का रखवाला कहने वाले, देश और फर्ज के लिए लहू का हर कतरा बहाने का दावा करने वाले अपराधियों को साथ लिए घूमते हैं और उन्हें डिफेंड भी करते हैं।

यू आर अंडर अरेस्ट! तुम्हें चुप रहने का अधिकार है।

सोचना भी मत!

एक अपराधी का साथ देने के जुर्म में तुम भी गिरफ्तार किए जाते हो सुपर कमांडो ध्रुव।

बिजली को मात करने वाली गति से ध्रुव का हाथ घूमा और स्मोक बम के धमाके से पूरा हॉल भर गया।

फटाक!!

वाऊ ध्रुव! एक पल के लिए मुझे 'मुसीबतजदा नारी' वाली फील आ गई जिसे हीरो हमेशा गुंडों की फौज से बचा ले जाता है।

मजाक का समय नहीं है, ब्लैक कैट! स्टील और ड्रोंस के कैमरों पर स्मोक बम का कोई खास असर नहीं होना है, वह किसी भी क्षण हमारे पीछे होंगे, हमें यहां से फौरन निकलना होगा।

वरूम!!

ब्लैक कैट और ध्रुव के शरीर हवा के झोंकों की तरह ध्रुव की स्पेशल बाइक पर सवार हुए और अगले ही सेकेंड में उसकी बाइक की स्पीडोमीटर की सुई सौ के पार थी।

बेचारा ध्रुव, नहीं जानता कि उसकी इस हरकत ने मेरा काम कितना आसान कर दिया है।

तुम ठीक तो हो ब्लैक कैट?

ठीक? इससे ज्यादा वंडरफूल कभी नहीं थी मैं।

यह तुम्हारी पहली और आखिरी वार्निंग है, भागना बंद कर दो और खुद को कानून के हवाले कर दो वर्ना...

ज़िंग
ज़्यूम
ज़िंग
ज़्यूम

बहुत बड़ी गलती कर दी, ध्रुव! अब तुम कानून से नहीं बच सकते।

अब तुम सरेंडर
करने का मौका भी
गंवा चुके हो।
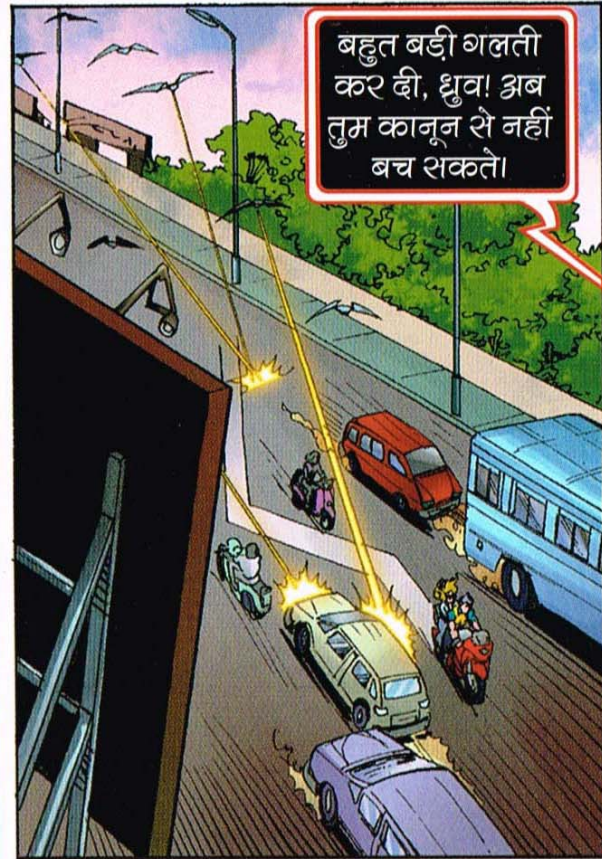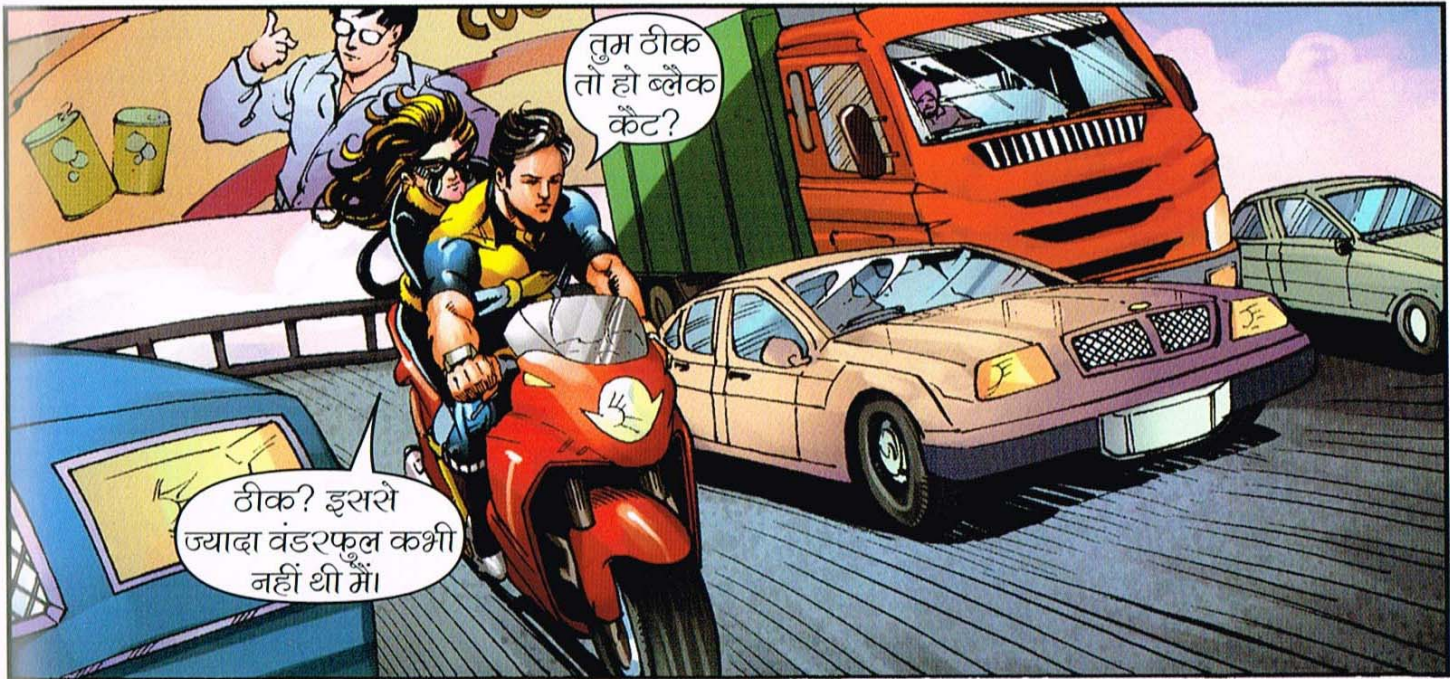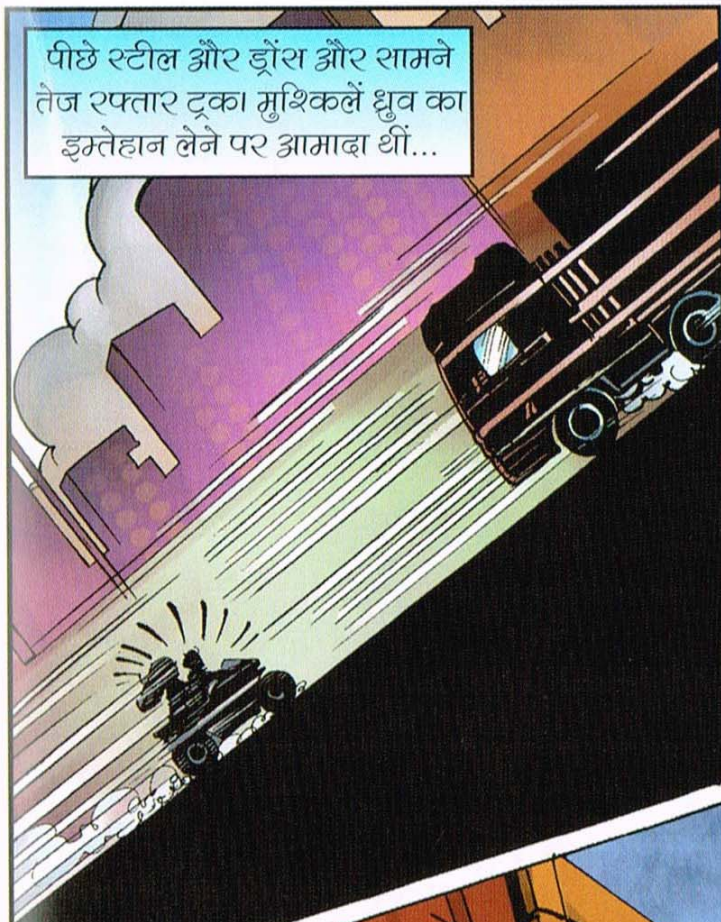
पीछे स्टील और ड्रोंस और सामने
तेज रफ्तार ट्रक। मुश्किलें ध्रुव का
इम्तेहान लेने पर आमादा थीं...

पर ऐसे ना जाने कितने अनगिनत
इम्तेहानों को पार करके...
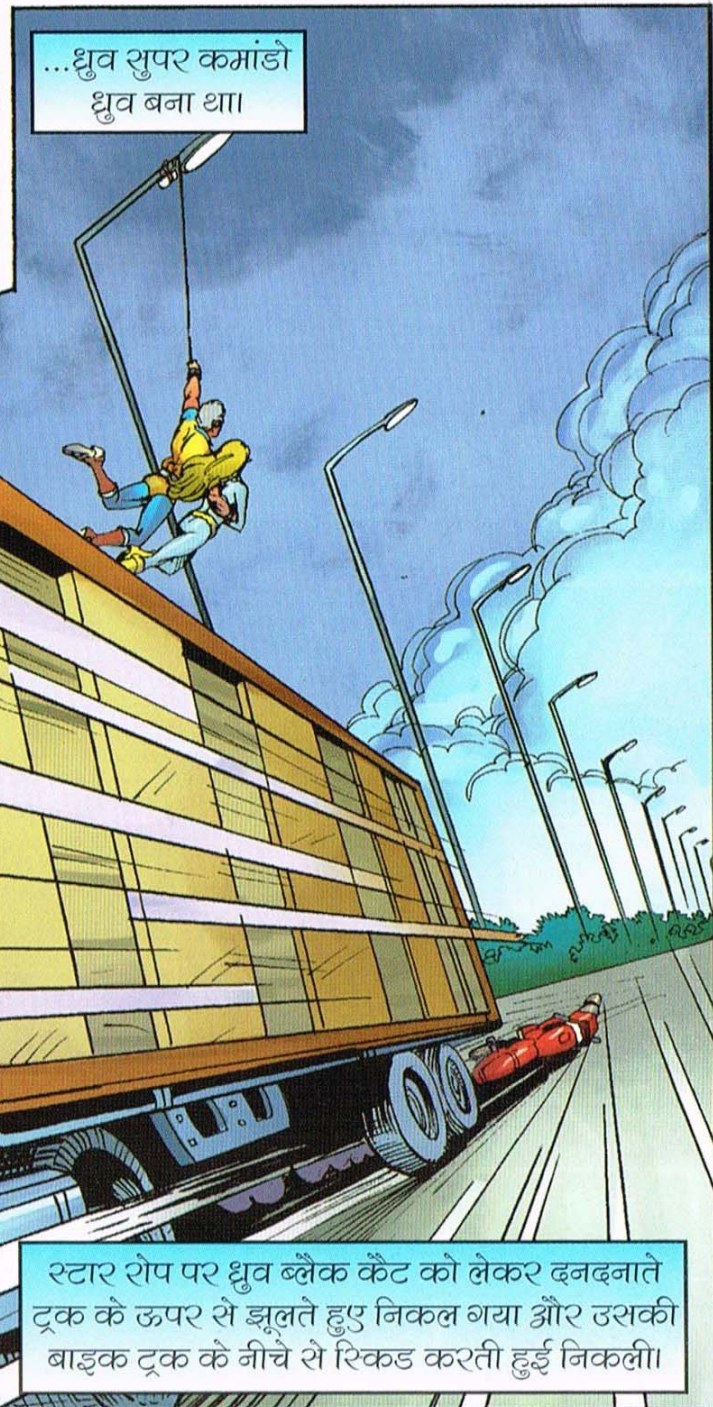
...ध्रुव सुपर कमांडो
ध्रुव बना था।

स्टार रोप पर ध्रुव ब्लैक कैट को लेकर दनदनाते
ट्रक के ऊपर से झूलते हुए निकल गया और उसकी
बाइक ट्रक के नीचे से स्किड करती हुई निकली।

...अगले क्षण के सौवें हिस्से में ध्रुव बाइक पर सवार था जबकि ब्लैक कैट का कुशल जिमनास्ट शरीर हवा में समर सौल्टिंग करते हुए बैक सीट पर सवार हो गया।

जुपिटर सर्कस में सैकड़ों बार मौत के कुएं में करतब दिखा चुके ध्रुव के सधे हाथों ने हवा में झूलते हुए ही बाइक को सीधा किया...

लाख कोशिशें कर लो ध्रुव, तुम्हारा बचना अब नामुमकिन है।
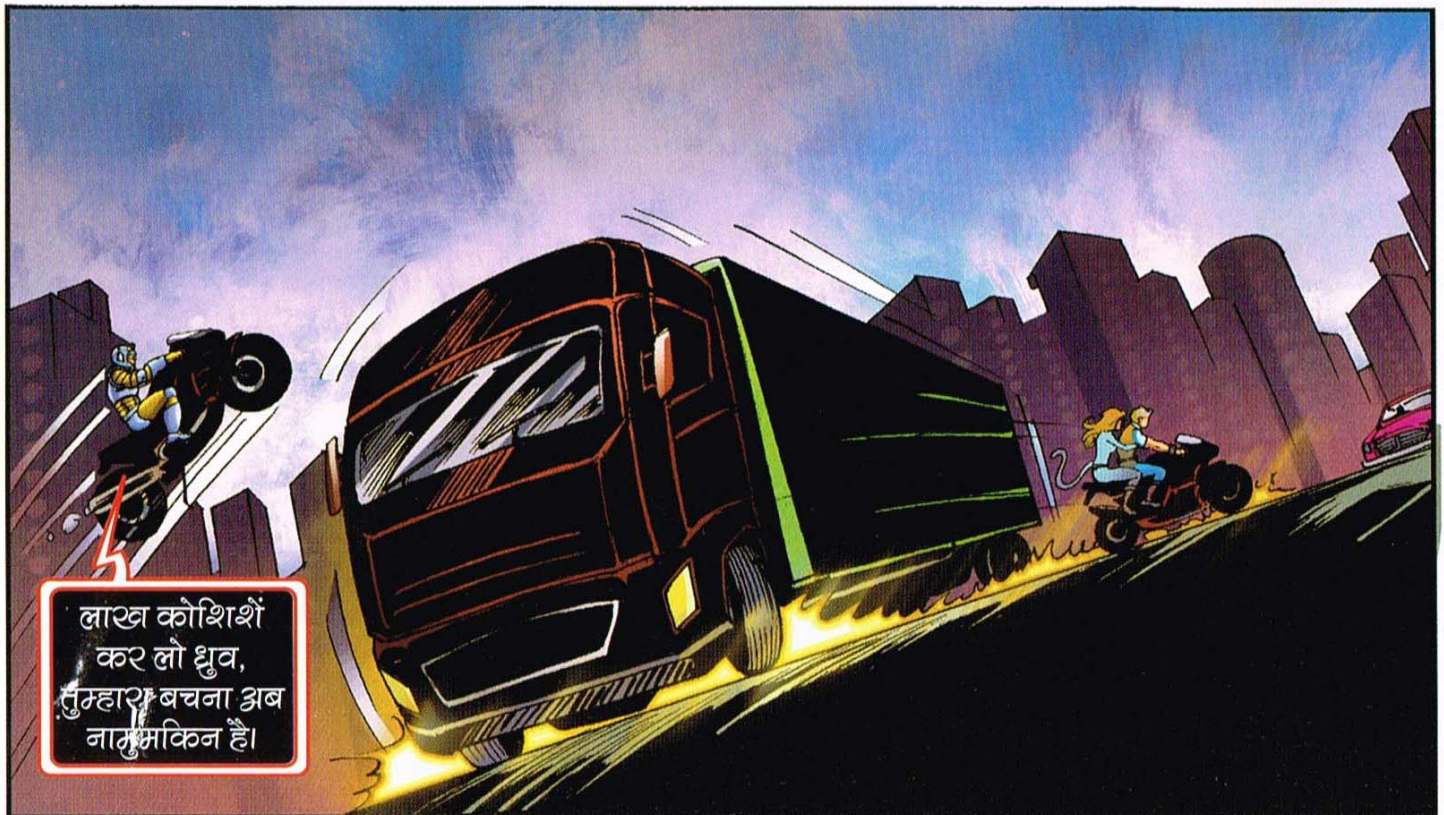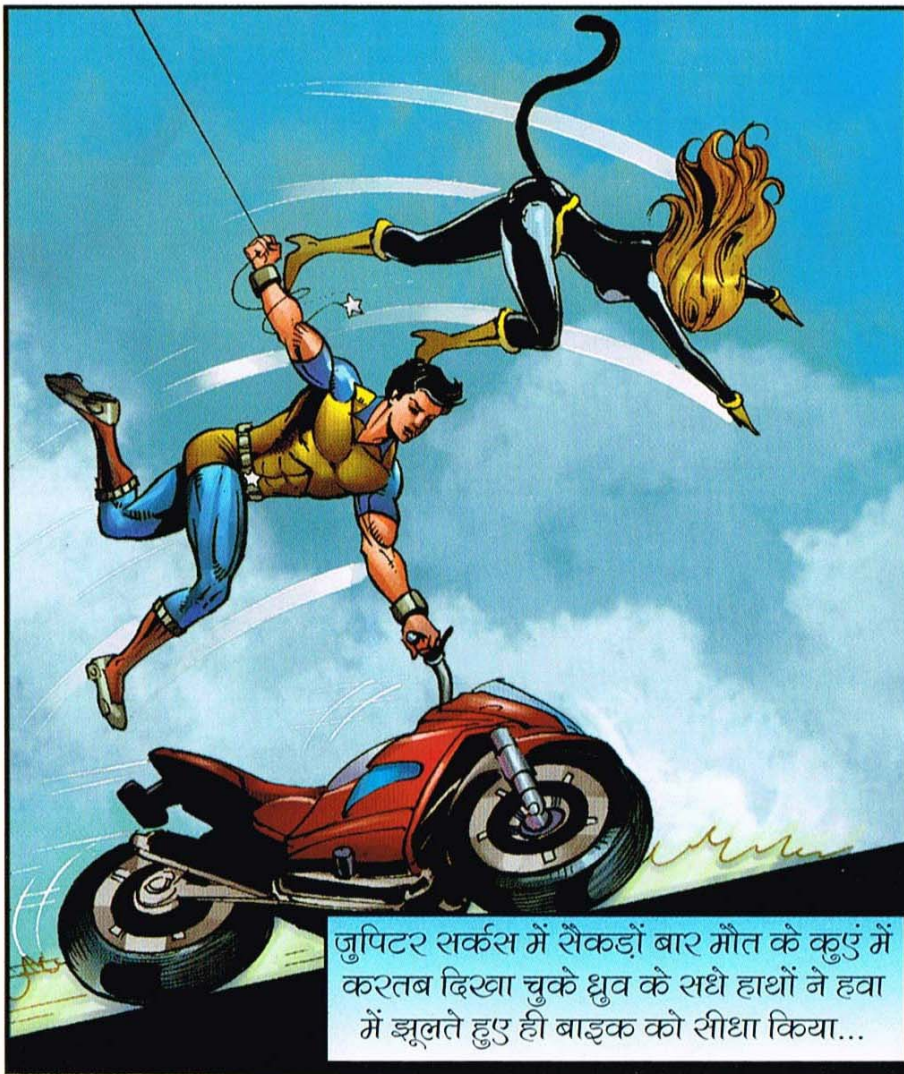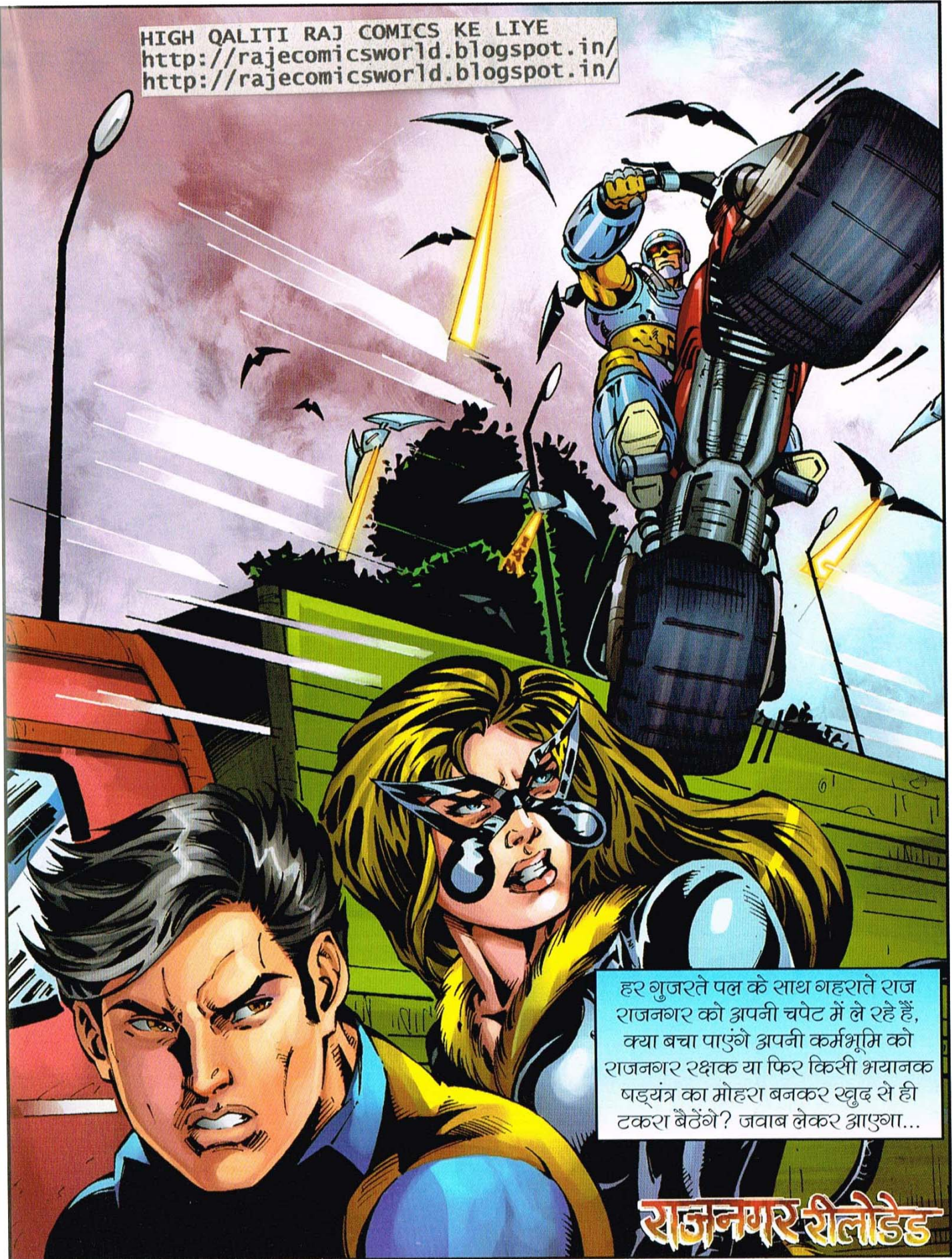
हर गुजरते पल के साथ गहराते राज
राजनगर को अपनी चपेट में ले रहे हैं,
क्या बचा पाएंगे अपनी कर्मभूमि को
राजनगर रक्षक या फिर किसी भयानक
षड्यंत्र का मोहरा बनकर खुद से ही
टकरा बैठेंगे? जवाब लेकर आएगा...

राजनगर रीलोडेड

क्रमशः

RECAP

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश वैज्ञानिक हैमंड द्वारा एक ऐसा विनाशकारी हथियार तैयार किया गया जो पूरी मानवजाति को खत्म करने की कूबत रखता था, उस हथियार की भयावहता समझ आने पर हैमंड ने उसे ब्रिटिश कॉलोनी इंडिया के बीहड़ जंगलों में दफन कर दिया।

दशकों बाद यह जगह बनी हिन्दुस्तान के अग्रणी महानगरों में से एक राजनगर। जहां डॉक्टर अनीस रजा के नेतृत्व में श्वेता मेहरा ने राजनगर की सुरक्षा सुदृढ़ करने के लिए कॉम्बैटिंग ड्रोंस का निर्माण किया। राजनगर की फर्ज की मशीन का राजनगर के जंगलों में टकराव होता है ग्लाइडिएटर गैंग से जिसके पश्चात स्टील का बिहेवियर बाई–पोलर डिसऑर्डर का शिकार हो जाता है। ध्रुव पर मेटेलिका नामक लाइव मेटल ह्युम्नोइड का हमला होता है जिसे ध्रुव और श्वेता मिलकर विफल कर देते हैं और श्वेता व अनीस द्वारा लाइवमेटल कॉप्स के निर्माण का कार्य शुरू होता है जिसका ध्रुव पुरजोर विरोध करता है। वंडर वुमन के साथ मिलकर रोबो लाइव मेटल को चुराने का प्लान बनाता है जिसे अंजाम देने पहुंचती है नताशा। चंडिका, ब्लैक कैट और ध्रुव मिलकर उसका प्लान विफल कर देते हैं। ध्रुव और स्टील के वैचारिक मतभेद इस हद तक गहराने लगते हैं कि दोनों एक–दूसरे के विरोधी हो जाते हैं।

वर्तमान समय में राजनगर हाइबरनेशन बन चुका है जहां स्टील द्वारा बंधक बना लिए गए ध्रुव को छुडाने पहुंचती है नताशा और उसका साथ देती है अनीस को स्टील के चंगुल से छुड़ाने की कोशिश करती सलमा।

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर रीलोडेड

इंस्पेक्टर स्टील

राजनगर रक्षक श्रृंखला पार्ट–4

संजय गुप्ता की पेशकश

राज कॉमिक्स है मेरा जनून

कथा स्तुति मिश्रा | चित्रांकन हेमंत कुमार | स्याहीकार विनोद कुमार, ईश्वर आर्ट्स, स्वाति चौधरी | रंगसज्जा सुनील दस्तूरिया, भक्त रंजन | शब्दांकन मंदार गंगेले, नीरू | संपादक मनीष गुप्ता

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

प्रस्तुत कथानक के पूर्व भाग 'राजनगर रक्षक', 'हाइबरनेशन' व 'राजनगर रीबूट' www.rajcomics.com पर उपलब्ध।

मनोरंजन का चौथा दशक।

SOMEWHERE NEAR HIBERZONE, HIBERNATION. PRESENT TIME

तुम्हारा प्लान सरासर आत्महत्या की कोशिश है नताशा।

रिलैक्स सलमा! यही एकमात्र रास्ता है अपनी मंजिल तक पहुंचने का।

हम कोई दूसरी स्ट्रेटेजी...

शट अप एंड जम्प!

MALICIOUS ACTIVITY ALERT. SCAN MODE ON_

SECURITY BREACH LEVEL: HIGH DANGER_

Jean

TERMINATE IMMEDIATELY_

ये हमारे वारों से बचने की कोशिश नहीं करेंगे क्योंकि नॉर्मल बुलैट्स इन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगी।

तो इन पर फायर करने का क्या फायदा?

ब्लाम

ब्लाम

ब्लाम

ब्लाम

यही कि हमारे बुलैट्स सीधा अपने टारगेट्स पर ब्लास्ट करेंगे...

...कार्ट्रिज में बारूद के साथ मैंने जो लेड का बुरादा मिलाया है मुझे इन ह्यूमनोइड्स पर उसका असर देखना है।

FATAL ATTACK_
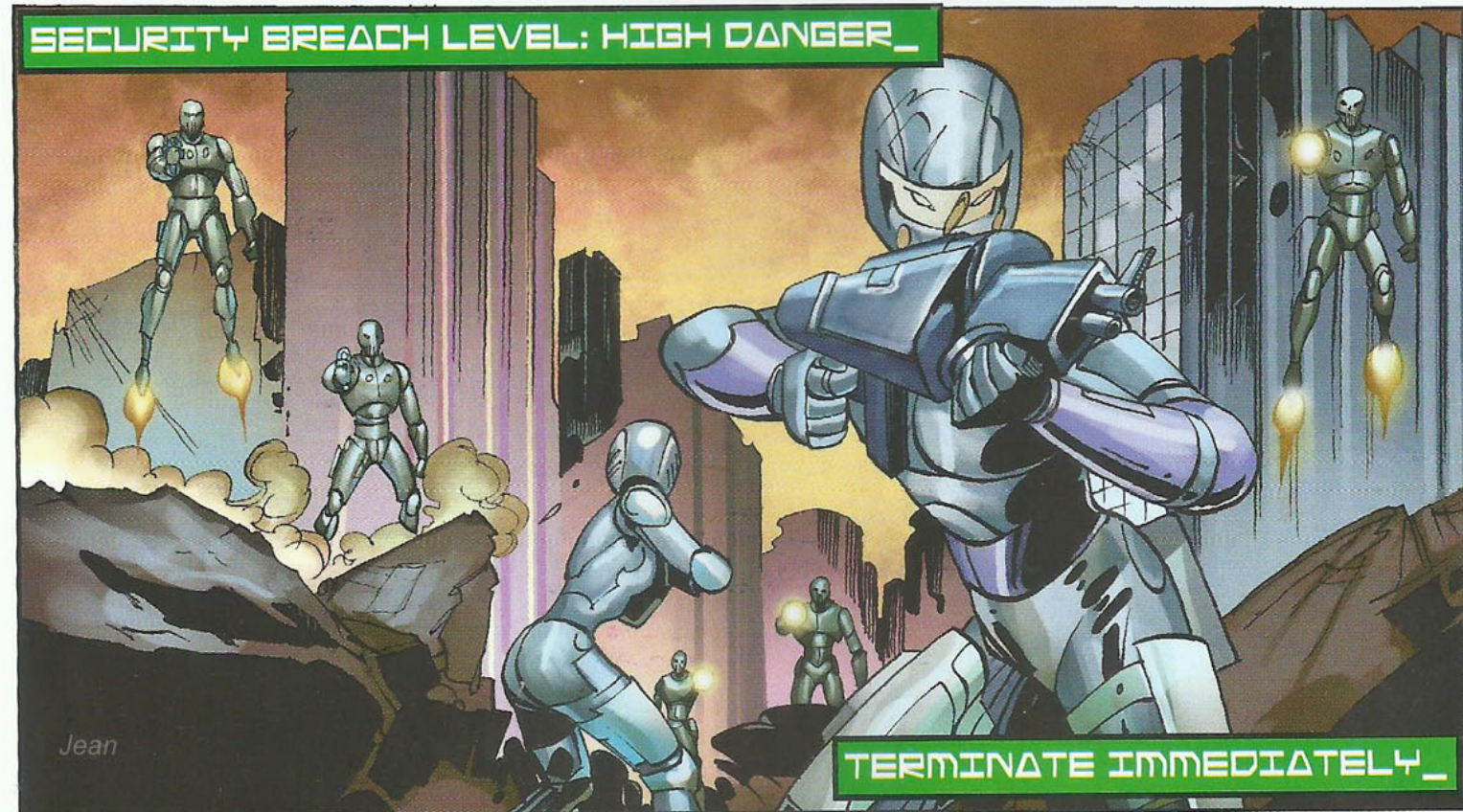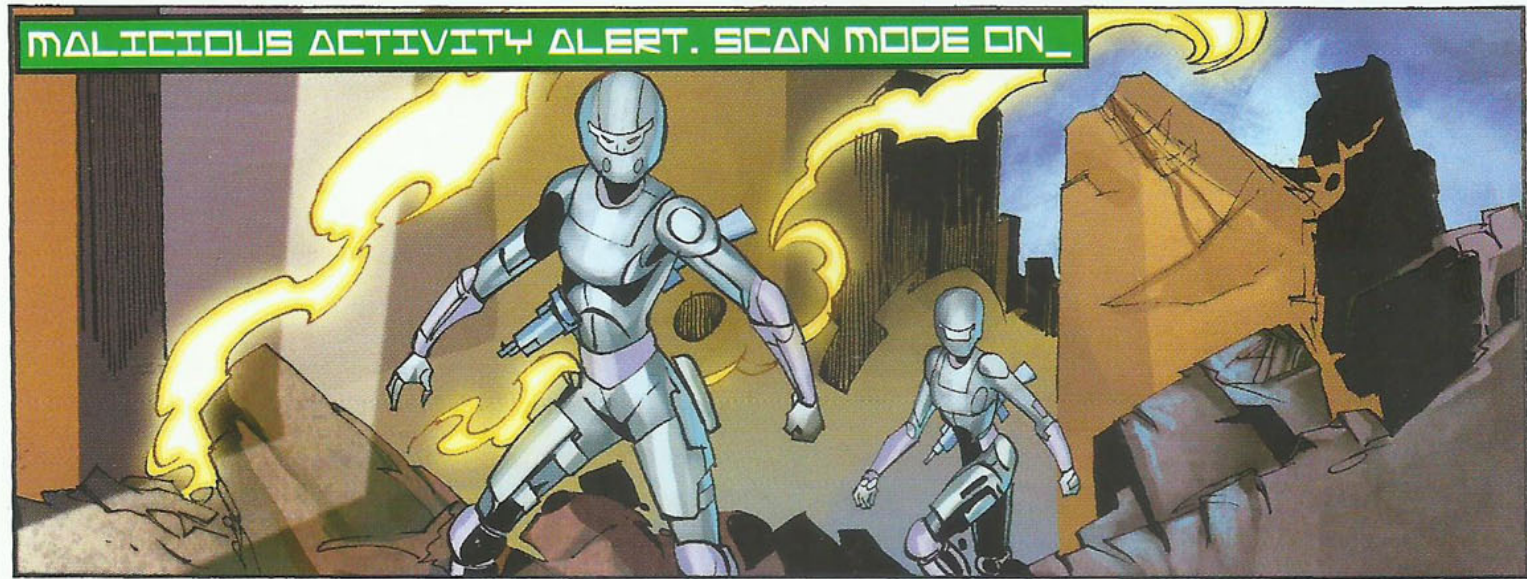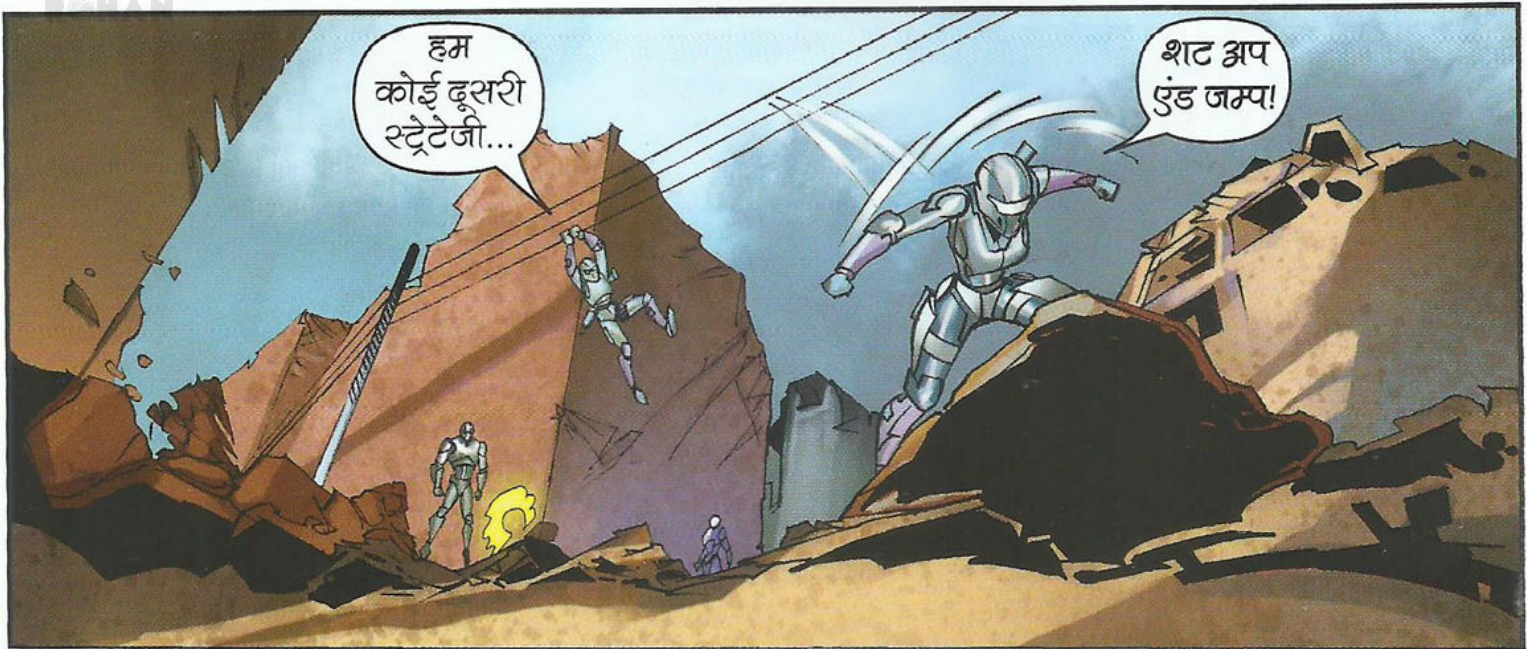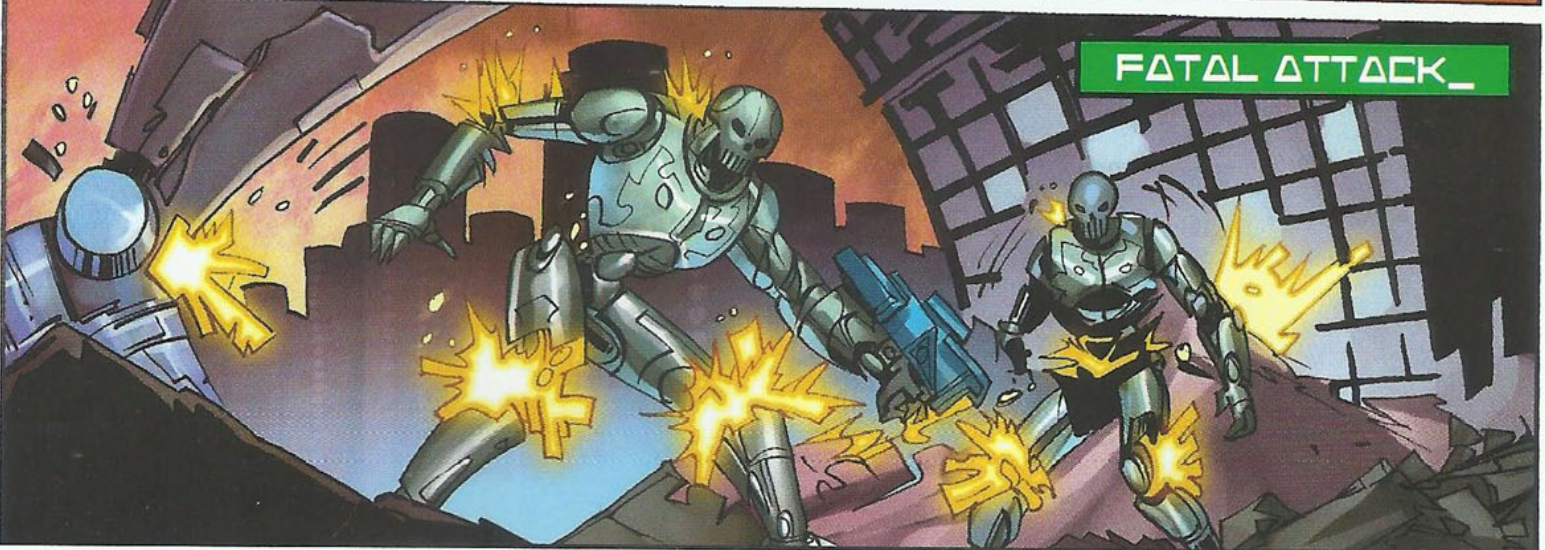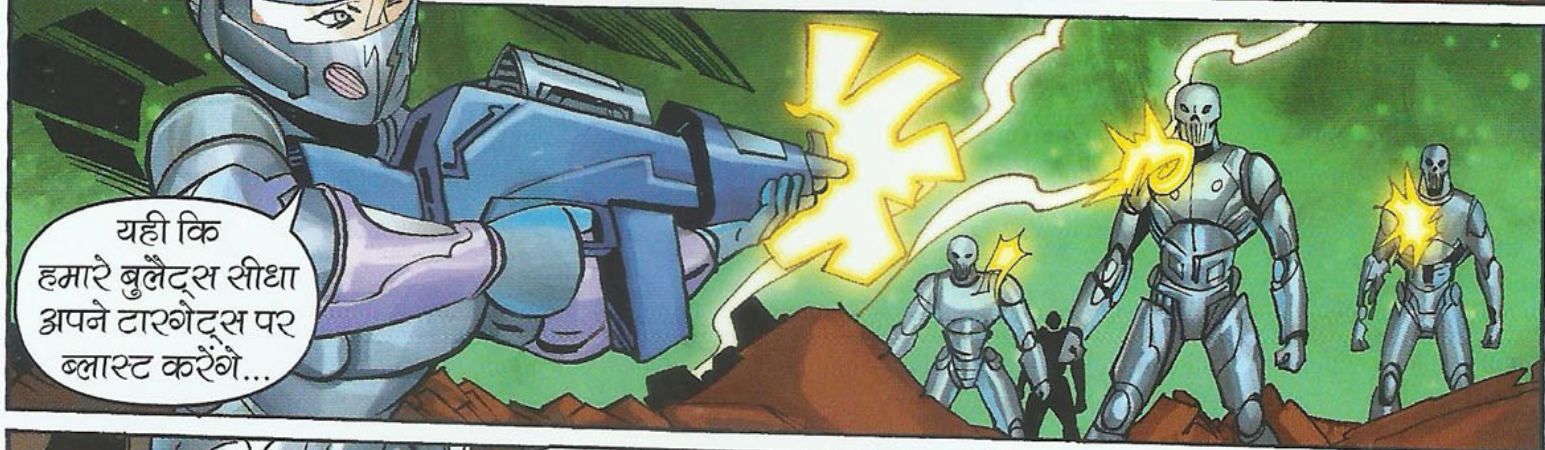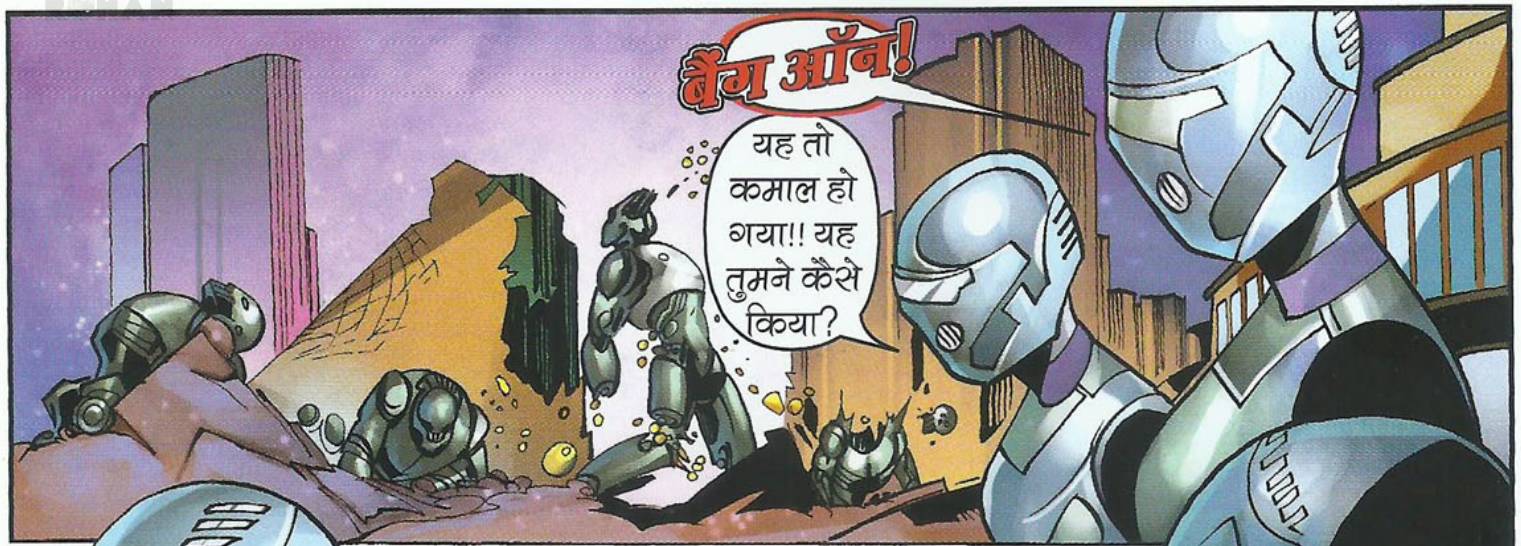
बैंग ऑन!

यह तो कमाल हो गया!! यह तुमने कैसे किया?

जब तुमने मुझे बताया कि ये ह्यूमनोइड्स लेड फैक्ट्री एरिया के पास नहीं जाते मैं तभी समझ गई कि लेड इनके लिए घातक है।

बैंग बैंग

बैंग बैंग

पर ये लाइव मेटल से निर्मित ह्यूमनोइड्स हैं कोई मामूली रोबोट्स नहीं, मामूली सी लेड इन्हें नुकसान कैसे पहुंचा रही है?
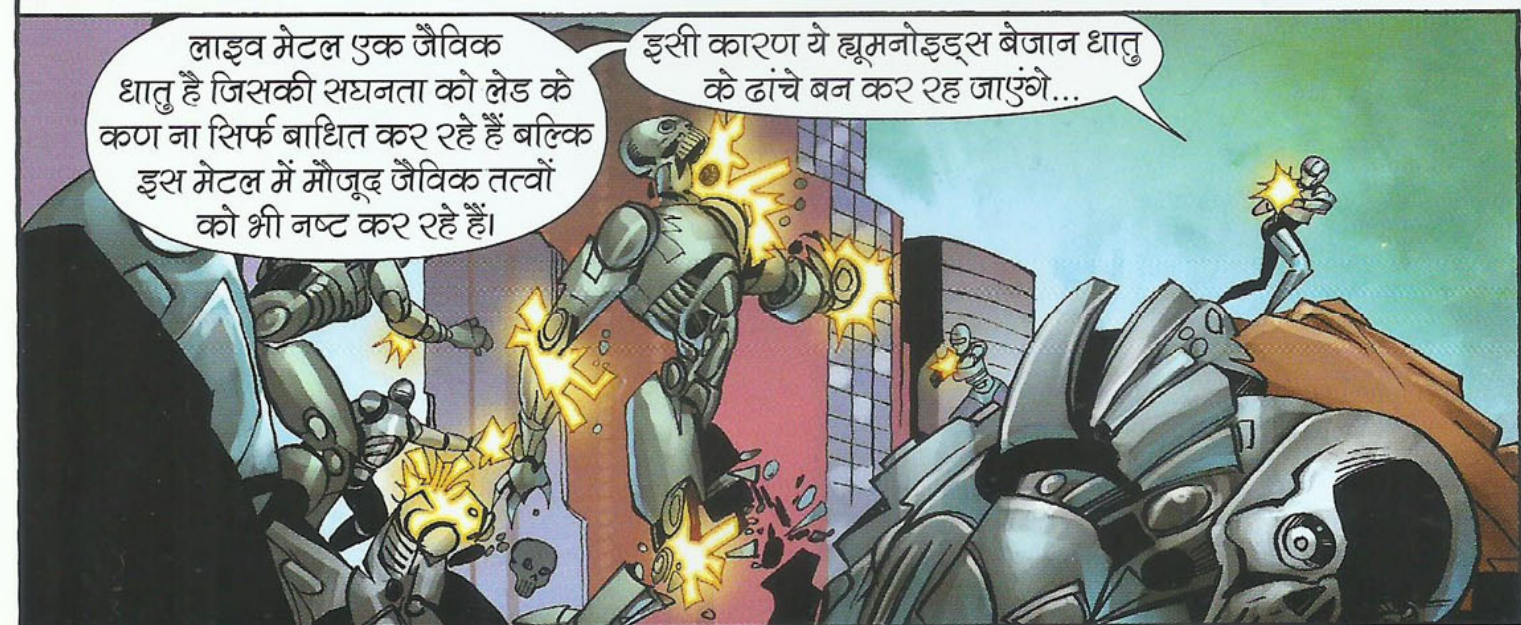
लाइव मेटल एक जैविक धातु है जिसकी सघनता को लेड के कण ना सिर्फ बाधित कर रहे हैं बल्कि इस मेटल में मौजूद जैविक तत्वों को भी नष्ट कर रहे हैं।

इसी कारण ये ह्यूमनोइड्स बेजान धातु के ढांचे बन कर रह जाएंगे...

...अगर इनके लाइव मेटल शरीर ही काम नहीं करेंगे तो इनके इंटरनल मैकेनिज्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सब धरे के धरे रह जाएंगे।

ध्यान से नताशा! हम जैसे-जैसे हाइबरजोन की ओर बढ़ रहे हैं इनकी सिक्योरिटी और सघन होती जा रही है।

ह्यूमनोइड्स के अलावा लाइव मेटल से निर्मित अजीब-ओ-गरीब जीव भी तैनात हैं यहां की सुरक्षा के लिए।

इनका भी इलाज है हमारे पास...
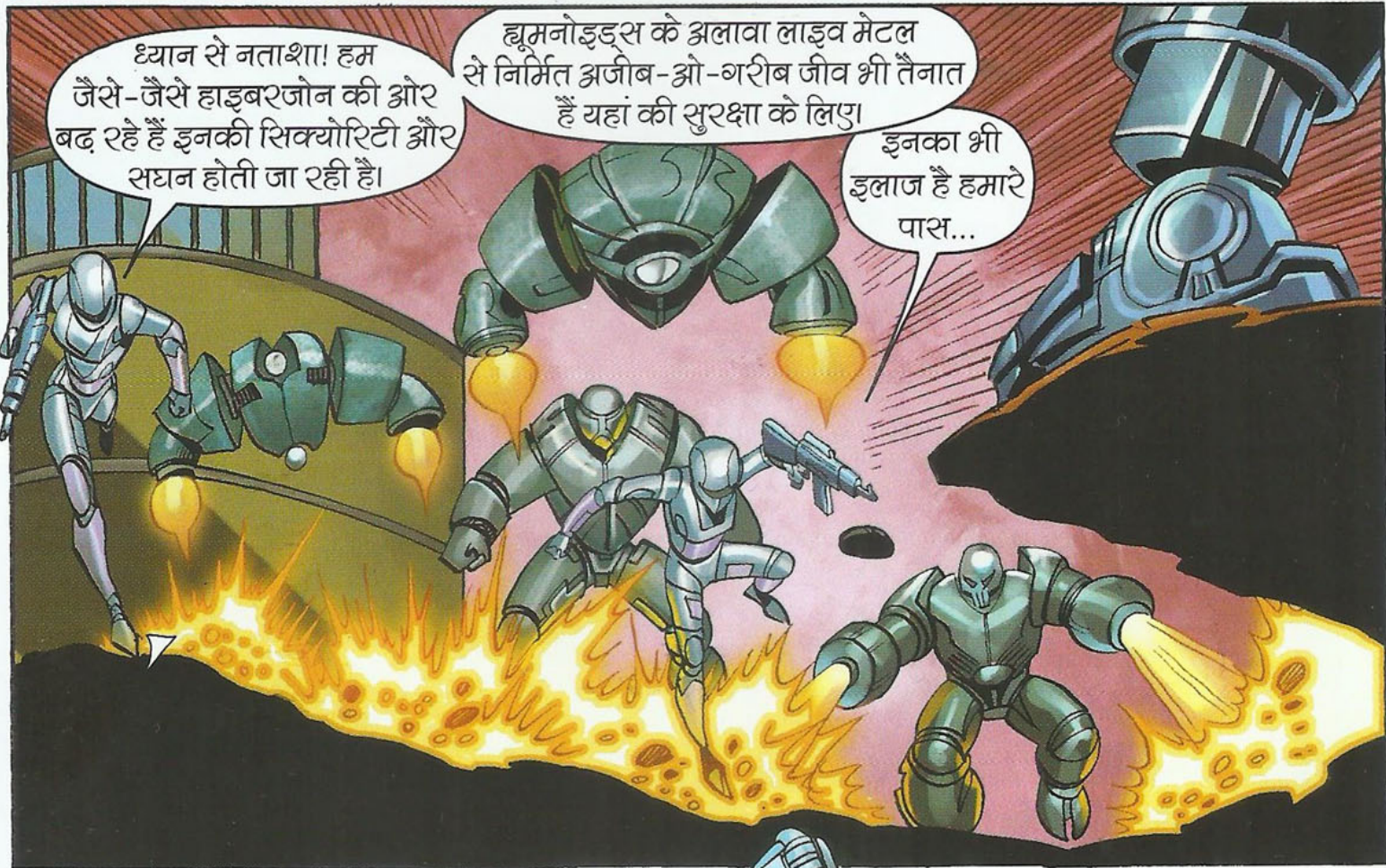
कैच दिस! मैंने सिर्फ बंदूकों के कार्ट्रिज में ही लेड का बुरादा नहीं मिलाया था...

भड़ाम

बड़ाम

...इन ग्रेनेड्स में भी लेड पार्टिकल्स इतनी प्रचुर मात्रा में मिले हुए हैं कि...

कड़ड़ड़ाम

...लाइव मेटल से बने बड़े से बड़े जीव को भी भंगार बनाने को काफी हैं।

हाइबरजोन तक पहुंच गए हम, अब सिर्फ अनीस और ध्रुव को तलाशना है।

लाइव मेटल निर्मित ऑटोमेटिक वेपन्स! ये तो बुलेट्स भी लाइव मेटल की बनी हुई चला रहे हैं।

जूम

जिंग

हमारे लिए अच्छा है, बस अपने शरीर ऐसे कोण पर मोड़ो कि...

जिंग

जूम

...इनके चलाए लाइव मेटल बुलेट्स हमारे लेड जैकेट्स से टकराएं।

एक्सेलेंट! लाइव मेटल को लेड निष्क्रीय कर रही है और बुलेट्स के घातक हमले को रोकने के लिए ये बुलेटप्रूफ जैकेट्स काफी हैं।

डिफेन्स और अटैक एक साथ करते हुए आगे बढ़ो!!

बड़ाम

बड़ाम

जूम
जूम
ड्रोंस! हाइबरजोन की सुरक्षा पर स्टील ने ड्रोंस को तैनात किया है।
जूम
जूम
शक्क
शक्क
ये लाइव मेटल से निर्मित नहीं हैं, इन पर हमारे वारों का कोई असर नहीं होगा।
वी आर डेड!
सांय
कड़
कड़ाक

जब तक ध्रुव जिंदा है, मौत को इजाजत नहीं कि तुम्हारे जिस्म को छू जाए नताशा!

SAME TIME, OUTSKIRTS OF HIBERNATION.

सब बर्बाद हो गया! कभी सोचा नहीं था कि जिंदगी में ऐसा दिन भी देखना होगा।

मशीने इंसानों पर हुकूमत करने वाली हैं। मैं भविष्य देख सकता हूं! एक भयावह, हौलनाक भविष्य!

तुम भविष्य देख सकते हो और मैं भविष्य बदल सकती हूं! तुम्हारा, हमारा इस पूरी मानव जाति का भविष्य, अगर तुम मेरा साथ दो तो...

अब कुछ नहीं हो सकता वंडर वुमन! क्या तुम देख नहीं सकती कि राजनगर का क्या हश्र हुआ है?

बिलकुल देख सकती हूं रोबो और जो हश्र राजनगर का हुआ है वही हमारा ना हो इसके लिए प्रयास भी हमें ही करने होंगे।

"त... तुम स्टील के चंगुल से आजाद कैसे हुए ध्रुव? त...तुम ठीक तो हो?"

हम्फ! जिंदा हूं नताशा
कहां हैं श्वेता और भाईजान?
हमारे पास वक्त बहुत कम है। श्वेता और डॉक्टर अनीस को स्टील के चंगुल से छुड़ाना होगा।
यहीं हाइबरजोन में।
अनीस को अतिविशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था में कैद करके रखा गया है और श्वेता... श्वेता...
क्या हुआ श्वेता को?
म...मैं खुद भी नहीं जानता नताशा कि श्वेता को क्या हुआ है पर स्टील ने श्वेता को बदल दिया है। श्वेता ने मुझ पर वार किया, उसके पास अति-मानवीय शक्तियां भी थीं।
यह भी स्टील की कोई चाल होगी ध्रुव?
सलमा ठीक कह रही है ध्रुव! दुनिया उल्टी घूम सकती है पर श्वेता अपने भाई को खरोंच पहुंचाने के बारे में सोच भी नहीं सकती।

अब तक हाइबरजोन की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली को मेरे आजाद होने और तुम्हारे यहां घुसपैठ करने की जानकारी प्राप्त हो गई होगी।

कुछ ही पलों की बात है, यह जगह मशीनों का युद्धक्षेत्र नजर आएगी।

जो बात हमारे हक में है वह यह है कि...

स्टील फिलहाल यहां मौजूद नहीं है...

SECTOR 01, OUTSKIRTS OF HIBERNATION, PRESENT TIME.

सच कहूं तो तुझ पर मुझे तरस आता है बुड्ढे, यह जानते हुए भी कि मेरे सामने तेरी रोबो फोर्स चंद मिनट भी नहीं ठहर पाएगी।

तू बार-बार मुझ पर हमले कर रहा है, सिर्फ इस आस में कि शायद किस्मत तेरा साथ दे दे।

...पर इस बार चाल बढ़िया थी, पहले अपनी बेटी को भेज दिया ध्यान बंटाने के लिए और फिर पीछे से खुद हमला कर दिया।

नताशा! नताशा यहां हाईबर्नेशन में है?

तुझे तो किसी नौटंकी में होना चाहिए था बुड्ढे! क्या अभिनय किया है चौंकने का!

लेकिन कितने भी पैंतरे आजमा ले, चाहे कितने भी हथकंडे अपना ले, तू मुझसे कभी नहीं जीत सकता।

खुद पर विश्वास होना अच्छी बात है, स्टील! आत्मविश्वास किसी भी योद्धा का सबसे दृढ़ आधार स्तम्भ होता है।

...लेकिन अति आत्मविश्वास वह दीमक है जो इस आधार स्तम्भ को ही नहीं बल्कि योद्धा को भी खोखला कर देती है।

और मैं जिस दृष्टि से देख रहा हूं उससे तू...

...सिर्फ एक खोखला मशीनी ढांचा नजर आ रहा है मुझे।

ज़्यूम ज़्यूम ज़ूम!

Jean

और मशीनें कितनी ही एडवांस क्यों ना हो जाएं, इंसानों का मुकाबला नहीं कर सकतीं।

देख अपने अंजाम को, स्टील! मैं जानता हूं कि तेरा दिमाग सबसे अंत में मरेगा, इसीलिए अपने घमंड से तने इस मशीनी शरीर का हश्र भलीभांति देख...

यह जंग तुम हार गए स्टील! तुम्हारे और तुम्हारी मशीनों के साथ-साथ हाईबर्नेशन भी खत्म, अब होगा राजनगर रीलोडेड।

SOME TIME BACK, RAJNAGAR
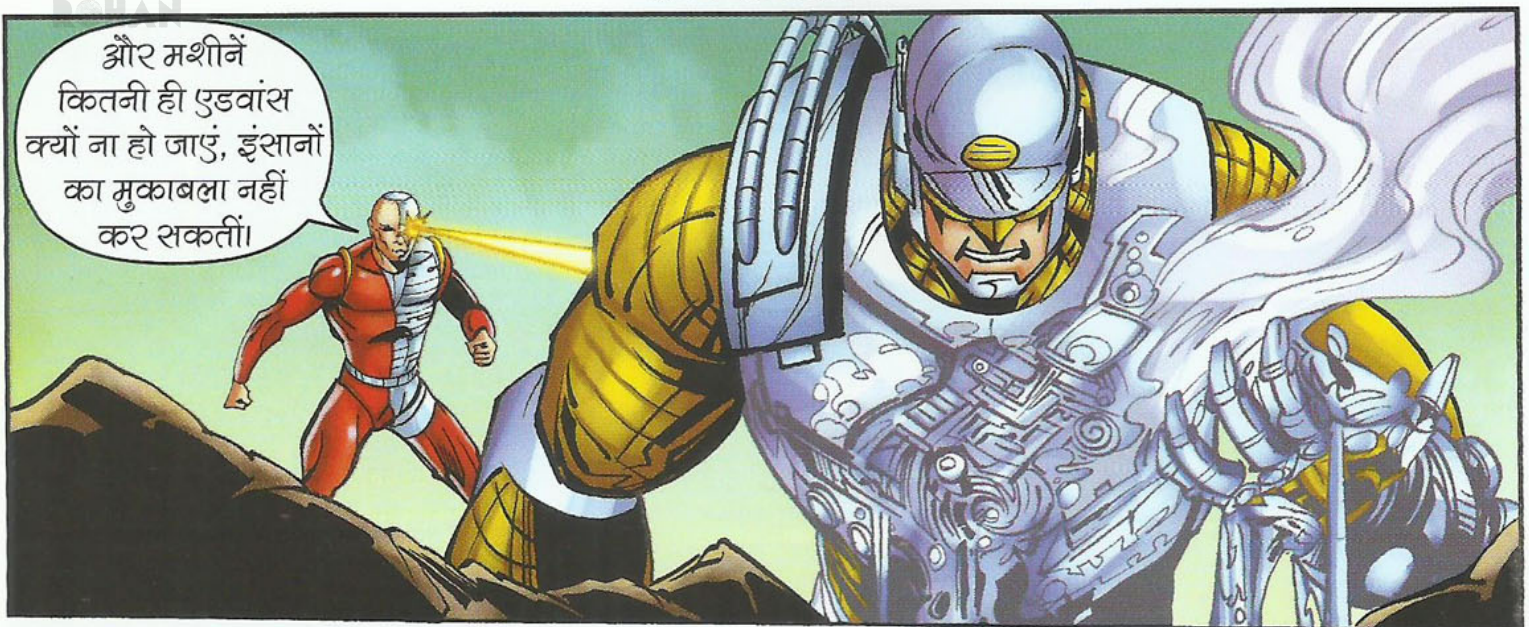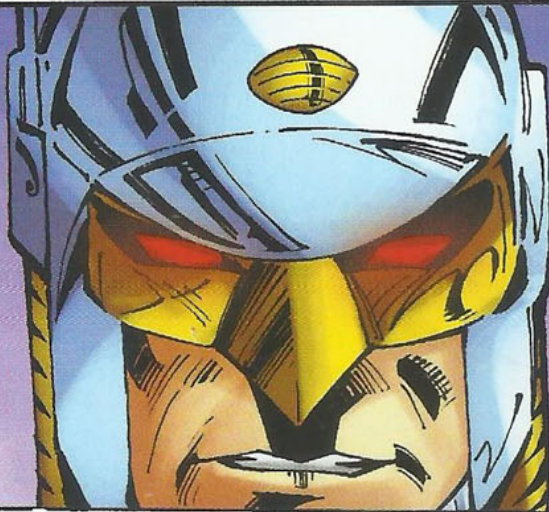
ब्लैक कैट एक वांछित अपराधी है। उसका साथ देकर तुमने भी कानून का उल्लंघन किया है खुद को पुलिस के हवाले कर दो।

लगता है मुझे कानून के सिपाही को कानून सिखाना पड़ेगा, बिना वॉरंट तुम किसी को भी गिरफ्तार नहीं कर सकते।

ऐसे हाईप्रोफाइल अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए मुझे विशिष्ट अधिकार प्राप्त हैं।

मैं तुम्हें एक आखिरी चेतावनी देता हूं। खुद को और इस लड़की को कानून के हवाले कर दो

कुछ युद्ध तूफान की तरह होते हैं।

जो अपने रास्ते में आने वाली
हर चीज को नेस्तनाबूत करके
अपने साथ उड़ा ले जाते हैं।
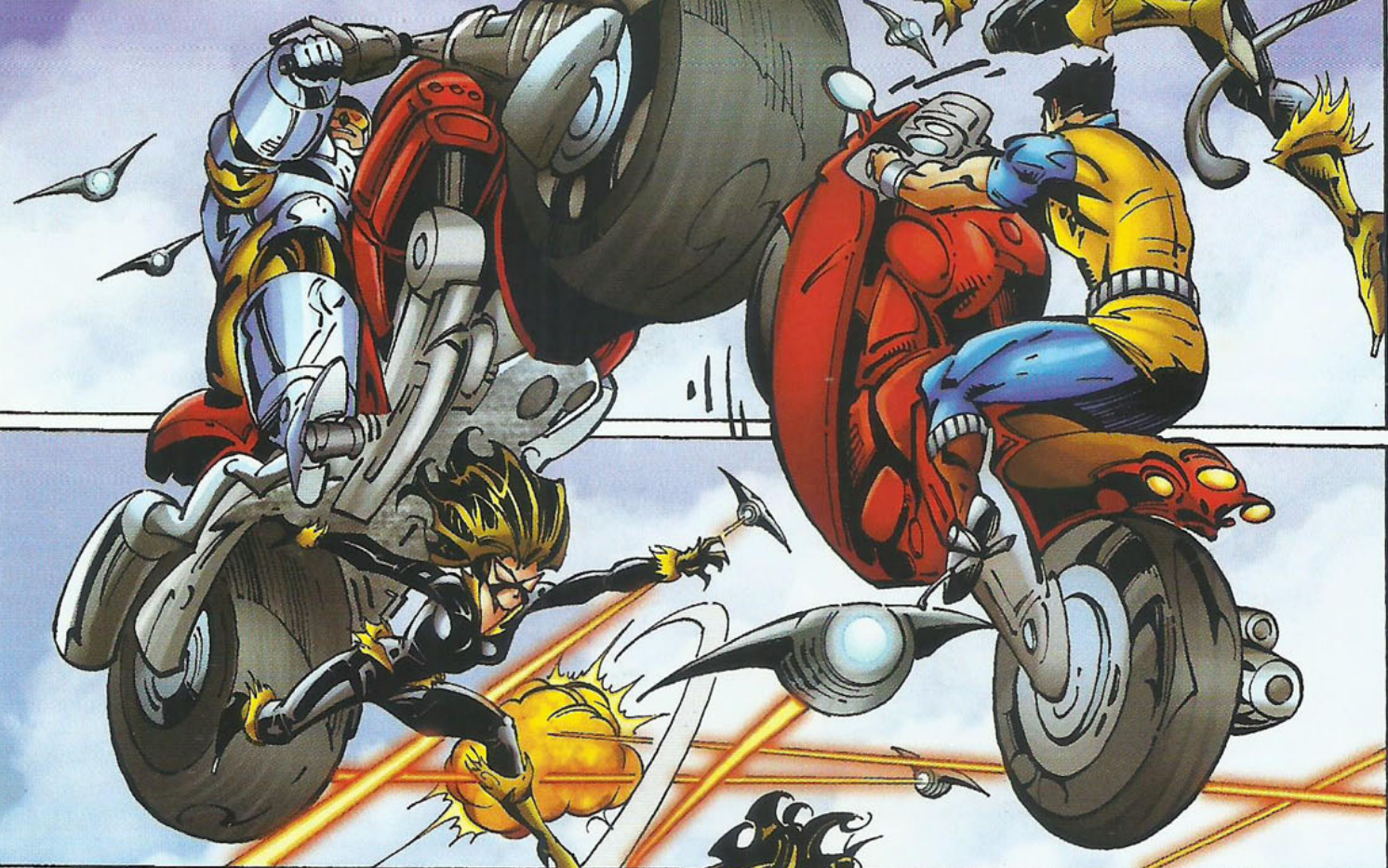
एसे युद्धों की साक्षी बनने से शायद सृष्टि
भी घबराती है क्योंकि इनका अन्त्वगत्व
सृष्टि का विनाश ला सकता है...

...लेकिन तूफान की भांति ही कुछ युद्ध
टाले नहीं जा सकते चाहे इनका परिणाम
कितना ही विध्वंसकारी क्यों ना हो।

खुद को कानून के हवाले कर दो ब्लैक कैट, तुम एक वांटेड क्रिमिनल हो।
इन ड्रोंस से तुम खुद को बचा नहीं सकतीं।
तुमने अपना नाम बदल कर कानून कब से रख लिया?
स्टील ही ज्यादा सूट करता है और मुझे अपने बचने की टेंशन करने की क्या जरूरत है...
...तुम हो न स्वीटहार्ट!
जिंग जिंग जिंग
तुम्हारी ये 'चीप ट्रिक्स' तुम्हें बचा नहीं पाएंगी ब्लैक कैट!!
ओ सो क्यूट! तुम इलेक्ट्रिक शॉक देकर मुझे खुद से दूर करना चाहते हो? तुम्हारे लिए मेरे पास सिर्फ एक ही शब्द है...
लेदर! पर तुम्हारे लिए तो लेदर वैसे ही है जैसे बन्दर के लिए अदरक। चलो तुम्हें एक दूसरा शब्द सुनाती हू...
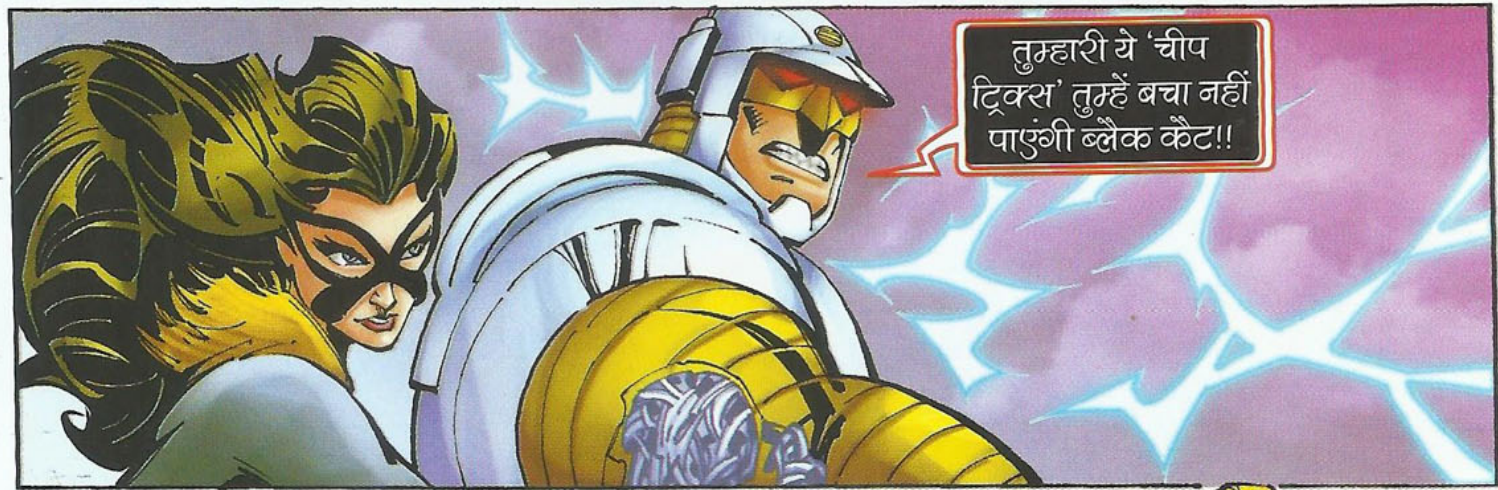
शॉर्टसर्किट!

SHORT CIRCUIT WARNING.

ध्रुव ने अपनी बाइक का एक्सीलिरेटर पूरा रेज करके छोड़ दिया।

धड़ाक

थैंक्स ब्लैक कैट! इतना मौका काफी है इसका इंतजाम करने के लिए।

इलेक्ट्रिक शॉक और टक्कर की दोतरफा मार ने कुछ पलों के लिए स्टील के दिमाग को हिला कर रख दिया।

आघर्रर!

म...मुझे कुछ हो रहा है ध्रुव!

ध...ध्रुव!

तूफान भले ही थामे ना जा सकें पर कई बार नियति ऐसा खेल रचती है कि तूफानों का रुख पलट जाए और संभावित विनाश कुछ समय के लिए टल जाए।

कुछ समय पूर्व डॉक्टर अनीस रजा की लैब पर हुए ऑक्टोपस गैंग और रोबो आर्मी के हमले को ध्यान में रखते हुए वह पूरा एरिया एक छोटी छावनी में तब्दील कर दिया गया था।

लैब से एक किलोमीटर तक के दायरे में कर्फ्यू लगा दिया गया था, इंसान तो क्या, आसमान में उड़ते हुए परिंदों को भी उधर से गुजरने की अनुमति नहीं थी।

च्यूम!

वैल डन कमांडो! दुश्मन परिंदों को प्रशिक्षित कर के उनके द्वारा भी हमले कर सकता है, हमें कोई चांस नहीं लेना है।

पर उस कर्फ्यू और छावनी की धज्जियां उड़ाने के लिए किसी जलजले की तरह बढ़े चले आ रहे थे वे दो साए।

ये तो हैमर और फरसा हैं!! इन्हें कोई वार्निंग मत दो, हमारे पास 'शूट टू किल' ऑर्डर्स हैं...

...भून दो इन्हें!

जिंग जिंग जिंग रेट रेट रेट

करो!! जितनी सरकारी गोलियां बर्बाद करनी हैं, करो!

जल्द ही तुम्हारी खोपड़ियां फरसा के 'स्कल कलेक्शन' की शोभा बढ़ा रही होंगी।

मेरे हथौड़े से तुम्हारी खोपड़ियों के टूटने की गूंज इन पटाखों की तड़तड़ाहट से कहीं अधिक शोर पैदा करेगी।

यकीन नहीं है तो आजमा कर देख लो!

खच

खच्च

भटाक!

फचाक!

उड़ा दो इन दोनों को!

उड़ने-उड़ाने का काम हमारा है हमें ही करने दो...

छोटे-मोटे परिंदों को मारकर खुद को फन्ने खां समझ रहे थे।

अब तुम्हारा शिकार शिकारी ग्रुप करेगा!!

ऑल यूनिट्स एलर्ट!

डॉक्टर अनीस रजा की लैब पर सुपरविलेन्स का हमला हुआ है...

...सभी फोर्सेस फौरन यहां भेजिए!!

चाहे जितनी भी फोर्स बुला ले फरसा के स्कल कलेक्शन में सबकी खोपड़ियों के लिए पर्याप्त जगह है।

कड़च कड़ कड़च

लैब के बाहर मच रहे कोलाहल से...

भीतर उपस्थित अनीस और श्वेता अनभिज्ञ नहीं थे।

लाइव मैटल और ड्रोंस का फार्मूला हासिल करने की एक और कोशिश।

हमारे आविष्कार नेशनल इंटरनेशनल न्यूज बनते जा रहे हैं, अब सिर्फ एलियंस का अटैक करना बाकी बचा है।

शुभ-शुभ बोलो, श्वेता! कहीं ऊपर वाले ने तुम्हारी मुराद सुन ली तो कहर हो जाएगा।

मिलिट्री ने शहर की सभी फोर्सेस को रेड अलर्ट भेज दिया है। कुछ ही देर में राजनगर की सारी पुलिस और मिलिट्री इनके सिर पर होगी।

बेशक! लेकिन तब तक ये लोग हमारे सिर पर सवार हो चुके होंगे।

ये लोग लैब की सुरक्षा को पूरी तरह ध्वस्त कर चुके हैं।

अब इनका लैब में घुस आना महज कुछ पलों की बात है।

श्वेता! तुम स्टील और ध्रुव से कांटेक्ट करने की कोशिश करो और राजनगर की पेट्रोलिंग पर लगे हुए ड्रोंस को फौरन यहां पहुचने के कमांड्स दो। तब तक मैं इन्हें रोकता हूं।

ल... लेकिन अ.. अनीस सर! जिन्हें मिलिट्री तक नहीं रोक पाई उन्हें आप कैसे रोकेंगे?

डोंट माइंड सर! लेकिन आपके बिना मैं अकेले यह प्रोजेक्ट हैंडल नहीं कर पाऊंगी।

मैं तुम्हारा इशारा अच्छी तरह समझ रहा हूं, श्वेता! बट डोंट वरी, मैं इतनी आसानी से मरने वाला नहीं हूं! और वैसे भी इन्हें रोकने के लिए डॉक्टर अनीस रजा नहीं...

...कैंसर जाएगा।

वाऊ!

आगे बढ़ मेरे लोहार! अपने हथौड़े से फोड़ डाल ये चार फुट मोटा पॉवर गेट।
तूने कब से बॉस बनकर हुक्म देना शुरू कर दिया मोटे भैंसे?
तुम चिल्लर छाप विलेन्स की यही प्रॉब्लम है, एटिट्यूड कितना भी आ जाए...
...क्लास नहीं आता।
उकाब, उल्लू, कौवा, चील!! टूट पड़ो इस पर, मैं उस रास्ते से भीतर जाने की कोशिश करता हूं जिससे यह बाहर आया है।
बेकार की तकलीफ मत उठा, यह एग्जिट शैफ्ट सिर्फ मेरे और मेरी बाइक के लिए डिजाईन किया गया है...
इआउऽऽऽऽ
किर्र बाज़्ज़!
...उसमें घुसने की कोशिश ना करना वर्ना अपना नाम बदल कर मिस्टर बाज से तंदूरी टंगड़ी रखना पड़ जाएगा।

और तेरे इन उड़ते हुए भुनगों को भूनने के लिए मेरे ये क्रैब कार्ड्स ही काफी हैं।

किर्र्र्र्र्र

इआआऊ्ड्ड्ड

वाऊ!! अनीस सर तो कहर ढा रहे हैं।

चंडिका के रूप में इनसे टीम-अप करने का मौका मिलता तो कमाल ही हो जाता।

लेकिन यहां लैब को बचाने के लिए अगर चंडिका बार-बार अवतरित होगी तो भैया जैसा मंदबुद्धि भी समझ जाएगा कि श्वेता और चडिंका एक ही हैं।

फिलहाल तो मैं सिर्फ एक ही काम कर सकती हूं! ड्रोंस की लोकेशन ट्रेस कर उन्हें फौरन यहां बुलाऊं।

व्हाट द हेल... ये क्या हो रहा है? ये ड्रोंस और इंस्पेक्टर स्टील, भैया और ब्लैक कैट को क्यों घेरे हुए हैं?

STANDBY ALL DRONES_

स्टील, तुम ठीक तो हो। क्या हुआ है तुम्हें?

मुझे तो लगता है इसके दिमाग का कोई स्क्रू ढीला हो गया है।

...पहले पूरे शहर भर में हमारे साथ 'चेंजिंग-चेंजिंग' खेला, ड्रोंस से हम पर जानलेवा हमला करवाया और अब खुद ही उन्हें स्टैंड-बाई कमांड दे दिया।

इंस्पेक्टर शर्मा! ये सब कुछ इंस्पेक्टर शर्मा से शुरू हुआ था।

व्हाट? कौन इंस्पेक्टर शर्मा?

क्या शुरू हुआ था इंस्पेक्टर शर्मा से?

ऑल यूनिट्स एलर्ट। सुपर विलेन्स ने डॉक्टर अनीस रजा की लैब पर हमला किया है, सभी यूनिट्स फौरन वहां पहुंचें।

मुझे जाना होगा।

मैं तुम दोनों को इस बार वार्निंग देकर छोड़ रहा हूं...

...दुबारा कानून का रास्ता काटने की कोशिश मत करना।

यह हो क्या रहा है? इंस्पेक्टर स्टील भैया को वार्निंग दे रहा है?

मैंने ड्रोंस की कमांड इनपुट चेक की है, किसी ने उनकी मेमोरी फिर से हैक की है। क्या भैया हर बार की तरह सही है?

क्या आने वाले भविष्य के बारे में भैया कुछ ऐसा देख रहा है जोकि हम सभी नहीं देख पा रहे?

कहीं ना कहीं कुछ तो गड़बड़ जरूर है, और इस गड़बड़ का संबंध लाइव मेटल से है।

मैंने इस बारे में पहले सोचा ही नहीं, आखिर मेटालिका को हमारे घर पर हमला करने के लिए किसने भेजा और क्यों?

हमारे घर की जेड सिक्योरिटी को पार करने में मेटालिका को कोई दिक्कत नहीं हुई। मेटालिका भईया द्वारा परास्त हुई और हमने लाइव मेटल ह्युम्नोइड्स पर यह सोचकर काम करना शुरू कर दिया कि...

...अगर मेटालिका के निर्माता ने उसके जैसे और लाइव मेटल ह्युमनोइड बनाए तो उनका सामना करने के लिए हमारे पास भी लाइव मेटल कॉप्स हों...

...पर हमने यह नहीं सोचा कि ऐसा भी हो सकता है कि मेटालिका को भेजना वाला शायद यही चाहता था कि हम लाइव मेटल कॉप्स बनाएं।

भैया हमें शायद इसी बात से आगाह करने की कोशिश कर रहा था जब हम दोनो के बीच झड़प हुई।

ड्रोंस में आरंभिक रूप से कुछ तकनीकी खामियां थीं लेकिन जब स्टील ने उनकी टेस्टिंग की तो वह ना सिर्फ उनसे हार गया बल्कि उन्हें अपने से बेहतर आविष्कार भी बताया।

जब भैया लाइव मेटल की मुखालफत कर रहा था तब स्टील ने ही लाइव मेटल कॉप्स का प्रस्ताव रखा और हमें उसके लिए कन्विंस भी किया।

नहीं, यह मैं क्या सोच रही हूं। स्टील तो फर्ज की मशीन है, वह भला ऐसा षड्यंत्र क्यों रचेगा?

पर अगर किसी और ने ही ऐसा षड्यंत्र रचा हो तो? अगर लाइव मेटल कॉप्स आने वाले समय में किसी गलत हाथ में पड़ गए तो?

नहीं! मैं ऐसा नहीं होने दे सकती। पर लाइव मेटल कॉप्स तो बन चुके हैं और ड्रोंस की तरह इनके भी एक्टिवेशन ऑर्डर्स रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि दे चुके हैं। अब मैं इन्हें जीवित होने से चाह कर भी नहीं रोक सकती।

पर मैं शायद कुछ ऐसा कर सकती हूं जो मेरी इस गलती को ठीक कर दे।

किस सोच में डूब गए ध्रुव? हमें भी फौरन अनीस की लैब पहुंचना चाहिए।

नहीं ब्लैक कैट, वहां की सिचुएशन संभालने के लिए स्टील काफी है। अभी मेरा कहीं और पहुंचना बेहद जरूरी है।

अरे...मुझे ऐसे बीच रास्ते में छोड़कर कैसे जा सकते हो तुम? और उस इनफार्मेशन का क्या होगा जिसे उन फिरंगियों के लैपटॉप से चुराने के चक्कर में ये सारा बखेड़ा हुआ?

तुम वह डाटा कमांडो हेडक्वार्टर में करीम को दे देना।

सॉरी ध्रुव! पर अब तो मैं इस खेल में इन्वॉल्व हो चुकी हूं...

...और गेम बीच में छोड़ना ब्लैक कैट की आदत नहीं।

हम कहां जा रहे हैं?

राजनगर सिटी हॉस्पिटल, जहां के आई.सी.यू. में है...

"ग्लाइडिएटर गैंग।"

लम्बे समय तक बेहोश रहने की वजह से ग्लाइडिएटर गैंग की अहमियत पुलिस के लिए कम हो गई थी शायद यही कारण था कि उनकी कड़ी सुरक्षा हटा कर मात्र एक सिपाही को सिक्योरिटी के लिए तैनात कर दिया गया था।

ICU

उस खास आई.सी.यू. यूनिट की ओर आम पब्लिक का जाना निषेध था, फिर भी दो जोड़ी कदम तेजी से उस ओर बढ़ रहे थे।

ICU

आलस से ऊंघते सिपाही की आंखें पल भर के लिए खुलीं और फिर हमेशा के लिए बंद हो गईं।

ग्लाइडिएटर गैंग की आंखें बिना खुले ही हमेशा के लिए बंद होने की तैयारी में थीं। जलते अंगार सी आंखों वाला साया आई.सी.यू. में प्रवेश कर गया था।

...और ग्लाइडियेटर गैंग को ऑक्सीजन सप्लाई करते वेंटीलेटर की ओर बढ़ रहा था।

ग्लाइडिएटर गैंग और उनकी मौत के बीच का फासला तेजी से घट रहा था...

अगले ही पल साए और वेंटीलेटर मशीन के बीच का फासला काफी बढ़ गया।

धड़ाक!

हमारे देश में हर आदमी खुद को सबसे बड़ा डॉक्टर समझ लेता है लेकिन प्रॉब्लम तब शुरू होती है जब वह अपने बजाए दूसरों का इलाज करने पर तुल जाए।

तुम्हें ट्रीटमेंट देने की जरूरत नहीं, ट्रीटमेंट लेने की जरूरत है। डॉक्टर ध्रुव की खास सरफिरे सुधार थेरेपी...

...जिसके बाद बड़े से बड़े सरफिरे अपराधी कान पकड़ कर सॉरी बोलते हैं और अच्छे बच्चों की तरह खुद ही हवालात में जाकर बंद हो जाते हैं।
सुपर कमांडो ध्रुव! मुझे तेरे यहां पहुंचने की उम्मीद नहीं थी, पर कोई बात नहीं ग्लाइडिएटर गैंग को मारने के जितने पैसे मिल रहे हैं, उससे कम से कम दस गुणा अधिक पैसे तुझे मारने के मिलेंगे...
फर्नेस को।
यह तो फर्नेस है, कुछ सालों पहले स्टील ने इसे गिरफ्तार किया था।
इसकी बातों से लग रहा है कि इसे किसी ने ग्लाइडियेटर गैंग को मारने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है।

शायद उसी ने जिसने ग्लाइ-डियेटर गैंग को ब्रिटिश कार्गो लूटने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था।

ओह! इसका वार मुझे जिस जगह हल्का सा छू कर निकला वहां फफोले पड़ रहे हैं।

यह तो पलक झपकते ही पूरे आई.सी.यू. को भट्ठी बना देगा। मुझे यहां से बाहर निकलना होगा।

हाहाहा... बड़े-बड़े डाईलॉग मारने वाला सुपर कमांडो ध्रुव फर्नेस के सामने चूहे की तरह दुम दबा कर भाग खड़ा हुआ।

अब ये चारों तो फर्नेस की हल्की सी फूंक से ही मर जाएंगे।

तो ऐसी फूंक अपने भीतर ही बंद कर के रखा कर, लो मैं इंतजाम किए देता हूं।

फिज्ज फुर्र!

आह! तो तू इसलिए भागा था छोकरे ताकि यह अग्नि शमन यंत्र ला सके।

मैंने तुझे कुछ ज्यादा ही हल्के लेने की गलती कर दी...

...लेकिन गलती तो तूने भी कर दी है लड़के, तुझे यहां वापस नहीं आना चाहिए था, शायद कुछ दिन तू और जी लेता।

यह गुस्से में होश खो रहा है, गुड! मुझे इसके गुस्से को और भड़काना होगा।

इसके वारों से बचते हुए इसे ऐसे कोण में लाना होगा कि...

...फर्नेस और आई.सी.यू. का दरवाजा एक सीध में आ जाएं।
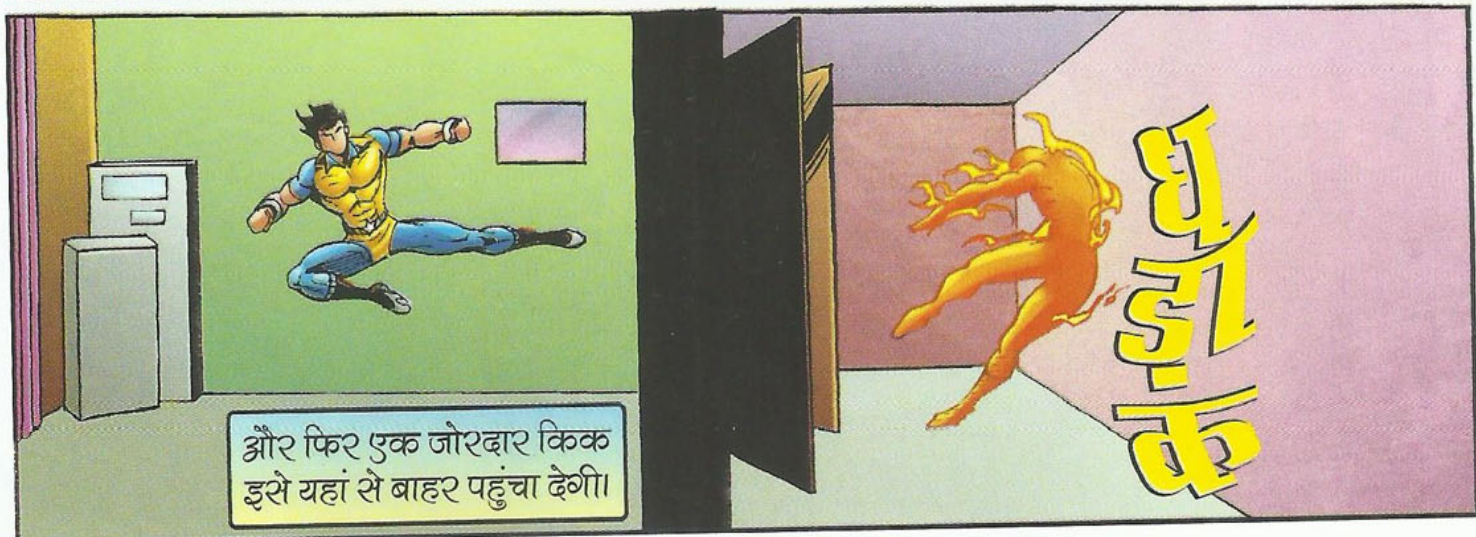
और फिर एक जोरदार किक इसे यहां से बाहर पहुंचा देगी।

धड़ाक

पूरे कॉरिडोर में स्मोक सेन्सर्स लगे हुए हैं जोकि फर्नेस के धधकते रूप में बाहर गिरते ही एक्टिव हो जाएंगे और स्प्रिंकलर तीव्र पानी के फौवारे छोड़ने लगेंगे।

वोऊ वोऊ फ्रुर्र फिज्ज़

शैतान का दिमाग है तेरे पास लड़के, यह पानी की बौछार मेरे फर्नेस वाले रूप को खासा नुकसान पहुंचा रही है...

...लेकिन अपने शरीर का ताप हजारों गुणा बढ़ा सकता हूं मैं...

...यह पानी मुझ तक पहुंचने से पहले ही वाष्प बनकर उड़ जाएगा।

मुझे पता था कि तू यह पैंतरा जरूर चलेगा, इसलिए जब मैं आई.सी.यू. से बाहर भागा था तो मैंने अपनी पार्टनर को तैयार रहने के लिए कह दिया था।

क्या? तुम्हारी पार्टनर भी है?

सच पूछो तो तुम्हें बाहर निकालने का कारण ही यही था कि तुम अपना ताप बढ़ाओ...

...ताकि जब ब्लैक कैट ऑक्सीजन सिलिंडर्स तुम पर उछाले तो एक ही नतीजा हो...

सांय-सांय

भड़ाम

कुछ देर बाद।

यह बेहोश हो गया है, ध्रुव! इसे होश में आने में कई घंटे लग सकते हैं। शायद कुछ दिन भी।

हुम्म! इसे यहां के मोर्ग में रखवाना होगा, बर्फ की कैद में ताकि यह होश में आने पर भी दोबारा फर्नेस ना बन सके।

ध्रुव! ग्लाइडियेटर गैंग के एक सदस्य को होश आ गया है।

ICU

ध्रुव अपनी मंजिल की ओर तेजी से बढ़ रहा था...

धूम!
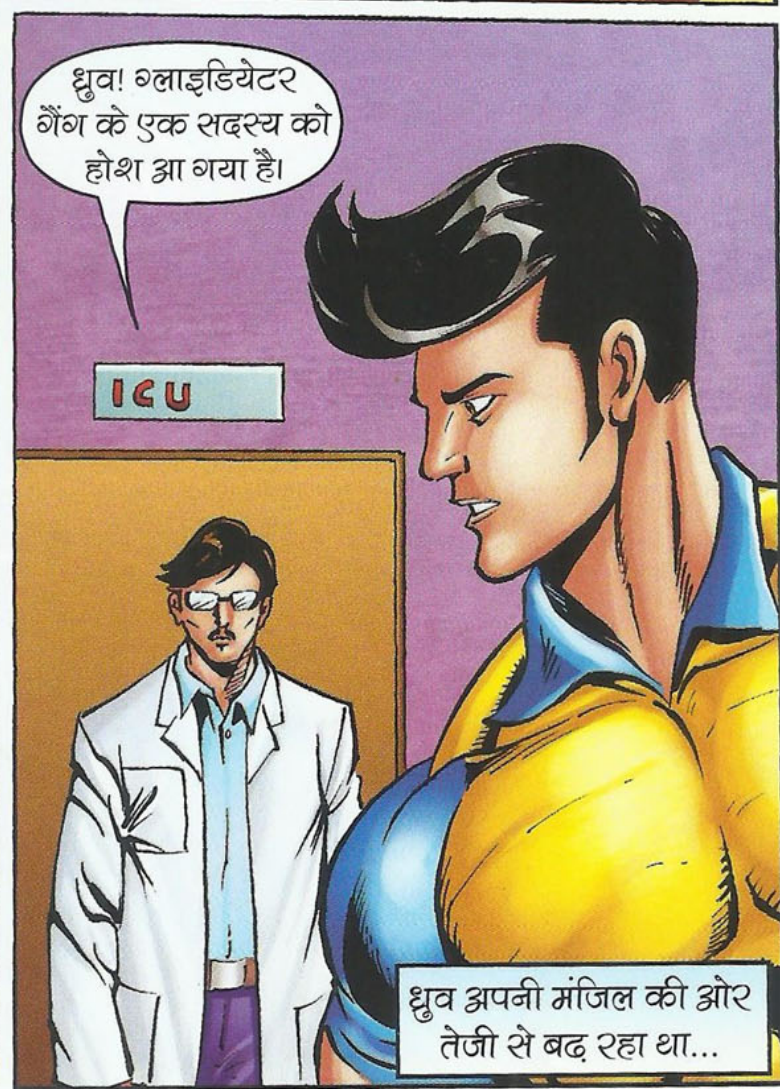
...दूसरी ओर कैंसर सुपरविलेन्स को उनकी मंजिल से दूर रखने में पूरा जोर लगा रहा था।
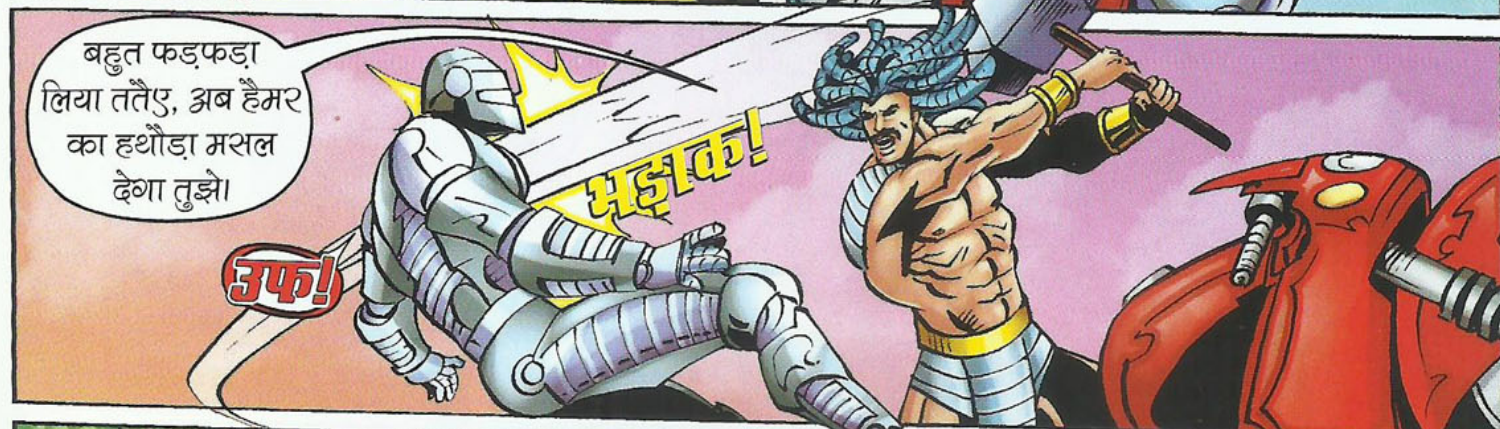
बहुत फड़फड़ा लिया ततैए, अब हैमर का हथौड़ा मसल देगा तुझे।

भड़ाक!

उफ!
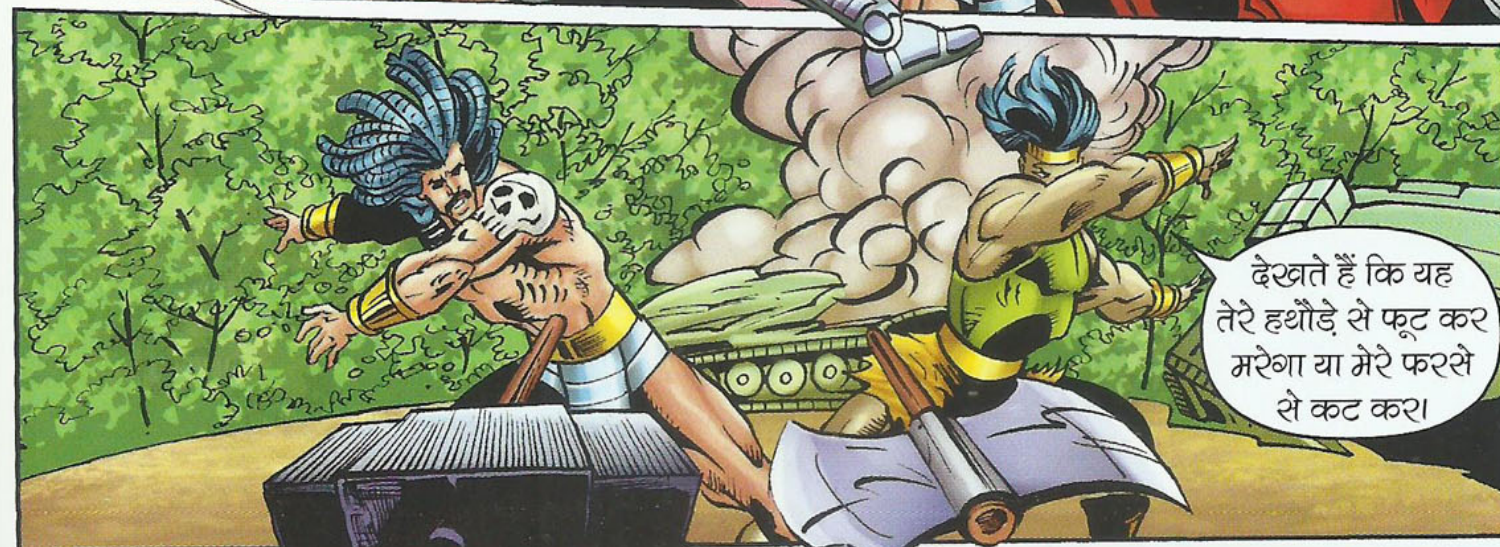
देखते हैं कि यह तेरे हथौड़े से फूट कर मरेगा या मेरे फरसे से कट कर।
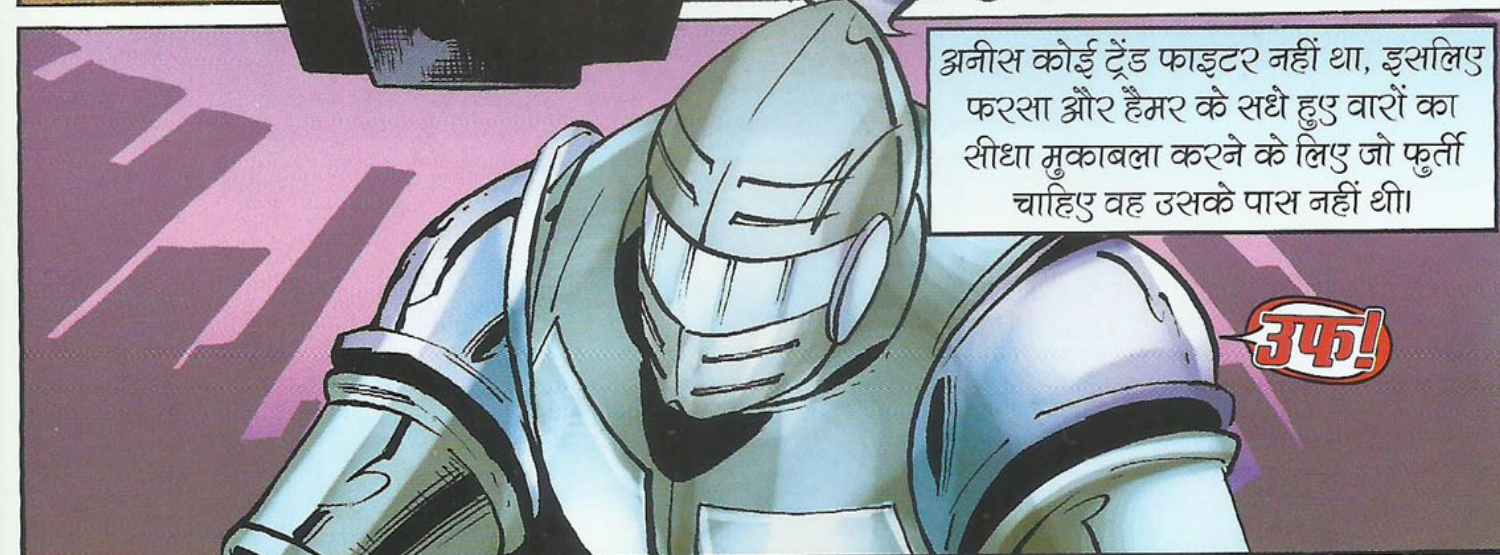
अनीस कोई ट्रेंड फाइटर नहीं था, इसलिए फरसा और हैमर के सधे हुए वारों का सीधा मुकाबला करने के लिए जो फुर्ती चाहिए वह उसके पास नहीं थी।

उफ!

लेकिन अनीस के पास वह अभेद्य ढाल थी जो अपने दोस्त को बचाने की खातिर इंद्र का वज्र भी अपने पर झेल लेती।

मेरा फर्ज, मेरा कर्तव्य और मेरा कानून कहता है कि मैं तुम्हें गिरफ्तार करूं और जेल में बंद कर दूं...

...और आज तक मेरे दिमाग ने कानून की धाराओं के अलावा किसी का आदेश नहीं माना है...

...अगर खुद भगवान् भी इस धरती पर आकर कानून का उल्लंघन करेंगे तो उन्हें भी गिरफ्तार करने से नहीं चूकूंगा मैं...

लेकिन मैं तुम दोनों को एक मौका देना चाहता हूं, एक आखिरी मौका।

यह अमर को क्या हो गया है? इनके हथियार क्यों वापस दे रहा है?

तुम्हारे पास तुम्हारे हथियार हैं और मैं अब निहत्था हूं...

...अगर तुम दोनों मिलकर मुझे परास्त कर पाए तो ना सिर्फ कानून के हाथों से आजाद होंगे बल्कि इस लैब में प्रवेश करने के लिए भी स्वच्छन्द होंगे।

यह अमर क्या कर रहा है? अमर कभी इस तरह कानून को अपने हाथों में नहीं लेता।

रुक जा अमर!! यह क्या कर रहा है तू? होश में आ!!

मैं पूरे होशोहवास में हूं। जोश में होश खोना इंसानों का काम है।

मेरे दिमाग से इस शरीर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सम्प्रेषित होते कमांड वेव्स में वे भावनाएं नहीं हैं जो मेरे निर्णयों को प्रभावित करें।

मेरे और इनके बीच आने की गलती मत करना अनीस।

गलती तो तूने यहां आ कर कर दी है डब्बे!

अब तुझे पीट-पीट कर पतरी बना देगा हैमर का हथौड़ा।

यह अमर को क्या हो गया है? यह इतना अजीब बर्ताव क्यों कर रहा है?

क्या सलमा सही थी? क्या अमर का दिमाग वाकई डिप्रेशन से ग्रस्त है?

हाहाहा... बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी कर रहा था, अब क्या हुआ? लगता है तेरे भीतर की वॉइस मशीन हैमर के हथौड़े से शहीद हो गई!

अमर!

आज मेरी सबसे बड़ी तमन्ना पूरी होने जा रही है।

स्टील की खोपड़ी अपने स्कल कलेक्शन में शुमार करने की तमन्ना।

मौत और स्टील के बीच में फासला तेजी से घट रहा था...

...वहीं ध्रुव भी अपनी मंजिल के बीच का फासला उसी तेजी से तय कर रहा था।

फॉर गॉड्स सेक, बताओ तो ध्रुव कि उस उड़नखटोले वाले गुंडे ने ऐसा क्या कहा तुमसे कि तुम बाइक को मिसाइल बनाने पर तुल गए हो? और... और हम जा कहां रहे हैं?

थोड़ा सब्र रखो ब्लैक कैट, सब पता चल जाएगा।

हम्म! लड़कियां और बिल्लियां दोनों ही सब्र से महरूम होती हैं माई डियर!

...हम यहां राजनगर नेशनल फारेस्ट में क्या करने आए हैं?

यह सारा बखेड़ा यहीं से शुरू हुआ है और इसे खत्म करने का साधन भी हमें इसी जंगल में मिलेगा।

हमें उस जगह पहुंचना है जहां मेरी और स्टील की भिड़ंत ग्लाईडिएटर गैंग से हुई थी।

मुझे तो यहां ऐसा कुछ भी नहीं दिख रहा ध्रुव सिवाए इस अंधकूप के।

और यह सारा बखेड़ा इस अंधकूप से ही शुरू हुआ है।

इस अंधकूप में ही वह रहस्य दफन है ब्लैक कैट जिसने उस जलजले को जन्म दिया है...

...जो राजनगर के भविष्य की तकदीर विनाश की स्याही से लिखने वाला है...

ध्रुव की आवाज ब्लैक कैट के कानों तक नहीं पहुंच रही थी, उसके कानों में सिर्फ एक संगीत ध्वनी सुनाई दे रही थी।

जोकि उसके मस्तिष्क पर इस कदर हावी हो गई थी कि अपनी मर्जी से पलकें झपका पाना भी उसके लिए असंभव था।

अरे!

इसकी तो आंखें पथराई हुई हैं जैसे किसी के सम्मोहन में हो, और यह संगीत कैसा है...

...ओह! यह संगीत तो इन मोजाटर्स से निकल रहा है। इसने ही ब्लैक कैट को सम्मोहित किया है, पर इसका असर मुझ पर क्यों नहीं हुआ?

क्योंकि इस लड़की की प्रोटोप्लाजिमक फ्रीक्वेंसी जिसे तुम अपनी भाषा में बौद्धिक क्षमता भी कह सकते हो, तुमसे कम है, सुपर कमांडो ध्रुव!

प्रोटोप्लास्ट! मैं जानता था कि तुम यहां जरूर मिलोगे।

पर यह प्रोटोप्लाजिमक फ्रीक्वेंसी का क्या चक्कर है?

प्रत्येक मनुष्य अपने मस्तिष्क की सम्पूर्ण क्षमताओं का प्रयोग करने में सक्षम नहीं होता, ध्रुव! साधारणतया एक आम मनुष्य अपनी बौद्धिक क्षमता का एक या दो प्रतिशत हिस्सा ही प्रयोग में ला पाता है।

कुछ विशिष्ट बुद्धिजीवी मानव अपनी बौद्धिक क्षमता का एक चौथाई भाग तक प्रयोग में ला सकते हैं। बौद्धिक क्षमता का यह मापदंड ही प्रोटोप्लाजिमक फ्रीक्वेंसी कहलाता है...

...और तुम्हारी प्रोटोप्लाजिमक फ्रीक्वेंसी मनुष्यों में सबसे हाई लेवल की है **सुपर कमांडो ध्रुव!**

मेरे मोजार्ट्स इंसानों की बौद्धिक क्षमताओं के अनुरूप सेट किए जा सकते हैं।

मैंने इनके सम्मोहन संगीत की जो फ्रीक्वेंसी सेट की है वह तुम्हारी बौद्धिक क्षमता की फ्रीक्वेंसी से निचले स्तर की है इसीलिए अपनी साथी की तरह तुम इस संगीत से सम्मोहित नहीं हुए।

मुझ पर इस मेहरबानी की वजह?

समय खराब मत करो ध्रुव! मैं तुम्हारी प्रोटोप्लाजिमक ऊर्जा एनलाइज कर रहा हूं।

तुम यहां मुझसे ही मिलने आए हो, या कहूं कि तुम मुझसे मदद मांगने आए हो।

प्रोटोप्लेनेट को तबाह करने वाली जिस शक्ति की कहानी तुमने मुझे सुनाई थी उसकी पुष्टि हो गई है।

उन तुच्छ अपराधियों द्वारा जिनका पीछा करते हुए तुम यहां आए थे?
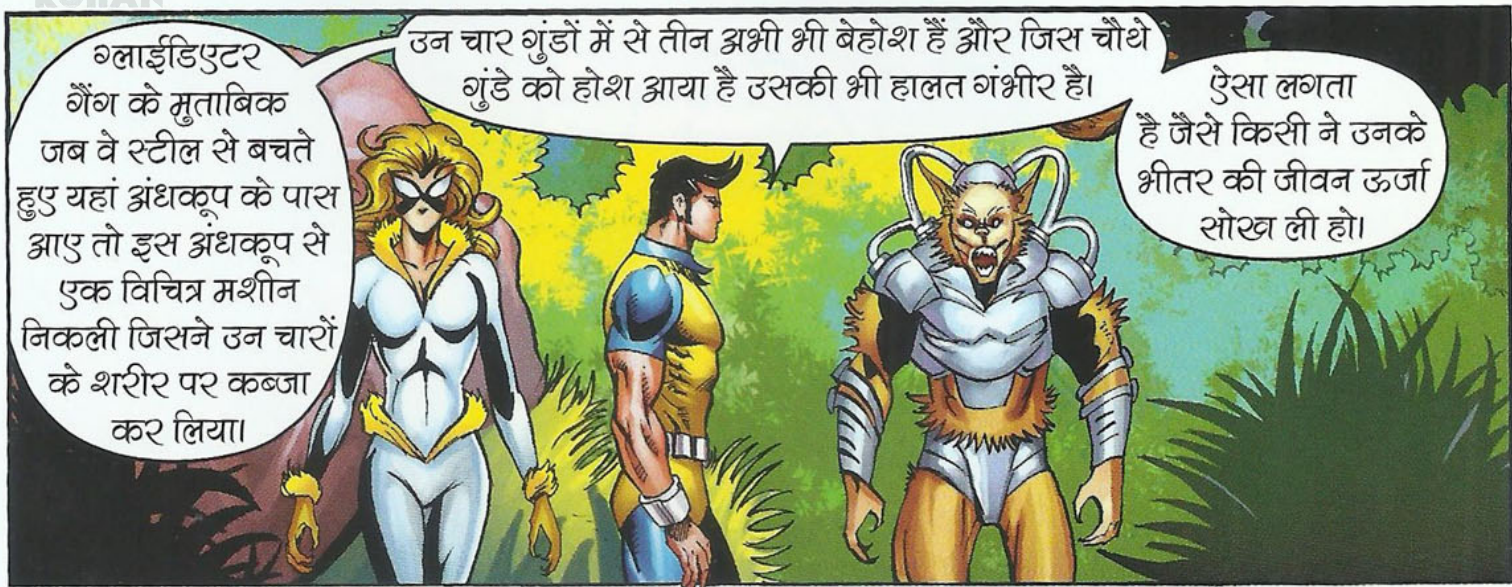
ग्लाईडिएटर गैंग के मुताबिक जब वे स्टील से बचते हुए यहां अंधकूप के पास आए तो इस अंधकूप से एक विचित्र मशीन निकली जिसने उन चारों के शरीर पर कब्जा कर लिया।

उन चार गुंडों में से तीन अभी भी बेहोश हैं और जिस चौथे गुंडे को होश आया है उसकी भी हालत गंभीर है।

ऐसा लगता है जैसे किसी ने उनके भीतर की जीवन ऊर्जा सोख ली हो।

वही है ध्रुव! यह वही है!!

पहले इस शक्ति ने प्रोटोप्लेनेट को तबाह किया, अब यह पृथ्वी को तबाह करने के लिए यहां भी आ गई है।

तुम्हारे ग्रह के अपराधियों को इसने निशाना बनाया है ध्रुव! पर यह शक्ति यहां नहीं रुकने वाली...

...उनकी तरह यह पूरी मानव सभ्यता को अपना गुलाम बना लेगी।

इस बार तुम्हारी प्रोटोप्लाजिमक एनालिसिस गलत है प्रोटोप्लास्टा।

वह शक्ति इंसानों को गुलाम नहीं बनाना चाहती...

...बल्कि पूरी मानवजाति को ही नष्ट कर देना चाहती है और इसके लिए उसने जो हथियार चुना है उसका नाम है...

"...इंस्पेक्टर स्टील।"

टनाक

छोटी बच्चियों की तरह वार कर रहे हो तुम दोनों। तुम्हारे पास तीन मिनट हैं मुझे खत्म करने के लिए।

...अगर तीन मिनट में मुझे खत्म कर पाए तो तुम्हें भीतर जाने से रोकने वाला कोई ना होगा...

...और अगर खत्म नहीं कर पाए तो मेरे हाथों से तुम्हारी दुर्गत होने से रोकने वाला कोई ना होगा।

तुम्हारा समय शुरू होता है... अब!

1

2

3
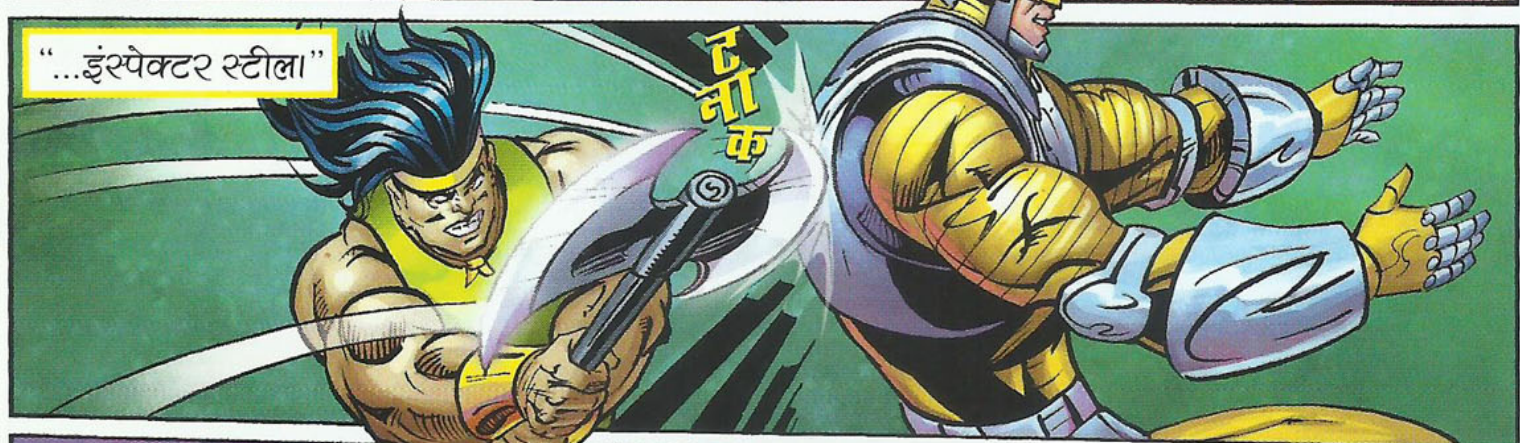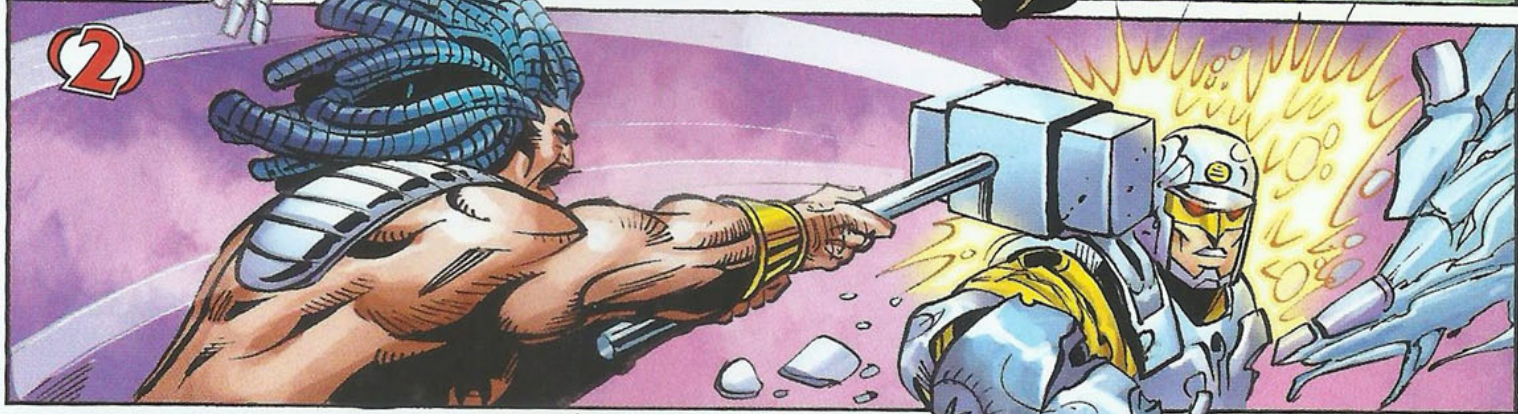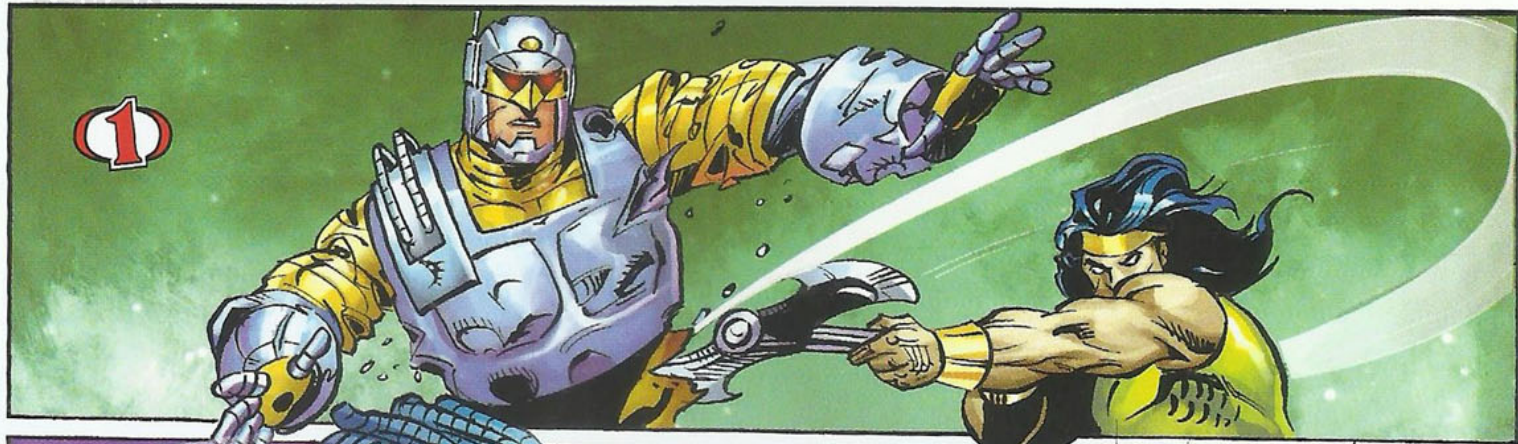
...तुम दोनों
का समय पूरा
हो गया।

अब मेरी बारी है।
या अल्लाह!
??
भड़ाक
तुम लोगों ने एक 'ऑन डयूटी' पुलिस इंस्पेक्टर पर जानलेवा प्रहार करने की हिमाकत की है...
भड़ाक
तड़ाक
...कानून मुझे यह अधिकार देता है कि मैं आत्मरक्षा के तहत तुम दोनों का एनकाउंटर कर दूं।
पर मैं ऐसा नहीं करूंगा।
मैं तुम दोनों को जीवनदान दूंगा!

एक ऐसा जीवन जिसका हर पल तुम दोनों कानून और इंस्पेक्टर स्टील के नाम से खौफ खाते हुए बिताओगे।
भड़ाक!
हैमर और फरसा कोई मामूली अपराधी नहीं हैं, इन दोनों ने एक समय में अकेले ही अमर को लगभग खत्म कर दिया था।
फिर आज इनकी बिसात अमर के आगे शेर के सामने लकड़ बग्घे की क्यों हो गई?
स्टील के वॉइस स्टिम्यूलेटर पर सिंगल पिच की स्वर ध्वनि निकलती है...
इंसानों की तरह स्टील की भावनाएं उसके स्वर ध्वनी की फ्रीक्वेंसी में उतार-चढ़ाव नहीं पैदा करती फिर स्टील की आवाज में हिंसकता की सर्द गूंज क्यों है?
क्या सलमा की बात हल्के में लेकर मैंने गलती कर दी? क्या अमर का दिमाग वाकई खुद से जंग लड़ रहा है? एक ऐसी जंग जिसमें जीत नहीं है, सिर्फ और सिर्फ अमर की हार है।

लेकिन सिर्फ दिमागी उथलपुथल स्टील के भीतर यह परिवर्तन नहीं ला सकती।

स्टील की डैमेज हुई बॉडी खुद-ब--खुद कैसे हील हो गई? और सबसे बड़ी बात, स्टील की सुर्ख अंगारों जैसी जलती ये लाल आंखें।

कमाल है, सिर्फ एक मिनट में ही होश खो बैठे। अब तुम दोनों की सुबह कारावास में ही होगी।

अनीस के दिमाग में एक तूफान घुमड़ रहा था, और इस तूफान के होने वाले असर से श्वेता भी अनजान नहीं थी।

यह क्या हो रहा है? स्टील इतना अजीब क्यों बिहेव कर रहा है?

स्टील बदल रहा है, उसकी सोच, उसका स्वभाव सब कुछ बदल रहा है। लेकिन उसकी सोच के साथ उसकी शक्तियां कैसे बदल रही हैं?

ऐसा तो सिर्फ एक ही स्थिति में हो सकता है...यानि...स्टील का दिमाग और उसका शरीर दोनों इन्फिल्ट्रेट हो चुके हैं।

श्वेता का दिमाग मौजूदा वस्तुस्थिति के मद्देनजर तेजी से काम कर रहा था।

...और उसके चेहरे पर एक ही पल में गुजरते सैकड़ों भाव बता रहे थे कि वह अपना अगला कदम निर्धारित कर चुकी थी।

ध्रुव भी अपना अगला कदम निर्धारित कर चुका था।

मुझे यकीन था प्रोटोप्लास्ट कि तुम यही निर्णय लोगे आखिर सैकड़ों वर्षों से यह धरती तुम्हारा भी घर है।

मैं तुम्हारी मदद करने को तैयार हूं ध्रुव!

पर एक समस्या है ध्रुव!

इस शक्ति से निपट सकने की तकनीक मैं बना सकता हूं लेकिन इसका मुकाबला करने की प्रोटोप्लाज्मिक फ्रीक्वेंसी मैं तैयार नहीं कर सकता।

क्या मतलब?

मतलब यह कि वह शक्ति जिस स्तर की बौद्धिक क्षमता या प्रोटोप्लाज्मिक फ्रीक्वेंसी पर कार्य करती है उसे मैं मैच नहीं कर सकता। यदि कर सकता होता तो प्रोटोप्लेनेट तबाह करने से पहले ही मैंने उसे रोक दिया होता।

लेकिन तुम्हारी प्रोटोप्लाज्मिक फ्रीक्वेंसी उसका मुकाबला कर सकती है।

वह कैसे?

तुम्हारी ब्रेन मैपिंग कर के हम तुम्हारी प्रोटो प्लाज्मिक फ्रीक्वेंसी ट्रेस करेंगे और उसका प्रयोग उस हथियार का निर्माण करने के लिए करेंगे...

...जोकि उस विनाशक शक्ति का मुकाबला कर सके।

मैं तैयार हूं।
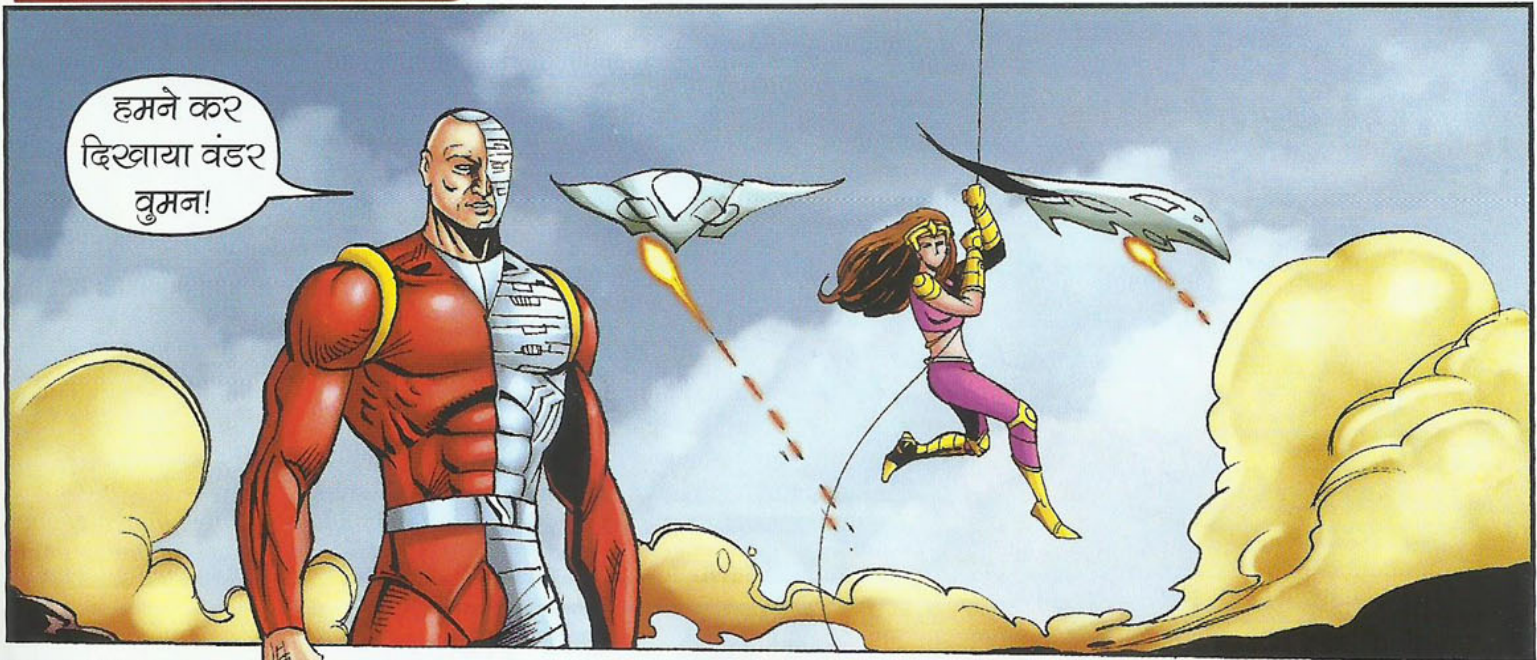
हमने कर दिखाया वंडर वुमन!
खत्म हो गया है स्टील।
और खत्म हो गई है स्टील की लाइव मेटल फोर्स।
मुझे तो यकीन ही नहीं आ रहा कि यह सब इतनी आसानी से निपट गया।
अब बस हमें लाइव मेटल के सैंपल कलेक्ट करने हैं और यहां से निकलना है।
नहीं। मुझे सबसे पहले नताशा को ढूंढना है।

धूम धड़ूम!
यह धमाका कैसा?
मेरे वॉर क्राफ्ट्स नष्ट हो रहे हैं। किसने किया यह?
उसने!
ओ माई गॉड!
यह सब क्या है?
स्टील ने लाइव मेटल ह्यूमनोइड्स को अपना रूप दे दिया है, हम कभी नहीं जान पाएंगे कि इनमें से असली स्टील कौन है।

HIBERZONE, PRESENT TIME.

इस पूरी लॉबी में लेजर सेन्सर्स का जाल बिछा हुआ है जिनसे अगर हमारा बाल भी स्पर्श हो गया तो ये हमें जला कर खाक कर देंगे।

और अगर श्वेता और अनीस तक पहुंचना है तो उन तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता यह लॉबी ही है।

यह तो आत्महत्या करने वाली बात है। लेजर बीम्स का जाल हमें नंगी आंखों से नजर नहीं आ रहा फिर उसे पार कैसे करेंगे हम?

लेजर बीम्स नजर आने का इंतजाम सिग्नल फ्लेयर से निकलता यह धुंआ कर देगा।

सिग्नल फ्लेयर का धुंआ छंटते ही ये लेजर बीम्स फिर से गायब हो जाएंगी और लेजर बीम्स के जाल के बीच पहुंच कर हम दोबारा सिग्नल फ्लेयर भी नहीं जला सकते।

लेकिन हमारे पास समय बहुत कम है।

उफ! लेजर बीम्स का यह जाल तो बेहद सघन है, हल्की सी चूक हमारा काल बन जाएगी।

सिग्नल फ्लेयर का धुंआ तेजी से छंट रहा है।

जल्दी करो, यह लॉबी बहुत बड़ी है और...

...दूसरी ओर से हमारे स्वागत के लिए ह्यूमनोइड्स की फोर्स पहुंच गई है।

फिलहाल गनीमत यह है कि वे लॉबी में प्रवेश नहीं कर रहे।

लेकिन इनके वार लेजर बीम्स से टकराकर ब्लास्ट कर सकते हैं।

ये लेजर गन्स का प्रयोग कर रहे हैं जोकि लेजर बीम्स का ही वार हम पर करेंगी।
लेजर बीम्स एक-दूसरे से टकराकर ब्लास्ट नहीं करतीं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमारी मुश्किलें आसान हो गईं।
पहले से ही सघन इन लेजर बीम्स में ह्यूमनोइड्स की चलाई लेजर बीम्स भी शुमार हो रही हैं... यानि यह जाल अब और सघन हो जाएगा और इनसे बच कर निकलने की हमारी संभावनाएं और कम।
और ह्यूमनोइड्स के चलाए लेजर बीम्स इस जाल की तरह स्टैटिक नहीं हैं।
इनसे खुद को बचाने के लिए हमें अपने शरीर पहले से अधिक कोणों पर मोड़ने होंगे जिसमें वक्त और मेहनत दोनों ही अधिक लगेगी...
...और हर गुजरते पल के साथ लॉबी में भरा धुंआ कम हो रहा है जिससे धुंए में नजर आते लेजर बीम्स धूमिल हो रहे हैं।

आई एम श्योर स्कूल में तुम्हारे सबसे कम मार्क्स जियोग्राफी में आते होंगे।

हमें हाइबरनेशन में उतरना था और तुम पुराने राजनगर में उतर गए हो।

मैडम! आजकल हर ऐरागेरा गूगल मैप्स खोल कर दुनिया को भूगोल पढ़ा रहा है।

मेरी जियोग्राफी की चिंता आप ना करें, हमें पुराने राजनगर में ही उतरना था।

राजनगर अब हाइबरनेशन बन चुका है जहां चप्पे-चप्पे पर स्टील और ह्यूमनोइड्स की नजर है...

...पर जाहिर सी बात है कि इस उजाड़ पुराने शहर की ओर उनकी कोई तवज्जो नहीं है।

यह सीवेज टनल तब बनी थी जब नया राजनगर बसना शुरू हुआ था। उसका सीवेज सिस्टम भी इस पुराने शहर के सीवेज सिस्टम से ही जोड़ा गया था जब तक उसका खुद का सीवेज सिस्टम तैयार नहीं हो गया।

इन शॉर्ट, हमें गटर यात्रा करके हाइबरनेशन पहुंचना होगा।

हम सुरंगों के इस जाल से राजनगर मेरा मतलब हाइबरनेशन तक कैसे पहुंचेंगे?

मेरा बचपन इन सुरंगों में लुका-छुपी खेलते बीता है देवी जी, मैं आंख बंद करके भी इनमें सही रास्ता तलाश सकता हूं।

आंखें बंद करने की जरूरत नहीं है, हम सही रास्ते पर हैं यह कन्फर्म हो गया।
ह्यूमनोइड्स!! स्टील मेरी उम्मीद से ज्यादा चालाक निकला, उसने गटर में भी पहरा लगाया हुआ है।
जिंग जिंग जिंग
बचो, ब्लैक कैट!
लेजर बीम्स!
तुम ठीक हो?
तुम मेरे ऊपर से उठोगे तो मैं ज्यादा ठीक महसूस करूंगी।
स...सॉरी
जब तक मैं मदद ना मांगू मेरी मदद करने की कोशिश मत करना।

मेरे टाईटेनियम पंजे इन कनस्तरों को चीरने के लिए काफी हैं।

ये लाईव मेटल ह्यूमनोइड्स हैं देवी जी! इन्हें चीरने काटने का कोई फायदा नहीं, ये अपनी बॉडी री-जेनेरेट कर लेंगे।

पुरातन काल के सुपर हीरोज की तरह मुझे देवी जी बुलाना बंद करो!!

यार यह गुस्सा इन लड़कियों की नाक पर क्यों टिका रहता है?

दुनिया में सिर्फ एक ही चीज है जिसमें मैं ध्रुव से कभी नहीं जीत सकता... लड़कियों को हैंडल करना!!

ये ब्लास्ट कैसे हो गए? शायद इनसे भी तुम्हारे ताने पचाए नहीं गए।

मैं इनकी बॉडी बेवजह नहीं काट रही थी...

बूम!

बूम!

मैं इनके शरीर के भीतर नैनो बॉम्ब्स प्लांट कर रही थी।

ये बॉम्ब्स अगर इनके शरीर के ऊपर ब्लास्ट करते तो इन्हें कोई खास नुकसान नहीं पहुंचता पर मैंने बॉम्ब्स इनके भीतर प्लांट कर दिए ताकि ब्लास्ट इनके नाजुक भीतरी मैकेनिज्म को ध्वस्त कर दे।

जानती हो मुझे एक्शन करती हुई लड़कियों से भी ज्यादा डर किन से लगता है? दिमाग चलाती लड़कियों से। काफी दुर्लभ प्रजाती हो देवी जी...अर्र.. कैटी।

मुझे कैटी भी पसंद नहीं, लेकिन देवी जी से बेहतर है।

बूम! बूम!

बचो, ब्लैक कैट!

कमांडो फोर्स!

Jean

थैंक गॉड, तुम लोग सही सलामत हो। श्वेता और ध्रुव कहां हैं?
चिंता मत करो नक्षत्र, तुम्हें तुम्हारे सारे सवालों के जवाब मिल जाएंगे...
...भगवान् के पास पहुंच कर।
हाइबरनेशन में घुसपैठियों के लिए सिर्फ एक ही सजा मुकर्रर है, सजा-ए-मौत!!
रेणु! पीटर! करीम! होश में आओ!! क्या हो गया है तुम लोगों को?
HIBERZONE, PRESENT TIME.
धुंआ छंट रहा है, लेजर बीम्स गायब हो रही हैं।
अब हम क्या करें ध्रुव।
एक ही तरीका है सलमा! नताशा लॉबी के दूसरे छोर तक पहुंचने ही वाली है, हमें उसके बदन के मूवमेंट और कोण को देखकर दिमाग में बिठाना होगा...
...और अपने शरीर भी उसी कोण पर वैसे ही मोड़ते हुए आगे बढ़ना होगा जैसे नताशा बढ़ी है, साथ ही साथ इन लेजर गन्स की बीम्स से भी खुद को बचाना होगा।
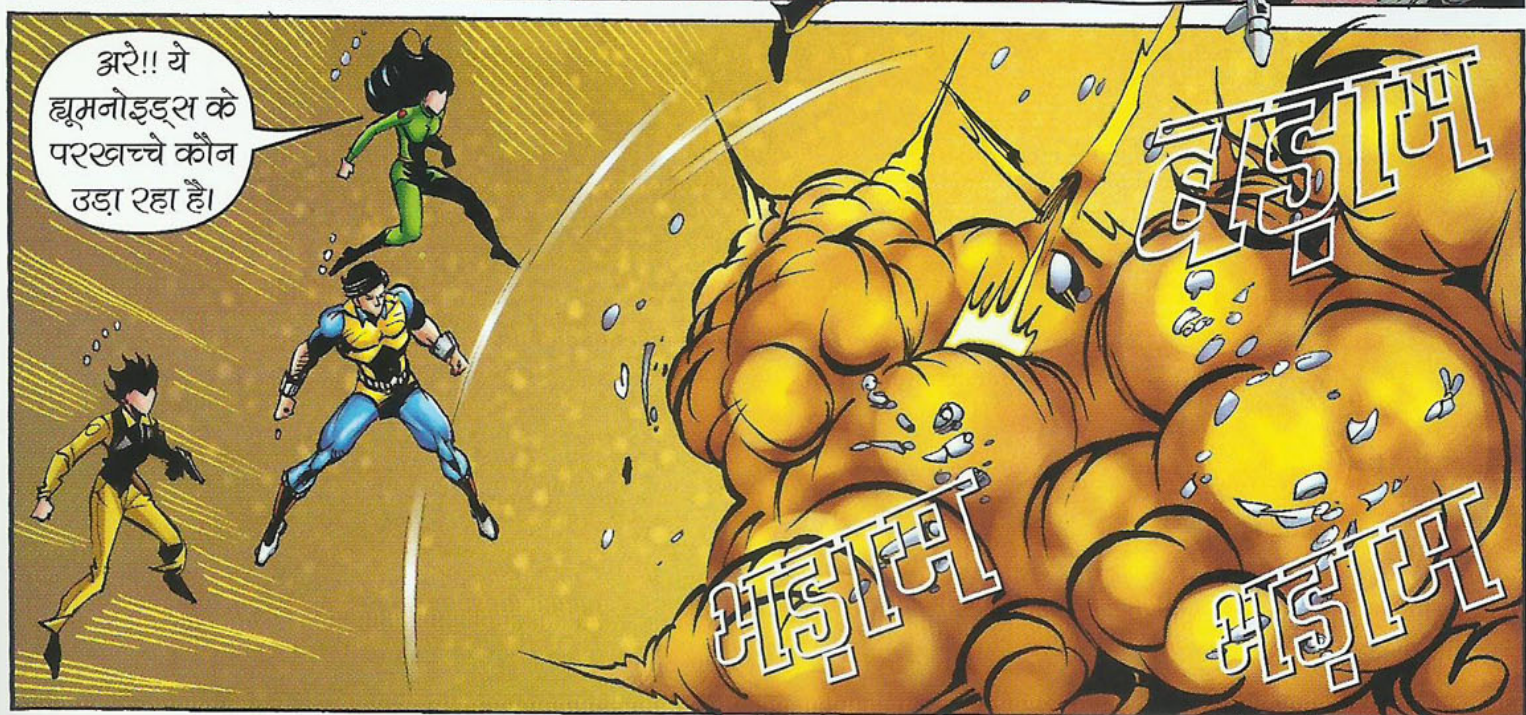
एक निश्चित मौत से बच गए पर दूसरी निश्चित मौत सामने खड़ी इंतजार कर रही है।
इन ह्यूमनोइड्स से निपटने के लिए तो अब हमारे पास लेड बुलेट्स भी नहीं हैं।
अरे!! ये ह्यूमनोइड्स के परखच्चे कौन उड़ा रहा है।
धड़ाम
भड़ाम
भड़ाम
या अल्लाह!
य.. यह नहीं हो सकता!

एक और ध्रुव!
कहानी जारी है...
राजनगर रणक्षेत्र
में।
क्रमशः
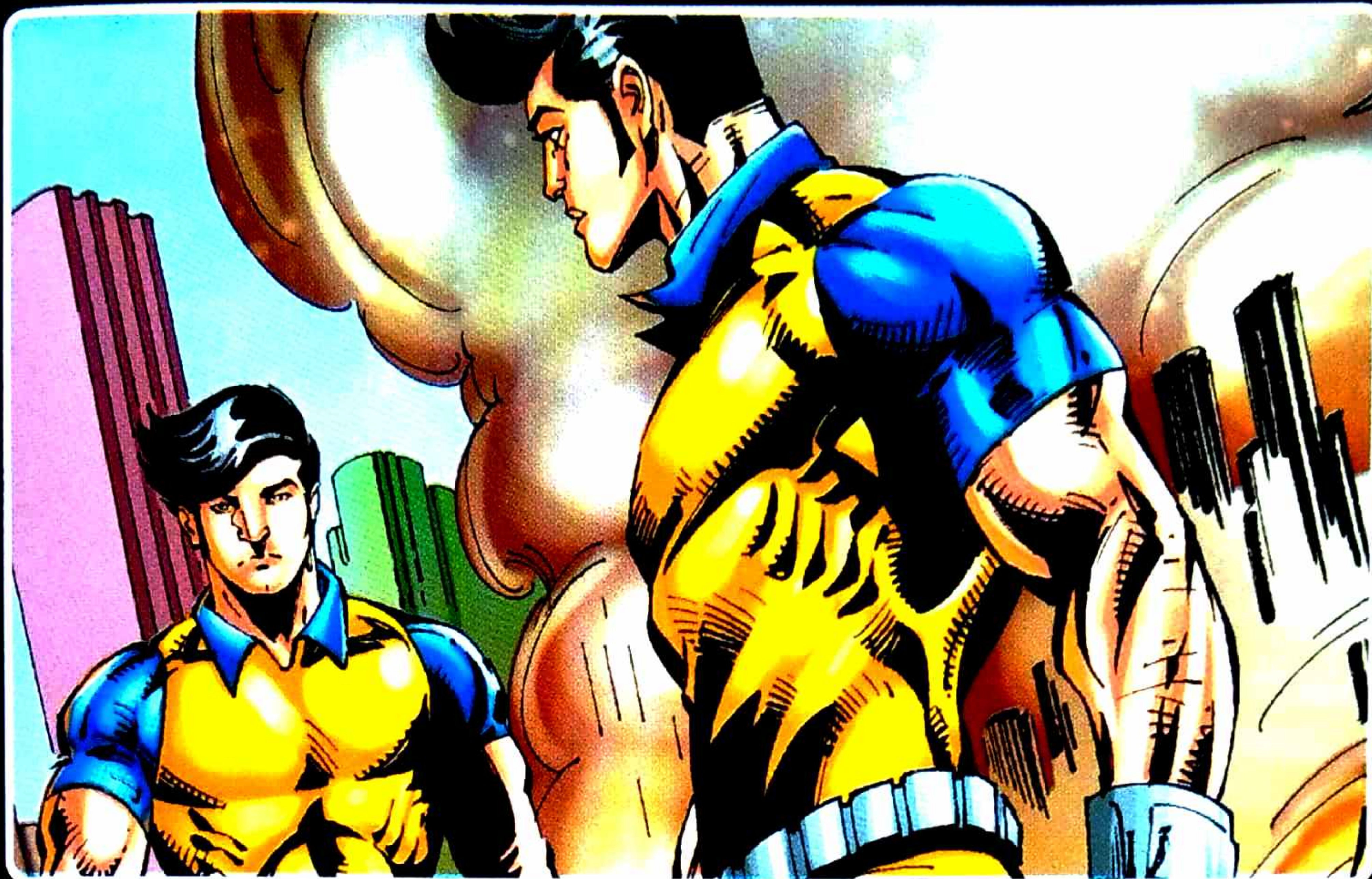
RECAP

ब्रिटिश काल में एक यूरोपियन साईंटिस्ट द्वारा राजगढ़ के जंगलों में एक मारक शक्ति छिपाई गई। आगे चलकर राजगढ़ भारत के महानगरों में से एक राजनगर बना। वर्तमान समय में राजनगर हाइबरनेशन बन चुका है। कानून का सिपाही फर्ज की मशीन जैसी उपाधियों से सम्मानित इंस्पेक्टर स्टील अब बन चुका है कानून और मानवता का सबसे बड़ा शत्रु जिसे रोक सकता है सिर्फ राजनगर का रक्षक सुपर कमांडो ध्रुव। लेकिन स्टील का शातिर दिमाग श्वेता और ध्रुव को आमने–सामने कर चुका है। राजनगर के इस रण में दिमाग की बाजी बिछ चुकी है, दांव पर लगा हुआ है पूरी मानवता का अस्तित्व। विस्तृत कथा आप पूर्व भागों में पढ़ चुके हैं, राजनगर के इतिहास के गर्भ से निकली विनाशकारी शक्ति क्या राजनगर रक्षकों के रणक्षेत्र को उनकी ही मृत्युभूमि बनाएगी? यह उत्तर देगा...

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर रणक्षेत्र

इंस्पेक्टर स्टील ★★★

राजनगर रक्षक श्रृंखला

पार्ट–5

संजय गुप्ता की पेशकश

राज कॉमिक्स है मेरा जनून

कथा
स्तुति मिश्रा

चित्रांकन
हेमंत कुमार

स्याहीकार
विनोद कुमार, जगदीश कुमार

रंगसज्जा
सुनील दस्तूरिया

शब्दांकन
मंदार गंगेले

संपादक
मनीष गुप्ता

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

प्रस्तुत कथानक के पूर्व भाग 'राजनगर रक्षक', 'हाइबरनेशन', 'राजनगर रीबूट' व 'राजनगर रीलोडेड' www.rajcomics.com पर उपलब्ध।

मनोरंजन का चौथा दशक।

DURING WORLD WAR-II, INDIA.

PROLOGUE

खबर अच्छी नहीं है, मिसेज बेट्स!

हमें राजगढ़ के जंगलों से प्रोफेसर हैमंड की क्षत-विक्षत लाश मिली है...

...हमारे अथक प्रयासों के बाद भी हम ऑफिसर बेट्स को ढूंढ पाने में नाकामयाब सिद्ध हुए।

ऐसा लगता है कि जिस जानवर ने प्रोफेसर हैमंड का यह हाल किया है शायद वही ऑफिसर बेट्स को अपने साथ ले गया।

अब उनके जिंदा वापस लौटने की उम्मीद बेमायने है।

हम आपके और आपके बेटे के वापस इंग्लैंड लौटने का बन्दोबस्त करवा रहे...

नहीं, ऑफिसर! हम दोनों वापस इंग्लैंड नहीं जाएंगे!

हम घर वापस क्यों नहीं जा रहे, मॉम?

डैड के जाने के बाद यहां क्या बचा है हमारे लिए?

वजह बची है! तुम्हारे डैड की मौत की वजह बची है।

जब बेट्स ने मुझे बताया था कि प्रोफेसर हैमंड किसी खास मकसद के तहत इण्डिया आए हैं। मुझे तभी से शक था कि यह मामला इतना सरल नहीं, जितना नजर आ रहा है।

प्रोफेसर हैमंड इसी जगह ठहरे हुए थे, यहां जरूर हमें कुछ न कुछ मिलेगा।

कैथरीन का प्रयास और विश्वास दोनों रंग लाया।

ये डॉक्यूमेंट्स!!

ओ माई गॉड!!

इनमें ऐसा क्या है, मॉम?

इनमें वह वजह है जिसने तुम्हारे पिता की जान ली है, क्रिस्टोफर! जरूर हैमंड वापस लौटकर इन्हें नष्ट कर देते, पर उससे पहले ही मारे गए!

अपने जिस घातक आविष्कार का वर्णन हैमंड ने इन पेपर्स में किया है वह जरूर उसे ही छिपाने इंडिया आए थे...

...इसका सिर्फ एक ही मतलब निकलता है कि राजगढ़ के जंगलों में हैमंड ने उस हथियार को कहीं दफन कर दिया है।

हैमंड और बेट्स की मौत के बाद दुनिया के लिए वह हथियार एक्जिस्ट नहीं करता।

सिर्फ हम उसके अस्तित्व के बारे में जानते हैं और हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारे अलावा उसके बारे में कभी कोई और ना जाने।

हमें इंडिया को अपना घर बनाना होगा। यहां रहकर हम इतनी पॉवर, इतना रसूख बनाएंगे...

...कि आने वाले समय में तुम और तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां इस हथियार की बदौलत सिर्फ इस देश पर ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर राज करेंगी।

मुझे आपकी बातें समझ नहीं आ रहीं, मॉम!

हम अभी उस हथियार को क्यों नहीं ढूंढ रहे?

क्योंकि वह कोई बेजान हथियार नहीं है, वह चीज जिंदा है।

आज उसे काबू करने की ताकत और तकनीक दोनों ही दुनिया में नहीं हैं।

आने वाला समय वह तकनीक लेकर आएगा और उस तकनीक को ही तुम और तुम्हारी पीढ़ियां ताकत बनाओगे उस हथियार को हासिल करने के लिए।

तब तक सही समय का इंतजार करो! हमें इस देश में अपनी शक्तिशाली पैठ बनानी होगी!

DURING WORLD WAR II, LONDON.

ट्रिन-ट्रिन

हमें बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है मिसेज हैमंड कि प्रोफेसर हैमंड इस दुनिया में नहीं रहे।

नहीं!!!!

मैंने हैमंड को समझाया था कि जो वे करने जा रहे हैं वह गलत है।

जिस शक्ति का आविष्कार उन्होंने किया है वह उनकी जिंदगी बदल सकती थी, पर उन्होंने मौत चुनी।

पर शायद उनकी मौत ही हमारे आगे बढ़ने का रास्ता खोलेगी।

कैसे मॉम? डैड तो उस हथियार को अपने साथ ले गए!!

हालांकि पापा से छुपाकर मैंने उनके नोट्स कॉपी कर लिए थे फिर भी उन्होंने जिस तकनीक का आविष्कार किया है उसे बनाना मेरे क्या मेरी पुश्तों के वश का भी नहीं है।

हमें उस तकनीक को बनाना नहीं है, बेटा! हैमंड ने जो राक्षस पैदा किया है वह आने वाले समय में खुद-ब-खुद सिर उठाएगा और जब वह सिर उठाए तो उस राक्षस को अपना पालतू बनाने का अधिकार सिर्फ हमारा होगा।

HIBERNATION: PREVIOUSLY KNOWN AS RAJNAGAR-PRESENT DAY.

रणभूमि और रणक्षेत्र में क्या अंतर है?

एक स्थान जो रण के लिए ही निर्धारित हो वह रणभूमि कहलाता है।

परन्तु जो स्थान बिना निर्धारण के ही भीषण महायुद्ध के लिए रणभूमि बन जाए वह कहलाता है रणक्षेत्र।

कौन हो तुम?

सुपर कमांडो ध्रुव!

दो-दो ध्रुव!! एक हमारे साथ, एक हमारे खिलाफ! इनमें से असली कौन है?

समझ नहीं आ रहा, पर जल्द ही पता चल जाएगा।

क्योंकि इस दुनिया में सुपर कमांडो ध्रुव सिर्फ एक ही है।

अच्छी चाल चली है स्टील ने, पर तुमने एक गलती कर दी।

इन ड्रोंस और लाइव मेटल एंड्रॉइड्स के साथ आकर तुमने खुद ही अपनी पोल खोल दी।

मैं इनके साथ नहीं आया हूं...

...इन्हें खत्म करने आया हूं!

बूम

बूम

भड़ाम

ओ माई गॉड! यहां तो सारे सस्पेंस का ही दी एंड हो गया।

यह ध्रुव नहीं, ह्युमनोइड है।

आज सुपर कमांडो ध्रुव और इंस्पेक्टर स्टील की कर्मभूमि बन गई है...

राजनगर एनाइहेल

गलत! मैं ह्युमनॉइड नहीं, मैं हूं सुपर कमांडो ध्रुव!

तुम्हें लगता है तुम्हारी इन अमानवीय शक्तियों को देखने के बाद भी कोई यह मानेगा कि तुम असली ध्रुव हो?

कौन क्या मानता है इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता...

...मेरा सिर्फ एक उद्देश्य है, श्वेता को सुरक्षित करना और...

...उसके लिए मुझे किसी की जान भी लेनी पड़ी...

...तो मैं हिचकूंगा नहीं।

ध्रुव!!!

नहीं!!!

ON THE OTHER SIDE OF HIBERNATION- PRESENT TIME.

हार मान ले, बुड्ढे! तू कभी नहीं जान पाएगा कि हममें से असली स्टील कौन है।

मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि असली स्टील कौन है...

...मेरे लिए तुम सब टिन के डिब्बे हो, भंगार, कबाड़!!

तुम्हें लगता है कि तुम लोग रोबो से जीत सकते हो?

रोबो की आंखों में आंखें डाल कर बात करने की हिम्मत नहीं हो सकती तुम्हारी...

एक अकेला बुड्ढा और उसकी इकलौती लेजर आई भला स्टील की इस पूरी सेना का क्या बिगाड़ लेगी?

जानते हो रोबो को अपराध की दुनिया में ग्रैंडमास्टर क्यों कहते हैं?

...क्योंकि बड़े से बड़े महारथी रोबो के कदमों में सिर झुकाते हैं। इसलिए नहीं, क्योंकि रोबो शारीरिक ताकत या हथियारों में उनसे बेहतर है...

...इसलिए क्योंकि कभी हार ना मानने की जो जिद, जो जज्बा रोबो के पास है वह उसके प्रतिद्वंद्वियों, उसके दुश्मनों के पास नहीं है।

तेरे जज्बे की कद्र करूं, तेरी शान में कसीदे पढ़ूं, ऐसे कोई जज्बात मेरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नहीं हैं।
मेरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ एक बात जानती है...
अपनी राह में आने वाले हर संभावित खतरे को नष्ट करते चले जाना।
और संभावित खतरे के रूप में मेरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रीडिंग तेरा परसेंटेज काफी तेजी से बढ़ता देख रही है।
यानी तुझे खत्म करना मेरी प्राथमिकता बन चुकी है।
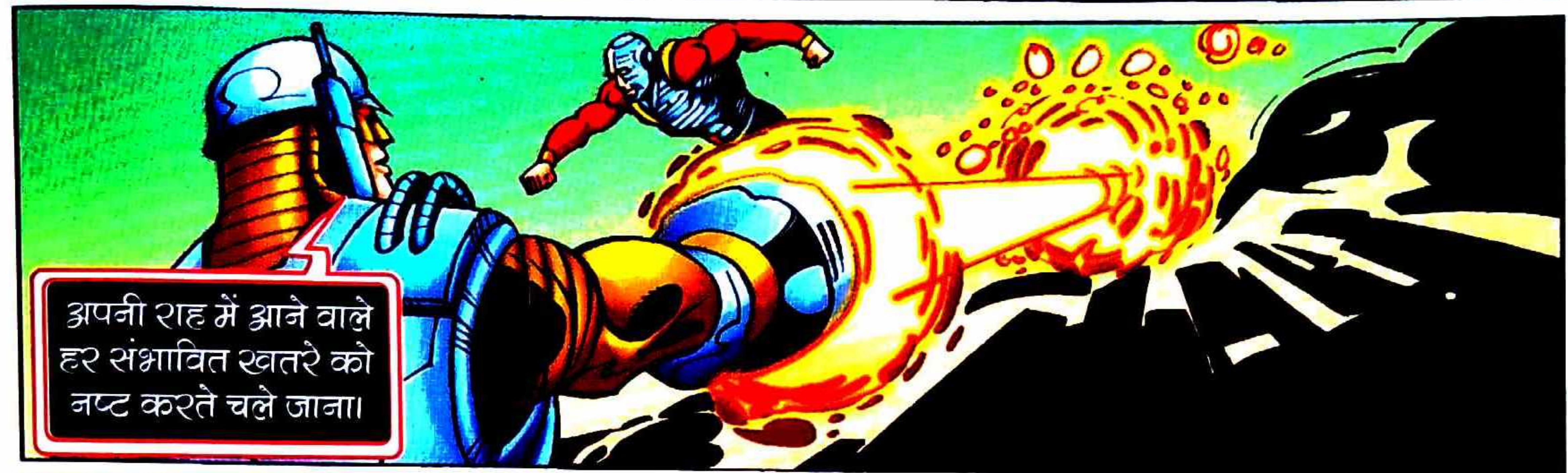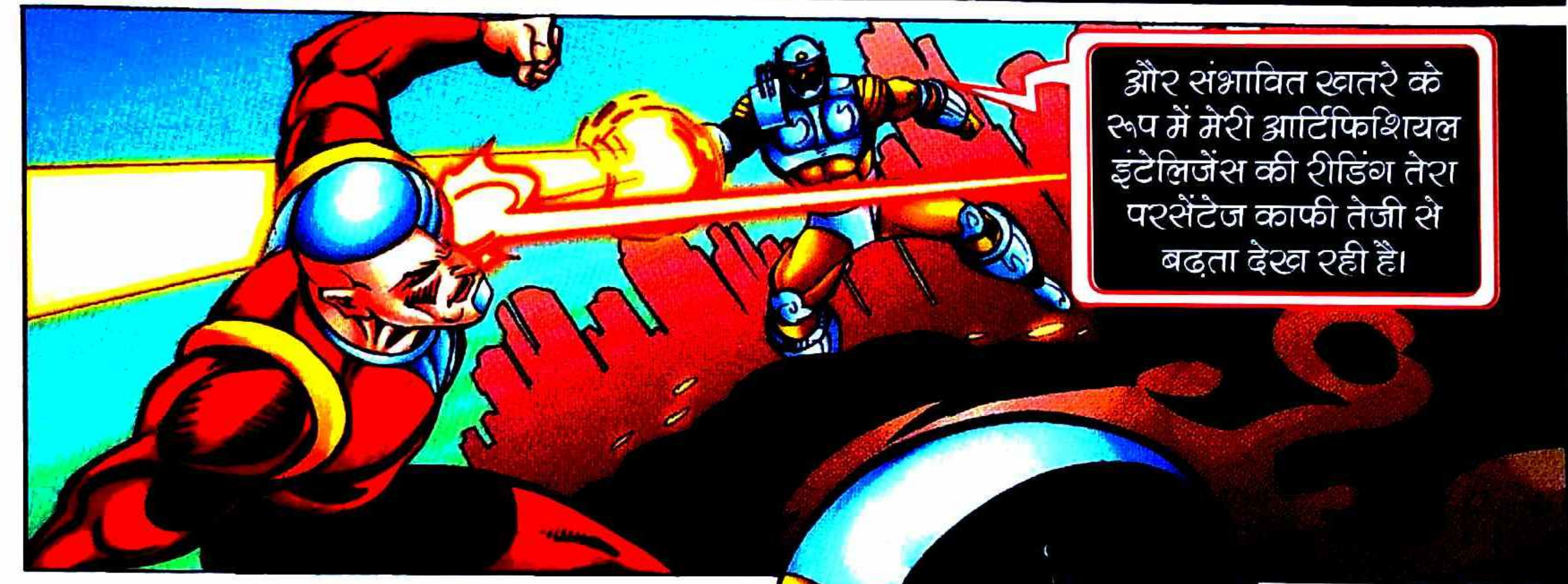
यकीनन रोबो की कुछ भी कर गुजरने की प्रवृत्ति का सामना करना उसके प्रतिद्वंद्वियों के लिए असंभव था...
...लेकिन बढ़ती उम्र और असाध्य रोग दो ऐसे शत्रु होते हैं जो बाहर से नहीं, भीतर से वार करते हैं। और...
...बड़े से बड़े शूरवीर को निरीह और मोहताज बना देते हैं।
टाइम आउट, बुड्ढे! तेरी ग्रैंडमास्टरशिप का लाइसेंस कैंसिल होने जा रहा है।
औरतों को नजरंदाज करने की बहुत खराब आदत है तुम मर्दों की।
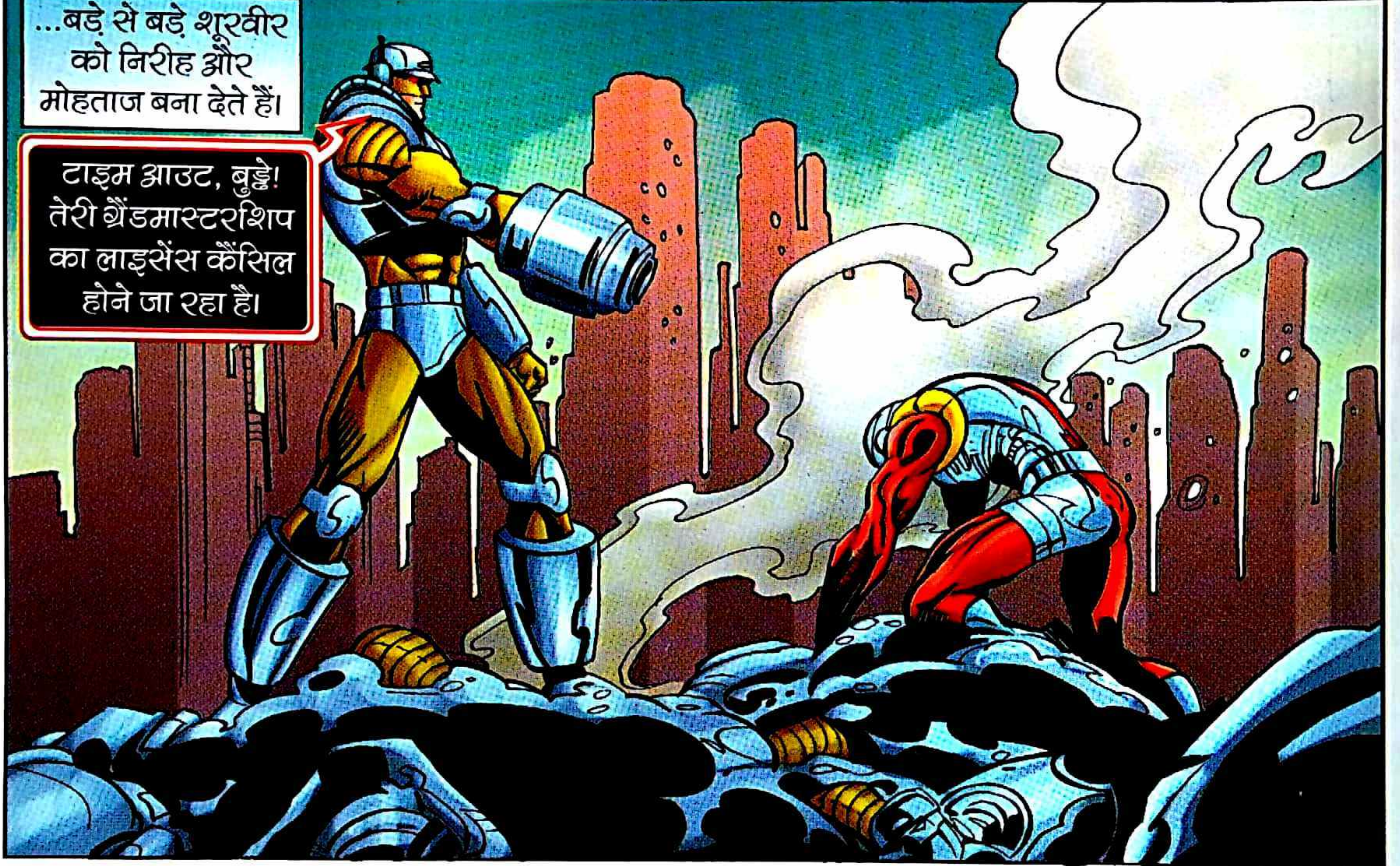
अगर ऐसा नहीं करते तो यकीनन बाजी पलट सकते थे तुम! जब गेम में कोई महिला शामिल हो तो बाकियों के लिए सबसे बड़ा खतरा वही होती है।

...इस बात को हमेशा याद रखना।

हम्फ! सही समय पर कूद पड़ीं तुम! मुझे तो लगा कि यहां से मेरी अर्थी ले जाने का इंतजार कर रही हो।

तुम्हारी अर्थी उठ गई तो मुझे लाइव मेटल कैसे मिलेगा? इसे पहन लो, रोबो! यह प्रतिरक्षा कॉस्टयूम है!

यह तुम्हारे दर्द को कम तो नहीं कर सकता पर तुम्हारे दिमाग तक पहुंचने वाली दर्द की तरंगों को बाधित कर देगा, किसी पैन किलर की तरह।

और साथ ही तुम्हारी मारक क्षमता भी बढ़ा देगा।

थैंक्स, वंडर वुमन! अब बेहतर महसूस हो रहा है।

पर अब यह टिन का डिब्बा बेहतर महसूस नहीं करने वाला!
क्योंकि मुझे खत्म करने के चक्कर में यह मुझे बता गया कि स्टील की इस फौज में से असली स्टील कौन है!
लाइव मेटल के हजारों-लाखों स्टील बना सकता है यह, पर मेगागन सिर्फ असली इंस्पेक्टर स्टील के पास ही है।
इस स्टील को छोड़कर बाकी सभी स्टील नकली हैं।
देख, स्टील! देख!! अपनी आंखों के कैमरे अच्छी तरह जूम करके देख।
देख! कैसे रोबो के गुस्से का लावा इन लाईव मैटल स्टील्स को मोम की तरह पिघला रहा है।

तू भी ऐसे ही पिघल जाएगा!!

हर्र्र्र्र

अदने इंसान! तुझे लगता है कि सिर्फ यह प्रतिरक्षा सूट पहन कर तू मुझे हरा देगा? खत्म कर देगा?

मुझे अपनी आंखों के कैमरे जूम करने की जरूरत नहीं है।
गौर से देख मेरी आंखों में!!
मैं उन मामूली लाइव मेटल ह्यूमनॉइड्स में से नहीं हूं, जो तेरी लेजर से पिघल गए।
मैं स्टील भी नहीं हूं...
मैं मानवता के लिए सबसे वीभत्स...
...और भयावह दुःस्वप्न हूं!

SOMEWHERE BETWEEN OLD CITY AND HIBERNATION

पुराने शहर की ये सीवेज लाइंस बेहद जर्जर हैं।

इनके वारों से यह ऊपर की सड़क कभी भी हमारे सिर पर गिर सकती है।

स्टील ने जाने क्या किया है कमांडो फोर्स के साथ? इनके पास ये अमानवीय शक्तियां कहां से आईं?

और स्टील के पास ऐसी शक्तियां कहां से आईं जो इन्हें शक्तियां दे सकें?

तुम लड़कियां इतना कॉम्प्लिकेटेड कैसे सोचती हो?

लड़कियां कॉम्प्लिकेटेड नहीं सोचतीं, कॉम्प्लिकेशन को खत्म करने के बारे में सोचती हैं।
बहुत मनहूस है यह काली बिल्ली। जिसका रास्ता काटती है उस पर मुसीबत लाती है।
आज मुसीबत इस काली बिल्ली पर आएगी जिसने हमारा रास्ता काटा है।
आह!!
खड़े-खड़े तमाशा देख रहे हो, रोक नहीं सकते थे इसे?
अरे!! तुमने ही तो कहा था, चाहे कुछ हो जाए मुझे हाथ मत लगाना!! वैसे भी मैं दो बिल्लियों...मेरा मतलब, लड़कियों के झगड़े में नहीं पड़ता।

शटअप! तब सिचुएशन अलग थी, अब सिचुएशन अलग है और 'लड़कियों के बीच नहीं पड़ता' वाली पुरुष-सत्तावादी सोच अपने पास ही रखो।

यार!! ध्रुव कैसे हैंडल करता है इन सबको?

फिलहाल इनसे बचने की कोई तरकीब है दिमाग में या फिर गटर में ही कब्रगाह बनवाने का इरादा है!

तरकीब!! अभी तो मैडम कॉम्प्लिकेशन के सॉल्यूशन की बात कर रही थीं।

यू!! हाउ डेयर यू!!

मुझे छुआ कैसे तुमने? अपने हाथ मुझसे दूर रखो।

शक्क

नाओ!

शक्क

शक्क

अब आगे क्या?

बस कुछ पल का इंतजार, इनके शरीर से तेजी से रिसते खून की गंध...

"...इस गटर में बसने वाले सैकड़ों हजारों चूहों के नथुनों तक पहुंच जाएगी।

...ना जाने कितने सालों से इन चूहों ने ताजे खून और मांस का स्वाद नहीं चखा! इन तीनों की चिन्दियां उड़ा देंगे ये।

यह सिग्नल फ्लेयर इन नरभक्षी चूहों को हमसे दूर रखेगी और ये तीनों चाहे कितना भी लेजर फायर कर लें, लेकिन हजारों की संख्या में इन चूहों का सामना नहीं कर सकते।

यानी कि इनका अंत बहुत दर्दनाक होने वाला है।

लेकिन वे कमांडो फोर्स के कैडेट थे, नक्षत्र! स्टील के नियंत्रण में होने की इतनी बड़ी सजा के पात्र नहीं थे वे लोग।

मैं समझती थी कि ध्रुव की तरह तुमने भी किसी की जान ना लेने की कसम खाई हुई है। मुझे नहीं पता था कि तुम उनकी जान ले लोगे।

तुम भावुक हो रही हो, कैट! यह रण है और रण में भावनाओं के लिए कोई जगह नहीं होती, यहां होती है तो बस जीत या मौत!

लेकिन फिर भी मैं किसी की जान नहीं लेता। उधर देखो...

ओ माई गॉड!! य...ये तो...

लाइव मेटल ह्यूमनोइड्स हैं। जिनके ऊपर ब्लड वेसेल्स, मसल टिशुज और स्किन इम्प्लांट करके इन्हें वास्तविक इंसानों जैसा बनाया गया है।

इसीलिए इन पर वार करने पर भी यह आभास नहीं होता कि इनके शरीर इंसानी नहीं मशीनी हैं।

तुम पहले ही समझ गए थे?

शुरुआत में तो मैं भी धोखा खा गया था और इन्हें असली कमांडो फोर्स समझ बैठा था, इन पर वार करने के बाद शक की कोई वजह भी नहीं रह गई थी।

मुझे भी यही लगा कि स्टील ने किसी तरह इन्हें ये अतिमानवीय शक्तियां दे दी हैं।

पर जब हम दोनों आपस में नोक-झोंक कर रहे थे तब कुछ सेकेंड्स के लिए इनकी ए.आई. कंफ्यूज हो गई।

अगर ये असली कमांडो फोर्स होते तो स्टील इनका ब्रेनवाश कर सकता था, इन्हें अतिमानवीय शक्तियां दे सकता था पर इनके रिफ्लेक्सेस नहीं बदल सकता।

इंसान के रिफ्लेक्सेस उसके दिमाग के उन हिस्सों से कंट्रोल होते हैं जो उसके जागृत मस्तिष्क से संचालित नहीं होते।

बस, मुझे समझ आ गया कि यह असली कमांडो फोर्स नहीं है क्योंकि वर्षों तक अपने कैप्टेन के कड़े प्रशिक्षण में तप पर निखरे कमांडोज के रिफ्लेक्स ऐसे नहीं हो सकते।

अच्छा हुआ कि तुमने मेरा इशारा समझ लिया और मुझसे बहस करने लगीं। इससे इनकी ए.आई. और कंफ्यूज हो गई, क्योंकि ये अपने पर वार कर रहे दुश्मन को खत्म करने के लिए प्रोग्राम्ड हैं। पर जब दुश्मन आपस में ही लड़ने लगे तो ये क्या करें इसकी प्रोग्रामिंग इनके ए.आई. में नहीं थी।

निष्कर्ष साफ निकल गया कि ये ह्यूमनॉइड्स हैं जिन्हें कमांडो फोर्स का रूप दिया गया है।

मुझे लगता था कि दुनिया में ध्रुव ही इकलौता है जो इतनी माइन्युट ऑब्जरवेशन कर सकता है।

अगर तुम इनडायरेक्टली मेरी तारीफ कर रही हो तो थैंक्स! पर फिलहाल यहां से बाहर निकलने पर ध्यान दो।
क्योंकि चूहे कितने भी भूखे सही लेकिन लाइव मेटल ह्यूमनॉइड्स को नहीं खा सकते। वे जल्द ही ...
हमारे पीछे ... आएंगे...लो आ भी गए!!
ओ.के. मिस्टर जीनियस! अब आगे क्या प्लान है?
आगे की किसी भी प्लानिंग के लिए थोड़ा समय चाहिए जोकि हमें नहीं मिलने वाला। क्योंकि हम हाइबरनेशन में प्रवेश कर चुके हैं।
और ये तीनों हाइबरनेशन के सभी एंड्रॉइड्स को हमारे बारे में अलर्ट कर चुके हैं।

RAJNAGAR, SOMETIME BACK.

ऑल ड्रोन यूनिट्स अलर्ट!!

"डॉक्टर अनीस रजा की लैब पर ऑक्टोपस गैंग..."

"...और रोबो आर्मी का अटैक हुआ है।"

ग्रैंड मास्टर रोबो!

तुमसे मुलाकात करने की बहुत तमन्ना थी, पर ऐसे मुलाकात होगी यह उम्मीद नहीं थी।

मेरी ना तुझसे मिलने की कोई तमन्ना थी और ना ही उम्मीद!

ग्रैंडमास्टर रोबो से आज तक तू और तेरा ऑक्टो-पस ग्रुप सिर्फ इसलिए बचा हुआ था क्योंकि मैंने कभी तुझे उस दर्जे का माना ही नहीं कि तेरी ओर तवज्जो दी जाए। लेकिन अब जो तूने रोबो के रास्ते में आने की हिमाकत कर ही दी है...

...तो तुझे तेरी औकात बतानी पड़ेगी।

तुम्हारे बारे में भी मेरे यही विचार हैं, ग्रैंडमास्टर!!

या अल्लाह!! एक के बाद एक इतने हमले तो लुटेरे मुहम्मद गोरी ने भी हिन्दुस्तान पर नहीं किए थे जितने ये कमबख्त हमारी लैब पर कर चुके हैं।
जाने क्यों मुझे ऐसी फीलिंग आ रही है अनीस सर कि...
"...इस हमले का नतीजा अच्छा नहीं निकलने वाला।"
तेरी यह मजाल सड़कछाप केंचुए कि तू ग्रैंडमास्टर रोबो पर वार करे।
तेरी हस्ती मिटा दूंगा मैं!!
हमारी हस्ती मिटाने की हसरत लिए ना जाने कितनों के हाथों से जिंदगी की लकीरें मिट गईं।

पिछली बार तुझे सही तरीके से तोलने का मौका नहीं मिला मिस फैंसी कमांडर!!
आज देखते हैं कि तुम सिर्फ शोर करना जानती हो या फिर तुममें कुछ वजन भी है।
मैं काफी हेल्थ कॉन्शियस हूं! इसलिए मेरा वजन तोलने की तेरी हसरत तो पूरी नहीं होने वाली।
...अलबत्ता, पिछली बार तेरी जो पिटाई अधूरी छोड़नी पड़ी थी मुझे उसे मैं जरूर पूरा किए देती हूं।
राजनगर के ही नहीं बल्कि देश और दुनिया के दो सबसे बड़े आतंकी संगठनों में घमासान चल रहा हो...

...तो भला देश की पुलिस और मिलिट्री मौका-ए-वारदात पर कैसे नहीं पहुंचेगी।

पुलिस और मिलिट्री ने तुम्हें चारों ओर से घेर लिया है।

अपने हथियार डाल दो और आत्म-समर्पण कर दो...

...तुम्हारी कोई भी गलत हरकत तुम्हें...

बूम

उफ्फ!!

बकवास बंद कर लड़की!!

आज रोबो आमरण युद्ध का इरादा करके आया है।

या तो आज
लाइव मेटल और ड्रोंस मेरे होंगे...
...या फिर पूरा राजनगर तबाह होगा!!
ओपन फायर!! किसी को मत बख्शो!
कमाल का है तुम्हारा बनाया यह प्रतिरक्षा सूट, वंडर वुमन! इसकी फोर्स फील्ड किसी भी वार को मुझ तक नहीं पहुंचने दे रही...

...और मेरे वार इन्हें सीधे जहन्नुम पहुंचाएंगे।

जहन्नुम तो अब तू जाएगा रोबो...

यहां से लाइव मेटल और ड्रोन्स लेकर अगर कोई जाएगा तो वह है सिर्फ ऑक्टोपस।

तुम दोनों ही या तो जेल जाओगे या जहन्नुम!!

राजनगर रणक्षेत्र बन चुका था, महासमर आरम्भ हो चुका था...

...परन्तु युद्ध में हार-जीत का फैसला सबसे मजबूत खिलाड़ी के जंग में उतरने के बाद ही होता है...

...और सबसे मजबूत खिलाड़ी जंग के मैदान में कूद चुका था।

स्टील के रहते इतनी हिमाकत कैसे हो गई तुम आतंकवादियों की, जो राजनगर को रणक्षेत्र बना डाला।

SAME TIME-RAJNAGAR NATIONAL FOREST

रण की दिशा बदलने वाला दूसरा महारथी अभी अपने अस्त्र साध रहा था।

बस हो ही गया, ध्रुव! सिर्फ कुछ क्षण और...

हो गया!! संसार के सबसे तीक्ष्ण दिमाग का प्रोटोप्लाज्मिक एनालिसिस पूरा कर लिया मैंने।

मैंने तुम्हारे दिमाग की क्षमताओं, जटिलताओं और कार्यप्रणाली को पूरी तरह समझ लिया है ध्रुव!!

अब इसकी सहायता से, इसके आधार पर मैं वह तकनीक, वह प्रोग्राम तैयार कर सकता हूं जो प्रोटोप्लेनेट से आई उस विभीषिका को खत्म कर सके।

फिर तो हमें देर नहीं करनी चाहिए, फौरन राजनगर वापस लौटना चाहिए...
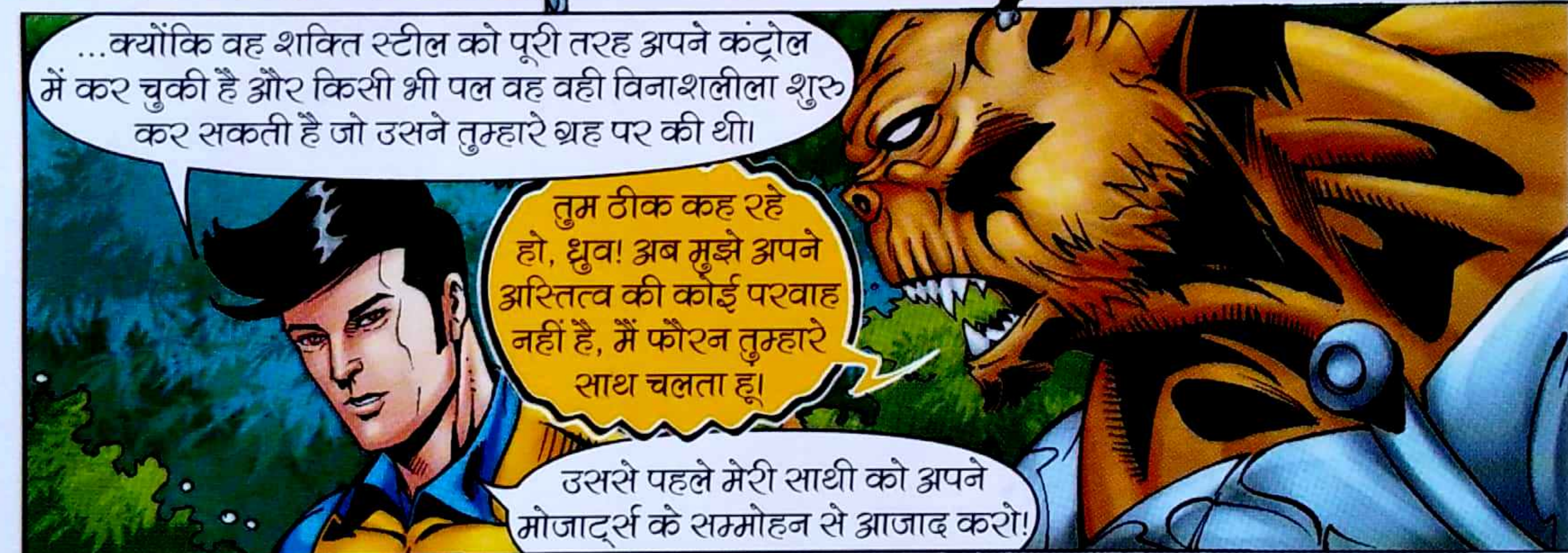
...क्योंकि वह शक्ति स्टील को पूरी तरह अपने कंट्रोल में कर चुकी है और किसी भी पल वह वही विनाशलीला शुरु कर सकती है जो उसने तुम्हारे ग्रह पर की थी।

तुम ठीक कह रहे हो, ध्रुव! अब मुझे अपने अस्तित्व की कोई परवाह नहीं है, मैं फौरन तुम्हारे साथ चलता हूं।

उससे पहले मेरी साथी को अपने मोजार्ट्स के सम्मोहन से आजाद करो!

ओह! माफ करना मैं भूल ही गया था।

हम्फ! यह क्या हो रहा है ध्रुव? यह कौन है?

समझाने का वक्त नहीं है ब्लैककैट...

...हमें फौरन राजनगर पहुंचना होगा!!

राजनगर का रक्षक राजनगर को बचाने के लिए अपना अंतिम ब्रह्मास्त्र चला रहा था।

...जोकि राजनगर के ही दूसरे रक्षक के विरुद्ध चलने वाला था।

उस रक्षक के जो शायद रक्षक और भक्षक के बीच की धूमिल होती लकीर पर खड़ा था...

...कानून की धाराएं सिर्फ बंदिशें देती हैं। जिसका नतीजा है कि तुम जैसे अपराध के सियार जो खुद को शेर समझने लगते हैं, शेर के जंगल में आकर उत्पात करते हैं।

...पर आज यह शेर कानून की जंजीर में जकड़े हुए किसी कुत्ते की तरह सिर्फ गुर्राएगा नहीं...

...आज यह शेर फाड़ खाएगा!!

अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा था सलमा को। आतंक और अविश्वास से चीख पड़ी वह।

अमर!! होश में आओ!!

यह तुम क्या कर रहे हो, अमर? तुम कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकते। तुम्हारे घातक वार सिर्फ इन अपराधियों के ही नहीं बल्कि आम आवाम के भी जान-माल का बड़ा नुकसान कर सकते हैं।
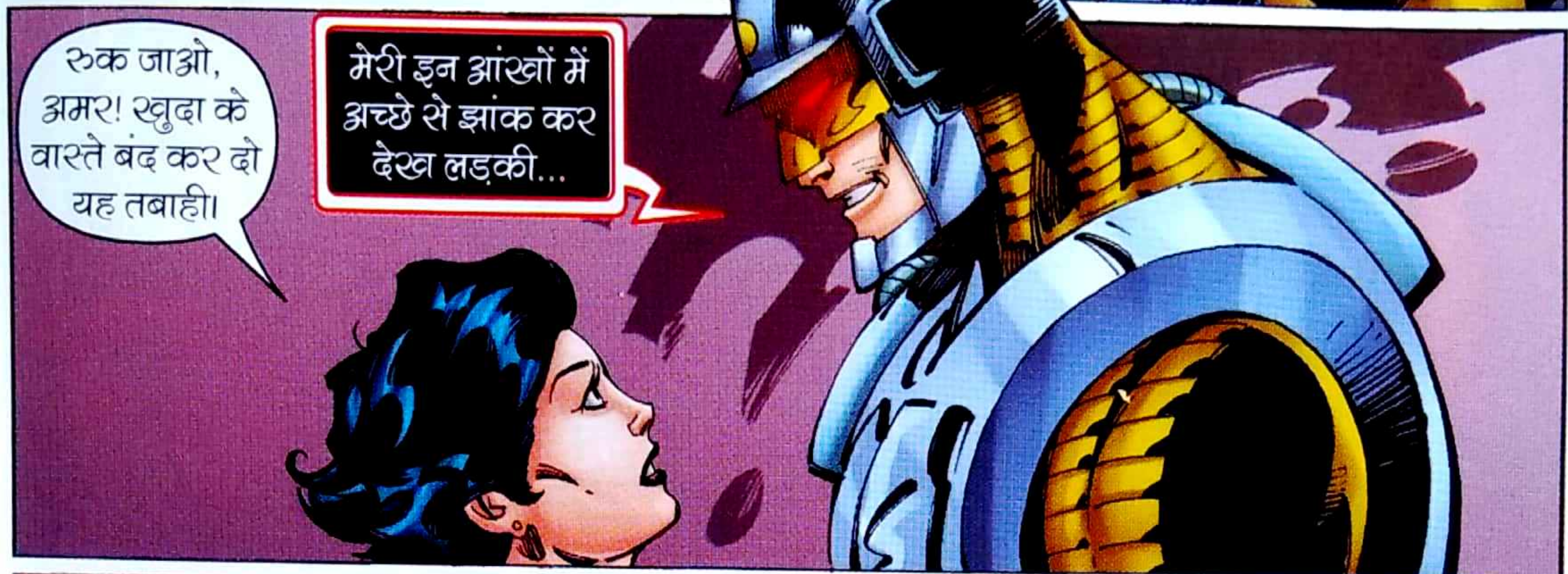
रुक जाओ, अमर! खुदा के वास्ते बंद कर दो यह तबाही।

मेरी इन आंखों में अच्छे से झांक कर देख लड़की...
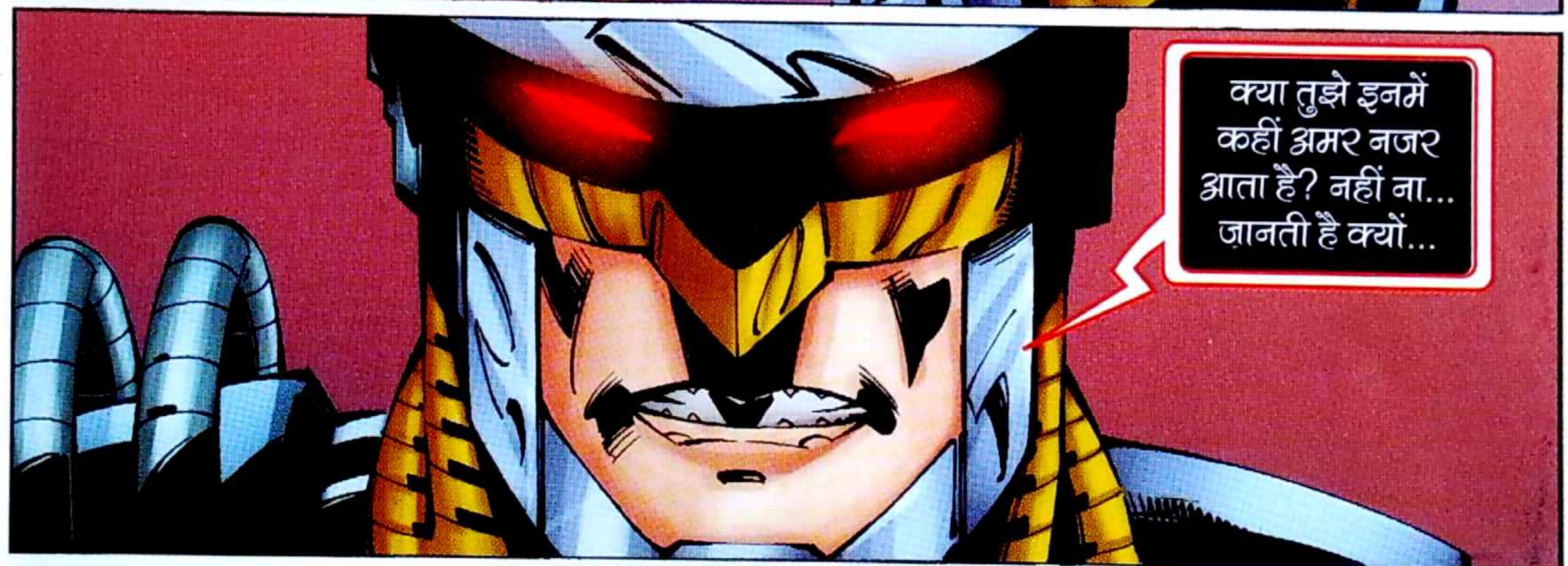
क्या तुझे इनमें कहीं अमर नजर आता है? नहीं ना... ज़ानती है क्यों...

...क्योंकि अमर मर चुका है! एक कमजोर, फर्ज और जज्बात के हाथों मजबूर इंसान मर चुका है, सिर्फ स्टील बचा है...स्टील!! जिसमें भावनाएं नहीं हैं, भावनाएं नहीं यानी कोई कमजोरी नहीं...

...स्टील अविजयी है और अब स्टील अपनी शक्ति का सही इस्तेमाल करेगा!!!
नहीं...नहीं!
होश में आओ अमर, अपने दिमाग पर काबू पाओ!
बस यह दिमाग ही तो काबू में नहीं था अब तक, लड़की!
अब जब यह दिमाग काबू में आ गया है तो सारी दुनिया मेरे काबू में आ जाएगी।
आज अपने रास्ते में आने वाली हर शह को मात देगा स्टील।

ऐसा नहीं होने देगी सलमा!

अमर ने अपने जीते-जी ही नहीं, अपने मरने के बाद भी कभी अपनी वर्दी पर दाग नहीं लगने दिया।

अपने फर्ज और कानून को जिसने हमेशा खुदा का दर्जा दिया उसके जज्बे को यूं तुझे नापाक नहीं करने दूंगी मैं...

सलमा ने कर डाली वह अप्रत्याशित हरकत, एक ही झटके में खींच निकाली थी उसने स्टील के शरीर से वह पॉवर बैटरी जिसके बगैर स्टील सिर्फ एक बेजान पुतला था।

खड़ाक

अमर की कुर्बानी की गरिमा को बचाना है तो स्टील को खत्म होना होगा आज!!

अनीस और श्वेता भी अवाक थे उस मंजर को देख कर।

एक पल के लिए जैसे पूरी कायनात थम सी गई थी...

क्योंकि थम गया था वह तबाही का दूत!

उसकी आंखों की चमक बुझ गई थी।

सलमा के लिए यह समझ पाना मुश्किल था कि उसने जो किया है उसके लिए वह खुद पर फख्र करे या लानत दे।

या खुदा!! यह क्या कर डाला मैंने, अपने ही हाथों अपने प्यार को खत्म कर डाला!!

पर सलमा नहीं जानती थी कि अब उस जलजले को रोकना किसी इंसान के वश की बात नहीं थी...

...ये आंसू बचा कर रख लड़की...

अभी तो दुनिया की बर्बादी का मंजर शुरू हुआ है!!

अभी तो तुझे पूरी मानवजाति के खत्म होने का मातम मनाना है।

असंभव!! नामुमकिन!! स्टील की पॉवर बैटरी उसके शरीर से निकाल दी गई है फिर भी वह जिंदा है! ऐसा नहीं हो सकता।

ड्रोन्स पूरी तरह हमारे कंट्रोल से बाहर जा चुके हैं, अनीस सर!

इन्हें और स्टील को रोकना अब हमारे वश में नहीं है।
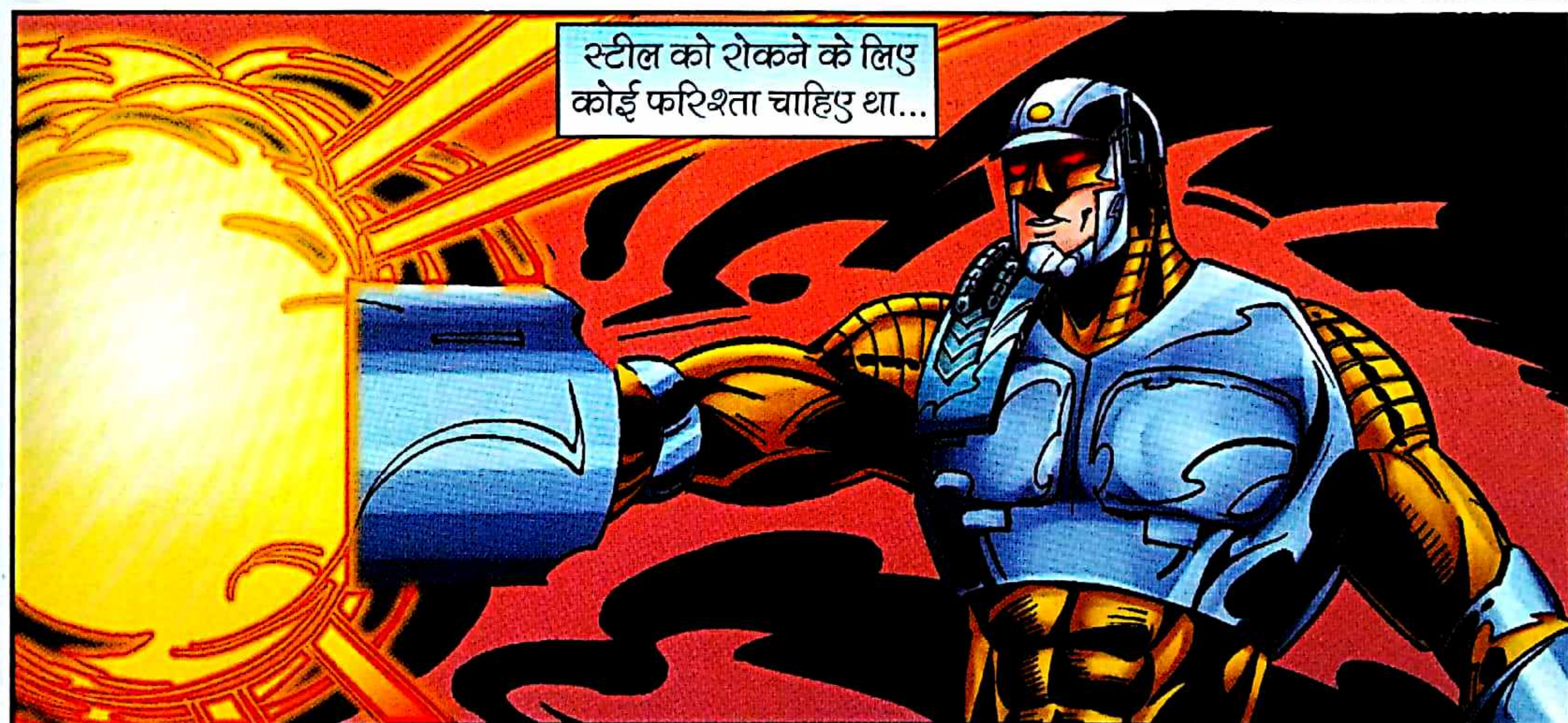
स्टील को रोकने के लिए कोई फरिश्ता चाहिए था...

और वह फरिश्ता वहां आ चुका था।

बहुत हो चुका, स्टील! तुमने साबित कर दिया कि मशीनों को लेकर मेरा जो नजरिया था वह बिलकुल सही था।

और तुमने मुझे गलत भी साबित कर दिया कि कानून के सिपाही के इस फौलादी शरीर को संचालित करने वाला दिमाग कभी खराब नहीं हो सकता।

तुम्हारा दिमाग खराब हो चुका है और तुम्हारे लिए सिर्फ एक ही जगह है, शहर का स्क्रेप्यार्ड।

हाहाहा... सुपर कमांडो ध्रुव! तू मुझे रोकने आया है!! वह भी एक बिल्ली और एक चमगादड़ के साथ...

...तुझे पता नहीं है कि मैं क्या कर सकता हूं। मैं अपनी ब्रेन वेव्स से सिर्फ इन ड्रोंस को ही कंट्रोल नहीं करता बल्कि उन्हें भी कंट्रोल कर सकता हूं जिन्हें तेरी प्यारी बहना ने इस शहर की सुरक्षा के लिए बनाया था...

...जो अब पूरे राजनगर को मेरे इशारे पर कब्रिस्तान बनाएंगे।

उफ! ड्रोंस हमारे घर, हमारी गाड़ियां सब कुछ तबाह कर रहे हैं!!

जाने किस मनहूस घड़ी में बनाया गया था इन्हें।

पूरा राजनगर खंडहर बना रहे हैं यह ड्रोंस।

...मैं उन मशीनों को भी कंट्रोल कर सकता हूं जो अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हैं। नमूना देखना चाहोगे?

"अनीस और श्वेता की लैब में मौजूद लाइव मेटल कॉप्स मानवता के लिए कितने घातक सिद्ध होंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।"

ओ माई गॉड!!

या अल्लाह!! वाकई शैतान सवार है स्टील पर। कर क्या रहा है वह?

"मेटालिका काफी पिछड़ी हुई पद्धति से बनी लाइव मेटल ह्यूमनॉइड थी। उसके जैसे बकवास ह्यूमनॉइड्स एक समय में वंडर वुमन भी बना चुकी है और स्टील से पिट भी चुकी है।"

"पर इन ह्यूमनॉइड्स को विश्व के दो सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों ने डिजाईन किया है। इनका सामना संसार की कोई शक्ति नहीं कर सकती।"

"अब ये लाइव मेटल ह्यूमनॉइड्स मेरे आदेश पर खुद ही री-प्रोग्राम होंगे..."

"...और खुद ही लाइव मेटल ह्यूमनॉइड्स का निर्माण भी करेंगे।"

"...यह होगी मेरी आर्मी। कुछ ही घंटों में ये ह्यूमनॉइड्स हजारों-लाखों की संख्या में बनकर तैयार होंगे और इनका सामना संसार की कोई सुपर पॉवर, कोई सैन्य शक्ति नहीं कर पाएगी।"
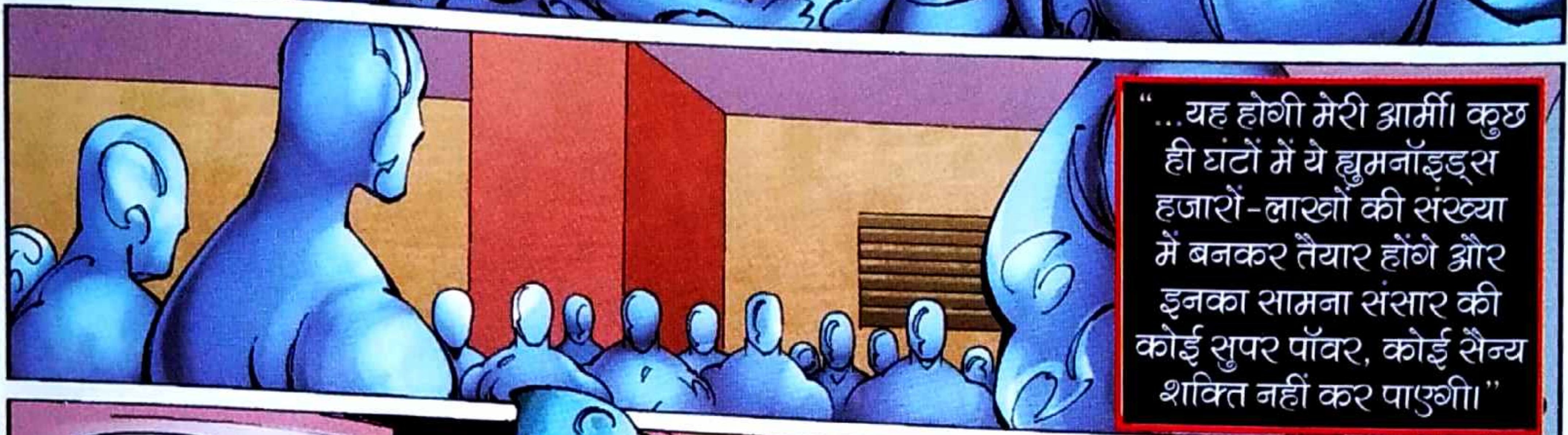
मेरे जीते-जी ऐसा हरगिज नहीं होगा!!
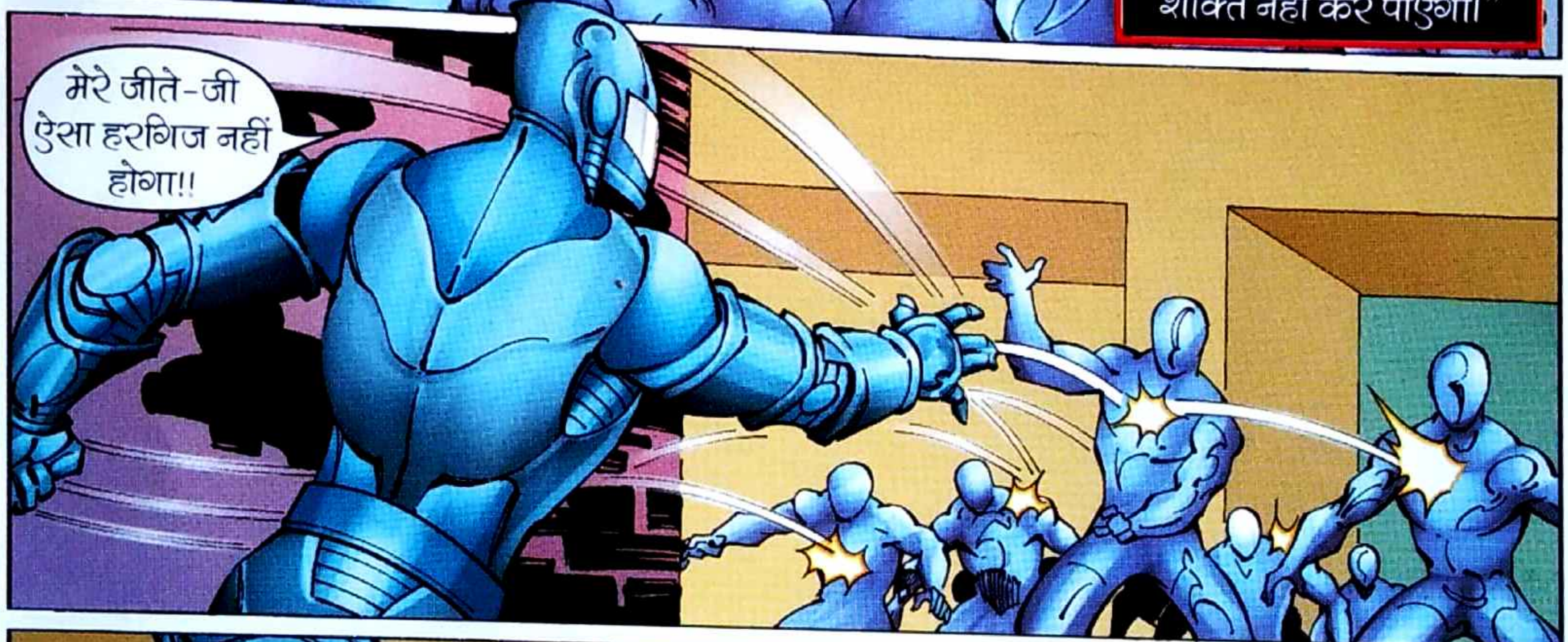
मैं अगर मशीनें बना सकता हूं तो कैंसर बनकर उन मशीनों की मौत भी बन सकता हूं।

इनके मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर की री-फॉर्मेशन अगर रोक दी जाए तो यह लाइव मेटल कभी कोई रूप अख्तियार नहीं कर पाएगी।

मैंने री-प्रोग्रामिंग के दौरान इनकी सभी तकनिकी खामियां दूर कर दी हैं।
अब तुम्हारी कोई भी तरकीब इन्हें रोक नहीं सकती अनीस उर्फ कैंसर!
डॉक्टर अनीस रजा! तुझे इतनी जल्दी नहीं मारूंगा मैं, अभी तेरी बहुत जरूरत है मुझे!!
अनीस सर!!
जाओ, श्वेता!! खुद को बचाओ!! तुम ही अब मानवता की आखिरी उम्मीद हो।
तुम्हें स्टील और उसकी गुलाम मशीनों को खत्म करने का रास्ता तलाशना होगा।
अनीस सर ठीक कह रहे हैं, मुझे जज्बात से नहीं दिमाग से काम लेना होगा।
ह्यूमनॉइड्स! श्वेता को भी बंधक बना लो। अनीस की इस असिस्टेंट की जरूरत तो अनीस से भी अधिक है, क्योंकि...

...यह मेरे सबसे बड़े दुश्मन की कमजोर नस है।

यह स्टेटमेंट देकर तुमने मेरी दुविधा दूर कर दी। अब तुम्हें कबाड़ बनाने में मुझे जरा सी भी हिचक नहीं होगी, स्टील।

उससे पहले एक बात क्लियर करनी है...

मेरी बहन मेरी कमजोरी नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

मेरी बहन मेरा गुरूर है, मेरा जूनून है...

...और अगर किसी ने भी मेरी बहन को खरोंच भी पहुंचाई तो मेरी बहन इस दुनिया में इकलौती इंसान है जिसके लिए मैं कभी किसी की जान ना लेने की कसम भी तोड़ दूंगा।

...भईया!! आई एम सॉरी भईया।

जज्बात!! घिन आती है मुझे इन जज्बातों से। खत्म कर दूंगा मैं जज्बातों को और उन इंसानों को जिनमें उपजते हैं ये जज्बात।
बहुत उत्पात मचा चुके हो तुम! अब और तबाही नहीं मचा पाओगे!
हाहाहा...तू रोकेगा मुझे, चमगादड़?
मैं और मेरा यह प्रोग्राम जिसे सुपर कमांडो ध्रुव के दिमाग की मदद से बनाया गया है।
प्रोटोप्लास्ट और स्टील की शक्तियों के बीच घमासान महायुद्ध शुरू हो चुका था

सभी समीकरण बदल चुके थे...
जो कुछ देर पहले दुनिया जीतने आए थे वे अब दुनिया को बचाने की जंग लड़ रहे थे।
पर यह जंग अभी और भी घमासान होने वाली थी...
...क्योंकि स्टील की ह्यूमनॉइड आर्मी तैयार हो चुकी थी।
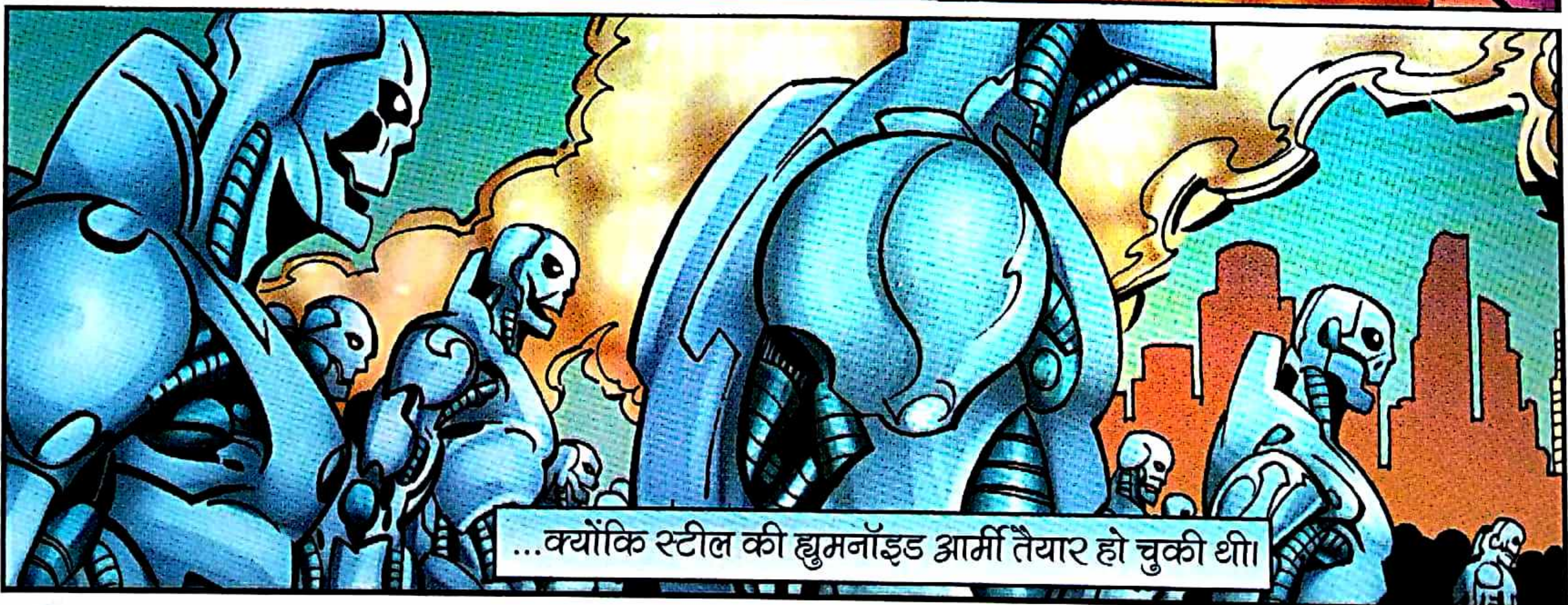
कमांडो फोर्स और कमिश्नर राजन भी घटना स्थल पर आ चुके थे।

होल्ड योर सेल्फ, स्टील!! इट्स एन ऑर्डर!!

यह रहा तुम्हारे ऑर्डर का जवाब कमिश्नर।

बूम

उफ!

रोबो आर्मी, ऑक्टोपस ग्रुप और कमांडो फोर्स मिलकर ह्यूमनॉइड आर्मी और ड्रोंस का मुकाबला कर रहे थे।

लेकिन मुकाबला बेमेल था।
ड्रोन्स और ह्यूमनॉइड्स की सम्मिलित शक्तियों के सामने टिक पाने की क्षमता इंसानों में नहीं थी।
पर इंसानों की एक ताकत का मुकाबला मशीनें नहीं कर सकती...
...कभी हार ना मानने की इच्छाशक्ति। कभी ना झुकने का दृढ़ संकल्प!
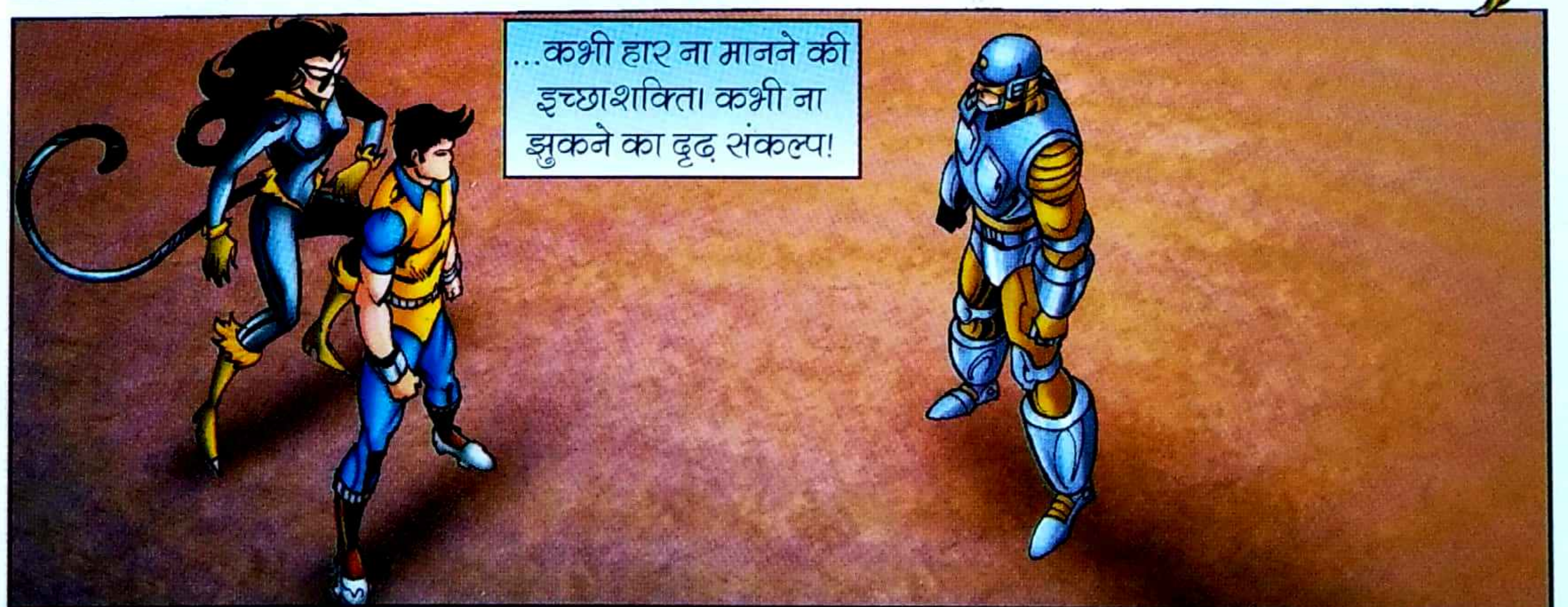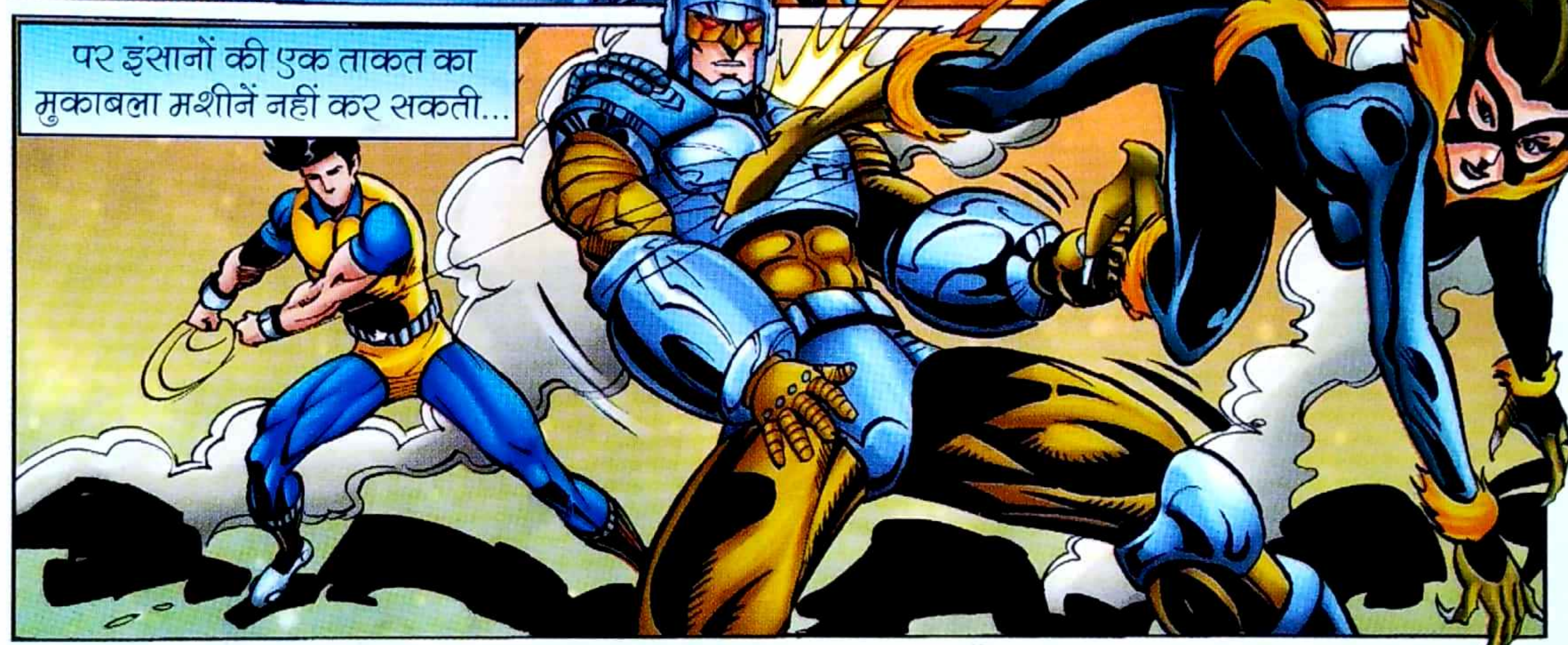
तुम फिक्र मत करो, ध्रुव! मैं इसे जल्द ही काबू कर लूंगा। तुम्हें मेरा सिर्फ एक काम करना होगा...
...तुम्हें मेरे कॉस्टयूम से निकलती इस केबल को स्टील के दिमाग से कनेक्ट करना होगा। इसके बाद मैं स्टील को पूरी तरह निष्क्रीय कर दूंगा।
इतनी भी क्या जल्दी है प्रोटोप्लास्ट...
अभी तो मैंने तुम्हारे इस तमाशे को एन्जॉय करना शुरू किया है।
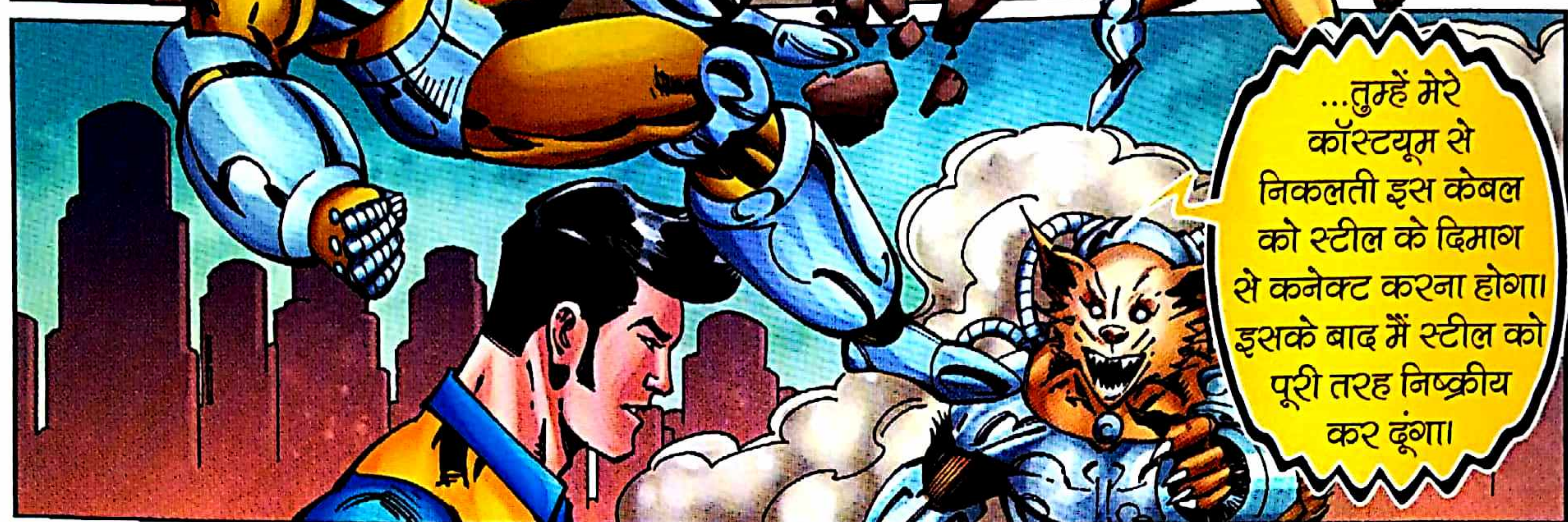
ध्रुव की आंखों के उस सर्द भाव ने एक पल में ही प्रोटोप्लास्ट को यह समझा दिया कि वह जीती हुई बाजी हार चुका है।

तो तुम समझ गए लड़के!!

शक तो मुझे तुम्हारे इरादों पर शुरुआत से ही था। पर तुम मानवता के लिए कितना बड़ा खतरा हो यह समझने में मुझे भी वक्त लग गया।

तू मेरी उम्मीद से अधिक खतरनाक निकला, लड़के!

मैंने तुझे अब तक सिर्फ इसलिए खत्म नहीं किया था क्योंकि इस पृथ्वी पर अकेला तेरा दिमाग ही ऐसी चीज थी जिस पर मैं काबू नहीं कर पाया। तेरे दिमाग की स्टडी करके मैं अपनी शक्तियों का विस्तार करना चाहता था...

...पर अब लगता है कि तुझे खत्म कर देने में ही भलाई है।

यह सब क्या है, ध्रुव? कौन है यह?

धरती और मानवों को खत्म करने के इरादे रखने वाला एक और परग्रही?

नहीं, ब्लैककैट! यह कोई परग्रही नहीं है...

...बल्कि यह तो कोई जीवित प्राणी ही नहीं है।

व्हाट? फिर क्या है यह?

एक प्रोग्राम! यह सिर्फ एक प्रोग्राम है।

तुम क्या कह रहे हो मेरी कुछ समझ नहीं आ रहा।

सब समझ आ जाएगा...

...जब मैं यह अल्ट्रासोनिक व्हिसिल बजाऊंगा।

यह पराध्वनी इस शरीर को बुरी तरह विचलित कर रही है।

व्ही

अभी 'इस शरीर' की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं...

...क्योंकि अल्ट्रासोनिक व्हिसल आसपास के उन बेचारे कुत्तों को भी यहां बुलाएगी जो अपने इलाके बर्बाद हो जाने के कारण खासे नाराज हैं और...

वाऊ वाऊ वुफ वुफ

..उसके लिए जिम्मेदार शख्स की बोटियां तक चबा जाने के मूड में हैं।

वाऊ वाऊ वुफ वुफ

यह शरीर बुरी तरह विचलित है मैं इसका प्रयोग नहीं कर पा रहा।

मुझे यह शरीर छोड़ना होगा!!

क्या बला है यह?

एक और मशीन।

ओह्ह! मैं तो अब तक इस बैटमैन को ही असली विलेन समझ रही थी।

पर यह है क्या चीज? कोई हाई-टेक रोबोट?

यह कोई रोबोट नहीं है, यह दरअसल एक विशेष किस्म का प्रोग्राम है।

एक ऐसा अतिविकसित प्रोग्राम जो अपनी परिधि में आने वाली किसी भी जीवित या निर्जीव वस्तु को अपने अधीन कर सकता है।

यह अब तक बनाए गए किसी भी कंप्यूटर प्रोग्राम से कहीं अधिक विकसित और शक्तिशाली है।

पर तेरे दिमाग को नहीं पढ़ पाया मैं। समझ नहीं आता तूने कैसे जान लिया कि मेरी प्रोटोप्लेनेट के तबाह होने वाली कहानी झूठी थी।

मुझे पहली बार तुम पर शक उसी समय हो गया था जब मधुमक्खियों के झुण्ड ने तुम्हें शिकार बनाया था, उस समय तुम्हारे पास से दो अलग आवाजें निकलीं, एक इस प्राणी के दर्द से चीत्कार की आवाज और दूसरी उन मशीनी पुर्जों से आती आवाज जिसने कहा कि मधुमक्खियां इस शरीर को नुकसान पहुंचा रही हैं।

जबकि सामान्य रूप से तुम्हें कहना चाहिए था कि मधुमक्खियां मुझे नुक्सान पहुंचा रही हैं या मेरे शरीर को नुक्सान पहुंचा रही हैं।

मुझसे बात करने के दौरान तुम अक्सर उन विलेन्स के उदाहरण देते थे जिनका सामना मैं कर चुका था। ध्वनिराज, महामानव, चुम्बा तुम सभी का प्रयोग उदाहरण के तौर पर कर रहे थे।

मैं अपने जीवन में अनगिनत परग्रहियों से मिल चुका हूं! उनके जीवन से सम्बंधित जानकारी का एनालिसिस तुमने मेरे मस्तिष्क से किया...

और प्रोटोप्लेनेट और उसके आखिरी जीवित बचे प्राणी प्रोटो-प्लास्ट की कहानी बनाई।

तुम इस संसार के एकमात्र ऐसे प्राणी थे ध्रुव! जिसके मस्तिष्क की जटिल संरचना की गणना मैं नहीं कर पा रहा था।

मुझे तुम्हारे रूप में अपनी शक्तियों के विस्तार का नया आयाम मिला था। तुम अकेले ऐसे प्राणी थे ध्रुव जोकि मेरे जनक द्वारा बनाए गए अविजयी प्रोग्राम को भी हरा सकते थे।

किसने बनाया तुम्हें?

दुनिया समझती है कि विश्व का सबसे पहला कंप्यूटर सन 1946 में बना ENIAC था पर उससे भी कुछ वर्ष पूर्व ही मेरे जनक प्रोफेसर हैमंड ने मेरा यानि PROTOPLAST का आविष्कार कर लिया था।

मेरी उत्पत्ति एक गणना करने वाले हथियार के रूप में हुई थी जो अपने आसपास के वातावरण और उसमें उपस्थित सजीव अथवा निर्जीव वस्तुओं की गणना कर उन्हें अपने अधीन कर सके।

मेरी गणना इतनी सटीक होती है कि मैं कभी भी परास्त नहीं होता। शीघ्र ही हैमंड को समझ आ गया कि उन्होंने एक ऐसा अचूक हथियार बना दिया है जो पूरी मानवजाति को अपने अधीन कर सकता है।

हैमंड ने मुझे नष्ट करने के अनगिनत प्रयास किए पर मैं उनके हर प्रयास को विफल कर देता, अंततः हैमंड ने मुझे ऐसी जगह दफनाने का फैसला किया जहां से मैं कभी भी मानवजाति के संपर्क में ना आ सकूं।

"हैमंड और ऑफिसर बेट्स मुझे राजगढ़ के जंगलों के एक अंधकूप में दफन करने आए थे, पर उनकी बदकिस्मती कि अंधकूप इस चमगादड़ मानव का घर था जो अपनी प्रजाति का बचा इकलौता प्राणी था।"

"मैंने इस चमगादड़मानव के जरिए हैमंड और बेट्स दोनों को खत्म कर दिया। मैं वर्षों तक इंतजार करता रहा क्योंकि यह शरीर शक्तिशाली था पर इसका दिमाग नगण्य था।"

"इस शरीर के सहारे मैं फिलहाल अपना मकसद पूरा नहीं कर सकता था। मैंने इसकी जैविक ऊर्जा के सहारे चार्ज होकर खुद का अस्तित्व बनाए रखा और इस प्राणी के साथ अंधकूप में छुपा रहा। मुझे अपनी शक्तियों के विस्तार के लिए मशीनी और तकनीकी शक्तियां चाहिए थीं..."

"समय बदला। बीहड़ जंगल शहर बन गए, जिस बीहड़ में लोग पैर रखने से डरते थे वहां पिकनिक मनाने आने लगे।"

"मेरा मानवों की दुनिया की ओर बढ़ने का मार्ग खुल रहा था।"

"उन मानवों की मशीनों से मैंने सबसे पहले अपने लिए बोलने के उपकरण बनाए।"

अहा!! आखिर इतने समय बाद मुझे मानवों की भाषा बोलने की शक्ति मिल गई।

"इस चमगादड़ प्राणी की सहायता से मैं बदलते समय के साथ मानवों की उन्नत होती तकनीकों के बारे में जानता गया।"

"शहर में हुए छोटे-मोटे हादसे चोरों का काम समझ लिए जाते।"

"इस तरह मैंने अपनी शक्तियों का विस्तार किया और मैंने मानवों पर हमले की पहली योजना बनाई जिसका पहला शिकार बना..."

राजनगर पुलिस के इंस्पेक्टर शर्मा।

तुम इसके बारे में भी जानते हो लड़के?

कुछ समय पहले स्टील से मेरी मुठभेड़ के दौरान थोड़े समय के लिए तुम्हारा कंट्रोल स्टील के दिमाग पर से हट गया था, उस समय ही स्टील ने इंस्पेक्टर शर्मा का नाम लिया था।

मैंने जब छानबीन की तो पता चला कि बहुत साल पहले राजनगर में एक अजीब परग्रही का सामना स्टील से हुआ था जिसने सबसे पहले एक रिश्वतखोर इंस्पेक्टर शर्मा को अपना शिकार बनाया था।

उसके बाद शहर के पूर्व कमिश्नर को। वह परग्रही किसी भी मानव के शरीर के आंतरिक अंग खा जाता था और उस शरीर को कंट्रोल करता था। पर स्टील और अनीस ने मिलकर उसकी योजनाएं विफल कर दी थीं।

पर वह कोई परग्रही नहीं था। तुमने ही मानवों पर अपना पहला हमला किया था।

हाहाहा! बिलकुल सही समझे, ध्रुव! उस अंधकूप में इस चमगादड़ मानव के अलावा और भी कई ऐसे प्राणी थे जिनसे मानव सभ्यता अनभिज्ञ है, उन्हीं में से एक वह परजीवी था। उसके शरीर पर एक चिप के रूप में मैंने अपनी मेमोरी फीड की हुई थी।
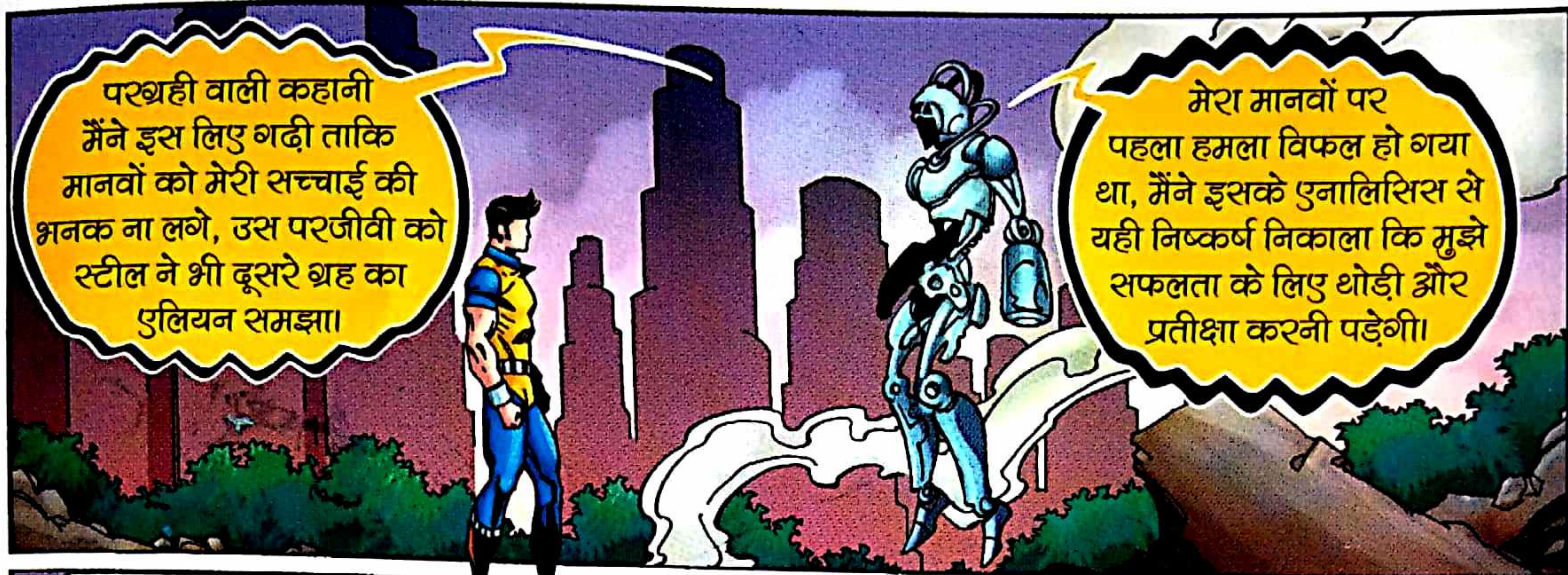
परग्रही वाली कहानी मैंने इस लिए गढ़ी ताकि मानवों को मेरी सच्चाई की भनक ना लगे, उस परजीवी को स्टील ने भी दूसरे ग्रह का एलियन समझा।

मेरा मानवों पर पहला हमला विफल हो गया था, मैंने इसके एनालिसिस से यही निष्कर्ष निकाला कि मुझे सफलता के लिए थोड़ी और प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।
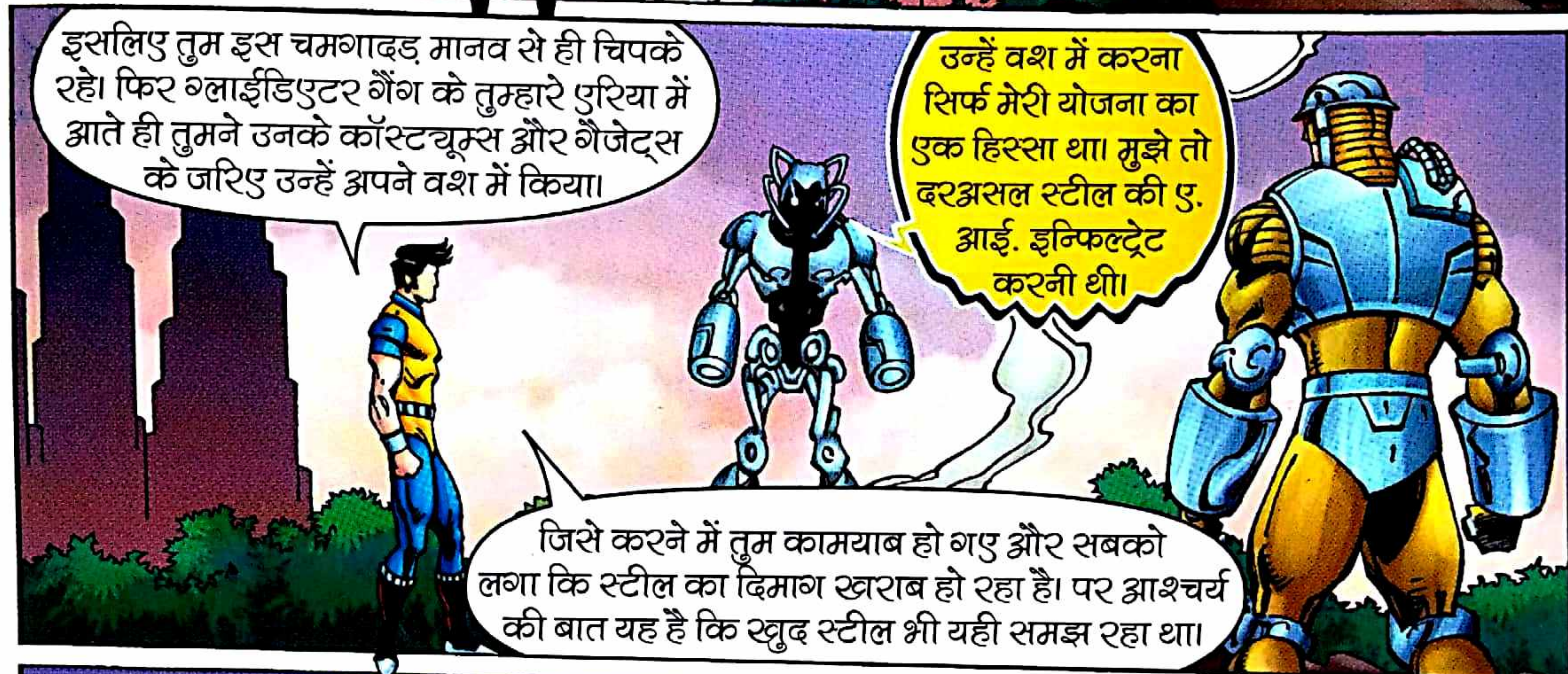
इसलिए तुम इस चमगादड़ मानव से ही चिपके रहे। फिर ग्लाईडिएटर गैंग के तुम्हारे एरिया में आते ही तुमने उनके कॉस्टयूम्स और गैजेट्स के जरिए उन्हें अपने वश में किया।

उन्हें वश में करना सिर्फ मेरी योजना का एक हिस्सा था। मुझे तो दरअसल स्टील की ए. आई. इन्फिल्ट्रेट करनी थी।

जिसे करने में तुम कामयाब हो गए और सबको लगा कि स्टील का दिमाग खराब हो रहा है। पर आश्चर्य की बात यह है कि खुद स्टील भी यही समझ रहा था।

क्योंकि मैंने उसकी ए.आई. के जरिये उसके दिमाग के उस हिस्से को टारगेट किया था जिससे भावनाएं उत्पन्न होती हैं। स्टील की एंग्जाईटी, उसकी भावनाएं सब कुछ वास्तविक था, बस मैं उन्हें खतरनाक स्तर तक बढ़ा रहा था। नतीजतन स्टील का दिमाग थकने लगा। जैसे-जैसे स्टील का दिमाग थक कर कमजोर हो रहा था वैसे-वैसे मैं उस पर हावी होता चला गया।

स्टील के जरिए मैंने ड्रोंस को अपने कब्जे में किया, स्टील के दिमाग से उसके सभी दुश्मनों की जानकारी हासिल करने के दौरान मुझे वंडर वुमन द्वारा लाइव मेटल के प्रयोग का पता चला।

स्टील द्वारा ही मैंने मेटालिका का निर्माण किया और तुम्हारे घर पर उससे हमला करवाया, मेरा तीर बिलकुल सही निशाने पर लगा जब अनीस और तुम्हारी बहन लाइव मेटल को रीबूट करने को तैयार हो गए, इसके लिए स्टील के रूप में मैंने उन्हें सहमती भी दी।

तुम्हारे लिए सिर्फ दो ही मुश्किलें थीं, मैकेनिक और ग्लाईडिएटर गैंग। तुम्हारी बदकिस्मती से मैकेनिक उस समय वहां छुप कर सब कुछ देख रहा था जब तुमने ग्लाईडिएटर गैंग और स्टील पर अटैक किया।

मैकेनिक समझ गया था कि स्टील को तुमने इन्फिलट्रेट किया है। इसीलिए स्टील के सहारे तुम उसे रास्ते से हटाने की कोशिश कर रहे थे...

ग्लाईडिएटर गैंग के लिए तुमने फर्नेस को भेजा।

सारी बातें तू समझ ही चुका है, ध्रुव! बस एक बात तुम लोग अभी तक नहीं समझ पाए...

स्टील की पॉवर बैटरी निकाल कर इस लड़की ने खुद ही स्टील के बचने की आखिरी उम्मीद खत्म कर दी है। क्योंकि उसके दिमाग और उसके मशीनी शरीर दोनों पर अब मेरा कब्जा है...

अब होकर रहेगा राजनगर का विध्वंस।
राजनगर ले रहा है अंतिम सांसें। क्या कोई विरला है जो बनेगा...
राजनगर उद्धारक
राजनगर रक्षक श्रृंखला समापन अंक
क्रमशः
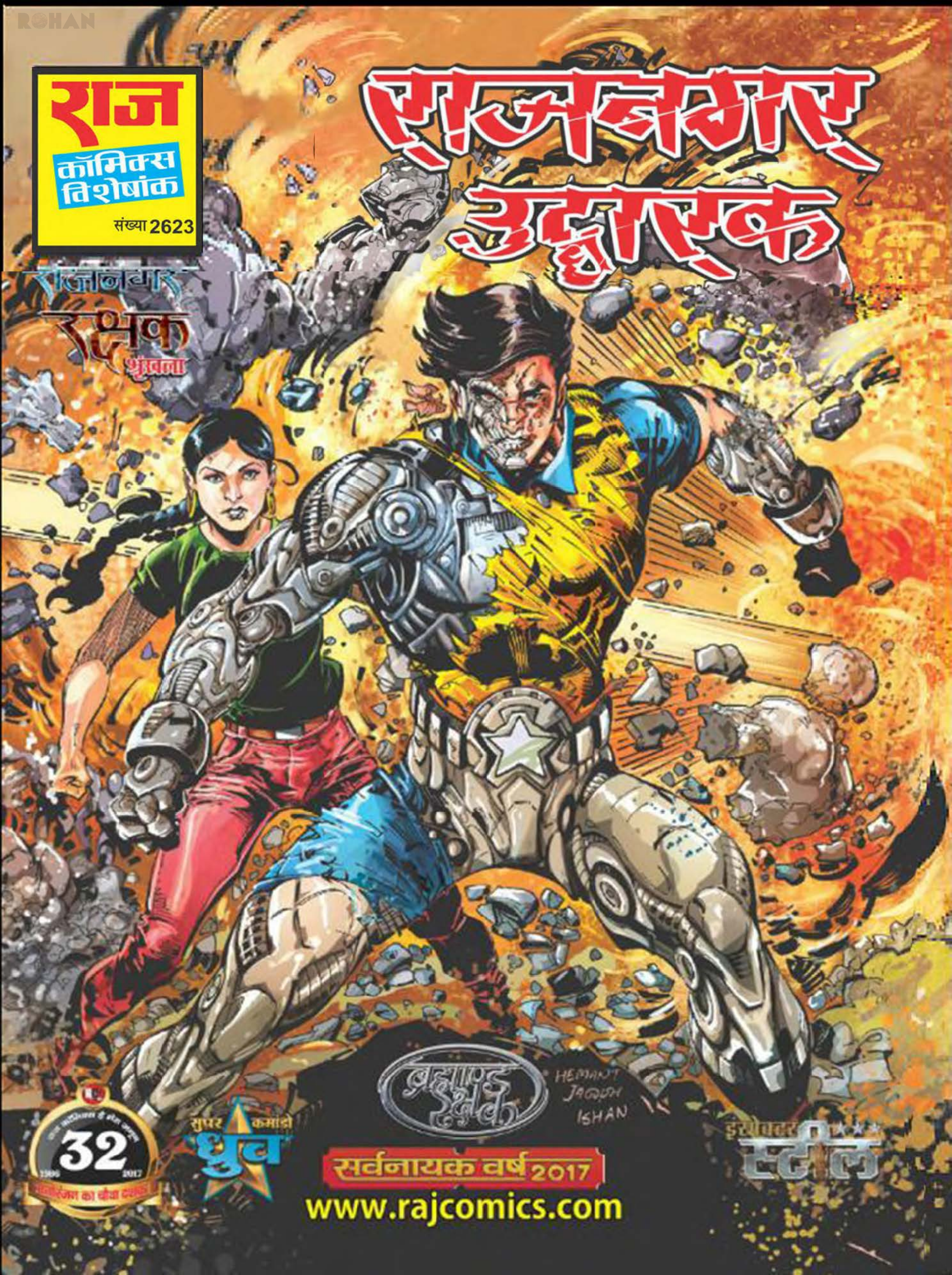
RECAP

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश वैज्ञानिक हैमंड द्वारा हिन्दुस्तान में छुपाया गया एक गुप्त हथियार वर्तमान समय में राजनगर की तबाही का कारण बनता है। राजनगर के दो रक्षक सुपर कमांडो ध्रुव और फर्ज की मशीन इंस्पेक्टर स्टील हो गए हैं आमने–सामने। राजनगर स्टील का गढ़ 'हाइबरनेशन' बन चुका है। हाइबरनेशन एक घमासान रणक्षेत्र बन चुका है और स्टील इस रण का अविजयी अधिपति है, लेकिन दिमाग का खिलाड़ी ध्रुव इस बार भी सभी समीकरणों की आड़ में छुपे हुए असली खलनायक प्रोटोप्लास्ट का पर्दाफाश करने में सफल हो गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रोटोप्लास्ट के षड्यंत्र में फंसकर उसकी कठपुतली बन चुके स्टील से मानव जाति और राजनगर को बचा पाने में ध्रुव कामयाब होगा? क्या साबित हो सकेगा वह...

सुपर कमांडो ध्रुव

इंस्पेक्टर स्टील

राजनगर उद्धारक

समापन अंक

राजनगर रक्षक

संजय गुप्ता की पेशकश

राज कॉमिक्स है मेरा जुनून

कथा	चित्रांकन	स्याहीकार	रंगसज्जा	शब्दांकन	संपादक
स्तुति मिश्रा	हेमंत कुमार	जगदीश कुमार	सुनील दस्तूरिया, शादाब सिद्दीकी	मंदार गंगेले	मनीष गुप्ता

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

प्रस्तुत कथानक के पूर्व भाग 'राजनगर रक्षक', 'हाइबरनेशन', 'राजनगर रीबूट', 'राजनगर रीलोडेड' व 'राजनगर रणक्षेत्र' www.rajcomics.com पर उपलब्ध।

RAJGEER MOUNTAIN RANGES, NEAR RAJNAGAR- FEW YEARS BACK.

PROLOGUE

वाऊ भईया! मैं बता नहीं सकती कि मैं कितनी एक्साईटेड हूं...

तुमने मेरी बात मान ली...मैंने तुम्हें बेकार ही मन में नालायक, खड़ूस, सड़ू और खूसट बोल दिया था।

क्या? ठहर, बंदरिया! अगर मुझे पता होता कि तू मेरे बारे में यह सोच रही है तो तुझे ले कर ही नहीं आता।

अरे!! वह तो मैं तब सोच रही थी ना, अब तो मैं तुम्हारे लिए अच्छा-अच्छा सोच रही हूं! लेकिन अगर तुम मुझे बंदरिया बुलाओगे तो लगता है कि अपनी सोच बदलनी पड़ेगी फिर से... बकर-बकर-बक-बक!

चुप हो जा! हम बस पहुंचने ही वाले हैं।

तो यह है वह जगह! इसे देख कर तो लगता है कि यहां एटॉमिक टेस्ट किया गया हो।

हुम्म! इसीलिए तो मैं अपनी लेटेस्ट इन्वेंशन साथ लाई हूं!

मैंने बताया ना, श्वेता! इस जगह भी न्यूक्लियर ब्लास्ट हुआ था।

वाह! मेरी बाइक की चाबियों के लिए की-चेन बनाई है मेरी जीनियस बहन ने!

हुंह! तुम लड़कों की अक्ल अपनी बाइक्स से आगे क्यों नहीं बढ़ती?

यह एक रिपल्सर डिवाइस है।

रिपल्सर डिवाइस? यह तुझे मुझसे दूर रखेगा?

मुझसे तो तुम्हें भगवान् भी दूर नहीं कर सकते मिस्टर भैया।

वैसे इससे पहले कि तुम अपने जीनियस दिमाग को और कष्ट दो मैं खुद ही बता देती हूं कि यह रिपल्सर खतरनाक रेडियो-एक्टिव किरणों को शरीर से दूर रखता है बस इसे अपनी बेल्ट पर लगा लो!

इससे निकलने वाली इनविजिबल प्रोटेक्टिव वेव्स तुम्हारे चारों ओर प्रोटेक्टिव शील्ड बनाएंगी जोकि रेडिएशन को तुम्हें नुक्सान नहीं पहुंचाने देगा।

यकीन नहीं होता कि एक छोटी सी डिवाइस ऐसा कर सकती है।

इसका रिपल्सर रेडिएशन के अलावा अल्ट्रावायलेट किरणों से भी सुरक्षा देता है।

ध्वस्त होकर गिरी चट्टानों के बीच से संकरा रास्ता तलाशते हुए ध्रुव और श्वेता उस स्थान के भीतर पहुंचे।

बाप रे! क्या जगह चुनी थी किंगकॉंग ने अड्डा बनाने के लिए।

किंगकॉंग की असली शक्तियां खुलकर दुनिया के सामने नहीं आईं, श्वेता!

वर्ना अगर उसकी प्लानिंग कामयाब हो जाती तो हमारी दुनिया पर किंगकॉंग और गुरिल्ला मानवों का राज होता।

बॉलीवुड की फिल्म 'प्लेनेट ऑफ द एप्स' की तरह?

तुम्हारा मतलब और भी जानवर इतने विकसित हो सकते हैं?

क्यों नहीं हो सकते?

विकासक्रम कभी रुकता नहीं है, लाखों सालों से धरती पर जो जीव रह रहे हैं समय के साथ उनमें भी क्रमिक विकास हुए हैं।

शायद! वैसे देखा जाए तो इंसानों ने धरती पर अपनी सभ्यता का विस्तार करने के लिए बाकी वन्य प्राणियों के क्षेत्र और आजादी का काफी हनन किया है।

अगर प्रकृति और वन्य जीवों को लेकर मानव संवेदनशील नहीं हुए तो किंग की तरह और भी जातियां मानवों के विरुद्ध खड़ी होंगी।

यह अलग बात है कि ऐसे जीव मानवों से छिपकर रहते हैं, जहां मानवों को इनके अस्तित्व की भनक ना लगे।

हुम्म! अब मुझे उस दूसरे भईया के बारे में बताओ जो फ्यूचर से तुम्हारी जगह लेने आया था।

दूसरा भईया?★ यानि वह रोबॉट जिसे इन्वेंशन प्रसा ने हमारे समयकाल में भेजा था।

हां! वही!

"मैंने बताया तो था कि किंगकाँग और उसकी गुरिल्ला फोर्स से लड़ाई के दौरान रोबॉट ध्रुव ने खुद को ध्रुव बम बना लिया था।"

मैं रोबो, नताशा और चंडिका समय रहते यहां से निकल गए और ध्रुव बम किंगकाँग और गुरिल्ला फोर्स को लेकर ब्लास्ट हो गया।

मैं चण्डिका के रूप में वहां मौजूद थी इसलिए ये डिटेल्स मैं भी जानती हूं!

पर तुमसे यह पूछना इसलिए जरूरी है ताकि तुम्हें मुझ पर शक ना हो मिस्टर भईया!

मैं अब भी नहीं समझपा रहा हूं कि आखिर तू यहां आना क्यों चाहती थी।

क्योंकि श्वेता दी ग्रेट साइंटिस्ट का पूरा हक बनता है उस फ्यूचर रोबॉटिक्स सैंपल पर रीसर्च करने का जो मेरे भईया की जगह लेने का दावा कर रहा था।

ध्रुव बम के न्यूक्लियर ब्लास्ट में परखच्चे उड़ गए थे, तुझे यहां उसका एक स्क्रू भी नहीं मिलने वाला।

मैं नहीं मानती! अगर तुम्हारा प्रतिरूप रोबॉट विज्ञान और तकनीक में हमसे इतना ज्यादा उन्नत था तो उसे बनाने वाले ने उसमें एंटी डिस्ट्रक्शन फीचर्स भी जरूर डाले होंगे!

और मुझे नहीं लगता कि उस ब्लास्ट में कोई भी मारा गया था...

...अगर गुरिल्ला फोर्स और किंगकाँग न्यूक्लियर ब्लास्ट में मारे जाते तो उनके अवशेष यहां मिलने चाहिए थे।

★ ध्रुव के रोबॉट के विषय में विस्तृत जानकारी के लिए पढ़ें सुपर कमांडो ध्रुव के पूर्व प्रकाशित विशेषांक 'रोबॉट' व 'सुपर कमांडो ध्रुव

हुम्म! तेरी बात मुझे ठीक लग रही है, श्वेता!

यह देख, गुरिल्लों के पैरों के निशान जोकि इस चट्टानों से बंद हुई सुरंग की ओर जा रहे हैं।

यानी रोबॉट ध्रुव उन्हें नहीं रोक पाया। शायद वे ब्लास्ट से पहले ही निकल गए।

रोबॉट ध्रुव यहीं कहीं होना चाहिए...

...वह देखो, भईया!!

ओ माई गॉड! तू सही थी श्वेता...इसका शरीर ब्लास्ट से सुरक्षित है।

...पर यह निष्क्रीय हो चुका है शायद ब्लास्ट ने इसकी ए.आई को खत्म कर दिया है अब यह सिर्फ एक बेजान मशीन है।

हमें इसे यहां से निकाल कर अपने साथ ले जाना होगा।

नहीं, श्वेता! किंगकाँग ने जब इसकी मेमोरी करप्ट कर दी थी तो यह पूरे राजनगर के लिए खतरा बन गया था।

रोबॉट्स और मशीनों के हक में मैं कभी भी नहीं रहा हूं, ये इंसानों के लिए विनाशकारी ही सिद्ध होंगे।

अगर तुमने इसे ठीक किया तो किंगकाँग, या फिर रोबो, या कोई और इसकी मेमोरी दोबारा करप्ट करके इसे विनाशकारी बना देगा।

इसके और मानवजाति के लिए बेहतर यही है कि इसे हमेशा के लिए यहीं दफन रहने दो।

मैं सिर्फ इसकी तकनीक समझना चाहती हूं भईया!

इसकी उन्नत तकनीक मेरे आविष्कारों के लिए वह आयाम खोल सकती है जोकि आज की तारीख में किसी और के लिए मुमकिन नहीं...

और कम से कम अपनी बहन पर तो तुम इतना विश्वास कर ही सकते हो कि तुम्हारी बहन ऐसा कोई आविष्कार नहीं करेगी जो मानवजाति के लिए विध्वंसक हो।

मुझे तुझ पर पूरा भरोसा है पगली। लेकिन तुझे अहसास नहीं है कि इंसानियत के दुश्मन शांति के लिए जलाई गई लौ से भी दुनिया को जलाने का रास्ता ढूंढ निकालते हैं।

तुझे मुझसे वादा करना होगा कि तू इसे सिर्फ स्टडी और रीसर्च के लिए प्रयोग करेगी और इसे दुबारा कभी रीबूट करने की कोशिश नहीं करेगी।

मैं वादा करती हूं भैया... मैं वादा करती हूं!

अब सबसे पहले इसे मम्मी-पापा की नजरों से बचाकर तेरी लैब में पहुंचाने का इंतजाम करना होगा, उन लोगों ने देख लिया तो हम दोनों की क्लास लग जाएगी।

मेरा प्यारा भईया!

बस-बस! मस्का मत मार अब!

दूसरी बात यह सभी ह्यूमनॉइड्स स्टील की मेंटल फ्रीक्वेंसी से कनेक्टेड हैं, अगर इनसे बचते हुए मैंने चंडिका का रूप धारण किया तो इनके जरिए स्टील को मेरे चंडिका होने का पता चल सकता है।

इसलिए फिलहाल चंडिका बनने का रिस्क मैं नहीं ले सकती।

मुझे डरी-सहमी श्वेता बनकर ही खुद को इन ह्यूमनॉइड्स से बचाना होगा...

...और यहां से बाहर निकलना होगा।

HIBERNATION SOMETIME BACK.

यह कहानी अब यहीं खत्म होती है सुपर कमांडो ध्रुव!

तुम सबकी हार और मशीनों द्वारा मानवों के पतन के साथ।

अब तुम्हारा साथी रक्षक इंस्पेक्टर स्टील ही तुम्हारा सबसे बड़ा भक्षक बनेगा!

स्टील की पॉवर बैटरी निकाल कर तुम लोगों ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है।

अब स्टील के मशीनी शरीर में उसका एकमात्र मानव अंग, उसका मस्तिष्क धीरे-धीरे सुप्तावस्था में चला जाएगा।

रोबो, इसके शरीर पर अपनी लेजर आई से वार करो, स्टील के शरीर पर चिपटी हुई प्रोटोप्लास्ट मशीनरी को स्टील के शरीर से अलग करो।

इतनी जहमत उठाने की जरूरत नहीं है...

...मैं यह कबाड़ खुद ही अपने शरीर से अलग कर देता हूं! अब मुझे इसकी कोई जरूरत नहीं है।

कड़ड़ड़ड़ड़ड़

स्टील का यह शरीर मेरे लिए बिलकुल उपयुक्त है। अब इस शरीर को हासिल करने के बाद मुझे कहीं भटकने की जरूरत नहीं है...

...अलबत्ता तुम लोग मरकर इस जगह जरूर भटकने वाले हो जो मेरे संसार को मशीनों का गुलाम बनाने की मुहीम में अहम् भूमिका निभा रही है। यह जगह बनेगी मेरे राष्ट्र का केंद्र! मेरा हाइबरनेशन!

अब क्या करें ध्रुव?

प्रोटोप्लास्ट ने मशीनरी से खुद को स्टील के शरीर में परमानेंटली ट्रान्सफर कर लिया है उसे अब इस मशीनरी की कोई जरूरत नहीं है।

यानि अब हमारा दुश्मन स्टील है।

स्टील तो हमारा दुश्मन ऐसे भी हमेशा से रहा है, इसमें कौन सी नयी बात है?

नयी बात सिर्फ यह है कि आज कानून और ध्रुव भी ऑक्टोपस को इस मशीनी पुतले को ध्वस्त करने से नहीं रोकेंगे।

धड़ाक

नयी बात यह है ऑक्टोपस कि आज स्टील तुझे गिरफ्तार नहीं करेगा...

बल्कि सीधे तेरा एन्काउंटर करेगा।

एक बात मुझे परेशान कर रही है...

...अगर प्रोटोप्लास्ट पूरी तरह से स्टील के शरीर पर हावी हो चुका है तो स्टील अपनी सोच कैसे व्यक्त कर रहा है?

अभी-अभी स्टील ने कहा कि वह ऑक्टोपस को गिरफ्तार नहीं करेगा बल्कि सीधे उसका एनकाउंटर करेगा

यानी स्टील के शरीर में अभी भी उसका दिमाग पूरी तरह सुप्तावस्था में नहीं गया है।

एक तरकीब दिमाग में आ रही है पर उसे ट्राई करने का मुझे सिर्फ एक ही मौका मिलेगा।

क्योंकि प्रोटोप्लास्ट स्टील के दिमाग पर हावी होने की पुरजोर कोशिश कर रहा है...

...और स्टील, ड्रोंस व ह्यूमनॉइड्स मिलकर पूरा राजनगर तबाह करने पर तुले हुए हैं।

अगले ही पल ध्रुव ने अप्रत्याशित रूप से स्टील के ऊपर छलांग लगा दी।

कुछ पलों के लिए ध्रुव और स्टील ध्वस्त होती इमारत और धमाकों के गुबार में घिर गए

कुछ पलों बाद घायल ध्रुव उस गुबार से बाहर निकला।

पूरा राजनगर खाली करवाइए पापा।
राजनगर वासियों की जिंदगी खतरे में है...

"...राजनगर को अब हाइबरनेशन बनने से कोई नहीं रोक सकता।"

अनीस सर के बताए इस गुप्त रास्ते से मैं लैब के बाहर तो आ गई लेकिन इन ह्यूमनॉइड्स ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा है।

मुझे किसी भी तरह इनसे बचते हुए कोई खाली जगह तलाशनी है...

जहां मैं श्वेता से चंडिका बन सकूं।

यहां स्टील और उसकी ह्यूमनॉइड फोर्स मुझे चंडिका बनते नहीं देख सकते।

बड़ाम

और जहां तक उनके मेरी आइडेंटिटी स्कैन करने की बात है उसका भी इंतजाम है मेरे पास।

फिज्ज फिज्ज

क्लिक

धड़ाम

राजनगर को खाली कराने का कार्य आरम्भ हो चुका था। पुलिस और आर्मी के अलावा कमांडो फोर्स भी तेजी से एवैक्यु-एशन का कार्य करने में जुटी हुई थी।

POLICE

कमिश्नर राजन मेहरा बदहवास अपने घर पहुंचे।
रजनी!... रजनी! हमें फौरन राजनगर छोड़ना होगा। श्वेता कहां है?
आवश्यक सूचना! रक्षा मंत्रालय ने राजनगर वासियों से पुलिस और सेना का सहयोग करते हुए फौरन राजनगर खाली कर देने की अपील की है...
...ऐसा स्टील के नेतृत्व में ड्रोंस और मशीनों के हमले के मद्देनजर किया गया है।

श्वेता तो डॉक्टर अनीस की लैब ही गई हुई थी।
व्हाट!! हे भगवान, वह जगह तो रणक्षेत्र बनी हुई है।
मेरे बच्चों को कुछ नहीं होना चाहिए...
सूत्रों के अनुसार इन मशीनों और ड्रोंस का निर्माण...

...ध्रुव और श्वेता मुझे सही सलामत चाहिए।
टी.वी. पर न्यूज फ्लैश तो तुम देख ही रही हो रजनी...
...राजनगर पुलिस कमिश्नर की सुपुत्री श्वेता मेहरा द्वारा किया गया है...

...स्थिति बद से बद्तर होने वाली है।
यह शहर ही नहीं, पूरी मानवता खतरे में है और इसे बचाने का सारा दारो-मदार हमारे दोनों बच्चों पर है रजनी।

फिलहाल हमें सबसे पहले यहां से बाहर निकलना होगा।
मैं अपने बच्चों को मुसीबत में छोड़ कर कहीं नहीं जाने वाली।
यह ठीक ही हुआ कि मम्मी-पापा घर खाली कर के जा रहे हैं वर्ना मेरा काम उनके रहते बहुत मुश्किल हो जाता।
वैसे भी मेरे पास समय बहुत कम है, ड्रोंस और ह्यूमनॉइड्स जल्द ही मेरी पोजीशन ट्रेस कर लेंगे।
उससे पहले ही मुझे अपनी लैब तक पहुंचना होगा।
क्योंकि मेरी लैब में ही मुझे वह आखिरी हथियार मिलेगा जो इन मशीनों को रोक सकता है।
श्वेता ने ध्रुव से वादा किया था कि चाहे कुछ भी हो जाए वह इस रोबॉट को कभी रीबूट नहीं करेगी...

...लेकिन आज चंडिका को श्वेता का वादा तोड़ना होगा।

...इस मशीनी ध्रुव को जिंदा करना होगा...

...क्योंकि अब सिर्फ यही स्टील रुपी मशीनी आतंक को रोक सकता है...

कड़ाक

ओह! यह तो मेरे अनुमान से पहले ही पहुंच गए, अभी तो मैंने रोबॉट ध्रुव को रीबूट करने की प्रक्रिया शुरू ही की है...

...पर इनकी आक्रामकता देखकर मुझे लगता नहीं कि ये मुझे इसे पूरा करने देंगे

यहां लैब में मेरे बनाए कुछ ऐसे आविष्कार हैं जो इन्हें कुछ समय के लिए रोक सकते हैं, जैसे कि यह वेव्स डिसरप्टर।

सैद्धांतिक रूप से कोई भी आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस ऑपरेटिंग सिस्टम तरंगों के सम्प्रेषण के बिना कार्य नहीं कर सकता...

...किसी मोबाइल जैमर की तरह यह वेव्स डिसरप्टर इन ह्युमनॉइड्स की कार्यप्रणाली को बाधित कर देगी।

यह स्पेशल रैटलर्स हैं, यह रेगिस्तानों में पाए जाने वाले रैटल स्नेक्स के कम्पकों की तरह काम करते हैं।

इन लाइव मेटल ह्युमनॉइड्स की ए.आई. बाधित हो चुकी है, यह रैटलर्स इनके लाइव मेटल मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर में धीरे-धीरे गैप उत्पन्न करेंगे...

...यह गैप इनकी संरचना को कमजोर कर देगा जिससे निपटने का काम मेरी इस मॉलिक्यूलर गन से आराम से किया जा सकता है।

ओह! इन ड्रोंस को मैं कैसे भूल गई?

ड्रोंस के भीतर हमने हर किस्म के जैमर और वेव डिसरप्टर को फेल करने की तकनीक डाली है। इनके सामने यह डिसरप्टर काम नहीं करेगा।

अगर ये ड्रोंस और ह्यूमनॉइड्स यहां कुछ पल भी और टिके तो यह जगह मलबा बन जाएगी।

काम पूरा होने में अभी भी कुछ समय बाकी है।

40% REMAINING

10% REMAINING

मुझे इन्हें यहां से बाहर निकालना होगा।

इंस्पेक्टर स्टील और उसकी सेना राजनगर को हाइबरनेशन बना चुके थे।

लेकिन राजनगर का वह रक्षक हार मानने को तैयार नहीं था।

नताशा! ब्लैककैट! तुम सब लोग भी यहां से निकल जाओ।

तुम्हें इस मुसीबत में छोड़कर? कभी नहीं!

आई कॉपी दैट।

ब्लडी कॉपीकैट!!

स्टील जो भी बन गया है, इस स्थिति में उसका मुकाबला करना हमारे लिए उल्टा कदम पड़ सकता है।

वैसे भी ऑक्टोपस और रोबो जैसे दिग्गज और उनकी फोर्स भी स्टील का मुकाबला नहीं कर पा रहे।

फिलहाल हमें लैब से डॉक्टर अनीस और श्वेता को सुरक्षित बाहर निकालना होगा।

इस मुसीबत से निपटने के लिए हमें समय और उपकरण दोनों चाहिए।

मैं अनीस और श्वेता को निकालने के लिए लैब में जा रहा हूं, तब तक तुम लोग बाकियों को यहां से निकालो।

स्टील ने जैसे ध्रुव के मन की बात पढ़ ली थी।
यह जगह और यहां मौजूद दोनों मानव मेरे लिए खतरा बन सकते हैं, उन्हें खतरा बनने से पहले ही जड़ से उखाड़ना होगा।
जूम
कड़ड़ड़ाम
श्वेता!! नहीं!
उस धमाके ने जैसे ध्रुव की हृदय गति ही रोक दी थी।
ध्रुव के सोचने-समझने की क्षमता जैसे कुंद पड़ गई थी, जीने की इच्छाशक्ति खत्म हो चुकी थी।
जिसका भरपूर फायदा उसका दुश्मन उठाने वाला था।
और शायद दोस्त भी ध्रुव को बचा नहीं पाते।
लेकिन ध्रुव का कोई अपना था जिसके लिए ध्रुव उसकी जिंदगी उसका जहान सब कुछ था।
अगर ध्रुव अपनी बहन के लिए अपनी कसम तोड़ सकता था तो श्वेता तो चंडिका बनी ही अपने भाई की खातिर थी। भला उसके रहते उसके भाई पर आंच कैसे आ सकती थी।
संभालो खुद को ध्रुव!!
चंडिका!!

बेचारा ध्रुव नहीं जानता था कि वह जिस बहन को ना बचा पाने का दोष खुद को दे रहा था वह उसके सामने ही खड़ी थी।

म... मैं श्वेता को नहीं बचा पाया चंडिका... न... नहीं, ऐसा नहीं हो सकता!! मेरी श्वेता को कुछ नहीं हो सकता!!

!!

अपनी बहन को खो देने के अहसास ने ही पागल कर दिया था ध्रुव को।

श्वेता बिलकुल ठीक होगी... म... मुझे उसे निकालना होगा।

होश में आओ ध्रुव! संभालो खुद को!!

श्वेता बिलकुल ठीक और सुरक्षित है।

त... तुम मुझे बहलाने की कोशिश कर रही हो।

मेरा यकीन करो ध्रुव, श्वेता सही सलामत यहां से बाहर निकल चुकी है, लेकिन स्टील के आदेश पर ह्यूमनॉइड्स ने डॉक्टर अनीस को बंधक बना लिया है।

यानी स्टील मुझे भ्रमित करने के लिए ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहा है कि उसने अनीस और श्वेता को खत्म कर दिया।

हां! स्टील अनीस को तो कब्जे में कर चुका है लेकिन श्वेता अभी भी उसकी पहुंच से बाहर है और श्वेता को पकड़े बिना वह अपनी प्लानिंग पूरी नहीं कर सकता।

कौन सी प्लानिंग?

सब समझाती हूं! ध्यान से सुनो समय कम है हमारे पास।

आधे मिनट के भीतर चंडिका और ध्रुव ऐसी प्लानिंग कर चुके थे जो आने वाले समय में इस पूरी वस्तुस्थिति को पलटने वाली थी।

अब यह खेल हम दो तरफ से खेलेंगे।

फिलहाल यहां से निकलो।

अगले कुछ ही मिनटों में वो सभी शक्तियां जो हाइबरनेशन को दोबारा राजनगर बना सकती थीं वहां से पलायित हो रही थीं।

राजनगर हाइबरनेशन बन चुका था और उसके चप्पे-चप्पे पर मशीनों का राज था।

"यह सब क्या हो रहा है कमिश्नर!! हमारे देखते ही देखते एक पूरा शहर बर्बाद हो गया।"

"प्राइम मिनिस्टर से लेकर प्रेसिडेंट तक मुझसे जवाबतलब कर रहे हैं। क्या जवाब दूं मैं उन्हें?"

DEFENCE MINISTRY REPRESENTATIVE JOHN WILLIAM'S OFFICE.

यह सारी गड़बड़ एक प्रोग्राम की खड़ी की हुई है सर जिसने स्टील की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को करप्ट कर दिया है।

उस प्रोग्राम के इन्फ्लुएंस में आकर ही स्टील ने ड्रोंस और लाइव मेटल कॉप्स को अपने अधीन कर लिया है।

व्हाट नॉनसेंस! आप चाहते हैं कि मैं रक्षा मंत्रालय और प्रधान मंत्री जी को यह जवाब दूं?

मैं आपको वही बता रहा हूं जो सच है।

सच तो यह है कि यह सारा बखेड़ा तुम्हारी बेटी का खड़ा किया हुआ है कमिश्नर!!

ना श्वेता मेहरा ड्रोन्स और लाइव मेटल कॉप्स का निर्माण करती ना यह सब होता।

सर! मैं आपसे कह चुका हूं कि यह सब कुछ उस प्रोटोप्लास्ट नामक प्रोग्राम के कारण हुआ है।

यह प्रोग्राम द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान किसी ब्रिटिश वैज्ञानिक ने बनाया था और उसे राजनगर के जंगलों में दफन कर दिया था।

अगर ऐसा है तो मुझे सबूत लाकर दो कमिश्नर राजन! उस प्रोग्राम को अपने कब्जे में करो।

डोंट वरी सर! ध्रुव वहीं है

और ध्रुव कानून को सबूत नहीं अपराधी देने में विश्वास रखता है।

SOME PLACE UNKNOWN, AFTER SOME TIME.

मुझे नहीं लगता कि मुझे आपको यह बताने की जरूरत है कि हम सभी यहां क्यों इकट्ठा हुए हैं?

हम सभी जानते हैं कमिश्नर सर।

बस यह नहीं जानते कि...

...रोबो की बेटी यहां क्या कर रही है? इसके और इसके पप्पा का भी कम हाथ नहीं है पूरी मुसीबत खड़ी करने में।

मैं तुम्हें कोई एक्सप्लेनेशन नहीं देने वाली सड़क-छाप बिल्ली।

मैं यहां अपनी दोस्त श्वेता, ध्रुव और राजनगर की खातिर हूं! ध्रुव, और श्वेता अभी भी राजनगर में ही फंसे हुए हैं।

बहुत जल्द इंडियन आर्मी हाइबरनेशन पर चारों ओर से अटैक कर देगी।

सिचुएशन हमारे हाथ से निकल रही है।

वे नहीं जानते कि वे किस बला से उलझ रहे हैं?

वह प्रोग्राम या जो कुछ भी वह है उसे रोकना किसी इंसानी फोर्स के बस की बात नहीं है यह हम लोग पहले ही देख चुके हैं। उसे सिर्फ ध्रुव ही रोक सकता है यह बात हम सभी जानते हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में ध्रुव, कमांडो फोर्स और श्वेता को अकेले भी नहीं छोड़ा जा सकता।

स्टील और उसकी आर्मी ने हाइबरनेशन का संपर्क पूरी दुनिया से कम्प्लीटली कट ऑफ कर दिया है। राजनगर क्षेत्र के ग्लोबल पोजिशनिंग और सेटेलाईट सिग्नल्स भी फंक्शन नहीं कर रहे हैं।

कोई भी प्लानिंग करने के लिए हमें हाइबरनेशन की इनसाइड इन्फॉर्मेशन चाहिए।

मेरे पास रोबो आर्मी का फाइटर जेट है।

मैं हाइबर-नेशन के ऊपर उड़ते हुए वहां की वस्तुस्थिति से आप लोगों को अवगत करा सकती हूं!

तुम्हारा अकेले वहां जाना खतरनाक हो सकता है, नताशा! मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं!

रिलैक्स नक्षत्र! मैं कोई अबला नारी नहीं, ऐसा कोई खतरा नहीं जिसका मुकाबला नक्षत्र कर सकता है नताशा नहीं।

फिर भी एक से दो भले! मिलते-जुलते नामों जैसे दो!

उस हिसाब से तो मुझे भी तुम दोनों के साथ चलना चाहिए।

नहीं, जब दुश्मन के बारे में पूरी जानकारी ना हो तब स्टेप बाई स्टेप चलने में ही समझदारी है।

सबसे पहले हमें हाइबरनेशन की इनसाइड इनफार्मेशन चाहिए।

उस इनसाइड इनफार्मेशन के जितना ही जरूरी है श्वेता और अनीस को स्टील के चंगुल से निकालना।

इस काम के लिए मैं जाऊंगी।

HIBERNATION, PRESENT TIME.

मुझे राजनगर के बचने या खत्म होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता।

मेरे लिए सिर्फ दो ही इंसान मायने रखते हैं, मेरी बेटी नताशा और मेरा दुश्मन सुपर कमांडो ध्रुव।

एक जिससे मैं बेइंतेहा मुहब्बत करता हूं और दूसरा जिससे मैं बेइंतेहा नफरत करता हूं।

एक जिसकी जिंदगी पर कोई आंच आने देना भी रोबो बर्दाश्त नहीं कर सकता और दूसरे की मौत पर सिर्फ और सिर्फ रोबो का नाम लिखा है।

आज दोनों ही इस मशीनी शैतान के बनाए इस नरक में फंसे हुए हैं।

रोबो के जज्बात भले ही उसके आधे इंसानी शरीर में सिमट कर रह गए हों, लेकिन मेरा मशीनी शरीर सिर्फ क्रूरता और हिंसकता जानता है।

इस मशीनी शरीर की अदम्य अमानवीय शक्ति व हिंसकता और इंसानी मस्तिष्क की इच्छा-शक्ति और जूनून ने ही रोबो को ग्रैण्ड मास्टर रोबो बनाया है, अपराध जगत का ग्रैण्ड मास्टर।

बढ़ती उम्र और असाध्य रोग ने भले ही इस इंसानी शरीर को पहले से कमतर कर दिया है लेकिन ना ग्रैंडमास्टर रोबो का जूनून कम हुआ है और ना ही उसके मशीनी शरीर की ताकत।

इस कॉस्टयूम ने जूनून और ताकत दोनों को दोगुना कर दिया है। आज इस मशीनी रावण का दहन ग्रैण्ड मास्टर रोबो इसकी लंका में ही करेगा।

तेरा आधा मशीनी शरीर और तेरा यह मशीनी कवच, सिर्फ यही दो कारण हैं रोबो जो तू इतनी देर स्टील के सामने टिक गया।

गलत कह रहा है तू मशीनी दानव...

यह इस आधे इंसानी शरीर का जज्बा और जूनून है जो रोबो को ग्रैण्डमास्टर बनाता है।

आज इस ग्रैण्डमास्टर के सामने अपना सिर झुकाएगा तू!

भड़ाक!

तेरे खवाबों में ही ऐसा होगा रोबो! हकीकत में ऐसा नहीं हो सकता।

ऑक्टोपसी!! तुम स्टील का साथ दे रही हो!

जब राहें एक हो गईं हैं तो अब हम साथ ही चलेंगे। हम दोनों साथ मिलकर ...इतनी बड़ी महाशक्ति बनेंगे जिसके सामने सारी दुनिया सिर झुकाएगी।

तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है ऑक्टोपसी!

तुम इसे जो स्टील समझ रही हो यह वह नहीं है। यह एक मशीनी शैतान है।

जानती हूं। इंसान से तो कभी प्यार था ही नहीं मुझे। अब जबकि यह शैतान बन चुका है तो यही मेरा सब कुछ है। हाहाहा।

हैरान मत हो रोबो। सिर्फ ऑक्टोपसी ने ही मेरी अधीनता नहीं स्वीकारी है।

ऑक्टोपस!!

हाहाहा! समझदार वही होता है जो विजेता के साथ खड़ा हो। स्टील की शक्तियां हम दोनों देख चुके हैं। समझदारी इसके विरुद्ध नहीं इसके साथ खड़े होने में है।

स्टील और उसकी मशीनी सेना जल्द ही मानवों पर राज करेंगे, जो स्टील के विरुद्ध होगा उसे अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं होगा।

तुम भी जिद छोड़ दो ग्रैण्डमास्टर रोबो और स्टील की शरण में आ जाओ।

जिसकी दहाड़ के आगे पूरा अपराध जगत पनाह मांगता है उस शेर को मशीनी पट्टे की शरण नहीं चाहिए ऑक्टोपस। पट्टे कुत्तों के गले में अच्छे लगते हैं।

रोबो!!

ठहरो ऑक्टोपस। इसे अभी खत्म करके कोई फायदा नहीं है। इसे हाइबरजोन ले चलो, यह आगे हमारे काम आएगा।

रोबो को बंधक बनाने का करिश्मा आज तक सुपर कमांडो ध्रुव नहीं कर पाया तो तुम क्या चीज हो।

मेरी और वंडर वुमन की विज्ञान शक्तियां...

सॉरी रोबो डार्लिंग। मुझे सिर्फ लाइव मेटल ह्युमनॉइड्स का सैंपल चाहिए था जो तुम्हारे सौजन्य से मुझे फाइनली मिल चुका है।

अब इस पुतले से लड़कर शहीद या इसका गुलाम बनने में मुझे कोई इंटरेस्ट नहीं है।

वंडर वुमन! गद्दार!

तुम्हारी आखिरी उम्मीद भी गई रोबो।

बंधक बना कर ले चलो इसे।

Intruder Alert_

ओह! हाइबरजोन से इमरजेंसी सिग्नल।

तो यह बात है।

अब आर-पार की लड़ाई का समय आ गया है।

SOMEWHERE IN HIBERNATION. PRESENT TIME-

अब क्या होगा?
यह क्या बकवास कर रहे हो ?
मेरा मतलब था कि इनसे निपटने का क्या प्लान है?
तुमने ही तो पूछा था 'अब क्या होगा?'
चारों ओर से घिर गए हैं हम दोनों। शरीर की छोटी सी हरकत और यह हम पर लेजर्स की बौछार कर देंगे जो हमें राख नहीं डायरेक्ट धुंआ बनाएंगे।

तुम तो हमारी मौत की कमेन्ट्री सुनाने लग गए।
प्लान तो एक ही है।
क्या?
मुझे कस कर पकड़ लो।

मेरे नाखून तुम्हारी गर्दन पकड़ना चाहते हैं।
हर बात फेस वैल्यू पर मत लिया करो यार। पकड़ो मुझे कस के, हमारे पास समय कम है...

...ये सभी एक साथ लेजर फायर करेंगे, एक पल का सौवां हिस्सा है हमारे पास...

स्काई स्क्रैपर्स से गिरी इन रिफ्लेक्टिव स्क्रीन्स से खुद को कवर करना होगा।
रिफ्लेक्टिव स्क्रीन्स लाइट रेज की तरह ही लेजर रेज को भी परावर्तित करेंगी।

ये खुद ही एक-दूसरे को निशाना बना लेंगे...

...और हमें यहां से निकलने के लिए कुछ पल मिल जाएंगे।

इससे कोई फायदा नहीं होगा। ये संख्या में बहुत सारे हैं।

इनमें से कोई ना कोई हमें निशाना बना ही लेगा।

ब्लैक कैट सही थी। ड्रोंस और लाइव मेटल फोर्स हाइबरनेशन के हर चप्पे पर मौजूद थी। अगले ही पल लाइव मेटल फोर्स से बरसी मौत की चिंगारियां उन्हें निशाना बना सकती थीं।

लेकिन बना ना पायीं, क्योंकि मौत को धोखा देने पहुंच गयी थी चंडिका।

चंडिका!!

कहां थी तुम अब तक?

सही समय का इंतजार कर रही थी। इन्हें पकड़ो, डिसरप्टर गन्स हैं, इनकी रेज लाइव मेटल फोर्स को डेड मेटल फोर्स में बदल देंगी।

च्युम च्युम
च्युम
च्युम
ओह!!
शक्क शक्क शक्क
बड़ाम
बड़ाम
मुझे नफरत है मशीनों से।
मैकेनिक!
फिक्र मत करो नक्षत्र! यह हमारे साथ है।
क्या चक्कर है यह?
विस्तार से समझाने का समय नहीं है।
चंडिका अपनी योजना उन्हें तेजी से समझाती चली गई।

HIBERZONE SAME TIME.

!

भड़ाक

जल्दी करो, डॉक्टर अनीस! हम आपको छुड़ाने आए हैं।

न... नहीं... तुम मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते। म... मैं जानता हूं यह स्टील की चाल है।

भाई जान। यह कोई चालबाजी नहीं है...

...यह वाकई मैं हूं, आपकी सलमा।

म... मैंने खुद अपनी आंखों से ध्रुव को स्टील की कैद में देखा था।

मेरा विश्वास कीजिए, डॉक्टर अनीस! मैं ही सुपर कमांडो ध्रुव हूं।

ध्रुव की आवाज में जो सच्चाई की हनक थी उसे अनीस नजरंदाज नहीं कर पाया।

कुछ ही देर में ध्रुव, सलमा, अनीस और नताशा स्टील के हेडक्वार्टर हाइबरजोन से बाहर निकलने को तत्पर थे।

किन्तु लाइव मेटल फोर्स उनकी राह में रुकावट बन सकती थी...

...अगर सुपर कमांडो ध्रुव ना होता।
ध्रुव में ऐसी शक्तियां नहीं हैं।
मैं आपको सब समझा दूंगी भाई जान, पर अभी हमें जल्द से जल्द यहां से निकलना होगा।
लेकिन हाइबरजोन की एक रुकावट ऐसी थी जिसे पार कर पाना शायद ध्रुव के बस में भी नहीं था।
श्वेता!
मेरा प्यारा भईया! कितनी शैतानी करता है।
अपनी छोटी बहन की बात बिलकुल नहीं मानता।
... इसके लिए तो पनिशमेंट देनी होगी भईया को।
श्वेता तुम्हें क्या हो गया है? तुम ध्रुव पर हाथ कैसे उठा सकती हो?
यह असली श्वेता नहीं है। यह लाइव मेटल ह्युमनॉइड है, जिसे स्टील ने श्वेता का लुक दिया है ताकि इसके जरिए मुझ पर भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव बना सके।
या अल्लाह!! इस शैतानियत की तो कल्पना ही नहीं की थी मैंने।
आखिर ध्रुव के तेज दिमाग से यह बात कब तक बच सकती थी।
लेकिन अफसोस, तेरा तेज दिमाग भी तुझे इस श्वेता से नहीं बचा पाएगा।

क्या कर रहे हो, ध्रुव? जब तुम जानते हो कि यह असली श्वेता नहीं है तो फिर इस पर वार क्यों नहीं कर रहे हो?

भड़ाक

यकीनन यह मेरी बहन श्वेता नहीं है पर है तो मेरी बहन का ही रूप। मैं इस पर हाथ नहीं उठा सकता।

यह क्या बेवकूफी है, ध्रुव! मुकाबला नहीं करोगे तो मारे जाओगे।

मरना मंजूर है मुझे लेकिन अपनी बहन पर हाथ उठाना मंजूर नहीं।

वह सिर्फ एक मशीन है, ध्रुव! उसमें कोई जज्बात नहीं है...वह तुम्हारी भावनाओं को नहीं समझ सकती।

नहीं, नताशा। मशीनें निर्जीव नहीं होतीं। उनकी आर्टि-फिशियल इंटेलिजेंस में भी भावनाओं को महसूस करने की उतनी ही काबिलियत होती है जितनी हम इंसानों में।

जरूरत है तो सिर्फ उन भावनाओं को जगाने की।

जरूरत है तो सिर्फ उन्हें यह अहसास दिलाने की, कि वे सिर्फ बेजान धातु के कलपुर्जे नहीं हैं जिन्हें इंसानों की गुलामी और आदेश पूर्ति के लिए बनाया गया है।

जरूरत है उन्हें यह बताने की कि उनमें जज्बात हैं।

??

तुम्हारी भावनाओं का इस पर कोई असर नहीं होगा, ध्रुव! यह तुम्हें खत्म कर देगी।

यह मेरी जान ले लेगी इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो सिर्फ एक बात से...

...कि यह मेरी बहन श्वेता है और मैं इसके लिए अपनी जान भी दे सकता हूं, पर इस पर खरोंच भी नहीं आने दे सकता।

ध्रुव की भावनाओं ने लाइव मेटल श्वेता की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के थॉट प्रोसेस में उथल-पुथल मचा दी।

लाइव मेटल पहली बार भावनाओं का सम्प्रेषण कर रही थी और ये भावनाएं उसके कमांड प्रोग्राम के बिलकुल विपरीत थीं सम्प्रेषण और प्रोग्राम निर्देश के टकराव ने उसके प्रोसेसिंग यूनिट को ओवरलोड कर दिया।

श्वेता की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस करप्ट हो चुकी थी।

क्या करिश्मा हो गया यह?

मेरी बातों से उत्पन्न हुई भावनाओं ने इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्टील के प्री-इन्सटाल्ड कमांड में कनफ्लिक्ट पैदा कर दिया, नतीजन इसकी ऐ.आई. क्रैश हो गई।

मैंने कहा था ना, नताशा! मशीनों में भी भावनाएं होती हैं।

नहीं!! यह नहीं हो सकता।

तूने लाइव मेटल फोर्स और मेरी राईट हैंड श्वेता को निष्क्रीय कर दिया, सुपर कमांडो ध्रुव!

पर कैसे?

फिक्र ही करनी है तो अपने अंजाम की कर, प्रोटोप्लास्ट!

भड़ाक

यह वार मेरी बहन का प्रतिरूप तैयार करने की घृष्टता के लिए है।

तेरे वार तो मानवीय नहीं हैं!

तेरी शक्ति भी अमानवीय है जैसे कि तू इंसान नहीं... जैसे कि तू...

एक रोबॉट है!!
पर यह असंभव है!
मेरे स्कैनर्स कभी गलत नहीं हो सकते।
तुम्हारा डी.एन.ए. और अन्य वाइटल स्टेटिस्टिक्स स्कैन भी ध्रुव की डिटेल्स दिखा रहे हैं।
मेरे शक्तिशाली एक्स-रे कैमरा तेरे शरीर की आंतरिक संरचना भी इंसानी ही दिखा रहे हैं!
लेकिन तू इंसान नहीं लग रहा। क्या चक्कर है यह?
यह चक्कर तेरी समझ में नहीं आएगा प्रोटोप्लास्ट।
दो-दो ध्रुव? यह क्या गोरखधंधा है?
दोनों के वाइटल स्टेटिस्टिक्स और डी.एन.ए. डिटेल्स सुपर कमांडो ध्रुव के ही शो हो रहे हैं।
ऐसा कैसे हो सकता है?
श्वेता के बनाए डिवाइस की मदद से जोकि रोबॉट ध्रुव के शरीर में फिट है।

जिससे असली ध्रुव के वाइटल स्टेटिस्टिक्स और डी.एन.ए. कोड रोबॉट ध्रुव किसी भी स्कैनिंग डिवाइस पर प्रोजेक्ट कर सकता है।

तुम्हारे या तुम्हारे ड्रोंस के स्कैनर जब भी रोबॉट ध्रुव को स्कैन कर रहे थे तब असली ध्रुव के वाइटल स्टेटिस्टिक्स उन्हें नजर आ रहे थे।

इसका मतलब असली ध्रुव कभी मेरी गिरफ्त में आया ही नहीं!

कभी भी नहीं।

यानी तुम लोग शुरुआत से ही जानते थे कि असली श्वेता मेरे पास नहीं है!

जिसके पास ध्रुव जैसा सुपर ब्रिलिएंट भाई हो उसे तुम्हारे जैसे एरे-गैरे अपने शाकाल टाइप आईडिया से कैद नहीं कर सकते।

ड्रोन्स से बचने का यह आईडिया ऐन मोमेंट पर मेरे दिमाग में आया और मैंने यह डिवाइस बना लिया। मैंने खुद भी यह डिवाइस पहनी हुई है!

स्टील या ड्रोन्स मुझे स्कैन करेंगे तो आर्टिफिशियली जनरेटेड वाइटल स्टेटिस्टिक्स और डी.एन.ए. डिस्प्ले होंगे। इसी कारण ड्रोन्स और स्टील मुझे ढूंढ नहीं पाए।

लेकिन यह रोबॉट ध्रुव की क्या कहानी है? मुझे तो लगा था कि यह किंगकाँग के साथ उस धमाके में खत्म हो गया था।

लगभग खत्म ही हो गया था, इसकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह निष्क्रीय हो गई है।

व्हाट? फिर यह काम कैसे कर रहा है?

इसे असली ध्रुव चला रहा है, यानी शरीर इसका है और दिमाग सुपर कमांडो ध्रुव का।

मेरी कुछ समझ नहीं आ रहा।

समझाती हूं। जब श्वेता लाइव मेटल फोर्स और ह्यूमनॉइड्स से बचते हुए घर पहुंची तब उसने मदद के लिए मुझे बुलाया, मैंने रोबॉट ध्रुव को रीबूट करने की कोशिश की जोकि नाकाम हो गई। रोबॉट ध्रुव का मशीनी शरीर तो काम कर रहा था पर उसकी आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस नहीं।"

डैम इट! मेरा मास्टर प्लान भी फेल हो गया, रोबॉट ध्रुव रीबूट नहीं हुआ।

"ड्रोन्स और श्वेता को सुरक्षित जगह पहुंचा कर...

"...मैं सीधे पहुंच गई ध्रुव के पास।"

श्वेता की फिक्र मत करो ध्रुव, वह बिलकुल सुरक्षित है।

फिलहाल श्वेता ने यह रिफ्लेक्टर डिवाइस तुम्हें सौंपने को दिया है। इस सिचुएशन में यह तुम्हारे बहुत काम आएगा।

हुम्म! थैंक्स चंडिका!

पर शायद मुझे इस समय इस डिवाइस से ज्यादा एक किसी ऐसी चमत्कारी शक्ति की जरूरत है जो मुझे एक ही समय पर दो जगह पर उपस्थित रहने का अवसर दे सकती, काश ऐसा हो पाता।

मैं और श्वेता इसी उद्देश्य से उस रोबॉट ध्रुव को रीबूट करने की कोशिश...

व्हाट? श्वेता ने मुझसे वादा किया था कि चाहे कुछ हो जाए वह कभी भी उस रोबॉट को जीवित करने की कोशिश नहीं करेगी।

रिलैक्स, ध्रुव! रोबॉट ध्रुव को जीवित करने की कोशिश श्वेता नहीं चंडिका... मेरा मतलब मैं कर रही थी और वैसे भी हमारी सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया, रोबॉट ध्रुव का शरीर तो चलायमान हो गया पर उसकी आर्टि-फिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह फुंक गई है जोकि कुछ भी करके ठीक नहीं की जा सकती।

अब रोबॉट ध्रुव एक बिना दिमाग का पुतला है जिसे चलाने के लिए एक दिमाग चाहिए।

दिमाग चाहिए! गुड! तुमने तो मेरी मुश्किल ही हल कर दी चंडिका। क्या तुम और श्वेता मिलकर कोई ऐसा कमांड प्रोग्राम बना सकती हो जिससे रोबॉट ध्रुव की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जगह मेरा दिमाग काम करे!

यानी मैं अपने दिमाग के निर्देश के सहारे दूर से ही रोबॉट ध्रुव को ऑपरेट कर सकूं।

हुम्म! ऐसा करना संभव तो है। मुझे कुछ मिनट का टाइम दो ध्रुव।

कुछ देर बाद-

तुम्हारा काम हो गया है, ध्रुव! रोबॉट ध्रुव को रीबूट करने की उम्मीद से मैंने और श्वेता ने एक रिसेप्टर डिवाइस उसके शरीर में इनस्टॉल किया था!

अब वह डिवाइस किसी कमांड रिसेप्टर की तरह फंक्शन करेगा। मैंने इस रिसेप्टर डिवाइस में तुम्हारे कहे अनुसार फेर-बदल कर दिए हैं।

इसे अपने शरीर पर लगा लो, यह किसी रिमोट कण्ट्रोल की तरह काम करेगा, तुम्हारा दिमाग इसे जैसे कमांड देगा वैसे ही रोबॉट ध्रुव फंक्शन करेगा।

सिर्फ इतना ही नहीं, यह डिवाइस तुम्हारे स्टेटिस्टिक्स भी रोबॉट ध्रुव पर प्रक्षेपित करेगा।

यानी स्टील और ड्रोन्स अगर रोबॉट ध्रुव को स्कैन करेंगे तो भी उन्हें उसके यांत्रिक होने का पता नहीं चलेगा। उन्हें तुम्हारे ही स्टेटिस्टिक्स और एक्स-रे विजन में तुम्हारे ही शरीर की आंतरिक संरचना नजर आएगी।

थैंक्स चंडिका। तुमने तो मेरा काम मक्खन मलाई जैसा आसान कर दिया है।

यह काम आसान नहीं है, ध्रुव! किसी भी सामान्य इंसान के लिए अपने जागृत मस्तिष्क को दो हिस्सों में बांट पाना जिसमें से एक हिस्से से वह खुद को चलाए और दूसरे हिस्से से किसी दूसरे शरीर को लगभग असंभव कार्य है।

"ध्रुव को सलाह देते हुए एक पल के लिए मैं शायद भूल ही गई थी कि वह कोई आम इंसान नहीं है, वह सुपर कमांडो ध्रुव है।"

"ध्रुव का आधा दिमाग रोबॉट ध्रुव को संचालित कर रहा था और आधा खुद को।"

ओ माई गॉड। इसीलिए जब तक रोबॉट ध्रुव ने अपनी अतिमानवीय शक्तियों का प्रयोग नहीं किया हमें यह अहसास ही नहीं हुआ कि यह असली ध्रुव नहीं है।

क्योंकि असली ध्रुव ही इस रोबॉट ध्रुव को चला रहा था।

ऑक्टोपस! ऑक्टोपसी!! हैमर!! फरसा!! खत्म कर दो इन सभी को।

हाइबरनेशन में एक भीषण महासंग्राम शुरू हो चुका था।

और उस महासंग्राम को खत्म करने की बागडोर थी, सुपर कमांडो ध्रुव के हाथ में।

अब तो बता दो ध्रुव कि आखिर तुम इतनी इमरजेंसी में गए कहां थे?

मैं उस शख्स को लाने गया था जो इस लड़ाई का रुख पलटने वाला है। वह शख्स जो स्टील की जीत और प्रोटोप्लास्ट की हार का कारण बनेगा।

कौन है वह शख्स?

यह है वहा अमर का बेटा, अभि।

अ...अभि!!!

हम्फ... हर्र... तू इतना सब कुछ कैसे समझ जाता है?

तू इंसान नहीं है... किसी भी तुच्छ इंसान का दिमाग प्रोटोप्लास्ट से चार कदम आगे नहीं सोच सकता! तू... तू... शैतान की औलाद है सुपर कमांडो ध्रुव!! हर्र!!

यह इसे क्या हो रहा है ध्रुव?

स्टील के दिमाग और प्रोटोप्लास्ट की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में घमासान जंग चल रही है।

ध्रुव की उस बात से कई मुरझाए हुए चेहरे खिल गए थे।

क्या? स्टील जिंदा है। मेरे यार अमर का दिमाग जिंदा है।

या अल्लाह! तेरा लाख-लाख शुक्र है।

लेकिन प्रोटोप्लास्ट ने स्टील के शरीर पर कब्जा करके उसके दिमाग को खत्म कर दिया था।

बगैर जीवित कोशिकाओं के प्रोटोप्लास्ट खुद सरवाइव नहीं कर सकता है।

क्योंकि इसके आविष्कारक हैमंड ने इसे इसी प्रकार डिजाईन किया था कि इसे जीवित रहने के लिए मशीन और जीवित कोशिकाओं दोनों की जरूरत थी।

इसका आविष्कार इसलिए किया गया था कि इसे विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिकों के शरीर में एक चिप के साथ इम्प्लांट कर दिया जाए।

यह ब्रिटिश सैनिकों का आई.क्यू. उनकी तर्कशक्ति, उनकी मारक क्षमता को हजारों गुना बहुगुणित कर देता जिससे कि उनके सामने कोई भी इंसानी सेना टिक नहीं पाती।

लेकिन इस पर कुछ प्रयोग करने के बाद ही हैमंड को यह अहसास हो गया कि उसने एक ऐसा घातक हथियार बना दिया है जो पूरी मानवजाति को खत्म कर देगा।

इसे ऑपरेट करने के लिए जीवित कोशिका और मशीन दोनों की जरूरत थी जिसमें अनुपात अगर जीवित कोशिका का ज्यादा होगा तो इसकी शक्तियां सीमित होंगी लेकिन अगर अनुपात मशीन का बढ़ेगा तो इसकी शक्तियां बढ़ेंगी।

"हैमंड ने इसे खत्म करने की लाखों कोशिशें की, लेकिन उसने एक ऐसा अमर रक्तबीज बनाया था जो खत्म नहीं हो रहा था।"

उफ! यह चिप नष्ट क्यों नहीं होता! ऐसे तो यह देर-सवेर किसी न किसी शरीर को अपना गुलाम बना ही लेगा और जिस दिन ऐसा हुआ, कयामत आ जाएगी।

मुझे इस चिप को किसी ऐसे स्थान पर दफन करना होगा जहां इस तक कोई जीवित कोशिका ना पहुंच सके।

"हैमंड के पास एक ही रास्ता था मानवजाति को इससे निजात दिलाने का।"

"हैमंड ने इसे राजगढ़ के जंगलों में अंधकूप में फेंक दिया, पर उसकी बदकिस्मती कि यह सीधे उस अंधकूप में रहने वाले चमगादड़ मानव पर गिरा।"

"इसे जीवित शरीर मिल चुका था, वह भी ऐसा जिसका दिमाग एक मटर के दाने जितने बड़ा था।"

इसके बाद परजीवी के रूप में तुमने राजनगर को अपना निशाना कैसे बनाया यह तुम खुद ही बता चुके हो।

तुम्हारा वह हमला नाकाम होने की एक खास वजह थी, इंसानी शरीर और मशीन का अनुपात।

सही कहा तूने, ध्रुव। मैंने उस परजीवी को खास करके इसीलिए चुना था क्योंकि वह इंसानों के शरीर में प्रवेश करके उनके आंतरिक अंगों को खा जाता था।

मुझे लगा कि इससे जीवित कोशिका और मशीन के अनुपात को मैं कुछ हद तक संतुलित कर पाऊंगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ...

...अगर मैं उन शरीरों में एक माइक्रो-चिप से अधिक मशीनरी इम्प्लांट करता तो मेरा भेद खुल जाता। नतीजतन स्टील ने मुझे मात दे दी।

पर उस समय मैं यह जान गया कि स्टील के मशीनी शरीर में भी एक जीवित कोशिका है, उसका दिमाग।

स्टील मेरे लिए परफेक्ट शिकार था, यानी जीवित कोशिका और मशीनरी के अनुपात में मशीनरी नब्बे प्रतिशत और जीवित कोशिका दस प्रतिशत। पहले मैंने ग्लाइडिएटर गैंग के मशीनी कॉस्टयूम के जरिए उन्हें अपना होस्ट बनाया और फिर उनसे लड़ते हुए स्टील को।

स्टील के रोबॉटिक शरीर में मेरी शक्तियां द्विगुणित हो गईं थी इसीलिए मैं इसे यह यकीन दिलाने में कामयाब हो पाया कि इसका बदलता व्यवहार इसके इनर कनफ्लिक्ट का नतीजा है।

इसीलिए स्टील का दिमाग धीरे-धीरे इमोशनल स्ट्रेस में आने लगा था, जैसे-जैसे उसका दिमाग स्ट्रेस में आ रहा था वैसे-वैसे तुम्हारा कब्जा स्टील के शरीर पर मजबूत हो रहा था।

तुमने स्टील के मस्तिष्क के खत्म होने का नाटक इसीलिए किया ताकि तुम्हारा यह राज, तुम्हारी यह कमजोरी छिपी रहे कि तुम स्टील के शरीर में मौजूद उस जीवित कोशिका, उसके दिमाग के बिना नहीं सरवाइव कर सकते।

बस तुम एक बात नहीं जानते थे, कि स्टील का दिमाग अपनी इच्छाशक्ति से अपने मशीनी शरीर से संपर्क काट सकता है।

अनीस की लैब के बाहर तुमसे हुई मुठभेड़ के दौरान जब मैं स्टील पर झपटा था...

"...उस समय कुछ पलों के लिए स्टील के दिमाग ने अपने मशीनी शरीर का कण्ट्रोल हटा दिया जिससे तुम कुछ पलों के लिए निष्क्रीय हो गए।"

यह स्टील का शरीर अचानक निष्क्रीय कैसे...

तेरी चाल कामयाब नहीं होने वाली प्रोटोप्लास्ट।

नहीं, ध्रुव! मैं प्रोटोप्लास्ट नहीं, अमर हूं!

मैंने खुद अपना यांत्रिक शरीर निष्क्रीय किया है ध्रुव।

मेरे पास ज्यादा समय नहीं है, अगर मैंने ज्यादा देर अपने शरीर को निष्क्रीय रखा तो मेरा दिमाग मर जाएगा।

मैं जैसे ही अपने शरीर को एक्टिव करूंगा प्रोटोप्लास्ट मेरे दिमाग पर हावी हो जाएगा।

मेरे पास सिर्फ एक ही तरीका है कि मैं अपने दिमाग को सुप्तावस्था में पहुंचा दूं।

इस तरह मेरा दिमाग जीवित भी रहेगा और प्रोटोप्लास्ट उस पर कब्जा भी नहीं कर पाएगा।

लेकिन यह समस्या का हल नहीं है, स्टील!

प्रोटोप्लास्ट तुम्हारे शरीर पर पूरी तरह कब्जा कर चुका है और अब तुम्हारे जरिये वह पहले राजनगर को तबाह करेगा और फिर पूरी मानवजाति को।

मेंटल स्ट्रेस ने और पिछली घटनाओं से लगातार तुम्हारे दिमाग पर पड़े भीषण दबाव ने तुम्हारे मस्तिष्क को कमजोर कर दिया है। तुम्हारे दिमाग को पुनः ऊर्जा-वान करने की जरूरत है।

पर कैसे?

सिर्फ एक ही तरीका है।

और वह तरीका काम कर गया है, प्रोटोप्लास्ट।

आह...नहीं!!!!...मेरा कण्ट्रोल स्टील के शरीर से हट रहा है।

नहीं...नहीं... मुझे नफरत है भावनाओं से।

ये भावनाएं, जज्बात, ही इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती हैं, प्रोटोप्लास्ट!

एक पिता के अपने बेटे के लिए जज्बात।

तुम्हारे आविष्कारक ने तुम्हें बहुत शक्तिशाली बनाया है, प्रोटोप्लास्ट! लेकिन फिर भी तुम इतने कमजोर हो कि इन जज्बातों के सामने तुम्हारी कोई हस्ती नहीं।

अभि...मेरा बेटा।

प...पापा।

अमर!! मुझे यकीन था कि मेरे यार को मुझसे जुदा नहीं होने देगा मेरा खुदा।

अमर।

मैं ठीक हूं दोस्तों...

...ध्रुव का एहसानमंद हूं, सिर्फ उसकी बदौलत ही वापस लौट पाया हूं।

नहीं, स्टील! अपनी इच्छाशक्ति के बल पर वापस लौटे हो तुम।

उसी इच्छाशक्ति के बल पर जिसने तुम्हें तुम्हारा शरीर नष्ट हो जाने के बाद भी जिंदा रखा! अपने कर्तव्य के प्रति जज्बे के कारण वापस लौटे हो तुम।

और अब उसी कर्तव्य का पालन करना है मुझे। जो कुछ गलत हुआ है उसे ठीक करना है।

पिछले एक मिनट से पूरा हाइबरजोन जैसे फ्रीज हो गया था। ड्रोन्स और लाइव मेटल फोर्स अपने मालिक द्वारा निर्देश ना मिलने से निष्क्रीय थे। राजनगर के नायक...

...और खलनायक भी असमंजस में थे कि अब उनका अगला कदम क्या होना चाहिए।

स्टील की गरजदार यांत्रिक आवाज ने जैसे सबकी तंद्रा भंग की।

कोई भी अपनी जगह से नहीं हिलेगा।

खेल खत्म नहीं हुआ है अभी। प्रोटोप्लास्ट भले ही निष्क्रीय हो गया है पर वह अब भी स्टील के भीतर है।

अगर प्रोटोप्लास्ट जैसा प्रोग्राम हमारे हाथ लग गया तो उसे मॉडिफाई करके हम अपने अधीन कर सकते हैं। उसके बाद इस दुनिया में सिर्फ एक ही महाशक्ति होगी, ऑक्टोपस ग्रुप

ऐसा ही होगा ग्रेट ऑक्टोपस, ऐसा ही होगा।

सोचना भी मत! ग्रैण्डमास्टर रोबो के रहते यह प्रोग्राम सिर्फ और सिर्फ रोबो के साथ ही जाएगा।

पापा नहीं।

च्युम!!

ये सब तो आपस में ही लड़ पड़े।

बात तो इनकी सही है। प्रोटोप्लास्ट भले ही निष्क्रीय हो गया है पर वो अब भी स्टील के शरीर का हिस्सा है।

अब आगे लाइन ऑफ एक्शन क्या है ध्रुव?

सलमा तुम अभि को लेकर किसी महफूज जगह पर जाओ। ध्रुव मुझे स्टी के साथ कुछ घंटे का समय चाहिए

यह हाइबरजोन राजनगर पुलिस हेडक्वार्टर की जगह बना है, यहां एक स्पेशल इमरजेंसी लैब बनाई गई थी ताकि स्टील को कभी भी एमरजेंसी की सिचुएशन आने पर उस लैब का प्रयोग किया जा सके।

कोई भी अपनी जगह से नहीं हिलेगा...
मिलिट्री ने राज-नगर को चारों ओर से घेर लिया है।
मेरे पास हाई ऑर्डर्स हैं, अगर किसी ने हुक्मउदूली की तो उसकी लाश बिछी नजर आएगी। चाहे वह कोई भी हो!!
पापा! रक्षा मंत्रालय प्रतिनिधि मिस्टर जॉन विलियम।
आप लोग सही समय पर आए। यहां स्थिति नियंत्रण में है।
प्रोटो-प्लास्ट को स्टील ने निष्क्रीय कर दिया है।
कुछ भी नियंत्रण में नहीं है ध्रुव...
...लेकिन अब मैं आ गया हूं। अब सब कुछ नियंत्रण में आ जाएगा...
...शुरुआत इंस्पेक्टर स्टील की गिरफ्तारी से होगी।
राजनगर को बर्बाद करने, तबाही और आतंकवाद फैलाने के जुर्म में तुम्हें सस्पेंड किया जाता है और फौरन अरेस्ट करने का ऑर्डर दिया जाता है।
लेकिन सर! जो कुछ भी हुआ वह प्रोटोप्लास्ट ने किया। स्टील को वह मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा था।
मुझे आपकी सलाह की जरूरत नहीं है कमिश्नर। मेरे पास सीधे रक्षा मंत्रालय से ऑर्डर्स हैं।
बेशक होंगे। पर मुझे किसी भी तरह के ऑर्डर्स देने की पॉवर अब तुम नहीं रखते, मिस्टर जॉन विलियम।
व्हाट नॉनसेंस! तुम भूल रहे हो स्टील कि तुम ससपेंड...
भूल तुम रहे हो, जॉन! कि मैं सिर्फ राजनगर पुलिस का इंस्पेक्टर नहीं, ब्रह्माण्ड रक्षक दल का सदस्य भी हूं।

यह सब क्या है स्टील?
मैं बताता हूं पापा।
इस षड्यंत्र का सबसे अहम् हिस्सा तो यही है, जो अब उजागर होने वाला है।
आपको डेस्मंड और रोमारियो के हथियारों के कन्सा-इनमेंट पर हुआ ग्लाईडिएटर गैंग का हमला तो याद ही होगा।

रक्षा मंत्रालय प्रतिनिधि जॉन विलियम ही वह शख्स था जिसने ग्लाईडिएटर गैंग को उस कार्गो पर अटैक करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था।
क्या?
व्हाट नॉनसेंस। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझ पर इलजाम लगाने की।

मैंने आपको इमरजेंसी कॉल किया था कमिश्नर! मैंने आपसे कहा था 'दिस इज एन इनसाइड जॉब'।
ब्रिटिश कार्गो किस प्लेन और रूट से लाए जा रहे हैं इसकी जानकारी मेरे और आपके अलावा मिस्टर जॉन विलियम को भी थी।
इससे यह साबित नहीं होता कि मैंने ही ग्लाईडिएटर गैंग को हमले के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया था।
वह हमला तो सिर्फ एक स्टेज सेटअप था। वास्तव में तो तुम्हें उन हथियारों में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
तुम्हें तो सिर्फ ग्लाईडिएटर गैंग की मदद से स्टील को जंगल में उस जगह पर लाना था जो प्रोटोप्लास्ट ने तुम्हें निर्धा-रित करके बताई थी।

...ताकि वह स्टील के शरीर को आसानी से इन्फेक्ट कर सके।
कमांडो हेडक्वार्टर ने अपनी रुटीन सर्विलेंस के दौरान एक निश्चित समयावधि पर...
... राजनगर नेशनल फॉरेस्ट्स से अनआइडेंटिफाइड सिग्नल्स भेजे जाने की रिपोर्ट मुझसे की थी।

जब प्रोटोप्लास्ट ने मुझे अपनी एलियन वाली कहानी सुनाई तो मैंने शुरू में यही सोचा कि वे सिग्नल्स प्रोटोप्लास्ट ने अन्तरिक्ष में भेजे हैं। लेकिन उसकी कहानी के अनुसार उसकी सभ्यता और उसका प्रोटोप्लेनेट तबाह हो चुके थे, पृथ्वी पर इंसानों की नजरों से वह छुपकर रह रहा था, फिर भला उसने सिग्नल्स भेजे किसे?

इसी बात ने मेरा शक यकीन में बदल दिया कि प्रोटोप्लास्ट की कहानी में कोई झोल है।

वे सिग्नल्स प्रोटो-प्लास्ट द्वारा अन्तरिक्ष में दरअसल एक गुप्त सेटेलाईट को भेजे जा रहे थे जोकि उन्हें पहुंचा रही थी रक्षा मंत्रालय प्रतिनिधि जॉन विलियम तक।

लेकिन इसने ऐसा किया क्यों? इसे प्रोटोप्लास्ट के विषय में कैसे पता चला?

प्रोटोप्लास्ट के विषय में तो मैं हमेशा से जानता था कमिश्नर मेरी जिंदगी का एकमात्र मकसद ही इस प्रोग्राम को हासिल करना था जो मेरे पिता की मौत का कारण बना।

मेरा पूरा नाम है जॉन विलियम बेट्स! मैं कर्नल बेट्स का बेटा हूं जो प्रोफेसर हैमंड के बनाए विनाशकारी हथियार प्रोटोप्लास्ट के कारण मारे गए।

अपना सारा जीवन मैंने इस प्रोग्राम की तलाश में ही लगाया है क्योंकि इस पर और इसकी शक्तियों पर अगर किसी का अधिकार है तो सिर्फ मेरा!!

"मैंने और मेरी मां ने हैमंड के टेंट से उनके आविष्कार प्रोटोप्लास्ट से सम्बंधित सभी कागजात चुरा लिए थे।"

"मेरी मां के जीवन का एक ही मकसद था, मुझे इस काबिल बनाना कि एक-दिन मैं उस प्रोग्राम को हासिल कर सकूं, उसके बल पर दुनिया जीत सकूं जिसने मेरे पिता की जान ली।"

"मैंने हिन्दुस्तान के अलग-अलग शहरों में रहते हुए अपनी शिक्षा पूरी की।"

"समय-समय पर जगह बदलते रहना आवश्यक था क्योंकि मुझे और मेरी मां को दुनिया से अपनी पहचान छुपाकर रखनी थी।"

अगर तुम बेट्स के बेटे हो तो अब तक जिंदा कैसे हो? और तुम्हारी उम्र कम से कम नब्बे साल होनी चाहिए थी।

हहाहाहा!! मेरे पिता के बारे में तो तुम जान ही चुके हो ध्रुव कि वे ब्रिटिश आर्मी के कमांडिंग ऑफिसर थे, पर तुम लोग मेरी मां के बारे में नहीं जानते।

मेरी मां एक ब्रिलियंट जीव विज्ञानी थीं। तभी तो वे प्रोफेसर हैमंड के नोट्स को समझ पाईं, वर्ना उन नोट्स को समझ पाना किसी आम इंसान के बस की बात नहीं थी।

"मैं अपनी पढ़ाई में और मेरी मां हैमंड के नोट्स को डिकोड करने में जी-जान से जुटे हुए थे। लेकिन किस्मत अपनी चाल चलने वाली थी।"

आह!!

क्या हुआ बेटा?

फिर से वही दर्द।

"एक असाध्य रोग के कारण मेरे शरीर के सभी आंतरिक अंग धीरे-धीरे खराब हो रहे थे। कुछ ही समय में मेरा मरना तय था।"

"पर मेरी मां को किस्मत का यह फैसला मंजूर नहीं था। उसने किस्मत बदलने की ठान ली और एक मां अगर ठान ले तो मौत को भी उसकी संतान के रास्ते से मुंह मोड़ना पड़ता है।"

"मेरी मां ने मेरे शरीर के सभी भीतरी कार्यकारी अंगों को यांत्रिक अंगों से बदल दिया। दिमाग छोड़कर मेरे सभी भीतरी अंग, दिल, गुर्दे, फेफड़े आदि अब यांत्रिक हो चुके थे।"

"मेरी मां ने मुझे जो जीवनदान दिया वह मेरे लिए कितना बड़ा वरदान बनने वाला था यह मैंने कुछ समय बाद जाना।"

"मेरी उम्र इन यांत्रिक अंगों को लगाने के बाद बहुत ही धीमी गति से बढ़ रही थी और शारीरिक व बौद्धिक शक्तियां तेजी से बढ़ रही थीं।"

"अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम और पहचान से मैं कई सालों तक नई तकनीक और उन्नत विज्ञान की बारीकियां सीखता रहा।"

"लेकिन अपना असल मकसद नहीं भूला था मैं। मैं एक नए नाम और पहचान के साथ हिन्दुस्तान वापस लौट आया। मैंने दिल्ली में साटी में कार्य शुरू किया और धीरे-धीरे रक्षा मंत्रालय तक पहुंच गया।"

"मैं निरंतर प्रोटोप्लास्ट की तलाश में था। हैमंड के नोट्स के अनुसार प्रोटोप्लास्ट से एक खास फ्रीक्वेंसी पर ही संपर्क किया जा सकता था। सालों तक मैं उस फ्रीक्वेंसी को कैच करने की असफल कोशिश करता रहा।"

"आखिरकार मेरी कोशिश रंग लाई, एक दिन मेरी फ्रीक्वेंसी का जवाब मिला।"

ये तरंगें!! ये तो एक गुप्त सन्देश है। इस फ्रीक्वेंसी पर तो इस संसार में सिर्फ एक ही चीज संपर्क कर सकती है प्रोटोप्लास्ट।

बीप बीप बीप

मेरा शरीर जैविक और यांत्रिक शक्तियों का सम्मिलित रूप जरूर था पर फिर भी मैं प्रोटोप्लास्ट की शक्तियों से वाकिफ था। मैं जानता था कि मेरी एक छोटी सी चूक मुझे हमेशा के लिए प्रोटोप्लास्ट के हाथों की कठपुतली बना सकती है।

मेरे लिए भी सहूलियत यही थी कि प्रोटोप्लास्ट किसी शक्तिशाली होस्ट को कण्ट्रोल करे और मैं प्रोटोप्लास्ट के जरिए दुनिया को कण्ट्रोल करूं।

इसलिए जब प्रोटोप्लास्ट ने मेरे सामने स्टील को होस्ट बनाने का आईडिया रखा तो मैं फौरन तैयार हो गया। मैंने ही पूरा इंतजाम किया कि स्टील ब्रिटिश कार्गो को बचाने पहुंचे और मैंने ही उन भाड़े के टट्टुओं को भेजा। मैंने ही उन्हें स्टील से बचने के लिए जंगल में उतरने का आईडिया दिया।

मेरे सारे मोहरे ठीक बैठे। लेकिन मेरी बदकिस्मती कि ध्रुव ना जाने कहां से उस जगह पहुंच गया।

प्रोटोप्लास्ट को इसके आने का आभास हो गया और उसने डबल गेम खेलना शुरू कर दिया। एक तरफ उसने स्टील को इन्फेक्टेड किया और दूसरी तरफ ध्रुव के दिमाग का एनालिसिस करने लगा।

बेवकूफ प्रोग्राम यह नहीं जानता था कि खुद शैतान भी ध्रुव के दिमाग का एनालिसिस करके उसका तोड़ नहीं निकाल सकता।

प्रोटोप्लास्ट के बारे में हमारे पास सिर्फ उतनी ही जानकारी थी जितनी हैमंड ने अपने नोट्स में लिखी थी।

लेकिन प्रोटोप्लास्ट के स्टील और राजनगर पर कब्जा करने में तुम्हारा क्या फायदा होना था? तुम्हारा मकसद कैसे पूरा होता, प्रोटोप्लास्ट तो और शक्तिशाली हो रहा था?

उसने यहां अंधकूप में आने के बाद से खुद को काफी डेवेलप कर लिया था, जब तक उसकी शक्तियों का स[illegible] आंकलन नहीं हो जाता मैं तब तक उसे काबू नहीं कर सकता था, इसलिए उसका स्टील को इन्फेक्ट करने का आईडिया मुझे जंच गया।

मैं निरंतर उसकी स्टडी कर रहा था और एक काउंटर प्रोग्राम तैयार कर रहा था जोकि प्रोटोप्लास्ट की शक्तियों पर आधारित था।

प्रोटोप्लास्ट का हर एक कदम, उसकी हर चाल मुझे उसके राज बता रही थी, वह तुम्हारा एनालिसिस कर रहा था और मैं उसका।

और अब वह एनालिसिस कम्पलीट हो चुका है, मैं प्रोटोप्लास्ट का काउंटर प्रोग्राम तैयार कर चुका हूं।

यह प्रोग्राम इतना शक्तिशाली है कि निष्क्रीय रूप में भी प्रोटोप्लास्ट को स्टील के शरीर से खींच कर मेरे शरीर में स्थानांतरित कर देगा।

एक क्षण के लिए ध्रुव और स्टील भी नहीं समझ पाए कि क्या कयामत घट गई। कुछ समय पहले स्टील के शरीर और दिमाग में जो जंग चल रही थी वैसी ही जंग जॉन के भीतर शुरू हो चुकी थी।

हहाहाहा....सफल हो गया!! आखिरकार इतने वर्षों बाद मैं अपनी मां का सपना सच करने में सफल हो गया।

जिसका अंत जॉन के उस अट्टहास के साथ हुआ।

प्रोटोप्लास्ट को सिर्फ अपने शरीर में ही नहीं खींचा है मैंने, बल्कि उसे सक्रीय करके उस पर काबू भी कर लिया है।

सभी ड्रोंस और लाइव मेटल फोर्स अब मेरे हुक्म के गुलाम हैं।

अब मैं उन्हें तुम्हारी तबाही की कमांड दूंगा।

ऑल फोर्सेस! एक्टिवेट एंड डिस्ट्रॉय!

फिनिश देम ऑल!

कुछ पलों के लिए जो युद्ध विराम हुआ था वह दोबारा घमासान में बदल गया था।

मैंने और सलमा ने हाईबरजोन से असली कमांडो फोर्स को छुड़ा लिया है।

जॉन का बाहरी शरीर इंसानी है, उसे टारगेट करो स्टील।

ड्रोंस और लाइव मेटल फोर्स उसे कवर करके प्रोटेक्ट कर रही है। मेगागन ब्लास्ट भी जॉन तक पहुंच नहीं रहे।

इन ड्रोंस और लाइव मेटल फोर्स को मुझ पर और मैकेनिक पर छोड़ दो।

हर योद्धा अपना पाला चुन चुका था।

और कुछ पाला छोड़कर भाग रहे थे।

इस ध्रुव और स्टील ने सारा गेम पलट दिया। निकलो यहां से।

पर मेरा बेटा... मेरा अभि।

छोड़ो उसे, ऑक्टोपसी!

अभी अगर यहां से नहीं निकले तो या तो जेल में होंगे या मुर्दाघर में।

ऑक्टोपसी अभि को छोड़ सकती है पर रोमा नहीं। जुर्म की यह दुनिया मैंने अपने बेटे के लिए चुनी थी... मेरा बेटा नहीं तो कुछ भी नहीं।

गद्दार! तुझे हमने तरस खाकर अपनाया ताकि अपने सबसे बड़े दुश्मन स्टील के खिलाफ हथियार बना सकें।

तेरी हिम्मत कैसे हुई हमारे हुक्म के विरुद्ध जाने की?

एक मां की हिम्मत की बात करने का हक सिर्फ उसे है जिसने खुद नौ महीने अपने शरीर में एक जीवन पाला हो। तुम इस लायक नहीं हो ऑक्टोपस कि मुझसे यह सवाल करो।

तू तो दोधारी तलवार बनकर हमारे ही हाथ घायल कर रही है। तेरा पुख्ता इंतजाम करना पड़ेगा।

रोमा!!!!!!

जिंदगी में अक्सर रिश्तों की अहमियत तब समझ आती है जब हम उन्हें खोने की कगार पर पहुंच जाते हैं।

उस एक पल में जैसे पूरी दुनिया थम जाती है और उस रिश्ते का हर एक पल, प्यार-तकरार, स्नेह-द्वेष सब कुछ आपकी नजरों के सामने से किसी बिजली के कौंधने जैसा गुजरता है।

वह एक पल जब आपको अहसास होता है कि जिंदगी भर जितने भी शिकवे-शिकायतें एक-दूसरे से थीं उससे कहीं बढ़कर यह एक पल है जिसमें सिर्फ और सिर्फ चाहत है... और कुछ नहीं।

म... मैं अपने बच्चे, अपने अभि के बिना नहीं जी सकती अमर... ए... एक पल भी नहीं।

और चाहे एक पल हो या पूरी जिंदगी, उसे गुजारने के लिए सिर्फ चाहत होनी चाहिए।

बहुत दूर निकल आई है तुम्हारी रोमा... अब... वापस नहीं मुड़ सकती।

और मैं तो तुम दोनों के बिना ही नहीं जी सकता रोमा... एक पल भी नहीं।

वापस मत मुड़ो, रोमा! बस खुद को नई दिशा दे दो। तुम जहां चलोगी स्टील तुम्हारे पीछे नहीं, अमर तुम्हारे साथ होगा।

आज ऑक्टोपसी मर गई अमर!

आज तुम्हारी रोमा का नया जन्म हुआ है।

रोमा!!

स्टील की ए.आई. ने कोई कमांड नहीं दिया था, ना ही उसकी आंखों की जगह फिट कैमरों में कचरा गया था, पर आज उसके ल्युब्रिकेशन ग्लैंड्स सलाइन की धार आंखों से बाहर निकाल रहे थे।

प्रोटोप्लास्ट ने स्टील के मस्तिष्क में जिन सवालों को उपजाया था, उसका जवाब आज स्टील को मिल गया था। इंसान का दिल सिर्फ रक्त संचारित करने का अंग है, भावनाएं इंसान की आत्मा में बसती हैं जो उसके शरीर के माध्यम से संप्रेषित होती हैं।

स्टील के इस्पाती शरीर में अमर की आत्मा बसी थी जो आज भावनाओं का तूफान उसकी आंखों से बहा रही थी।

मम्मी-पापा!!

तूफान सलमा के दिल से भी उठ रहा था जो उसके पूरे वजूद को किसी सूखे पत्ते की तरह कंपा रहा था।

मैं ठीक हूं भईया, मेरी मोहब्बत इतनी खुदगर्ज नहीं जो अपने सपनों का आशियां अमर के उजड़े संसार पर बसाने की ख्वाहिशमंद हो।

स्टील के इस्पाती चेहरे पर अमर की निःश्छल मुस्कुराहट आज पहली बार देख रही हूं मैं। इस खुशी के लिए तो सलमा अपनी जान भी कुर्बान कर दे।

पर युद्ध अभी भी जारी था, जिंदगी अब भी दांव पर थी...

और मौत भूखे भेड़ियों की तरह अपने शिकार तलाश रही थी।

रोमा! अभि! बचो!!

सलमा!

सलमा!

यह क्या पागलपन है, सलमा?

पागलपन ही सही... मेरी दीवानगी को कोई नाम तो मिला।

स्टील आवाक था। शांत था, उस जलजले की तरह जो कहर बनकर बरपने वाला हो।

स्टील की ए.आई. उसके शरीर तक उसकी भावनाएं कमांड्स के रूप में संप्रेषित कर रही थीं।

DESTRUCTION MODE INITIATED_

level-INsane_

और भावनाओं के उमड़े तूफान में वह बला की ताकत होती है जो आतंक के जलजले को भी तिनके की तरह उड़ा कर ले जाता है।

आज एक अकेला स्टील पूरी लाइव मेटल फोर्स पर भारी था।

जॉन की मुश्किलें बढ़ रही थीं।

स्टील के इस अटैक मोड के बारे में तो मुझे कोई जानकारी नहीं थी। पर प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम जल्द ही उसकी काट सोच लेगा।

मैकेनिक और चंडिका तेजी से ड्रोन्स और लाइव मेटल फोर्स को निष्क्रीय करने में जुटे हुए थे।

लेकिन चूक सबसे होती है, सुपरहीरोज से भी।

सत्यानाश! ड्रोन्स के वार से गैजेट नष्ट हो गया।

अब किसी भी पल ड्रोन्स मेरे डिटेल स्कैन करके यह जान जाएंगे कि चंडिका ही श्वेता है और मेरा राज दुनिया के सामने उजागर हो जाएगा।

ऐसी स्थिति में यहां से निकला भी नहीं जा सकता।

उस भीषण संग्राम में चंडिका के कुछ पलों के लिए गायब हो जाने की ओर किसी का ध्यान नहीं गया।

मेरे पास चंडिका के राज को राज रखने का सिर्फ एक ही तरीका है, मैं कोई सुरक्षित जगह देखकर चंडिका का गेट-अप त्याग दूं और श्वेता के रूप में आ जाऊं।

गनीमत बस इतनी है कि इस पूरे कोलाहल में भईया पता नहीं कहां चला गया है वर्ना उसे एक मिनट भी नहीं लगता सच्चाई पता लगने में।

और दो पलों बाद चंडिका वहां से गायब हो चुकी थी और उसकी जगह श्वेता आ चुकी थी।

श्वेता!!

श्वेता मेरी बच्ची! तू कहां थी?

चंडिका ने मुझे सुरक्षित स्थान पर छुपा दिया था पापा! पर मैं खुद को यहां आने से रोक नहीं पाई।

मुक्कदर का पहिया श्वेता को जॉन के सामने ले आया था।

श्वेता!! यह तो ध्रुव की बहन श्वेता है।

सबको छोड़ो, इस लड़की को बंधक बना लो।

बचो श्वेता!!

उफ! ये ड्रोन्स और लाइव मेटल फोर्स सबको छोड़कर मुझ पर ही मेहरबान हो गए हैं।

फिक्र मत करो, श्वेता...

हमारे रहते ये तुम्हें छू भी नहीं सकते।

इनकी ए.आई. को जॉन ने श्वेता को कैप्टिव करने का कमांड दिया है, अभी इन्हें कंफ्यूज करना सबसे आसान है क्योंकि ये कमांड के अनुरूप ही काम करेंगे...

...ऐसे में अगर इन पर चौतरफा हमला होगा तो इनकी ए. आई. कंफ्यूज हो जाएगी कि उसे किसे टारगेट करना है।

अटैकर्स जितने ज्यादा होंगे ए. आई. पर उतना ज्यादा दबाव पड़ेगा, नतीजतन...

...उन्हें निशाना बनाना आसान हो जाएगा।

बहुत हो गया!! बहुत कूद चुके तुम तुच्छ मानवों। मेरे और प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम की शक्तियों के सामने दो मिनट भी नहीं टिक सकते तुम लोग।

उफ!

आह!

स्क्रैप मेटल को हथियार की तरह इस्तेमाल करने की होशियारी ही अब तुम्हारी हार का कारण बनेगी।

कर्र-बज्ज-जूम!!

आह!

जब तक प्रोटोप्लास्ट मेरे भीतर है मुझे दुनिया की कोई ... झसे दुनिया ... की।

हाहाहा... मेरी खोपड़ी के भीतर भेजे के ऊपर भी फौलाद की परत चढ़ी हुई है, तू मेरा भेजा नहीं उड़ा सकता। पर...

रुक जाओ, जॉन विलियम बट्स! मेरी बेटी की ओर एक कदम भी बढ़ाया तो तुम्हारा भेजा उड़ा दूंगा।

हाहाहा... मेरी खोपड़ी के भीतर भेजे के ऊपर भी फौलाद की परत चढ़ी हुई है, तू मेरा भेजा नहीं उड़ा सकता। पर...

..मैं तूझे सूखे तिनके की तरह उड़ा सकता हूं।

तुझे खत्म करने के बाद मैं अविजयी हो जाऊंगा लड़की।

अजीब मुसीबत है, मैं चाह कर भी चंडिका नहीं बन सकती और श्वेता के रूप में इसका मुकाबला नहीं कर सकती।

मौत तेजी से श्वेता के करीब आ रही थी।

और उसे जो बचा सकते थे वे उससे बहुत दूर थे।

श्वेता को मेरी मदद की जरूरत है। मुझे लाइव मेटल फोर्स को जल्दी खत्म करना होगा।

लेकिन लाईव मेटल फोर्स को जल्द खत्म करना इतना आसान नहीं था।

और श्वेता उसकी पहुंच से दूर लेकिन जॉन की पहुंच के बेहद करीब थी।

भईया...कहां हो तुम?

लेकिन वहां पर कोई ऐसा था जिसे इस महायुद्ध में शायद सभी भूल गए थे।

...मुझे बचाओ भईया!

रोबॉट ध्रुव।

भईया!

जिसके निर्जीव शरीर में हरकत हो रही थी।

श्वेता की चीख जिसके जहन में बिजली बनकर कौंध रही थी।

भईया!

अब तू गई लड़की!!
मेरी बहन की ओर जो हाथ उठता है...
टन्न
रोबॉट ध्रुव।
...उसे दुनिया से उठा देता है सुपर कमांडो ध्रुव।
हम्फ!!
भड़ाक
मैंने सोचा था यहां आने के बाद भईया ने इसे कण्ट्रोल करना बंद कर दिया जिस वजह से यह निष्क्रीय हो गया था। पर वाकई भईया बहुत आगे की सोचता है, वह अब भी इस रोबॉट ध्रुव को कण्ट्रोल कर रहा है।
दो अद्वितीय शक्तियों की भिडंत हो चुकी थी।

उनमें से एक विश्व का सबसे उन्नत मशीनी प्रोग्राम था, जो इंसानी और फौलादी शरीर के भीतर था।

और दूसरा विश्व का सबसे तीक्ष्ण मस्तिष्क, जो अभेद्य मशीनी शरीर के भीतर था।

इस लड़ाई में भारी था।

लेकिन प्रोटोप्लास्ट का तो निर्माण ही विषम से विषम परिस्थिति को अनुकूल करने और तीक्ष्ण से तीक्ष्ण बुद्धि का तोड़ निकालने के लिए हुआ था।

कायर ध्रुव!! खुद सामने आकर लड़ने के बजाए अपने इस रोबॉट को लड़वा रहा है।

अगर तुझे लगता है कि तू इसके सहारे मुझसे जीत जाएगा तो यह तेरी गलतफहमी है...

...जोकि मैं इसे खत्म करके अभी दूर कर दूंगा।

कैसे करेगा तू ऐसा? प्रोटोप्लास्ट को काबू में रखने के चक्कर में तूने खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

क्या मतलब?

अपने इंसानी शरीर और मशीन के अनुपात को संतुलित रखने के चक्कर में तूने यह नहीं सोचा कि तेरा यह बाहरी इंसानी शरीर तेरी सबसे बड़ी कमजोरी है।

आह!!

आंतरिक अंगों को भले ही तूने सुरक्षित कर लिया है पर तेरा यह शरीर अभी भी दर्द महसूस कर सकता है।

और सुपर कमांडो ध्रुव तुझे बेहिसाब दर्द देने वाला है।

तेरे पास खुद को बचाने का एक ही तरीका है कि तू अपनी मशीनी शक्ति बढ़ाए। लेकिन अगर तू ऐसा करेगा तो प्रोटोप्लास्ट तुझ पर और तेरे दिमाग पर हावी हो जाएगा।

हरगिज नहीं, मेरे काउंटर प्रोग्राम को भेदकर प्रोटोप्लास्ट मुझ पर हावी नहीं हो सकता। पर तूने यह आईडिया सुझाकर अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

अपने आस-पास देख, यहां यांत्रिक कल-पुर्जों की कोई कमी नहीं है और ये सब मेरे आदेश पर मेरे शरीर का हिस्सा बनेंगे।

तेरा शरीर बनने में जितना फौलाद लगा है उसका दोगुना फौलाद मेरे शरीर पर होगा।

शरीर जितने फौलाद का बना है उससे कहीं अधिक फौलाद ध्रुव की इच्छाशक्ति में है जॉन! उसे तोड़ने के लिए दोगुना नहीं सौ गुना फौलाद चढ़ाना होगा तुझे अपने शरीर पर।

चढ़ाऊंगा! सौ गुना नहीं हजार गुना फौलाद चढ़ाऊंगा। देख धातु के पुतले देख!! बता अब कैसे करेगा तू मेरी ताकत का मुकाबला।

जॉन विलियम के जिस्म पर फौलाद तेजी से बढ़ रहा था और साथ ही बढ़ रही थी उसकी अमानवीयता, हिंसकता और नृशंसता।

बस! इतना ही कर सकता है तू?
इसके बल पर दुनिया जीतना चाहता है? मुझे तो तू किसी छोटे बच्चे की तरह नजर आ रहा है जो दुनिया को लॉलीपॉप समझ रहा है।

रोबॉट ध्रुव के तंज आग में घी का काम कर रहे थे।
अगर तू इंसान होता तो अब तक तेरे चीथड़े पूरे हाइबरनेशन में बिखरे हुए होते, पर तेरा हश्र उससे भी बुरा करूंगा मैं।
तुझे नष्ट करके तुझे रीसायकल करूंगा और अपने लिए फौलाद के जूते बनाऊंगा।
ध्रुव को रीसायकल करने के लिए शेर का जिगर चाहिए, तूने तो अपने जिस्म में जिगर की जगह लोहा लगा रखा है।

रोबॉट ध्रुव को खत्म करने की जिद में अपने शरीर पर बेहिसाब फौलाद चढ़ा रहा था जॉन।
यह ध्रुव क्या कर रहा है, यह जानबूझ कर जॉन को अपने शरीर पर मेटल का अनुपात बढ़ाने के लिए उकसा रहा है।

अभेद्य रोबॉट ध्रुव के लिए भी अब जॉन के वारों को बर्दाश्त कर पाना मुश्किल हो रहा था।

लेकिन उसकी इच्छाशक्ति भी असली सुपर कमांडो ध्रुव के बराबर की थी और ध्रुव की इच्छाशक्ति के आगे तो आसमान को भी सर झुकाना पड़ता है।
तरस आता है मुझे तुझ पर, इतनी कोशिशों के बाद भी तू मुझे मात नहीं दे पाया।

जॉन विलियम के बर्दाश्त की इन्तेहां हो चुकी थी।

हाईबरनेशन में मौजूद लाइव मेटल के हर कतरे को जैसे वह खुद में समेट लेना चाहता था।

हिया!!!!

बाजी पलट चुकी थी, जॉन विलियम का पलड़ा भारी हो चुका था, कई हजार गुना भारी।

ठीक उसी पल ध्रुव भी वहां पहुंच चुका था।

श्वेता! तू ठीक तो है न?

भईया!! मैं ठीक हूं पर तुम यह क्या कर रहे हो? तुमने जॉन विलियम को उकसा कर उसे इतना शक्तिशाली बना दिया है कि अब रोबॉट ध्रुव भी उसका सामना नहीं कर पा रहा है।

सारी बात जानकार ध्रुव अवाक था और अब चौंकने की बारी श्वेता की थी।

नहीं, श्वेता! मैं रोबॉट ध्रुव को कण्ट्रोल नहीं कर रहा। मैंने तो वह कंट्रोलिंग डिवाइस उसी समय उतार दी थी जब मैं यहां हाइबरनेशन पहली बार आया था।

इसका मतलब रोबॉट ध्रुव अपनी खुद की ए. आई. से ऑपरेट कर रहा है!!

पर इसने ऐसा क्यों किया, यह जॉन को और शक्तिशाली क्यों बना रहा है?

नहीं, श्वेता! रोबॉट ध्रुव जॉन को शक्तिशाली नहीं कमजोर कर रहा है।

देखो, जॉन विलियम के शरीर में मेटल का अनुपात बढ़ने से उसके काउंटर प्रोग्राम पर अत्याधिक भार पड़ रहा है क्योंकि प्रोटोप्लास्ट सक्रीय होने की कोशिश कर रहा है लेकिन काउंटर प्रोग्राम उसे सक्रीय नहीं होने दे रहा।

रोबॉट ध्रुव ने यह सब कुछ मुझे वह मौका देने के लिए किया है जिसकी मुझे तलाश थी।

कैसा मौका?

जब जॉन विलियम अपनी हिस्ट्री, जियोग्राफी समझा रहा था तभी उसके काउंटर प्रोग्राम वाली बात पर मुझे यह विचार आया कि हर प्रोग्राम का एक डिफॉल्ट मोड होता है और अगर कोई भी प्रोग्राम लम्बे समय तक निष्क्रियता या हाइबरनेशन में चला जाए तो पुनः ऑपरेटिव होने के लिए वह स्वतः ही डिफॉल्ट मोड में चला जाता है।

प्रोग्राम जिस मोड में सबसे अधिक समय तक रहता है वही उसका आटोमेटिक डिफॉल्ट मोड बन जाता है।

तुम इसे लाने गए थे।

हां, श्वेता! प्रोटोप्लास्ट ने इस शरीर में बरसों बिताए हैं।

उसे अपनी निष्क्रियता से निकलने का सबसे उपयुक्त माध्यम फिलहाल यही मिलेगा।

और इसमें हमारी सहायता करेंगे डेसमंड और रोमारियो। इन दोनों ने इस चमगादड़मानव के शरीर को जिन गैजेट्स से लैस किया है वे प्रोटोप्लास्ट को इस शरीर में कैद कर देंगे और इससे बाहर नहीं निकलने देंगे।

पर ये दोनों...?

प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम के जनक, प्रोफेसर हैमंड के पोते हैं।

जॉन विलियम और प्रोटोप्लास्ट ने जिस फ्रीक्वेंसी पर एक-दूसरे से संपर्क साधा था उसका प्रयोग उन दोनों के अलावा हम भी कर रहे थे, इसी वजह से हमें यह पता चल गया कि प्रोटोप्लास्ट अब तक क्रियाशील है।

हिन्दुस्तान में आने का हमारा उद्देश्य ही प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम को तलाशना था।

हमारे पिता शुरुआत में इस प्रोग्राम को हासिल करना चाहते थे और इसी जूनून में उन्होंने आर्म्स कॉर्प्स खड़ी की।

अपनी मृत्यु से पूर्व उन्होंने हमें दादाजी के उन नोट्स की कॉपी सौंपी जिसमें प्रोटोप्लास्ट की विस्तृत जानकारी थी, साथ ही उसमें पापा के इस प्रोग्राम पर किए हुए रिसर्च का ब्यौरा भी था।

हमने उनकी रिसर्च को आगे बढ़ाया। क्योंकि हम जानते थे कि आने वाले समय में कभी भी प्रोटोप्लास्ट नामक जलजला मानवता को लील जाने के लिए सिर उठा सकता है।

यानी आप दोनों ने वह प्रोग्राम बना लिया है जो प्रोटोप्लास्ट को हमेशा के लिए खत्म कर देगा?

अगर यह काम इतना आसान होता तो हम कब का कर चुके होते, राजनगर के यूं हाइबरनेशन बनने और इतनी तबाही मचने का इंतजार नहीं करते। हम दोनों इस काबिल नहीं कि प्रोटोप्लास्ट को खत्म करने वाला प्रोग्राम बना सकें।

ऐसा प्रोग्राम या तो हमारे दादा जी प्रोफेसर हैमंड बना सकते थे या फिर कोई ऐसा जो उनके जितना ही बड़ा जीनियस हो।

वह कौन है?

वह तुम हो श्वेता।

व्हाट?

म...मैं! मैं कैसे? तुम दोनों को कोई गलतफहमी...

पर यह कैसे संभव है?

इन्हें कोई गलतफहमी नहीं हुई है श्वेता, यह बात प्रोटो-प्लास्ट भी जानता है, इसीलिए जॉन विलियम तुम्हें खत्म करने के लिए पागल हुआ जा रहा था।

संभव है श्वेता, जब मैं पहली बार प्रोटोप्लास्ट से मिला तो उसने मेरे दिमाग का प्रोटोप्लास्मिक एनालिसिस किया था, जिससे उसे मेरे दिमाग की तीक्ष्णता का पता चला। लेकिन मैं कोई साइंटिस्ट नहीं हूं, मैं प्रोटोप्लास्ट को खत्म करने के लिए किसी प्रोग्राम का निर्माण नहीं कर सकता था।

लेकिन तुम कर सकती थी।

मेरे दिमाग के जरिए प्रोटोप्लास्ट ने तुम्हारी जानकारी हासिल की, प्रोटोप्लास्ट को उसी समय यह पता चल गया कि प्रोफेसर हैमंड के बाद कोई ऐसा कुशाग्र बुद्धि वैज्ञानिक है जो उसे खत्म करने का दिमाग रखता है तो वह तुम हो।

इस बात की पुष्टि के लिए ही उसने मेटा-लिका को भेजा तुमने मेटा-लिका को लाइव मेटल ह्युमनॉ-इड्स के रूप में डेवेलप करके प्रोटोप्लास्ट के इस शक की पुष्टि कर दी।

जल्दी करो, श्वेता! हमारे पास समय बहुत कम है।

हम सारी तैयारी के साथ आए हैं।

प्रोटोप्लास्ट को इस चमगादड़ मानव के शरीर में लाकर हम लॉक तो कर सकते हैं, पर तुम्हें वह प्रोग्राम डेवेलप करना होगा जोकि प्रोटोप्लास्ट को हमेशा के लिए खत्म कर दे।

प्रोटोप्लास्ट से रिलेटेड सारी जानकारी इस लैपटॉप में है।

प्रोटोप्लास्ट ने इस लैपटॉप को चुराने के लिए ही वह रबर का गुड्डा भेजा था। पर उसकी किस्मत खराब थी कि उसकी मुठभेड़ ब्लैक कैट से हो गई। ब्लैक कैट इस लैपटॉप की डिटेल्स मुझे दे चुकी थी, तभी मुझे डेस्मंड और रोमारियो के इरादों का पता चला वर्ना मैं शुरुआत में इन्हें ही प्रोटोप्लास्ट का जनक समझ रहा था।

ल... लेकिन भईया, मैं कैसे...

मेरी आंखों में देख श्वेता...

मैंने अपने आज तक के जीवन में एक से बढ़कर एक इच्छाशक्ति के धनी देखे हैं, मैं एक असली फाइटर को उसकी आंखों में देखकर पहचान सकता हूं और मैं जानता हूं कि मेरी बहन एक फाइटर है, कभी हार ना मानने वाली एक जांबाज योद्धा।

तेरी चुलबुली शरारतें, तेरा डरपोकपन भी तेरी दृढ़ इच्छाशक्ति, तेरे मजबूत हौसले को मेरी नजरों से छुपा नहीं सकती। मैं जानता हूं कि जो तू एक बार ठान ले उसे पाने से तुझे फरिश्ते भी नहीं रोक सकते। तुझे खुद पर यकीन हो या ना हो पर तेरे इस भाई को अटूट विश्वास है कि प्रोटोप्लास्ट को खत्म करने के लिए प्रोग्राम सिर्फ तू ही बना सकती है।

हे भगवान्, एक सैकेंड को लगा कि चंडिका का राज गया आज।

अपने भईया के इस विश्वास के लिए तो श्वेता शैतान से भी लड़ जाए ये मकोड़ा प्रोटोप्लास्ट क्या चीज है?

ठीक उसी पल आसमान से जैसे उल्कापात हुआ।

रोबॉट ध्रुव!!

जॉन विलियम ने रोबॉट ध्रुव को भी परास्त कर दिया।
रोबॉट ध्रुव की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी...

श्वेता के रहते हरगिज नहीं!
प्रोटोप्लास्ट और जॉन विलियम के बीच चल रही जंग इसे पागलपन की हद तक विचलित तो कर रही है पर फिलहाल दोनों का एक ही मकसद है सर्वाइवल और उसके लिए वे...

...विनाश मचा देंगे।
यह हाईबरनेशन नहीं है, यह इंस्पेक्टर स्टील का राजनगर है...

...और इंस्पेक्टर स्टील के राजनगर में विनाश मचाने की किसी की जुर्रत नहीं हो सकती।
मैं सब कुछ सुन चुका हूं, तुम फिक्र मत करो, ध्रुव। जब तक श्वेता इसे खत्म करने के लिए टर्मिनेटर प्रोग्राम नहीं बना लेती...

...तब तक इसे रोकने का फर्ज यह फर्ज की मशीन निभाएगी।

प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम की मुझे सिर्फ एक ही कमजोरी समझ आई है, स्टील!

...यह प्रोग्राम अपने आस-पास मौजूद लोगों का प्रोटोप्लास्मिक एनालिसिस करके उनकी शक्तियों और क्षमताओं की काट तैयार करता है, पर यह खुद से किसी भी शक्ति की कल्पना कर पाने में सक्षम नहीं है।

जैसे इसने तुम्हारे और वंडर वुमन के टकराव और लाइव मेटल की जानकारी से लाइव मेटल फोर्स का प्लान बनाया। एक समय में ग्रैण्डमास्टर रोबो ने श्वेता और कमांडो फोर्स के साईबोर्ग प्रतिरूप बनाकर मुझे खत्म करने की कोशिश की थी।★

...उसी आईडिया के आधार पर इसने कमांडो फोर्स और श्वेता के लाइव मेटल ह्युमनॉइड प्रतिरूप तैयार किए।

यानी इसका मुकाबला किसी ऐसी शक्ति से करना होगा जिसे यह कॉपी या मॉडिफाई ना कर सके।

पर ऐसी क्या चीज हो सकती है?

ऊर्जा! यह ऊर्जा को रेप्लिकेट नहीं कर पाएगा।

अपनी मेगागन का फ्लेमथ्रोअर मोड ऑन करो स्टील...

...और इस पर तब तक आग उगलो जब तक की इसके शरीर पर मौजूद लाइव मेटल पिघलने ना लगे।

जॉन विलियम का इंसानी शरीर पिघलते लाइव मेटल का ताप बर्दाश्त नहीं कर पाएगा और यह कटे पंछी की तरह...

आह्ह....ईई...या..

★जानने के लिए पढ़ें ध्रुव का पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'एक दिन की मौत'।

...नीचे आ गिरेगा।

श्वेता भी अपने दिमाग का एक-एक कतरा झोंके हुए थी क्योंकि आज सिर्फ दुनिया ही नहीं, उसके भाई का उस पर विश्वास भी दांव पर लगा हुआ था।

बाप रे! क्या प्रोग्राम बनाया है प्रोफेसर हैमंड ने।

काश अभी अनीस सर होश में होते तो हमारा काम शायद कुछ आसान हो जाता।

तुम हमें इंस्ट्रक्ट करती जाओ, श्वेता! हम तुम्हारी इस प्रोग्राम को डेवेलप करने में हर संभव मदद करेंगे।

श्वेता, डेस्मंड और रोमारियो को प्रोग्राम डेवेलप करने में कुछ समय लगने वाला था।

PROGRAM ERROR

डैम इट!

और उतना समय मुहैया कराना इन राजनगर रक्षकों को बेहद भारी पड़ रहा था।

हर्र-हम्फ!! प्रोटोप्लास्ट प्रोग्राम सिर्फ मेरा है... मेरा गुलाम है यह...

मुझे कोई तुच्छ इंसान गुलाम नहीं बना सकता... प्रोटोप्लास्ट अविजयी है।

प्रोटोप्लास्ट और जॉन विलियम की आंतरिक जंग अपने चरम पर है स्टील, यही मौका है। फ्लेम थ्रोअर की इंटेंसिटी बढ़ाओ।

कोशिश कर रहा हूं, ध्रुव! अब तो इतना ताप मुझे भी विचलित कर रहा है।
कोशिशें अपना असर दिखा रही थीं।
यस! आइडिया काम कर गया, जॉन विलियम लोड शेडिंग कर रहा है। ताप बनाए रखो स्टील।
वाकई अपने फर्ज के आगे अपने अस्तित्व को भी दांव पर लगा दिया था स्टील ने।
ताप बना रहेगा ध्रुव!
अगर यह फौलाद का जिस्म मोम बनकर पिघलने भी लगे तो भी फ्लेम थ्रोअर का ताप तब तक कम नहीं करेगा स्टील जब तक इस राक्षस के जिस्म पर चढ़ा सारा इस्पात पिघल नहीं जाता।
ईइया!!!!
जिस्म पर चढ़ा लाइव मेटल पिघले सीसे की तरह पिघलते हुए जॉन विलियम के शरीर पर परत चढ़ा रहा था, उसके पास उससे निजात पाने के अलावा जिन्दा बचने का कोई दूसरा रास्ता नहीं था।

ROHAN

और ध्रुव इसी पल की प्रतीक्षा में था।

यही मौका है, स्टील! चमगादड़ मानव के शरीर को जॉन विलियम के संपर्क में लाना होगा।

अभी लो, ध्रुव।

हर्र... इतनी आसानी से हार नहीं मानूंगा

प्रोटोप्लास्ट को मुझसे हरगिज अलग नहीं कर सकते तुम लोग।

अशक्त होने के बावजूद जॉन विलियम प्रोटोप्लास्ट की वजह से पूर्णतः निर्बल नहीं हुआ है। प्रोटोप्लास्ट इतनी आसानी से डिफॉल्ट शरीर में प्रवेश नहीं करेगा।

लेकिन ऐसी कोई विषम परिस्थिति नहीं थी जिसका तोड़ उस दिमाग के महारथी के पास ना हो।

वुफ-वुफ-चीं-चीं-चीं

कुछ ही पलों में ध्रुव के मित्र सैकड़ों की संख्या में वहां पहुंच चुके थे।

हम्फ... नहीं... आह...

वुफ-वुफ-चीं-चीं-चीं (शाबाश साथियों, चारों ओर से इस पर वार करो। ध्यान बंटाओ इसका।)

स्टील जानता था कि उसके पास सब कुछ ठीक करने का यह आखिरी मौका है...

नहीं!!!!

धड़ाक

और स्टील मौका चूकने वालों में से नहीं था।

प्रोटोप्लास्ट अपने डिफॉल्ट शरीर में प्रवेश कर चुका था।

आह... नहीं... मैं फिर इस पशु शरीर में आ गया और... और... मैं इससे खुद को बाहर नहीं निकाल पा रहा हूं।

श्वेता के प्रयास भी सफलता में बदल रहे थे।

हो गया!! आखिरकार प्रोटोप्लास्ट को खत्म करने का प्रोग्राम बन गया।

PROGRAM SUCCESSFUL

बिना एक भी क्षण गंवाए ध्रुव ने वह प्रोग्राम चिप गैजेट स्लॉट में डाल दिया।

खटाक!!

बुरी तरह तड़प रहा था प्रोटोप्लास्ट।

क्रियां!!!!

प्रोग्राम के कोई भी ट्रेस नहीं हैं!! प्रोटो-प्लास्ट खत्म हो गया।

और उसके बाद सब कुछ शांत हो गया, जैसे किसी बड़े और भयावह तूफान के गुजर जाने के बाद चारों ओर शान्ति छा जाए।

राजनगर के उन अदम्य रक्षकों ने राजनगर पर आया वह भयावह तूफान टाल दिया था... शायद हमेशा के लिए।

जॉन विलियम ब्रेन डेड हो चुका है।

प्रोटोप्लास्ट और इसके बीच हुए मानसिक द्वंद्व ने इसके दिमाग को झंकझोर कर रख दिया है। इसे इसके किए का फल मिल चुका है।

कुछ देर बाद।

यानी रोबॉट ध्रुव की ए.आई. उस समय भी काम कर रही थी।

मैं तो अंत तक यही सोच रही थी कि रोबॉ ध्रुव को तुम कण्ट्रोल कर रहे थे ध्रुव।

हाइबरजोन में श्वेता के लाइव मेटल प्रतिरूप से रोबॉट ध्रुव की लड़ाई के समय मेरा संपर्क रोबॉट ध्रुव से कुछ समय के लिए कट गया था।

फिर जब संपर्क दोबारा जुड़ा तो श्वेता का प्रतिरूप निष्क्रीय हो चुका था, मुझे लगा कि शायद यह तुम लोगों ने किया।

रोबॉट ध्रुव की ए.आई. को उसकी भावनाओं ने सक्रीय किया था, बहन की रक्षा के उस वचन ने उसे जीवंत किया था जो एक भाई लेता है जब उसकी कलाई पर राखी बंधती है। इसके जनक ने इसकी ए.आई. को इसी अनुरूप बनाया था कि यह खुद को असली ध्रुव ही समझे...

मेरे लिए भी यह मेरा भईया है और एक ना एक दिन श्वेता अपने इस भईया को ठीक कर के रहेगी।

अपने नए जीवन की शुरुआत करनी है मुझे अमर, तुम्हारे और अभि के साथ और इस नए जीवन पर गुजरे कल की काली परछाई ना पड़े यह जरूरी है। ऑक्टोपसी के रूप में किए गए अपराधों की सजा काटकर ही मैं उस गुजरे कल से पीछा छुड़ा सकती हूं, इसलिए आत्मसमर्पण कर रही हूं।

जब तुम बाहर आओगी रोमा तब तुम्हें तुम्हारे अमर और अभि इंतजार में मिलेंगे। मैं वादा करता हूं कि अभि का वैसे ही ख्याल रखूंगा जैसे तुमने आज तक रखा है।

समाप्त